HRA an University of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

साप्ताहिक WEEKŁY

सं. 48]

नई दिल्ली, नवमार २३-- नवम्बर २९, २००३, शनिवार/अग्रहायण २-- अग्रहायण ४, १९३०

No. 48] NEW DELHI, NOVEMBER 23-NOVEMBER 29, 2008, SATURDAY/AGRAHAYANA 2-AGRAHAYANA 8, 1930

इस भाग में भिज्न पृष्ट संख्या दी जाती है जिससे कि यह पृथक संकलन के रूप में रखा जा सके Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

> भाग 11—खण्डं 3—डप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं Statutory Orders and Notifications Issued by the Ministries of the Government of India (Other than the Ministry of Defence)

कार्यालय मुख्य आयकर आयुक्त, जयपुर

<mark>बयपुर, 18</mark> नवम्बर, 2008

ਜੰ. 11/2008-09

का.आ, 3108.—आयकर नियम, 1962 के नियम 2 सी ए के साथ पठनीय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वां) की धारा 10 के खण्ड (23सी) की उप-धारा (vi) के द्वारा प्रदत्त शिवतयों का प्रयोग करते हुए मुख्य आयकर आयुक्त, अयपुर एतर्द्वारा निर्धारण वर्ष 2005-06 एवम् आगे के लिए कथित धारा के उद्देश्य से ''शारदा विद्या मन्दिर प्रक्रम्य समिति, अयपुर'' को स्वीकृति देते हैं।

बंशतें कि समिति आयकर नियम 1962 के नियम 2 सी ए के साथ पठनीय आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 10 के उपखण्ड (23 सी) की उप-धारा (vi) के प्रावधारों के अनुरूप कार्य करें 1

[क्रमांक : मुआआ/अआआ/(मुं.) जय/10 (23सी) (vi)/08-09]

बी. एस. ढिल्लों, मुख्य आयकर आयुक्त

OFFICE OF THE CHIEF COMMISSIONER OF INCOME TAX JAIPUR

Jaipur, the 18th November, 2008

No. 11/2008-09

S.O. 3108.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (vi) of clause (23C) of Section 10 of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) read with rule 2CA of the Incometax Rules, 1962 the Chief Commissioner of Incometax, Jaipur hereby approves "Sharda Vidya Mandir Prabandh Samiti, Jaipur" for the purpose of said section for the A.Y. 2005-06 & anwards.

Provided that the society conforms to and complies with the provisions of sub-clause (vi) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 read with rule 2CA of the Income-tax Rules, 1962.

[No. CCIT/JPR/Add], CIT (Hqrs.)/10 (23C) (vi)/2008-09]

B. S. DHILLON, Chief Commissioner of Income-tax

बा. एस. ।करता, मुख्य आयकर आयुक

(6199)

The second of th

जुराज और **प्रकारण मंद्रका**छ

: (¹⁰⁰ 학자 11) 함께 (1997)

THE BUSINESS OF THE STATE

With the organization of

MONTERY OF INFORMATION , NO SECONOMINE

more than the last of the Marie trians of their

A total Title of the entropy of the extrempt o

SANCESTAMBLE CONTRACTOR
TO FEEL OF THE

क्रमध्ये १ १ ४ ति सम्प्रात् । ११,१४ ता १,१४ ते १,१४ ति । इतिहरू १ १ ते द्वार १,४५० ते १ तुम्बर्ग १,४५० ते १,४० ते १

- ्रे पुरुष का विशेष कृष्यकीर को नेस्नु र
 - ्रा १८५ गाउँका गामासंस्य आसान्।
- त्रप्रत्य क्षण च्यांतर इत्यिक्ष क्षण । १ वह ।
- ः कृष्यम् असार्यकः जसमीयः सीरभाष्ट्र
 - ালা ১৯০ ফালি রাষ্ট্রেস, রাষ্ট্রেস
- त्रण्याः । अस्य सम्बद्धाः ।
- ে সংগ্ৰিচাৰ সভিস্থালৈ জুঞ্জ

्रिसं **इ**-1101% अल्लाहरू हैंगा। विश्व**ाद**्धिकेल्लाहरू स्टब्स्ट

New Dollain Companier, 2008

\$.17.2110. Alog to make a behilder (1), hade to of the Official Language scientific extremit Proposes of the Union) Rules, 1970 the Character was monthly invades the following suborder as offices of 1961. Our idealing (Ministry of Information 1963) to alcoholy make thousand of the staff where it has a copperating making knowledge of Hindi.

- Doordarshap? (hije Process?) a magainger a pathin
- Depostarsham foliar investor in permitter Rupar
- 3. Douglassharet, in its film order People
- d. Doordarshine is stronger from covery fill acceptable
- 5. Operdarspure Prince Universities, Chhattieger
- 6. Door Jarshan Low Love From Forter, Wadernathra,

So # 10017 a 2007 #1064.

PRO 1945 (DA. Distriction), 1-3

र्फाट्ट प्रक**लय**

Barrier de de tres

म² रेटिका १, १७८५ , (85)

की. जी. 3111, प्राप्तिक प्राप्ति स्विधारी रक्षण गर्भ स्थान अधिकार 1943 कर का श्राप्त भी अप १ के अंक (स.) की अनुस्रण में केचीर कार एत्य एस भाग का ग्राष्ट्रकाल, देका मात्री स्थानीय कर का का के १० (१०) (१०) के स्थान प्राप्तिक कर का का स्थान के स्था

िसं जिन्द्राप्तः : ३५०८)

ाति परिदेश अयम् अभिनः अतिकृतनः

MINISTRY OF PARENCE AND AREADS

(Cirk Dasie ent

Mery Delta is the medical depote 200%

S.O. M.O. In the subspace of the clause oil of the Section 2 of the Diplotter to and Consular Officers (Code, and feet) Act. 1908 (4) of 1908 (4); Clatter Clause of thereby authorize Shift forms Konco. Assistant to protect the duties of Absbitant Consular Office this see Leibosey of India, Doha.

55 F 1320 (Christ)

R. K. 13 SINDIA (local Sec. (Consular)

किं केलरी, १ असलार, 1965

कर्म, 3112, जर भाष कीपरंदे अस्करणे (जानका) पुल्क) **आधानमा** १९४९ - १८७८ को यह र को घटन के दु की अंश (क) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा भारत का उच्चायोग, किक्टोरिया, माहे में श्री संजय कुमार सहायक को 27-10-2008 से सहायक कौंसली अधिकारी का कार्य करने हेतु प्राधिकृत करती है ।

[ਚੀ. ਵੀ-4330/1/2006]

आर के. पेर्सिंदश, अवर सचिव (कौंशुलर)

New Delhi, the 27th October, 2008

S.O. 3112.—In pursuance of the clause (ii) of the Section 2 of the Diplomatic and Consular Officer (Oaths and fees) Act, 1948 (41 of 1948), the Central Government hereby authorize Shri Sanjay Kumar Dey, Assistant to perform the duties of Assistant Consular Officer in the High Commission of India, Victoria, Mahe (Seychelles).

[No. T. 4330/1/2006]

R. K. PERINDIA, Under Secy. (Consular)

भई दिल्ली, 12 **नथम्बर, 200**8

का,आ, 3113, --- राजनियक कौंसली अधिकारी (शपध एवं शुल्क) अधिनियम 1948 (1948 का 41) की धारा 2 के अंक (क) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा भारत का प्रधान कौंसलाबास, जांजीबार में श्री संजय कुमार, उच्च श्रेणी लिपिक से सहायक कौंसली अधिकारी का कार्य करने हेतु प्राधिकृत करती है ।

[ਚੰ. ਟੀ~4330/1/2006]

आर. के. पेरिंदिया, अवर सचिव (कौन्सुलर)

New Delhi, the 12th November, 2008

S.O. 3113.—In pursuance of the clause (ii) of the Section 2 of the Diplomatic and Consular Officers (Oaths and Fees) Act, 1948 (41 of 1948), the Central Government hereby authorize Shri Sanjay Kumar, UDC to perform the duties of Assistant Consular Officer in the Consulate General of India, Zanzibar.

[No. T. 4330/1/2006]

R. K. PERINDIA, Under Secy. (Consular)

वस्त्र मंत्रालय

नई दिल्ली, 18 नवम्बर, 2008

का.आ. 3114.—केन्द्रीय सरकार (संघ के शासकीय प्रयोजनों के प्रयोग के लिए) राजभाषा नियम, 1976 के नियम 10 के उपनियम 4 के अनुसरण में, चस्त्र मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले निम्नलिखित कार्यालय को जिसमें 90% से अधिक कर्मचारियों ने हिन्दी का कार्य-साधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिस्वित करती है :

 केंद्रीय मूगा एरी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, केंद्रीय रशम बोर्ड, वस्त्र मंत्रालय-भारत सरकार, लाइदोईगढ्-785 700 कोरहाट (असम) ।

- बुनियादी भीज प्रमुणन एवं प्रशिक्षण केंद्र, बुनियादी तसर रेशमकीट भीज संगठन, केंद्रीय रेशम बोर्ड, पाल्लहडा-159 119 जिला-अनगुल (बड़ीसा) ।
- बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केंद्र, केंद्रीय रेशम बोर्ड, लक्ष्मी दिवास, नौलखा मंदिर के सामने, पो. आश्रम करनीबाद, देवघर-814 112 (झारखंड) ।
- आंचलिक कार्यालय, केंद्रीय रेशम प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान, केंद्रीय रेशम बोर्ड, दूसरा तल, सत्यम कामशियल कॉम्मलेक्स, लिक रोड, बिलासपुर-495 001 (छत्तीसगढ)।

[सं. ई-11016/1/2005-किन्दी]

भूपेन्द्र सिंह, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF TEXTILES

New Delhi, the 18th November, 2008

S.O. 3114.—In pursuance of Sub-rule 4 of Rule 10 of the Official Language (Use for official purposes of the Union), Rules, 1976 the Central Government hereby notifies the following office under the Ministry of Textiles, whereof more than 90% staff have acquired working knowledge of Hindi:

- Central Muga art Research and Training Institute, Central Silk Board, Ministry of Textiles-Govt. of India, Laidoigadh-785 700 Jorhat (Assam).
- Basic Seed Multiplication and Training Centre, Basic Tasar Silkworm Seed organization, Pallahada-759 119, Distt. Angul (Orissa).
- Basic Seed Multiplication and Training Centre, Central Silk Board, Laxmi Newas, Inform of Naulakha Tempie, Post-Assam Karnibaad, Devghar-814 112 (Jharkhand).
- Regional Office, Central Silk Technology Research Institute, Central Silk Board, 2nd floor, Satyam Commercial Complex, Link Road, Bilaspur-495 001 (Chattisgarh).

[No. E-11016/1/2005-Hinoi]

BHUPENDRA SINGH, Jt. Secy.

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय (उपभोक्ता मामले विभाग)

(भारतीय मानक ब्यूरो)

नई दिल्ली, 14 नवम्बर, 2008

का,आ. 3115.—भारतीय मानक व्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के डपनियम (1) के खंड (ख) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतदृद्वारा अधिसूचित करता है कि नीचे अनुसूची में दिये नये सानक (कों) में संशोधन किया गया है :~

अनुसूची					
क्रम संशोधित भारतीय मानक	संशोधन की				
संख्या को संख्या और वर्ष	संख्या और	होने की तिथि			
	নিখি				
(1) (2)	(3)	(4)			
! आई एस (3365 (भाग))	। अक्तूबर,	३३ अक्तूबर			
1998	2008	2008			

इन संशोधनों की प्रतियाँ भारतीय मानक ब्यूगे, मानक भवन, 9 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002, क्षेत्रीय कार्यालयाँ : नई दिल्ली, कोलकाता, चण्डीगढ़, चेन्नई, मुम्बई तथ शाखा कार्यलयाँ : अहमदाबाद, चंगलौर, भोगाल, भुवनंश्वर, कोशम्बतूर, गुवाहाटी, हैरणवाद, जयपुर, कानपुर, पटना, पृणे तथा तिरूवनन्तापुरम में विकी हेतु उपलब्ध हैं।

[संदर्भ : सीईडी राजण्त]

ए. कं. सैनी, वैज्ञानिक 'एफ' एवं प्रमुख (सिविल इंजीनियरी) MINISTRY OF CONSUMER AFFAIRS, FOOD AND

PUBLIC DISTRIBUTION
(Department of Consumer Affairs)
BUREAU OF INDIAN STANDARDS

New Delhi, the 14th November, 2008

S.O. 3115.—In pursuance of clause (b) of sab-rule (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules, 1987, the Bureau of Indian Standards bereby notifies that amendment to the Indian Standards, particulars of which are given in the Schedule hereto annexed have been issued:—

SCHEDULE

SI. No.	No. and year of the Indian Standards	No, and year of the amend- ment	
(I)	(2)	(3)	(4)
1	IS 13365 (Part I): 1998	l October, 2008	31 October, 2008

Copy of this amendment is available for sale with the Bureau of Indian Standards. Manak Bhavan. 9, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110 002 and Regional Offices: New Delhi, Kolkata, Chandigarh, Chennai, Mumbai and also Branch Offices: Ahmedahad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneshwar, Coimbatore, Guwahati, Hyderahad, Jaipur, Kanpur, Nagpur, Patna, Pune, Thiruvananthapurare.

[Ref: ChD:Gazette]

A.K. SAINI, Sc. 'F' & Head (Civil tingg.) नई दिल्लो, 14 नवम्बर, 2008

का,आ. ३११६.—भारतीय मानक ब्यूते नियम, 1987 के नियम 7 के उप-नियम (1) के खंड (ख) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो ए**दर्द्वारा अधि**सूचित करता है कि नीचे अनुसूची में दिये गये मानक (कों) में संशोधन किया गथे किये गये हैं :

	अनुर	मूची	
	संशोधित भारतीय महत्तः (कों) की संख्या वर्ष और शीर्षक	संशोधन को संख्या और तिथ	संशोधन लाग् होने को तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)
1	आई एस !5111 (भाग !):	3 अक्टूबर,	।। नवम्बर
	2002 सामान्य प्रकाशः व्यवस्थाओं के लिए स्वतः वालास्टकृत लैम्पः १९४/ सुरक्षाः अपेक्षाएँ	2008	2008

इस भारतीय संशोधन को प्रतियाँ भारतीय मानक क्यूरो, मानक भवन, 9, बहादुर शाह जब्बर मार्ग, नई दिल्ली 110002. क्षेत्रीय कार्यालयाँ: नई दिल्ली, कालकाल, चण्डीगढ़, चेन्नई, मुम्बई तथा शाखा कार्यालयाँ: अहमदाबाद, बंगलीर, भाषाल, भुवनेश्वर, कोयम्बवूर, गुवाहाडों, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, पटना, गूणे तथा तिरूबनेन्नापुरम में बिक्की हेतु उपलब्ध हैं।

[संदर्भ : इंटो-23/टी-82]

प्रकाश बचानी, बैज्ञा, ई. (निदेशक) (विद्युत तकनीको विभाग) New Delhi, the 14th November, 2008

S.O. 3116.—In pursuance of clause (b) of sub-rule (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rulea, 1987, the Bureau of Indian Standards hereby nouries that amendment to the Indian Standard, particulars of which are given in the Schedule hereto annexed have been issued

SCHEDULE

Sł. No.	No. and year of the Indian Standards	No, and year of the amend- ment		
(I)	(2)	(3)	(4)	
I	IS 15111 (Part 1). 2002 Self Ballasted Lamps for General Lighting Services: Part/Safety Require- ments	3 October, 2008	11 November, 2008	

Copies of this amendment are available with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9. Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110 002 and Regional Offices New Delhi, Kolkata Chandigarh, Chennai, Mumbai and also Branch Offices: Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneshwar, Coimbatore, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Nagpur, Patna, Pune, Thiruvananthapuram.

[Ref : FT-23-T-82]

PRAKASH BACHANI, Sc. E (Director) Electronic Department

नई दिल्ली, 19 नवम्बर, 2008

का.आ. 3117,—भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन) विनियम, 1988 के विनियम (5) के उप-विनियम (6) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्द्वारा अधिसूचित करता है कि निम्न विवरण वाले लाइसींसीं को उनके आगे दर्शायी गई तारीख से रद कर दिया गया है :—

अनुसूची

क्रम संख्या	लाइसँस संख्या सीएम/एल	लड़सेंसधारी का नाम व पता	लाइसेंस के अंतर्गत चस्तु/प्रक्रम सम्बद्ध भारतीय मानक का शोर्घक	रद्द करने की तिथि
1.	7486390	•	एल्युमीनियम कंडक्टर फार ओवरहैड ट्रांसमिशन परपस आईएस 398 पार्ट 4	27-8-2008

[संख्या सीएमडी-13:13]

पी. के. गम्भीर, उप महानिदेशक (मुहर)

New Delhi, the 19th November, 2008

S.O. 3117.—In pursuance of sub-regulation (6) of the regulation 5 of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations, 1988 of the Bureau of Indian Standards, hereby notifies that the licences particulars of which are given below have been cancelled with effect from the date indicated against each:—

SCHEDULE

SL No.	Licences No. CM/L	Name and Address of the Licensee	Article/Process with relevant Indian Standards covered by the licence cancelled	Date of Cancellation
1.	7486390	Suyog Electricals Ltd. A-2, 2205, GIDC, Halol Distt. Panchmahal-389350	Aluminium Conductors for overhead transmission purpose IS 398 (Part 4)	27-8-2008

[No. CMD/13:13]

P. K., GAMBHIR, Dy. Director General (Marks)

नई दिल्ली, 19 नवस्कर, 2008

का.आ. 3118,—भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन) विनियम, 1988 के नियम 4 के डप-विनियम (5) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्द्वारा अधिसूचित करता है कि जिन लाइसँसों के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, वे स्वीकृत कर दिए गए हैं :—

अनुसूची अगस्त 2008 में स्वीकृत किये लाइसेंस

क्रम संख्या	लाइसेंस संख्या	फर्म का नाम तथा पता	बस्पाद का नाम तथा आई एस नंबर	स्वीकृत करने की तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	7861794	मदमावती डैकोर प्रा. लि. प्लाट नंबर 47/48, फेस 1, जी आई डी सी वापी 396195, क्लसाद	प्लाईवुड फार जनरल परपस आई एस 303 : 1989	08-08-2008
2.	7865705	पदमावती डैकोर प्रा. लि. प्लाट नंबर 47/48, फेस 1, जी आई टी सी वापी 396195, वलसाद	वीनस्ड हैकोरेटिव प्लाईवुड आई एस 1328 : 1996	22-08-2008

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
3.	7860489	श्रीजो कृषा बैंगल वर्क श्रोष नंदर 5, पुनित शॉपिंग सेंटर बालाजा रोड, सूरत	स्थर्ण तथा स्वर्ण मिथ धातुओं के आभूवर्णों शिल्पकारी शुद्धक एवं पृत्रसंकत आई एस 1417 : 1999	64-68-2008
4.	7860590	ओम ज्वैलर्स, 1162), सोनो को खादकी के गामन एम जी हवेली रोड, मानेक चोक अहमराबाद	स्तर्ण तथा स्वर्ण मिश्र धानुको को आभूषणों शिलपकारी शुद्धता एवं सुहर्गकत आई ११म १८३७ : 1999	64 -08-2005
5.	7863293	भातकृष्णः ज्वैतर्सः, डॉ. मार्घः संड, एर तथा पी ओ, सप्तनुका हिप्स्तनगरः, सम्बरासांक	स्वणं तथा स्वर्णं मिश्र धात् ः हे आभूषणां शिल्पकारी शुद्धतः पर्व गृहनकः आई एस १४४७ : 1990	12: 08-7088
6.	7864804	पितृछाया बैंगल यधी शाप नगर । पुनित शॉपिंग सेंटर, बेलाजी महर्स स्कूल की सामनें, स्थल	स्त्रणं तथा स्वर्णं सिश्च धातुःग्रॅं के जम्भूत्रणों शिल्पकारी शुद्धना एवं सहस्रकार आई एस १४।७ : 1999	18-08-2008
7.	7866707 •	के वीरचंदभाई गोरुड पैलेस, 37-38, सिटी वाईट मार्किट, स्टेंशन रोड, पाटर भेहसाना	स्वर्ण तथा स्वर्ण मिश्र धातुःखं कं आभूषणों शिल्पकारी शुद्धता एवं भूहरांकन आई एस 1417 : 1999	25-08-2008
к.	Танжок	मानेकताल वी ज्वेलस्य भामडीवाड की पास, सर्वोदय के सप्ता. आरंद	स्त्रणं तथा स्वर्णं मिश्र धातुओं के आभूषणों शिल्पकारी शुद्धता एवं मुहराकन आई एस 1417 : 1999	25 08 - 2008
9.	7868610	राजीमाः हैल्थ क्रेया इंडस्ट्रीज, बहुन्त रोड, लिलेसरा पावर स्टेशन के धेन्छे, ध्ललेसरा, गोधरा, पंचमङ्गल	पैक्रेजर्यंद पेयजल आई एस 14543 : 2004 ,	29-08-2008
10.	7867810	संगम इलॅजिट्कल. ई ५, चिरमू अपार्टमीट, आजार संग्रहली के सामने, अंबावाडी, अहम्सावार-।:	स्यार्ट्स फार फ्लोतेसेंट लेम्थ आई एस 2215	28 - 08 - 2008
11.	7862089	डभृक प्रनास्टो टैक्निक प्रा. लिफि [ं] छ. एन एच 14, दीसा हाईने, होटल फंट वृद्ध सामने वदरपुरा, पालनपुर उत्तर मृज्यतः	स्वमर्सिबल पम्पसैट आई एस 8034 : 2002	08 OX-2008
ι2.	78627Wi	अमरज्योत इंडस्ट्रीज, सर्व नंधर 208/2, एट तथा पी आं माधवास, इलोल कलोल हाइवे रोड, कलोल	स्रवमर्सिन्नल पम्पसैट आई एस 8034 : 2002	12 (08) 2908
13.	7864703	वर्धमान गम्प. ३६३, आशीर्बाद, फुट महिकेट नगरः	स्रथमसियल प्रम्यसेट आई एस 8034 : 2002	2005 S0-81

43 ग्रेड ओ पी सी

आई एस ४। 12 : 1989

22, 08, 2668

रांड, अहमदाव्यद

14. 7866101

श्रीराम सिमेंट लिपिटेंड,

305, रोमरी भॅजिल, सम्मान ऋप्यतंत्रता सत्त्रम् मध्य के सामने, जिथपुर ग्रेमयंत्रस्य

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
15.	7865503	साबर पम्प प्रा. लि. यूनिट 2, शिव शक्ति एस्टेट, खेमचंद दयालजी गोडाउन के पीछे, नेशनल हाईबे नंबर 8, नारोल अहमदाबाद	इलैक्ट्रिक मोनोसैट पम्प फार कलीयर कोल्ड बाटर फार एग्रीकलचरल तथा बाटर सप्लाई आई एस 9079 : 2002	21-08-2008
16.	7864093	पंकन इलैक्ट्रिकल, 13/5, संकस्प एस्टेट, पन्ना एस्टेट रोड, बी ओ सी के पीछे, सोनी की चाल के पास, रखियाल अहमदाबाद	ओपलवैल सबमर्सिबल पम्पसैट आई एस 14220 : 1994	14-08-2008
17.	7865196	डिलाईट पम्प, 40, तिरूपति एस्टेट, अंबर सिनेमा के पीछे, बापुनगर अहमदाबाद	ओपलवैल सबमर्सिबल पम्पसैट आई एस 14220 : 1994	19-08-2008
18.	7867 20 4	बालाजी फाइबर रेनिफोर्स प्रा. लि. सर्वे नंबर 293–1 और 2, सकारदा, भादरवा रोड, पोचा क्रांसिंग के पास गाँव पोचा खंडी		26-08-2008
19.	78626 9 5	सकेत बिवरेज, महालक्ष्मी मेदिर के सामने, नाडा रोड, शाहेरा, पंचमहल	पैकेजबंद पेयजल आई एस 14543 : 2004	12-08-2008
20.	7863394	शक्ति बिवरेज, 168, कृष्ण एस्टेट, कोहिनूद फ्लोर मिल के पास में, गोरवा वडोदरा	पैकेजबंद पेयजल आई एस 14543 : 2004	13 -08-2 008
21.	7866909	एल एस विवरेज इंडस्ट्रीज 39 महागुजरात इंडस्ट्रियल एस्टेट, रिलायेंस पेट्रोल पम्प के पास, गाँव मोरिया, चौगोदर, ता. सानंद, अहमदाबाद	पैकेजबंद पेयजल आई एस 14543 : 2004	26~08-2008
22.	7867002	भूमि बिवरेज, भाग्योदय होटल बिल्डिंग, सरखेज सानंद हाइचे, अहमदाबाद	पैकेजबंद पेयजल आई एस 14543 : 2004	26-08-2008
23.	7867608	डिलक्स बिवरेज, जलाय मंदिर गामडी रोड के पास, दाहोद-389170	पैकेजबंद पेयअल आई एस 14543 : 2004	27-08-2008
24.	7868105	फ्रेश पैकेजड ड्रिकिंग वाटर ब्राह्मण फालिया, गुजराती स्कूल के पीछे, दिनडोली उथना	पैकेजबंद पेयजल आई एस 14543 : 2004	29-08-2008
25.	78682 06	पैसिफिक फिनस्टाक लिपिटेड, ५ वीं मॉजल, गालब चैम्बर्स, सरदार स्टैचू के पास, सवाजीगंज, बडोदरा	पैकेजबंद पेयजल आई एस 14543 : 2004	29-08-2008
26.	7868408	सनराईस विवरंज तथा फूड, 1?-18, सम्राट इंडस्ट्रियल एस्टेट रेलवे क्रासिंग के पास, गोदादरा दिनडोली रोड, सूरत	पैकेजबंद पेयजल आई एस 14543 : 2004	29-08-2008

New Delhi, the 19th November, 2008

S.O. 3118... In pursuance of sub-regulation (5) of the regulation 4 of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations 1988, of the Bureau of Indian Standards, hereby notifies the grant of licences particulars of which are given in the following schedule:

SCHEDULE

Granted licences for the month of August 2008

S. No.	Licence No.	Name of the firm and address	18 Number & Product	Date of Grant
1	2	3	4	5
ı	7861794	Padmavati Decor Pvt Ltd. Plot No 47/48 Phase-1 GIDC Vapi 396195, Valsad	Plywood for General Purposes 1S 303: 1989	8-8-2008
2	7865705	Padmavati Decor Pvt Ltd, Plot No 47/48 Phase-1 GIDC Vapi 396195, Valsad	Veneered Decorative Plywood IS 1328:1996	22-8-2008
3	7861489	Shreeji Krupa Bangles Works Shop No 5 Punit Shopping Centre Balaji Road Surat	Gold and Gold Alloys, Jewellery/Artefacts-Fineness and Marking IS 1417:1999	4-8-2008
	7860590	Aum Jewellers 1162/1, Opp Soni Ni Khadki, M G Haveli Road, Manek Chowk, Ahmedabad	Gold and Gold Alloys. Jewellery/Artefacts-Fineness and Marking IS 1417:1999	+8-2008
5	7863293	Balkrushna Jewellers Dr. Gandhi Road, At & Po, Taluka Himatnagar Dist Sabarkantha	Gold and Gold Alloys. Jewellery/Artefacts-Fineness and Marking IS 1417:1999	12-8-2008
6	7864804	Pitruchhaya Bangle Works Shop No.1, Punit Shopping Centre. Opp. Balaji Girls School Surai	Gold and Gold Alloys. Jewellery/Artefacts-Fineness and Marking IS 1417:1999	18-8-2008
7	7 8 66707	K. Virchandbhai Gold Palace 37-38, City Point Market, Station Rood, Patan Mehsana	Gold and Gold Alloys, Jewellery/Artefacts-Pineness and Marking IS 1417:1999	25-8-2008
8	7866898	Maneklai V. Jewels Near Gamdivad, Opp. Sarvoday Anand	Gold and Gold Alloys, Jewellery/Artefacts-Pineness and Marking IS 1417:1999	25-8-2008
9	7868610	Shalimar Health Care Industries Baroda Road Behind Lilesra Power Station Lilesra Godhra Dist Panchmahals	Packaged Drinking Water IS 14543:2004	29-8-2008
10	7867810	Sangam Electricals E/9, Birju Apartments, Opp. Azad Society, Ambawadi, Ahmedabad 15	Starters for Fluorescent Lamps IS 2215:2006	28-8-2008

]	2	3	4	5
1	7862089	Duke Plasto Technique Pvt. Ltd., N. H. 14 Deesa High Way, Opp. Hotel Green Wood, Badarpura, Palanpur (N. Gujarat)	Submersible Pumpsets IS 8034:2002	8-8-2008
2	7862796	Amarjyot Industries Survey No. 208/2, At & PO Madhwas, Halo!-Kalo! Highway Road, Tal-Kalo!	Submersible Pumpsets IS 8034:2002	12-8-2008
3	7 864 703	Vardhman Pumps 212 Ashirwad Estate Opp Fruit Market Naroda Road, Ahmedabad	Submersible Pumpsets IS 8034:2002	18-8-2008
14	7866101	Shriram Cement Limited 305 Third Floor Samaan Complex, Opp Satyam Mall Jodhpur Premchandnagar Raod Satellite, Ahmedabad	43 grade ordinary Portland cement [58112:1989	22-8-2008
15	7865503	Sabar Pumps Pvt. Ltd. (Unit 2), Shiv Shakti Estate Behind Khemchand Dayaljee S Godown National Highway No. 8 Narol, Ahmedabad	Electric Monoset Pumps for Clear, Cold Water for Agricultural and Water Supply Purposes IS 9079:2002	21-8-2008
16	7864093	Pankaj Electricals 13/5 Sankalp Estate Panna Estate Road B/H BOL Near Soni Chal Rakhial Ahmedabad	Openwel) Submersible Pumpsets IS 14220:1994	14 -8-2008
17	7865196	Delite Pumps 40, Tirupati Estate, B/H, Amber Cinema, Bapunagar	Openwell Submersible Pumpsets IS 14220:1994	19-8-2008
18	7867204	Balaji Fibre Reinforce Pvt. Ltd. Survey No. 293-1&2, Sakarda Bhadarva Road, Near Poicha Crossing, Village Poicha (Khandi)	GRP pipes joints and fittings for sewerage, industrial waste and water (other than potable) IS 14402:1996	26-8-2008
19	7862695	Sanket Beverages Opp Mahalaxmi Temple, Nada Road, Shahera Panchmahal	Packaged Drinking Water IS 14543:2004	12-8-2008
20	78 63394	Shakti Beverages 168, Krishna Estate, Beside Kohinoor Floor Mill, Gorwa Vadodara	Packaged Drinking Water IS 14543:2004	13-8-2008
21	7866909	L S Beverages Industries 39, Maha Gujarat Industrial Estate, NR Relience Petrol Pump, Village Moriya Changodar, Tal Sanand, Dist Ahmedabad	Packaged Drinking Water IS 14543:2004	26-8-2008
22	7867002	Bhoomi Beverages Bhagyoday Hotel Building Sarkhej Sanand Highway, Ta Ahmedabad	Packaged Drinking Water IS 14543/2004	26-8-2008

6208	TIB	GAZETTE	OF	INDIA : NOVEMBER	29, 2008/AGRAHAYANA 8, 193	i0 [Par	or HSuc. 3(n)]

1	3	3		5
23	7867608	Delux Beverages NR Jalai Mandir Gamdi Rosal Dahod 389170	Packaged Drinking Water IS 14543:2004	27-8-2008
24	7868105	Fresh Packaged Drinking Water Brahmin Fatra Behand Gujarati School Dindo at Jihaa	Packaged Drinking Water IS 14543.2001	29-8-2008
25	7868306 .	Pacific binstock ind 9di Fioor Galay Charicus Near Sardar Stanic Sayajiganj Vadodara	Packaged Drinking Water IS 14543(2004	29-8-2008
26	7868408	Sunrise Beverages & 1960 17-18 Samrat Industrial Industrial Near Ratiway Crossing, Godadam-Dindoli Roll Entant	Packaged Drinking Water 18 14543:2001	29-8-2008

[No.CMD 13:11]

P. K. GAMBHIR, Dy. Director General (Marks)

वर्ष 'दलली, 20 **नश्रम्बर, 2008**

का, 31.19.— भारतीय पातक क्यूरी प्रमाणण (अनियम 1988 के बिनियम 5 के उपति नेयम 6 के अनुसरण में भारतीय पानक क्यूरी एतद्द्वारा अधिसृचित करता है कि निम्न विवरण बाप १५८.१५८ को उनके आगे दर्शायी गई तारीख से ग्राह कर विधा गया है :- 26-7-3008 में 25-8-2008

अधिसूची

क्रम संख्या	लाइमंस संख्या	लाउसीसधारी का नाम व पनः	लाइसेंस के अंतर्गत वस्तृ प्रक्रम सम्बद्ध भारती मानक कर प्रीर्पक	रद्द करने की लिख
ı	2994s	अप आर विन्छल्स भाला न. 3 ॲन्ड एन.ए., १५८, १८८, १८८५ जॉल, चंदरपाकडी संख्य धानू १८ १८८ करिकली परिचय, पुंचई ४०१८	भा. मा. 4246:2002 सिगल, इबल, विमल और फोर बर्नर मटेनलंस स्टील बांटी के साथ ब्रास कॅप. सी आय वर्नर, एल पी जी के साथ प्रयोग हेतृ चरेल् गैस स्टीव	5-8-2008

[साएमडी:(3:(3)]

पी, कं, गम्भीर, उप महानिदंशक (मृहर)

Now Octoo the 20th November, 2008

S.O. 3149. In pursuance of sub-regulation (6) of regulation 5 of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations 1988, the Bureau of Indian Standards, have by notifies that the licences particulars of which are given in the following schedule have been cancelled with after from the date indicated against each.

SCHEDULE

S.No.	Licence No	Name and address of the licenses	Article/Process with relevant Indian Standard covered by the licence cancelled	Date of Cancellation
1	1149948	R R Windals Gata No. 3& A-10, Planta ita songli	IS 4246: 2002	5-8-2008
		Chayl, Bandarpakadi Road, Dhanukar Wada Soc Evali (W) Mumbai =400067	Single, Double, Triple and Four Burner Stainless Steel Body with Brass Cap.	
		Greater Bombai Kandiyali West Maharashter 400057	C I Burner	

[No CMD 1813]

भई दिल्ली, 20 नवस्बर, 2008

का,आ, 3120.—मारतीय मानक ब्यूरो प्रमाणन विनियम 1988 के बिनियम 4 के उप∸विनियम 5 के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्द्वारा अधिसूचित करता है कि जिन लाइसेंसों के विवरण नीचे दिए गए हैं, वे स्वीकृत कर दिए गए हैं :- 26-7-2008 से 25-8-2008

अधिसूची

क्रम संख्या	लाइसेंस संख्या	लागू तिथि	लाइसेंसधारी का नाम च पता	उत्पाद	भा, मा, सं./ भाग/अनु/वर्ष
1	2		3 4		5
1.	7 86509 5	18-08-2009	वीर इंजिनीयरिंग ऑन्ड अप्लायन्सेस, पहला माला, रोड नं. 3, सिंग इस्टेट, ठाकुर विलेज, कोदिवली (पूरी), मुंबई-400101	एल पी जी के साथ प्रयोग हेतू घरेलू गैस स्टोब	भा. मा. 4246:2002
2	7864396	17-08-2009	रुक्मिणीरामः स्टोल रोलिग्स, (मेल्टिंग डिव्हीजन), प्लॉट र्न. एल-17, कनकोलिम इंडस्ट्रियल इस्टेट, कनकोलिम, सालसेट, गोवा-403703,	सामान्य संरचना इस्पात में पुनर्वेल्लन के लिए कार्बन ढलवां इस्पात, बिलेट, इंगट बिलेट, ब्लूम और स्लैब की विशिष्टी	भा. मा. 2830:1992
3.	7860994	29-07-201 I	कावेरी ज्वेलर्स, 7, भाई-धाम निवास, यशोधाम नगर के नजदीक, बस स्थानक, लोकमान्य नगर नं. 2, ठाणे – 400606	स्वर्ण और स्वर्ण मिश्र धातुओं के आभूषण/शिस्पकारी- शुद्धता व मुहर्राकन	भा. सा. 1417:1999
4,	7863802	12-08-2011	प्रकाश जवेरी ए-66, बिग-स्प्लॅश, सेक्टर 17, काशी, नवी मुंबई 400705	स्वर्ण और स्वर्ण मिश्र धातुओं के आभूषण/शिल्पकारी- शुद्धता व मुहरांकर	भा. मा. 1417:1 999
5.	7863192	3-08-2011	मंगलमणी ज्वेलसं, शॉप नं. 9, भैरव कृषा बिल्डिंग, लक्ष्मी मार्केट के सामने, एन जी आचार्य मार्ग, स्टेशन रोड, चेंबूर, मुंबई-400071	स्वर्ण और स्वर्ण मिश्र धातुओं के आभूषण/शिल्पकारी- शुद्धता व मुहरांकन	भा. मा. 1417:1999
6.	7866606	24-08-201 I	नवकार ज्वेलर्स शॉप न. १, ठाकुर आर्केड, विवा सुपर मार्केट, वसई विकास बैंक, विरार (पश्चिम), ठाणे 401303	स्वर्ष और स्वर्ण मिश्र धातुओं के आभूषण/शिल्पकारी- शुद्धता व मुहरांकर	भा. मा. 4 ७: 999
7.	7862392	10/08/2009	वेस्ट कोएस्ट इनगॉट्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. 1, कुदैम इंडस्ट्रियल इस्टेट, कुदैम, उत्तर गोत्रा 403115	सामान्य संरचना इस्पात में पुनर्वेल्लन के लिए कार्बन ढलवाँ इस्पात, बिलेट, इंगट बिलेट, ब्यूम और स्लैब की विशिष्टी	भा. मा. २४३०: १५५२

1		3	,	4	5
8.	786a8404	24/08/2009	क्वीट्रज मेरान इंडस्ट्रीज, (ए डिविज्या ऑफ वसचीर मेटरस्यू ऑन्ट शवर प्रा. लि.), एस न. १६३-१ ४, म्ययली पाँच, सिरुवास, १९६ और नार डवे ली -396230	श्रीमान्य संरचना प्रयोजनों कं लिए इस्थल-थिशिष्टि	भा. मा. 2062: 1999
9.	7864295	12/08/2011	शाः, ज्वन्यः लुम्याजी ओस्पालः १९४९म्, वाजार्वेतः, स्लागिरीः चिपतुन ४१५६॥६	स्थर्ण और स्वर्ण मिश्र श्रदुओं के आभूषणः शिक्षकारी सुद्धता व सुध्यक्तर	भा. मा. 1417: 1999
.0ı	7859306	28/07/2011	ज्बेलरवॉ, ३२०, पुरषोतम विला, ३३९, पुरपोलम चिला, सातवॉँ रोड, खार, मृंबर-400052	स्वर्ण और स्वर्ण मिश्र धातुओं के आभृषणः शिल्पकारी शुद्धता व मृहर्गकार	भा. मा. 1487: 1999
[Ι,	7864497	13/08/2011	डकाल अंडवाईजर लिमिटेड, चौदहवाँ मालो, एक्सप्रेस टॉबर, नरीमन घॉईट, मुंबई-400021	रवर्षे और स्वर्ण मिश्र धानुभी के आभूगणः शिल्पकारो सुद्धता व मृहर्यकत	भा. मा. 1417: 1999
(2.	7861188	03-08/2011	आर जी बँगल प्राप्ति , चूनिट ने 252 , ग्र-जेड डॉडिस्ट्रथन इस्टेट , जो को मार्ग लोक्स परेल , मुंबर्ट 4000 ।	ध्यणं और स्वर्ण मिश्र धातुओं के आभूगणः शिल्पकारी-शुद्धता व मृहरांकत	भा. मा. 1417: 1999
13.	7862241	10-08/2009	भोदित इस्पान निमिटेड, फ्लॉटे ते १३५५,३५०, कुदैम इस्रोयर पन इस्टेट पोद्धा उत्तर पीचा ५०४३३५	भाषास्य यरचनाः इ.एमतः वं गुनर्वल्लान कः 'लये कार्यन दल्लां इ.एमतः, चिलंदः, इंगेट चिलंदः, च्लुमः और, स्नीच को विभिष्टि	भा. मा. 2830: 1992
[-1 .	78(06,30,3	24.08/2009	श्री केंग्यब अध्यम प्रार्टित गट नं. १९७, ऑक भारत कटिलायजर गेट, चापुल खेरबाडी , तालुका काडा, टाप्पे	स्पमान्य क्षेत्रपण प्रयोजना की लिए उत्पाल विशिष्टि	भाः मः 2060: 1999
15.	7850GBI	31 07 2011	अनमील ज्वेलक्षे. ३. विक्ला कवर चील. फूलोर हा को. आय.आय.दी. मेन गेट. १९८, गुंबई-400076	स्कारी प्रोत स्वर्ण सिश्र यान् प्रोते के आभूषणः जिल्लाकारी शहरण ब मुदर्ग कर	भा. मा. 417: 1990
Įū	7861289	03:08/2011	आर्या गालक. 209, पार्वनी वर्धारहय ल इस्टेट, सर्वामक कॉस्स्ट्रॉच, लंध्यर परेल. प्रिंपट (1000) (क्याते और स्थापी किश्र अवस्था का आभाषण विकासको-शृद्धना च पुरसकत	भा. मा. 1417: 1990
17.	78(450)	13 08 2041	एत. एस ज्वेलको, बी.२. सेक्टर १८३४ ४ .	कार्यक्ष और स्वर्ण मिश्र अस्टार के आभूषक	भा, छ। 1447) (५९७

1	2	3	4	5	6
18.	7863091	10-08-2011	कोहिनूर ज्वेलर्स, *	स्वर्ण और स्वर्ण मिश्र	भा. मा.
-			7, सुकुमार कॉर्नर, दाऊद आग,	धातुओं के आभूषण/	1417: 1 99 9
			127 जे.पी. रोड, अंधेरी (पश्चिम),	शिल्पकारी-शुद्धता व	
			मुंबई-400058	मुह रांकन	
19.	7859508	29-07-2011	एस.जी. बाफना ज्वेलर्स प्रा.लि.,	स्वर्ण और स्वर्ण मिश्र	भा मा
			275, बाजारपेठ पोलिस स्टेशन,	धातुओं के आभूषण/	1417 : 199 9
			भिवंडी, उाणे 4000 58	शिल्पकारी-शुद्धता व	
				भुहरांकन	
20.	7859104	28-07-2011	डो-निलएक्सपोर्ट ॲन्ड इम्पोर्ट,	स्वर्ण और स्वर्ण मिश्र	मा. मा.
			502, रिगल, एस व्ही रोड,	थातुओं के आभूषण/	1417: 1999
			साताकुज परिचम,	शिल्पकारी-सुद्धता व	
			मुं बई 400054	मुहरांकन	
21.	7864905	12-08-2011	एडवेन्चर ज्वेलर्स,	स्वर्ण और स्वर्ण मिश्र	भा, मा,
			सुन्निथ मार्केट, किलवानी रोड,	धातुओं के आभूषण/	1417; 1999
			सिल्वासा, दादरा ॲन्ड नगर हवेली-396230	शिल्पकारी-शुद्धता व	
				मुहरांकन	
22.	7864602	13-08-2011	ऑल्बिन ज्बेलर्स,	स्वर्ण और स्वर्ण मिश्र	भा. मा.
			307, गोल्डम प्लाजा,	धातुओं के आमूषण/	!417: 1 999
			93/95, धानजी स्ट्टि,	शिल्पकारी-शुद्धता च	
			मुंबई-400003	मुहरांकन	
23.	7860 6 91	31-07-2011	जाधव ज्येलर्स,	स्वर्ण और स्वर्ण मिश्र	भा. मा.
			शॉप नं. जी./37, नेहरू नगर,	धातुओं के आभूषण/	1417: 1999
			बर्वे रोड, कुर्ला पूर्व,	शिल्पकारी-शुद्धता व	
			मुंबई-400024	मु हरांक न	
24	.7858708	21-07-2011	हितेश ज्वेलर्स,	स्वर्ण और स्वर्ण मिश्र	भा. मा.
			7/9, डी डी प्लाजा,	धातुओं के आभूषण/	1417: 1999
			तीसरा अगियारी लेन,	शिल्पकारी-शुद्धता व	
			103/105, प्रथम तल,	मुहरांकन	
			जावेरी बाजार, ग्रेटर बाम्बे,		
			महाराष्ट्र 400003		

[सं. सी एम डी/13 : 11]

पी.के. गम्भीर, उप महानिदेशक (मुहर)

New Delhi, the 20th November, 2008

S.O. 3120 — In pursuance of sub-regulation (5) of Regulation 4 of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations, 1988, the Bureau of Indian Standards, hereby notifies the grant of licences particulars of which are given below in the following schedule: (26 July, 2008 to 25 August, 2008)

SCHEDULE

Sl. No.	Licence No.	Validity Date	Name and Address (factory) of the Party	Product	IS No./Part/ Sec/Year
j	2	3	4	5	6
1	7865095	18-8-2 009	Veer Engineering & Appliances, 1st Floor, Road No. 3, Singh Estate, Thakur Village, Kandivali (E), Greater Bombay, Mumbai, Maharashtra-400101	Domestic Gas Stoves for use with Liquefied Petrolcum Gases- Specification	

<u> </u>	2	3	4	5	6
2 .	7861188	03-08-2011	R.G. Bangle Pvt. Ltd., Unit No. 252, A-Z Industrial Estate, G.K. Marg, Lowerparel, Greater Bombay, Mumbai, Maharashtra-400013	Gold and Gold Alloys, Jewellery/Artefacts Fineness and Marking Specification	IS:1417 1 99 9
3.	7862291	10-08-2009	Mohit Ispat Limited, Plot No. 339/340 Kundaim Indl. Estate, Kundaim. Ponda, GOA. North Goa, Kundaim, Ponda, Goa-403115	Carbon steel cast billet ingots, billets, blooms and slabs for re-rolling into steel for general structural pur- poses	IS 2830 : 1992
4 ,	7866303	24-08-2009	Shree Vaishnav Ispat Pvt. Ltd., gut No. 352, off Bharat Fertilizer Road, Bagul Kharewali, Thane Tal wada Maharashtra	Steel for General Structural Purposes- Specification	IS 2062 : 1999
5.	7859609	31-07-2011	Anmol Jewellers, 3, Vimia Sadan Chawl, Opp. Phulora Hsg. Soc., IIT Main gate, Powai. Greater Bombay, Mumbai, Maharashtra-400076	Gold and Gold Alloys, Jewellery/Artefacts Fineness and Marking- Specification	1999
6.	7861289	03-08-2011	Arya Gold, 209, Parvati Indl. Estate, Summill Compound, Lower Parel. Greater Bornbay, Mumbai, Maharashtra-400013	Gold and Gold Alloys, Jewellery/Artefacts Fineness and Marking Specification	IS 1417 ; 1999
7.	7 8 6450i	!3-08-2011	S.M. Jewellers B/2, Sector 15, 13/18, Bldg. No. 8, Road No. 4 Vashi, Thane Navi Mumbai, Maharashtra-400703	Gold and Gold Alloys, Jewellery/Artefacts Fineness and Marking- Specification	1999
8.	7863091	10-08-2011	Kohinoor Jewellers, 7, Sukumar Corner, Dawood Baug, 127 J.P. Road, Andheri (W), Greater Bombay, Mumbai, Maharashtra-400058	Gold and Gold Alloys, Jewellery/Artefacts Fineness and Marking- Specification	1999
9.	7859508	29-07-2011	S.G. Bafna Jewellers Pvt. Ltd., 275, Bazarpeth, Opp. Bazarpeth Police, Station Thane, Bhiwandi, Maharashtra-421302	Gold and Gold Alloys, Jewellery/Artefacts Fineness and Marking- Specification	1999
0.	7859104	28-07-2011	Do-Nil Export and Import 502, Regal, S.V. Road, Santacruz (W), Greater Bombay, Maharashtra-400054	Gold and Gold Alloys, Jewellery/Artefacts- Fineness and Marking- Specification	1999
I.	7864905	12-08-2011	Adventure Jewellers Supreme Market, Kilwani Road, Silvassa Dadra and Nagar Haveli Silvassa, Dadra and Nagar Haveli- 396230	Gold and Gold Alloys. Jewellery/Artefacts- Fineness and Marking- Specification	1999
2.	7864602	13-08-2011	Allwin Jewellers, 307, Golden Plaza, 93/95, Dhanji Street, Greater Bombay, Mumbai, Maharashtra-400003	Gold and Gold Alloys, Jewellery/Artefacts- Fineness and Marking- Specification	1999

<u> </u>	2	3	4	5	6
23.	7860691	31-07-2011	Jadhav Jewellers, Shop No. G.37, Nehru Nagar, Barve Road, Kurla (E), Greater Bombay, Mumbai Maharashtra-400024	Gold and Gold Alloys, Jewellery/Artefacts- Fineness and Marking Specification	1999
4.	7858708	21-07-2011	Hitesh Jeweliers 7/9, DD Plaza, 3rd Agiyari Lane, 103/105 Ist Floor, Zaveri Bazar, Greater Bombay, Maharashtra-400003	Gold and Gold Alloys, Jewellery: American Finences and Marking Specimenton	1003

[No.CMD 17 11]

P.R. GAMDELIK DV Discorr General (Marks

नई दिल्ली, 20 नवम्बर, 2008

का.आ. 3121. भारतीय मानक ब्यूसे नियम 1982 के नियभ 7 के उपनियम (१) के खंड ्रक्ट के पुरस्त में फारतीय मानक ब्यूस एतद्द्वारा अधिसूचित करता है कि चीचे अनुसूची में दिये गये भागता , कों) में संशोधन किया गया/कि किया है :

	अनुमृचीः					
क्रम संख्या	संशोधित भारतीय पानक की संख्या और वर्ष	संसोधन की संख्या और तिथि	संशोधन लागू होने <i>का</i> संशिध			
(1)	(2)	(3)	(4)			
1	आई एस 4326 : 1993	संशोधन संख्या ४, अक्तूबर, 2008	31 अक्तूबर 2008			

इन संशोधनों की प्रतियाँ भारतीय मानक स्थूरो, यानक क्यू रहा अपर मार्ग, नई दिल्ली-110002, क्षेत्रीय कार्यालयों : नई दिल्ली, कोलकाता, चण्डीगढ़, जेलाई, मुम्बई तथा गण ः ः विदाबाद, बंगलीर, भोपाल, भुवनेश्वर, कोयम्बतूर, गुवाहाटी, ईदराबाद, जयपुर, कानपुर, नागपुर, पटना, पृणे तथा तिमार रण्णाणः ः विद्व उपलब्ध हैं।

ा संदर्भ : सीईडो/राजफ्त {

ए, के. सैनी, वैज्ञानिक 'एफ ' एवं प्रमुख (सिविल इंजीनियरी)

New Delhi, the 20th November, 2008

\$.0. 3121—In pursuance of clause (b) of sub-rule (1) of of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules, 1987, the Bureau of Indian Standards hereby notifies that amendment to the Indian Standards, particulars of which are given in the Schedule hereto annexed have been issued:

SCHEDULE

SI. No.	No. and year of the Indian Standards	No. and year of the amendment	Date from which the amendment shall have effect
<u>(1)</u>	(2)	(3)	(4)
1	15 4326 :1993	Amendment No. 4, October 2008	31 October 2008

Copy of this amendment is available for sale with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110 002 and Regional Offices: New Delhi, Kolkata Chandigarh, Chennai, Mumbai and also Branch Offices: Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneshwar, Coimbatore, Guwabati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Nagpur, Patna, Pune, Thirovananthapuram.

[Ref: CED/Gazette]

A. K. SAINI, Sc. 'F' & Head (Civil Engg.)

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली, 11 नवस्थर,, 2008

का. आ. 3122.— केन्द्रीय सरकार पेट्रोलियम और खिनज पहिपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन जारी, भारत के राजपत्र, तारीख 08-02-2008 में प्रकाशित भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का आ. संख्या 255 तारीख 09-02-2008 द्वारा उस अधिसूचना से उपाबद अनुसूची मंडल-पालसमुद्रम, जिला- चिंत्तूर, राज्य आन्ध्रप्रदेश में चेन्नै पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, मनाली कि रिफैनेरी से देवनपुष्टि टर्मिनल, बैंग्लुर तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए इंडियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटेड, द्वारा पाइपलाइन बिछाने के उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आराय की घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां ता. 20-05-2008 को जनता को उपलब्ध करा दी गई थी ;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को रिर्पेंट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोंट पर विचार करने के पश्चात यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूचि में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित किया जाए;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि पाइपलाइन बिछाने के लिए इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूचि मे विनिर्देश्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत् शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय सभी विल्लगमों से मुक्त होकर प्रकाशन की तारीख़ से इंडियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटेड निहित होगा ।

अनुसूची

भंडल : पालसमुदुम	জি লা	: चित्तूर		राज्य :	आन्ध्रप्रदेश
	संबद्धण स-		क्षेत्रफल		
गाँव का नाम	खण्ड सं.	उप-खण्ड सं.	हेक्टर	एयर	वर्ग मिटर
1	2	3	4_	5	6
47, श्रीकावेरिराजुपुरम	111	8	00	Φ0	61
	111	9	00	00	81
	11 1	15	00	02	83
	•				
48, पालसमुदूम	76	9	00	01	21
49, वेंगलराजुकुष्पम	185	2	00	02	83
	148	5	00	02	63
	86	2	00	00	81
	33	θ	00	80	10
50, अपुदला	265	5	00	07	29
	2 5 1	10	00	61	62
51, अमिदुला पुत्तुर	98	1	00	00	, 81
+·,	98	2 ^	QO.	00	81
	98	3	00	01	21
	103	2	00	00	81

[फा. सं. आर-25011/5/2007-ओ.आर.-1].

एस, के, चिटकारा, अवर सचिव

Ministry of Petroleum and Natural Gas

New Delhi, the 11th November, 2008.

S.O.3122.—Whereas by the notification of the Government of India. Ministry of Petroleum and Natural Gas. S.O.No. 255 dated 09-02-2008 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act. 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the Right of tiper in the land specified in the schedule relating to Mandal Palasamudram, Dist. Oxidoor, State Andhra pradesh, annexed to that notification for the purpose of laying pipeline for the transportation of Petroleum Product from Refinery of Chempal Petroleum Corporation Limited, manali to Devanguthi Terminal, Bangalore, by the Indian Oil Corporation Limited.

And whereas, the copies of the said Gazette Notification were made available to the general public on date of \$20.05 \cdot 2008;

And whereas the Competent Automaty has under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Central Government:

And whereas, the Central Government after considering the said report is satisfied that Right of User in the issec specified in the Schedule appended to this notification should be acquired.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by bub-section (1) of the section 6 of the said Act, the Contrat Government hereby declares that the Right of User in the land specified in the Schedule annexed to this notification is hereby acquired for laying the pipeline

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby direct that the Right of User in the said land shall instead of vesting to the Central Government, vests from the date of publication of this declaration is the Indian oil corporation limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

mandal : Palasamudram	Dist.	it : Chittoor	State : Andhra Pradesh		
Name of the Village	Sorvey file	Sub-Division No.		Area	<u> </u>
assume of the alliage	8950 8 O y 1 a 2	Sub-Division No.	Hectory	Are	Sq Mtr
1	2	3	4	5	6
47, SRIKAVERIRAJUPURAM	i:1	8	00	00	81
	1,1	9	Q:)	no	81
	111	15	00	02	83
48, PALASAMUDRAM	70,	9	QO .	01	21
49, VENGALRAJUKUPPAM	4.04	2	00	02	83
	(2 <u>4.9</u>	5	0 0	02	83
	86	2	9G	00	81
	33	ؽ	00	08	10
50. AMUDALA	265	5	00	07	29
	251	10	00	01	62
51, AMIDULA PUTTUR	1).3	1	60	CO	81
	93	2	00	00	81
	gg.	3	00	01	21
	107	2	00	Q0	81

[F. No. R-25011/5/2007-O.R.-I]

S. K. CHITKARA, Under Secy.

नई दिल्ली, 11 नवम्बर,, 2008

का. आ. 3123.—क्रेन्ट्रीय सरकार पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन जारी, भारत के राजपत्र, तारीख 08-02-2008 में प्रकाशित भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का आ. संख्या 258 तारीख 09-02-2008 द्वारा उस अधिसूचना से उपाबद्व अनुसूची मंडल-क्तितूर, जिला- चित्तूर, राज्य आन्ध्रप्रदेश में चेन्नै पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, मनाली कि रिफैनेरी से देवनपृष्टि टर्मिनल, बैंगलुर तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए इंडियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटेड, द्वारा पाइपलाइन बिछाने के उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशर की धोषणा की थी:

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां ता. 20-05 -2008 को जनता को उपलब्ध करा दी गई थी ;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को रिर्पोट दे दी है:

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिर्पोट पर विचार करने के पश्चात यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से उपा**बद्व** अनुसूचि में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित किया जाए;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 8 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि पाइपलाइन बिछाने के लिए इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूचि मे विनिर्देष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय सभी विल्लगमों से मुक्त होकर प्रकाशन की तारीख से इंडियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटेड निहित होगा ।

अनुसूची

मंडल : चित्तूर	जिला	जिला : चित्तूर		राज्य : आन्ध्रप्रदेश			
	सर्वक्षण स-		क्षेत्रफल				
गाँव का नाम	खण्ड सं.	उप-खण्ड सं.	हेक्टर	एयर	वर्ग मिटर		
1	2	3	4	5	6		
55, अनंतपुरम	212	2A	00	04	05		
	177	2	00	00	81		
è	177	5	00	00	81		
•	· 112	9	00	02	43		
	112	6	00	03	24		
	114	3	00	01	21		
	114	9 7	00	00	81		
	115	7	00	00	81		
57, तालांबेडु	51	5D	00	00	81		
	51	5C	00	00	81		
	51	8	00	01	21		
	63	1	00	00	81		
	63	2	00	01	21		
	63	5	00	02	43		
	63	6	00	02	02		
	63	9	00	01	21		
	63	10	00	00	81		

6218

			 - ·		···
(2	3	4	5	6
57,ताल िइ ५	69	" 2	ÜÜ-	01	62
	69	1A	90	04	05
58 , चिंतलगुंटा	41	11	00	01	21
६६ , भारिमापहिल	2 57	3	00	02	02
	66	3	00	00	81
61, अनुष्परस	153	7	00	00	81
		···-	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·		· · · · · ·

[फा. सं. ७३१ 25811/**5/2007-ओ,आर** -

एम. के, चिटकारा, अवर सरि

New Delhi, the 11th November, 2008.

S. O. 3123.—Whereas by the notification of the Government of India. Ministry of Petroleum and Natural Gas. S.O.No. 256 dated 09-02-2008 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the land specified in the schedule relating to Mandal Chittoor, Dist. Chittoor, State Andhra pradesh, annexed to that notification for the purpose of laying pipeline for the transportation of Petroleum Product from Refinery of Chennal Petroleum Corporation Limited, manali to Devanguthi Terminal, Bangalore, by the Indian Oil Corporation Limited .

And whereas, the copies of the said Gazette Notification were made available to the general public on date of 20 -05 -2008;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Central Government;

And whereas, the Central Government after considering the said report is ... satisfied that Right of User in the land specified in the Schedulo appended to this notification should be acquired.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the Right of User in the land specified in the Schedule annexed to this notification is hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby direct that the Right of User in the said land shall instead of vesting in the Central Government, vests from the date of publication of this declaration in the Indian oil corporation limited free from all encumbrances :

SCHEDULE

Mandal : Chittoor	District	: Chittoor	State : Andhra Prades		
Name of the Village	Survey No.	Sub-Division No.	Area		
	Guivey 140.	Sub-Division No.	Hectare	Afe	Sq. Mtr.
1	2	3	4	5	6
55, ANANTAPURAM	212	2A	00	04	05
	177	2	00	00	81
-	177	5	00	00	81
	112	9	00	02	43
	112	6	00	03	24
	114	3	00	01	21
	114	9	00	00	81
	115	7	00	00	81
57, THALAMBEDU	51	5D	00	00	81
	51	5C	00	00	81
	51	8	00	01	21
	63	1	00	00	81
	63	2	00	01	21
	63	5	00	02	43
	63	6	00	02	02
	63	9	00	01	21
	63	10	00	00	81
	69	2	00	01	62
	69	1A	o'o	04	05
58, CHINTALAGUNTA	41	11	00	01	21
60, NARIGAPALLE	257	3	00	02	02
	99	3	00	00	81
61, ANUPPALLE	153	7	00	.00	81

[F. No. R-25011/5/2007-O.R.-I] S. K. CHITKARA, Under Secy.

नई दिल्ली, 11 नवस्थर,, 2008

का. आ. 3124.—कुन्द्रीय सरकार पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन जारी, भारत के राजपत्र, तारीख 08-02-2008 में प्रकाशित भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक मैस मंत्रालय की अधिसूचना का आ. संख्या 257 तारीख 09-02-2008 द्वारा उस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची मंडल-गंगावरम, जिला- चित्तूर, राज्य आन्ध्रप्रदेश में चेन्नै पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, मनाली कि रिफैनेरी से देवनगृहि टर्मिनल, बैंगलुर तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए इंडियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटेड, द्वारा पाइपलाइन बिछाने के उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां ता. 20-05-2008 को जनता को उपलब्ध करा दी गई थी ;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को रिपीट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपेंट पर विचार करने के पश्चात यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूचि में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित किया जाए; अतः, अब, केन्द्रीय सरकार ठक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत शक्षितयों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि पाइपलाइन विछाने के लिए इस अधिसूचना से उपाबद्र अनुसूचि में विनिर्देष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित्त होने के बजाय सभी विल्लगमों से मुक्त होकर प्रकाशन की तारीख़ से इंडियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटेड निहित होगा ।

अनुसूची

मंडल : गंगावरम	जिला	जिली : चित्तूर			राज्य : आन्ध्रप्रदेश		
गाँव का भाग	सर्वेक्षण से-		क्षेत्रफल				
	खण्ड सं.	उप-खण्ड सं.	हेक्टर	एयर	वर्ग मिटर		
1	2	3	4	5	6		
74, गंगावरम	76 ì	7	<u> </u>	02	43		
	759	3A	00	16	32		
	759	3	00	04	05		
75. मारेडुपल्लि	131	7A	60	00	81		
	129	3	60	02	Ú2		
76, दंडपल्लं	904	18	00	06	48		
78, मायाःहुम्	GÐ1	2	Q0	01	62		
	661	4	00	01	62		
	523	1	0 0	08	10		
	523	28	CO	07	29		
	573	2C	00	01	21		
79, पारिकोडा	424	3	90	65	26		
	421	1	00	បទ	48		
	3552	1/4	QQ	12	96		
_	150:	1	00	01	62		
80. केोलापल्य	117	3 .	00	05	26		
	91	1	00	03	07		
	91	4	GO	92	02		

[फा. सं. आर-250 17572007 ओ.आर. 4]

्रस. के. चिरुकारा, अवर सचिव

New Delhi, the 11th November, 2008

5. 0. 3124.—Whereas by the notification of the Government of India. Ministry of Petroleum and Natural Gas. S.O.No. 257 dated 09-02-2008 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the land specified in the schedule relating to Mandal Gangavaram, Dist. Chittoor, State Andhra pradesh, annexed to that notification for the purpose of laying pipeline for the transportation of Petroleum Product from Refinery of Chennai Petroleum Corporation Limited, manali to Devanguihi Terminal, Bangalore, by the Indian Oil Corporation Limited.

And whereas, the copies of the said Gazette Notification were made available to the general public on date of 20 - 05 -2008;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Central Government;

And whereas, the Central Government after considering the said report is satisfied that Right of User in the land specified in the Schedule appended to this notification should be acquired.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the Right of User in the land specified in the Schedule annexed to this notification is hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby direct that the Right of User in the said land shall instead of vesting in the Central Government, vests from the date of publication of this declaration in the Indian oil corporation limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

Mandal : Gangavaram	District	: Chittoor	Stat	State : Andhra Pradesh		
	T	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·		Area		
Name of the Village	Survey No.	Sub-Division No.	Нестаге	Are	Sq. Mtr.	
1	2	3	4	5	6	
74, GANGAVARAM	761	7	00	.02	43	
	739	3A	00	18	32	
	769	3	00	04	05	
75, MAREDUPALLI	131	7A	00	00	81	
(4)	129	3	00	02	02	
76, DANDAPALLE	808	1B	00	0 6	48	
78, MAMADUGU	661	2	00	01	62	
	661	4	00	01	62	
	523	1	00	CB	10	
	523	2B	90	07	29	
	523	2C	00	01	21	
79, PATHIKONDA	421	3	00	05	26	
, , , , , , , , , , , , , , , , , , , ,	421	1	00	06	48	
	312	1A	00	12	- 96	
	150	1	00	01	62	
80, KEELAPALLI	117	3	00	05	26	
~ -3 ·	91	1	00	06	07	
	91	4	90	02	02	

[F. No. R-25011/5/2007-O.R.-I] S. K. CHITKARA, Under Secv.

नई दिल्ली, 11 नवम्बर,, 2008

का. आ. 3125.—केन्द्रीय सरफार पेट्रोलियम और खॉनज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन जारी, भारत के राजपत्र, तारीख 08-02-2008 में प्रकाशित भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का आ. संख्या 258 तारीख 09-02-2008 द्वारा उस अधिभूचना से उपाबद अनुसूची मंडल-विजयपुरम, जिला- चित्तूर, राज्य आन्ध्रप्रदेश में चेन्नै पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, मनाली कि रिफैनेरी से देवनगृष्टि टर्मिनल, बैंगलुर तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए इंडियन ऑस्टल कार्पोरेशन लिमिटेड, द्वारा पाइपलाइन विकान के उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आराय की घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र अभिसूचना की प्रतियां ता. | 20- 95 -20**08 को जनता को उपलब्ध** करा से गई थी ;

और सक्षम प्राधिकारी ने दक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को रिपोंट दे दी हैं:

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपेटि पर विचार करने के पश्चात यह समाधान हो पया है कि इस अधिसूचना से उपाबद्व अनुसूचि में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित किया जाए;

अत:, अब, केर्न्ट्राय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि पाइपलाइन विछाने के लिए इस अधिसूचना से उपाबद्व अनुसूचि मे विनिर्दष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निर्देश देती हैं कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय सभी विल्लगमों से मुक्त होकर प्रकाशन की तारीख़ से इंडियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटेड निहित होगा ।

अनुसूची

मेंडल : विजयपुरम	जिला	: चित्तूर		साज्य :	आन्ध्रप्रदेश	
गाँव का नाम	सर्वक्षण स-	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल			
गायकानाम	खण्ड सं.	् ४५-७५६ स.	हेक्टर	एयर	वर्ग मिटर	
1	2	3	4	5	6	
28. श्रीहरिपुरम	136	15A	00	01	62	
	133	19	00	02	83	
	124	2	Q O	04	86	
	124	3	00	06	07	
	124	5	00	Q1	21	
29, महाराजापुरम	47	2	00	09	10	
- -	45	5	00	07	29	
32, पायअस्कोड	246	3	00	02	43	
	101	1	00	00	81	
	154	3A	00	07	29	
	154	3B	00	Oβ	10	
	155	6	00	07	29	

[फा, सं. आर-25011/5/2007-ओ.आर.-1]

एस. के. चिटकारा, अवर सचिव

New Delhi, the 11th November, 2008

S.O. 3125,—Whereas by the notification of the Government of India. Ministry of Petroleum and Natural Gas. S.O.No. 258 dated 09-02-2008 under sub section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the land specified in the schedule relating to Mandai Vijayapuram, Dist. Chittoor, State Andhra pradesh, annexed to that notification for the purpose of laying pipeline for the transportation of Petroleum Product from Refinery of Chennai Petroleum Corporation Limited, manali to Devanguthi Terminal, Bangalore, by the Indian Oil Corporation Limited.

And whereas, the copies of the said Gazette Notification were made available to the general public on date of 20-05 -2008;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Central Government;

And whereas, the Central Government after considering the said report is satisfied that Right of User in the land specified in the Schedule appended to this notification should be acquired.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the Right of User in the land specified in the Schedule annexed to this notification is hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby direct that the Right of User in the said land shall instead of vesting in the Central Government, vests from the date of publication of this declaration in the Indian oil corporation limited free from all encumbrances.

e.	C١	16	nı	11	

Mandal : Vijayapuram	District	District : Chittoor		State : Andhra Pradesh		
	C	C. A. Division Ma	Area			
Name of the Village	Survey No.	Sub-Division No.	Hectare	Are	Sq. Mtr.	
1	2	3	4	5	<u> 6</u>	
28, SRIHARIPURAM	136	15A	00	01	62	
-	133	t9	00	02	83	
	124	2	00	04	86	
	124	3	00	06	07	
	124	5	00	01	21	
29, MAHARAJAPURAM	47	· 2	00	08	10	
**,	48	5	00	07	29	
32, PATHA ARCOD	246	3	00	02	43	
	101	1	00	00	81	
	154	3A	DQ	07	29	
	154	3B	00	08	10	
	155	6	00	07	29	

[F. No. R-25011/5/2007-O.R.-I]

नई दिवको, 11 नवम्बर्,, 2008

का, आ. 3126. — केन्द्रीय सरकार पेट्रोलियम और खिनज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की ठप-धारा (1) के अधीन जारी, भारत के राजपन्न, तारीख 08-02-2008 में प्रकाशित भारत सरकार के घेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का आ. संख्या 259 तारीख 09-02-2008 द्वारा उस अधिसृचना से उपाबद्ध अनुसूची मंडल-बैरेड्रीपल्लि, जिला- चित्तूर, राज्य आ-घप्रदेश में चेन्नै पेट्रोलियम कोर्पोरशन लिपिटेड, मनाली कि रिफैनेरी से देवनगुट्टि टर्मिनल, बैंगलुर तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए इंडियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटेड, द्वारा पाइपलाइन बिछाने के उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आश्व की धोषणा की थी:

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां ठा. २०-०५-**२००४ को जनता को उपल**ब्ध करा दी गई थी ;

और सक्षभ प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम को धारा 6 को उप-धारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को रिपींट दे दी हैं:

और केन्द्रीय संस्कार का उक्त रिपोंट पर विचार करने के **पश्चात यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से** उपाबद्व अनुसूचि में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग %। अधिकार **अर्जित किया जाए**;

अतः, अथः, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा ६ की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि पाइपलाइन विछाने के लिए इस अधिसूचना से उपाबद्र अनुसूचि मे विनिर्देष्ट भूमि में उपयोग के आधिकार का अर्जन किया जाता है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा ६ की उपधारा (4) द्वारा प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित्त होने के बजाय सभी विल्लगमों से मुक्त होकर प्रकाशन की तारीख से इंडियन ऑक्ट कार्योरशन लिमिटेड निहित होगा ।

अनुसूची

मंडल : बैरेडीपल्लि	जिला	जिला : चित्तूर		राज्य : आन्ध्रऽ		
गाँव का नाम	सर्वेद्धण सं-			क्षेत्रफल		
	खण्ड सं.	ं. े उप-खण्ड स. े	हेक्टर	एयर	वर्ग मिटर	
i	2	3	4	-5	6	
83, गांः पार्चाभवप्रकृतः	66	1	00	01	21	
84, সাংগ্ৰেজন	2020	1	00	<u>06</u>	07	

[फा. सं. आस. 25041/5/2007: ओ.आर.-1] एस. के. चिटकास, अधर सचिव

New Delhi, the 11th November, 2008

S. O. 3126.—Whereas by the notification of the Government of India. Ministry of Petroleum and Natural Gas. S.O.No. 259 dated 09-02-2008 under sub section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its Intention to acquire the Right of User in the tand specified in the schedule relating to Mandal Baireddypalli, Dist. Chittoor, State Andhra pradesh, annexed to that notification for the purpose of laying pipeline for the transportation of Petroleum Product from Refinery of Chennai Petroleum Corporation Limited, manali to Devanguthi Terminal, Bangalore, by the Indian Oil Corporation Limited.

And whereas, the copies of the said Gazette Notification were made available to the general public on date of 20 -05 -2008;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Central Government;

And whereas, the Central Government after considering the said report is satisfied that Right of User in the land specified in the schedule appended to this notification should be acquired.

Now, therefore, in exercise of the powers conterred by sub-section (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the Right of User in the land specified in the Schedule annexed to this notification is hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby direct that the Right of User in the said land shall instead of vesting in the Central Government, vests from the date of publication of this declaration in the Indian oil corporation limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

Mandai : Baireddypalli	District	: Chittoor-	State : Andhra Pradesh			
	Survey No.	Duk Division Ma	Area			
Name of the Village		Sub-Division No.	Hectare	Are	Sq Mtr.	
1	2	3	4	5	6	
83, GOLLACHEEMANAPALLI	65	1	00	01	21	
84, ALAPALLI	269	1	00	06	07	

[F. No. R-25011/5/2007-O.R.-I.] S. K. CHITKARA, Under Secy.

नई दिल्ली, 11 नवस्बर,, 2008

का. 31. 3127.— क्रेन्द्रीय सरकार पेट्रोलियम और खिनज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन जारी, भारत के राजपत्र, तारीख 08-02-2008 में प्रकाशित भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का आ. संख्या 260 तारीख 09-02-2008 द्वारा उस अधिसूचना से उपायद्व अनुसूची मंडल-चंगारुपालेम, जिला- चित्तूर, राज्य आन्श्रप्रदेश में चेन्नै पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, मनाली कि रिफैनेरी से देवनगृष्टि टर्मिनल, बँगलुर तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए इंडियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटेड, द्वारा पाइपलाइन बिछाने के उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आश्रम की घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां ता, 20 - 05 -2008 को जनता को उपलब्ध करा दी गई थी :

और सक्षम प्राधिकारी ने डक्त अधिनियम की धारा 6 की डप-धारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को रिपॉट दे दी है:

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिर्पोट पर विचार करने के पश्चात यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से उपाबद्व अनुसूचि में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित किया जाए;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की भारा 6 को उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते_. हुए यह घोषणा करती है कि पाइपलाइन बिछाने के लिए इस अधिसूचना से उपाबद्व अनुसूचि मे विनिर्देष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है.।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय सभी विल्लामों से मुक्त होकर प्रकाशन की तारीख़ से इंडियन ऑयल कार्परेशन लिपिटेड निहित होगा ।

अनुसूची

गंडल : बंगारुपालेम	<u> </u>	: चित्तूर		राज्य :	आन्ध्रप्रदेश
गाँव का नाम	संवक्षण स-			क्षेत्रफल	
भाग का गाम	खण्ड सं.	े उप-खण्ड सं.	हेक्टर	एयर	वर्ग मिटर
1	2	3	4	- 5	6
69, अंब्रुवरिपहिला	:03	2	00	 O1	62
	99	1	00	02	83
70, गोल्लामल्ले	90	6	00	02	02
	90	8	00	01	21
	147	1	00	10	12
72, गोगिनि	173	2	00	02	02
	172	2	00	03	24
	99	2	00	04	05
	4 6	1	00	09	31
	140	5	00	02	02
	48	4	60	08	10
_	51	4	00	11	34

New Delhi, the 11th November, 2008

S. O. 3127.—Whereas by the notification of the Government of India. Ministry of Petroleum and Natural Gas. S.O.No. 260 dated 09-02-2008 under sub section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the land specified in the schedule relating to Mandal Bangarupalyam, Dist. Chittoor, State Andhra pradesh, annexed to that notification for the purpose of laying pipeline for the transportation of Petroleum Product from Refinery of Chennai Petroleum Corporation Limited, manall to Devanguthi Terminal, Bangalore, by the Indian Oil Corporation Limited And whereas, the copies of the said Gazette Notification were made available to the general public on date of 20 -05 -2008:

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Central Government;

And whereas, the Central Government after considering the said report is satisfied that Right of User in the land specified in the Schedule appended to this notification should be acquired.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the Right of User in the land specified in the Schedule annexed to this notification is hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby direct that the Right of User in the said land shall instead of vesting in the Central Government, vests from the date of publication of this declaration in the Indian oil corporation limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

Mandal : Bangarupalem	District : Chittoor		State : Andhra Pradesh			
	C	Dur Division Ma	Area			
Name of the Village	Survey No.	Sub-Division No.	Hectare	Are	Sq. Mtr.	
1	2	3	4	5	6	
69, JAMBUYARIPALLI	103	2	00	01	62	
	99	1	00	02	- 83	
70, GOLLAPALLE	90	6	00	02	02	
	90	8	00	01	21	
	147	1	00	10	12	
72, MOGILI	173	2	00	0 2	02	
,	172	2	00	03	24	
	. 99	2	00	04	35	
	48	1	00	09	31	
	146	5	00	02	02	
	48	4	00	08	10	
	51	4	00	11 _	34	

[F. No. R-25011/5/2007-O.R.-I]

S. K. CHITKARA, Under Secy.

नई दिल्ली, 11 नवस्बर., 2008

का. आ. 3128.— कुन्द्रीय सरकार पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन जारी, भारत के राजपन्न, तारीख 08-02-2008 में प्रकाशित भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का आ. संख्या 261 तारीख 09-02-2008 द्वारा उस अधिसूचना से उपाबद्र अनुसूची मंडल-यादामारि, जिला- चित्तूर, राज्य आन्ध्रप्रदेश में चेन्ने पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, मन्तली कि रिफैनेरी से देवनगृष्टि टर्मिनल, बैंगलुर तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए इंडियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटेड, द्वारा पाइपलाइन बिछाने के उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा को थी;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां ता 20 - 05 -2008 को जनता को उपलब्ध करा दी गई थी ;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा s की उप-धारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को रिर्पोट दे दी हैं;

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिर्पोट पर किचार करने के पश्चात यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से उपाबद्व अनुसूचि में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित किया जाए;

अतः, अब. केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि पाइपलाइन बिछाने के लिए इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूचि मे विनिर्देष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (4) द्वारा प्रदेत शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय सभी विल्लगमों से मुक्त होकर प्रकाशन की तारीख से इंडियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटेड निहित होगा ।

अनुसूची

मंडल : यादामारि	जिला	राज्य : आन्ध्रप्रदेश				
गाँव का नाम	सविक्षण स	ठप∸खण्ड सं.	क्षेत्रफल			
गाप पण गानः	खण्ड सं.		हेक्टर	एयर	वर्ग मिटर	
1	2	3	4	5	6	
64, पेरियांबाडि	246	1A	00	04	86	
	246	1C	00	01	62	
	246	1 E	00	03	64	
	243	3	00	02	02	
	242	4	00	01	62	
	237	1	00	14	02	
68, बुडिटिरेड्डिपल्ले	76	3	00	04	86	
	41	7	00	02	02	
	42	5	00	04 _	05	

[फा. सं. आर-25011/5/2007-ओ.आर.-[]

एस. के. चिटकारा, अबर सचिव

New Delhi, the 11th November, 2008

S. O. 3128.—Whereas by the notification of the Government of India. Ministry of Petroleum and Natural Gas. S.O.No. 261 dated 09-02-2008 under sub section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the land specified in the schedule relating to Mandal Yadamari, Dist. Chittoor, State Andhra pradesh, annexed to that notification for the purpose of laying pipeline for the transportation of Petroleum Product from Refinery of Chennai Petroleum Corporation Limited, manali to Devanguthi Terminal, Bangalore, by the Indian Oil Corporation Limited.

And whereas, the copies of the said Gazette Notification were made available to the general public on date of 20 - 05 -2008;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Central Government:

And whereas, the Central Government after considering the said report is satisfied that Right of User in the land specified in the Schedule appended to this notification should be acquired.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the Right of User in the land specified in the Schedule annexed to this notification is hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby direct that the Right of User in the said land shall instead of vesting in the Central Government, vests from the date of publication of this declaration in the Indian oil corporation limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

Mandal : Yadamari	District : Chittoor		State : Andhra Pradesh			
Name of the Village			Area			
	Survey No.		Hectare	Are	Sg. Mtr.	
1	2	3	4	5	6	
64, PERIYAMBADI	246	1A	00	04	86	
-	246	1C	00	01	62	
	246	1E	00	03	64	
	243	3	00	02	02	
	242	4	00	01	62	
	237	1	00	14	02	
66, BUDITIREDDIPALLE	76	3	00	04	86	
	41	7	00	02	02	
	42	5	00	04	05	

[F. No. R-25011/5/2007-O.R.-1]

S. K. CHITKARA, Under Secy.

नई दिल्ली, 11 **नवम्बर,, 2008**

का. आ. 3129.— केन्द्रीय सरकार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि तामिलनाडु राज्य में चेन्नै से कर्नाटक राज्य में बेंगलुरु तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेंड द्वारा एक पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए ;

और, केंद्रीय सरकार को उक्त पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि उस भूमि में,जो इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में वर्णित है और जिसमें पाइपलाइन बिछाए जाने का प्रस्ताव है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए :

अतः अब, केंद्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम,1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है:

कोई व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में तर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत के राजपत्र में यथा प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती है, इक्कीस दिन के भीतर, भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के संबंध में श्री आर. आर. जन्नु, सक्षम प्राधिकारी, इंडियन ऑयल कोपेरिशन तिमिटेड, पाइपलाइन डिबीजन, हाउस नं 142/2, 2 - कास, मुनी रेंडो लेआउट, होरमाव मेन रोड, डोडा बातसवाड़ो ,बेंगलुर-560043 कर्नाटक को लिखित रूप में भेज सकेगा । अनुसूची

राज्य : कर्नाटक जिला : कोलार तालुका : मुलबागल क्षेत्रफल सर्वेक्षण सं/उप-खण्ड सं. गाँव का नाम वर्ग मीटर हेक्टर एयर 2 5 3 1 रामचन्द्रप्रा **R2** 00 00 48 पडाकास्ति 69 69/5 00 38 चित्थेरी 23 77 78 0078 05 04 00 65/30218 00 60 64 00 18 39 60 66/P1 00 बन्डहल्लि 4/1 00 27 36 4/2 मिणिजेनहल्लि 83 20/5 00 01 82/6

[फा. सं. आर-25011/8/2007-ओ.आर.-] ।

New Delhi, the 11th November, 2008

s. o. 3129.—Whereas, it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transportation of petroleum products from Chennai in the State of Tamilnadu to Bengaluru in the State of Karnataka, a pipeline should be laid by the Indian Oil Corporation Limited;

And, whereas it appears to the Central Government that for the purpose of laying the said pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land under which the said pipeline is proposed to be laid which is described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (i) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said Schedule may, within twenty-one days from the date on which the copies of this notification issued under sub-section (1) of section 3 of the said Act, as published in the Gazette of India, are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri R.R Jannu, Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Pipelines Division, House No. 142/2, 2nd cross, Muni Reddy Layout, Horamavu Main Road, Dodda Banasavadi Bengaluru – 560043.(Karnataka)

SCHEDULE

	SCHEBOLE				
Taluk : Mulbagai	District : Kolar	State Karnataka			
		Area			
Name of the village	SurveyNo/Sub-division No	Hectare	Are	Sq.mtr.	
1	2	3	4	5	
RAMACHANDRAPURA	82	00	00	48	
PADAKASTI	69/5	00	38	69	
CHITTHERI	77	00	23	78	
	78	00	05	04	
	65/3	00	02	18	
	64	00	18	60	
	66/P1	00	39	• 60	
BANDAHALLI	΄ 4/1 γ	00	27	36	
	4/2	-	-	-	
MINIJENAHALL)	20/5	00	01	83	
	82 <i>1</i> 6	00	03	21	

[F. No. R-25011/8/2007-O.R.-I] S. K. CHITKARA, Under Secy.

ा । एसी अनुसन्दर, 2008

का आ 3130.—केन्द्रीय संग्यार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि ामिलनाडु राज्य में चेन्नै से कर्नाटक एएय में बेंगलुरु तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए ंडियन ऑयल कॉ**पेरिशन लिमिटेड** शू*म*ारः **एइपलाइन बिछाई जा**नी चाहिए :

और, केंद्रीय सरकार को उक्ट कामलाइन बि**छाने के प्रयो**जन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि उस भूमि में,जो इस अधिशकता से संलग्न **अनुसूची में वर्णित** है और जिस**में पाइपला**इन बिछाए जाने का प्रस्ताव है, उपयोग के अंशकार का अर्जन किया जाए :

अतः अब, केंद्रीय सरकार, पेट्रोलिया और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम,1962 (1962 का ६०) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदल्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस भूमि में उपयोग के आधकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती हैं :

कोई ज्यक्ति, जो उक्त अनुसूर्ज। ये वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तार्गख से जिसको उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा 🐠 ले अधीन भारत के राजपत्र में यथा प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियाँ साधारण जनता 🕾 उपलब्ध करा दी जाती हैं, इक्कीस दिन के भीतर, भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के संबंध में श्री आर. आर. जन्नू, सक्षम प्राधिकारी, इंडियन ऑयल कोर्पोरेशन लिमिटेड, पाइफ्लाइन डिऑ:७२, हाउस मं 142/2, 2 - क्रास, मुनी रैडी लेआउट, होरमाव मेन रोड, 'डोडा' बानसवाडी अिल्स्ट-560043 कर्नाटक को लिखित रूप में भेज सकेगा ।

अनुसुधी

तालुका : बंगारपेट	जिला : फोलार	राज्य : कर्नाटक		
ः शॉव का भा म	सर्वेशक संहत्य -खण्ड सं .	क्षेत्रफल		
		हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5
बादंडाहर्त्ला	16	00	00	20
	64	00	27	00
मावहिल्ल	58/2	00	00	18
	57/2	00	04	75
मुगालाबेले	72/4	00	10	52
	156/2	00	00	40
***************************************		[फा. सं	³ गर - 25011/8/2	 १००७ - ओ.आर

New Delhi, the 11th November, 2008.

S. 0. 3130.—Whereas, it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transportation of petroleum products from Chennai in the State of Tamilnadu to Bengaluru in the State of Karnataka, a pipeline should be laid by the Indian Oil Corporation Limited;

And, whereas it appears to the Central Government that for the purpose of laying the said pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land under which the said pipeline is proposed to be laid which is described in the Schedule annexed to this notification:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (i) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said Schedule may, within twenty-one days from the date on which the copies of this notification issued under sub-section (1) of section 3 of the said Act, as published in the Gazette of India, are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri R.R Jannu, Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Pipelines Division, House No. 142/2, 2nd cross, Muni Reddy Layout, Horamavu Main Road, Dodda Banasavadi Bengaluru – 560043 (Karnataka)

SCHEDULE

	OF ILD OLL				
Taluka:-Bangarpet	District:- Kolar	State :- Karnataka Area			
Nomonfulless	SuprovNe/Cute division No.				
Nameof village	SurveyNo/Sub-division No	Hectare	Are	Sq.mtr.	
1	2	3	4	5	
VADANDAHALLI	16	00	00	20	
	64	00	27	00	
MAVAHALLI	58/2	00	00	18	
	57 <i>1</i> 2	00	04	75	
MUGALBELE	72/4	00	10	52	
	156/2	00	oo	40	

[F. No. R-25011/8/2007-O.R.-I.] S. K. CHITKARA, Under Secy. ाई दिल्ली, 11 नवम्बर,, 2008

का. आ. 3131.— केन्द्रीय सरकार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि तामिलनाडु राज्य में चेन्नै से कर्नाटक राज्य में बेंगलुरु तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए इंडियन ऑक्ट कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा एक पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए ;

और, केंद्रीय सरकार को उक्त पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि उस भूमिं में,जो इस अधिसृचना से संलग्न अनुसूची में वर्णित है और जिसमें पाइपलाइन बिछाए जाने का प्रस्ताव है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः अब, केंद्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम,1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करतीं हैं;

कोई व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत के राजपत्र में यथा प्रकाशित इस अधिसृचना की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, इक्कीस दिन के भीतर, भूमि के नीचे पाइपलाइन विछाए जाने के संबंध में श्री आर. आर. जन्नु, सक्षम प्राधिकारी, इंडियन ऑयल कोपोरिशन लिमिटेड, पाइपलाइन डिबीजन, हाउस नं 142/2, 2 - कास, मुनी रैडी लेआउट, होरमाव मेन रोड, डोडा बानसवाड़ी, बेंगरन्रुर-560043 कर्नाटक को लिखित रूप में भेज सकेगा।

अनुसूची

तालुका : मालुर	जिला : कोलार	राज्य : कर्नाटक				
गाँव का नाम	सर्वेक्षण सं/उप-खण्ड सं.		क्षेत्रफल			
	सम्बद्धाः सर्वन-खन्ड सः	हंक्टर	एयर	वर्ग मोटर		
1	2	3	4	5		
नाक्कभाहरित्ल	74	00	27	00		
निधरमंगला	155	02	26	15		
कडसन ह ल्लि	9	00	03	60		
पुरमाकनहल्लि	29	00	16	25		
याश वन्तपुरा	98/1	00	19	15		
	19/6P1	00	03	92		
धाङ्काळ्थुर	60	00	1 1	87		
	158	00	12	24		

[फा. से. अग्रर-25011/8/2**007-ओ**.आर.-\]

एम, के. चिटकारा, अबर सचिव

New Delhi, the 11th November, 2008

s. 0. 3131.—Whereas, it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transportation of petroleum products from Chennai in the State of Tamilnadu to Bengaluru in the State of Karnataka, a pipeline should be laid by the Indian Oil Corporation Limited;

And, whereas it appears to the Central Government that for the purpose of taying the said pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land under which the said pipeline is proposed to be laid which is described in the Schedule annexed to this notification:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (i) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said Schedule may, within twenty-one days from the date on which the copies of this notification issued under sub-section (1) of section 3 of the said Act, as published in the Gazette of India, are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri R.R Jannu, Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Pipelines Division, House No. 142/2, 2nd cross, Muni Reddy Layout, Horamavu Main Road, Dodda Banasavadi Bengaluru – 560043 (Karnataka)

SCHEDULE.

	SCHEDULE			
Taluka : Malur	District : Kolar	State : Karnata		
			Area	
Nameof village	SurveyNo/Sub-division No	Hectare	Are	Sq.mtr.
1	2	3	4	5
NAKKANAHALLI	74	00	27	00
NIDHARAMANGALA	155	02	26	15
KADASANNAHALLI	9	00	03	60
PURAMAKANHALLI	29	00	16	25
YESHWANTHAPURA	98/1	00	19	15
•	19 <i>1</i> 6P1	00	03	92
DHADDA KADATHURU	60	00	11	87
	158	Sub-division No Hectare Are Sq.m 2 3 4 5 74 00 27 00 155 02 26 15 9 00 03 60 29 00 16 25 98/1 00 19 15 9/6P1 00 03 92 60 00 11 87	24	

[F. No. R-25011/8/2007-O.R.-I] S. K. CHITKARA, Under Secy. नई दिल्ली, 11 नवम्बर,, 2008

का. आ. 3132.—केन्द्रीय सरकार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि तामिलनाडु राज्य में चेन्नै से कर्नाटक राज्य में बेंगलुरु तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए इंडियन ऑवल कॉपेरिशन लिमिटेड द्वारा एक पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए ;

और, केंद्रीय सरकार को उक्त पहिपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि उस भूमि में,जो इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में वर्णित है और जिसमें पाइपलाइन बिछाए जाने का प्रस्ताव है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए ;

अत: अब, केट्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम,1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है;

कोई व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत के राजपत्र में यथा प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती है, इक्कीस दिन के भीतर, भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के संबंध में श्ली आर. आर. जन्नु, सक्षम प्राधिकारी, इंडियन ऑयल कोपेरिशन लिमिटेड, पाइपलाइन डिबीजन, हाउस नं 142/2, 2 - कास, मुनी रैडी लेआउट, होरमाव मेन रोड, डोडा बानसवाड़ी, बेंगलुरु-560043 कर्नाटक को लिखित रूप में भेज सकेगा ।

अनुसूची

तालूका : होसकोटे	जिला : बेंगलुरु रुरल	स	ज्य : कर्नाटव	क
गॉव का नाम	सर्वेक्षण सं/उप-खण्ड सं.		क्षंत्रफल	
गांज जग गांस	्राचवण सम्बद्ध स	हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5
कटिगेनाहिल्ल	58	00	07	20
देवसगेल्लहल्ली	21	00	01	00

[[]फा. सं. आर-25011/8/2007~आं.आर.-[] एस. के. चिटकारा, अवर सचिव

New Delhi, the 11th November, 2008

S. O. 3132.—Whereas, it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transportation of petroleum products from Chennai in the State of Tamilnadu to Bengaluru in the State of Karnataka, a pipeline should be laid by the Indian Oil Corporation Limited;

And, whereas it appears to the Central Government that for the purpose of laying the said pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land under which the said pipeline is proposed to be laid which is described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (i) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said Schedule may, within twenty-one days from the date on which the copies of this notification issued under sub-section (1) of section 3 of the said Act, as published in the Gazette of India, are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri R.R Jannu, Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Pipelines Division, House No. 142/2, 2nd cross, Muni Reddy Layout ,Horamavu Main Road, Dodda Banasavadi Bengaluru – 560043.(Karnataka)

SCHEDULE

Taluka : Hoskote	District : Bengaluru Rural	Star	te : Ka	mataka
			Агеа	
Nameof village	SurveyNo/Sub-division No	Hectare	Are	Sq.mtr.
1	2	3	4	5
KATTIGENAHALLI	58	00	07	20
DEVROGOLLAHALLY	21	00	01_	0 0

नई दिल्ली, 27 नवस्वर,, 2008

का. आ. 3133.— केन्द्रीय सरकार ने पेट्रॉलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 1296 तारीख 5 जून, 2008, जो भारत के राजपत्र तारीख 7 जून, 2008 में प्रकाशित की गई थी, द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट गूमि में मध्यप्रदेश राज्य में बीना संस्थापन से राजस्थान राज्य में कोटा तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए बीना—कोटा पाइपलाइन परियोजना के माध्यम से भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा एक पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन के अपने आशय की घोषणा की थी;

और उक्त राजपन्न अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 18 सितम्बर, 2008 को उपलब्ध करा दी गई थी ;

और सक्षम प्राधिकारी ने, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन, केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है :

और केन्द्रीय सरकार ने, उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात , और यह समाधान हो जाने पर कि उक्त भूमि पाइपलाइन बिछाने के लिये अपेक्षित है, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने का विनिश्चिय किया है ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइपलाइन बिछाने के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता हैं;

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख को केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाए, सभी विल्लंगमों से मुक्त, भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड में निहित होगा ।

अनुसूची

तहसील :	अशोक नगर जिल	ना : अशोक नगर	राज्य : मध्य प्रदेश
क्र.सं.	ग्राम का नाम	सर्वे नंबर	क्षेत्रफल हैक्टेयर में
1	2	3	4
1	खजूरिया खुर्द	173	0.1625
2	बीरपुर	133	0.0800
		113	0 5495
		101	0 3900
3	सागर	85	0.05 85
		86	0.2080
		88	0.0910
		110	0.3125

क्र .सं.	ग्राम का नाम	सर्वे नंबर	क्षेत्रफल हैक्टेयर में
1	2	3	4
4	आमसोड़ा तूमेन	266	0.0715
		3	0.1755
		1	0.6910
5	डंगा ठी	257	0.1500
		252	0.2500
6	मॅसरवास	732	0.0150
	ı	614	0.1305
•		496	0.2990
		499	0.1655
		475	0.1610
		473	0.0590
7	बासरा	131	0.3000
		133	0.4450
		122	0.2650
		107	0.4665
8	कुरवाय	117	0.0900
9	बहेरीपछार	12	0.0845
		14	0.3835
		15	0.3185
10	दमोह	24 5	0.1560
11	भद्री कानूनगो	244 110	0.1400 0.1235
	•	382	0.3705
		20	0.2600
		404	0.4945
12	विजयपुरा	96	0.1300
13	कैथाई	78	0.3030
		180	0.0050
		148	0.1040
14	केलारस	51	0.1885
		41	0.2210

[फा. सं, आर-31015/8/2008-ओ,आर-॥] ए. गोस्थामी, अवर सचिव

New Deficions 27th November, 2008

5 C. Philippiness by a row control of the Government of fodia in the Ministry of Tought of the death of the Section 1995, detect the 5th June, 2008, these distributions (1) of section 3 of the Petroleum at 1 -fluerals Pipelines (Acquisition of Right of User in hand that 1910 (36 of 1962) (before the referred to as the said National and and the Gazatte of the council the 7th June 178 Stitle Comman Covernment declared in intention to acquire the theory of their in the lane. A shalled in the Schedule appendied to the anti-fication for the responsion brong a physical cuter toursporter on of petroleum products through Bira-Kath discussed in less from Parameters I in the state of Machys controls to Rota in the State of Raile from in Bharat Loudings, Constraint Eleuted ;

And will also a control of a said Consettern to excusor were made a soluble to the quotie on

A second of the property of the region of the said Asia and the second of the second o 1.

resident to the control of the control of the said segment and the said erre de la companya de la companya de la constante de la constante de la constante de la cight del user are the

November of the section of the end of the section of the section (1) of section of the sold Act of the conditions of the condition of the right of user last experience of a dispersion in ng that a regarding grade is a mining to the particles on the grade police for the large this rank and

find a course of the experience of the entertaints the specimental and succious to be the said and the control of the control of the real of the figure of user in the mild boul for laying can be store that, and have a very give the End Lat Covernment, we conclude the state of the subscribed in the first retain in the oil Pagerbaga Germonation Leafied, for from the

SCHEDULE

TEHSIL : ASHOK NAGAR DISTRICT : ASHOK NAGAR STATE : MADHYA PRADESH

S.Nc.	NAME OF VILLAGE	SURVEY NO.	AREA IN HECTARE
1	. 2	3	4
1	KHAJURIA KHURD	173	0.1625
2	BIRPUR	133	0.0800
		113	0.5495
		1 01 .	0.3900
3	SAGAR	85	0,058 5
		86	0.2080
		88	0.0910
		-110	0.3125
4	AMEKHEDA TUMEN	266	0.0715
		3	0.1755
		· 1	0.6910
£	DANGAHI	25 7.	0.1500
	-	252	0.2500
6	BHAISARWAS	732	0.0150
		614	0.1305
		496	0.2990
		499	0.1655
		475	0.1610
		473	0.0590
7	BASRA	13 1	0.3000
		133	0.4450
		122	0.2650
		107	0.4665
8	KURVAY	117	0.0900
9	BAHERI PACHHAR	12	0.0845
		14	0.3835
		15	0.3185
10	DAMOH	245 .	0.1560
		244	0.1400

S.No.	NAME OF VILLAGE	SURVEY N	O. ARSAIN HECTARE				
1	2	3	4				
11	CDKUNAN INDAM	110	0.1235				
		382	0.3705				
		20	0,2600				
		404	0.4945				
12	VUAYPURA	96	0.1300				
13	KAITHAI	78	0.3030				
		180	0.0050				
		148	0 1040				
14	KELARAS	51	0.188 5				
		41	3,2210				
			ING R-31915/8/2008 O.RIII				

[No. R-31015/8/2008 O.R.-II] |A. GOSVVAMI | Under Secy.

मई ८,४४ती, 23 म**श्रम्बर,, 2008**

का. आ. 3534 — पेट्रोलियम और खनिज पाइट लाइन (मू उपयोग अधिकार अधिग्रहण) अधिनियम 1962 (1962 के 50) के खंड 2 की धार (क) के अनुसरण में, केन्द्र सरकार एतदद्वारा श्री के नागेश्वर राव, स्थाशन डिप्टी कलेक्टर, आंध्र प्रदेश सरकार को आंध्र प्रदेश राज्य की सीमा में हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड की विशाख-विजयवाडा-सिकन्द्राबाद पाइप लाइन में श्री टी अध्याराव, जिन्हें पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में भारत सरकार की अधिस्पना संख्या एस.ओ. 3320 के द्वारा दिनांक 16 नवम्बर, 2007 को प्राधिकृत किया गया था, के स्थान पर उक्त अधिनियम के उहत सक्षम प्राधिकारी के रूप में कार्य करने और कार्य निष्पादन करने के लिए प्राधिकृत करती हैं।

[फा. मी. 500 50015/11/2003+ओ.आर II] ए. गीस्क्षमी, अवर संविध

New Defail the 25th November, 2008

s.o. 3134.—In pursuance of clause (a) of section 2 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby authorizes Shri K. Nageswara Rao, Special Deputy Collector, Government of Andhra Pradesh to perform the functions of competent authority under the said Act within the territory of the State of Andhra Pradesh for Hindustan Petroleum Corporation Limited's Visakh-Vijayawada-Secunderabad Pipeline in place of Shri T. Appa Rao authorized vide notification of Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas, number S.O. 3320 dated the 16th November, 2007

नई दिल्ली, 20 मवम्बर, 2008

का. आ. 3135.—कोन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम,1962 (1962 का 50) की धारा 2 के खण्ड (अ) अनुसरण में ,भारत के राजपत्र ,तारीख 27 दिसम्बर, 2007 में प्रकाशित भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का .आ. 3621 तारीख 29 दिसम्बर , 2007 का निम्नलिखित रूप से संशोधन करती है, अर्थात :-

उक्त आधिसूचना की अनुसूची के स्तम्भ 1 में "नं 719 ग्राउंड फ्लोर, 4th कास , 7th मेन रोड , कल्याण नगर , 1 ब्लाक, बेंगलुरु -560043 (कर्नाटक) " शब्दों और अंकों के स्थान पर "हाउस नं 142/2, 2nd क्रास, मुनी रैडी लेआउट होरमांच मेन रोड ,डोडा बानसवाड़ी ,बेंगलुरु-560043 (कर्नाटक) " शब्द और अंक रखे जाएंगे ।

[फा. सं. आर-25011/12/2006- औ. आर.-। ¹ एस. के. बिटकारा, अवर संस्वित

New Delhi, the 29th November, 2008

S.O. 3135.—In pursuance of clause (a) of section 2 of the petroleum and Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government here by makes the following amendments in the notification of the Ministry of Petroleum and Natural Gas, Government of India number S.O. 3621 dated the 27th December 2007 published in the Gazette of India dated the 29th December, 2007 as follows, namely:-

In the said notification, in the schedule, under column 1, for the words and numbers, "No-719, Ground Floor, 4th cross, 7th Main Road, Kalyana nagar, 1st Block, Bangalore-560043 (Karnataka)" the words and numbers, "House No-142/2, 2nd Cross, Muni Reddy Layout, Horamavu Main Road, Dodda Banasavadi, Bengaluru-560043 (Karnataka)", shall be substituted.

[F. No. R-25011/12/2006-O.R.-I.] S. K. CHITKARA, Under Secy.

नर्ड दिल्ही, 20 भवस्वर., 2008

का आ 3156-केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और खिनज पाउपलाइन (भिम में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) **के अ**धीन जारी, भारत **के राजपत्र, ता**रीन्द्र 26 अप्रैल, 2008 में प्रकाशित भारत सरकार के **पेट्रोलि**यम और प्राकृतिक **गैश** मंत्रालय की अधिसूचना का, आ, संख्या 893 ताराख 24 अप्रैल, 2008 द्वारा उस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुभूची में दिनिदिंख भूमि में, गुजरात राज्य में स्थापित कोयली – दहेज पाइपलाइन की शाखा आमीद से हजीरा तक पेटोलियग उत्पादों के परिवहन के लिए इंडियन ऑयस कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाडपलाइन धिछाने के प्रयोजन के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आश्च की घोषणा की थी.

और उक्त राजपंत्र अधिसूचना की प्रतियां अनता को तारीख 1 मई, 2008 को उपलब्ध करा दी गई थी:

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधितिका की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को रिपोर्ट दे ही है-

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट घर विचार करने के पश्चात यह रामाधान हो गया है। कि इस अधिस्वन। से उपायद्व अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार अर्जित किया जाए

अतः अयः केन्द्रीय सरकार ७५त अधिनियम की धारा ६ की उपधारा (३) हारा प्रदल शक्तिया का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि पाइपलाइन विधाने के लिए इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिदिंग्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है ।

और केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनिधम की धारा 6 की उपधारा (4) हाद प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निर्देश देती है कि उदल भूमि में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए इंडियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटेड में सभी विल्लगमों से मुक्त घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

अनुसूची

						_		क्षत्रफल			
राज्य	তিলা	तालुका	गाव	सर्वेक्षण स.	स्प -	- खण्ड सं	हेक्टेयर	एयर	वर्गमीटर		
			4	5		6	7	. 8	9111101		
1	<u>2</u> ਅਦਬ	? आमोद	इटोला	210	•		00	13	71		
गुजरात	শহয	आगाद	şcim	211	:		00	13	22		
				212			ço	12	10		
				225			00	05	05		
				290		P1	00	39	BO		
	1			289		•	00	09	20		
				281			00	14	45		
				282			0 0	22	71		
				283			QΩ	00	51		
				385			00	22	42		
				386			00	00	32		
				384			OO.	00	45		
				382			00	16	13		
			•	376			00	05	30		
				375			00	04	82		
				374			00	12	77		
				360			00	05	54		
				369			90	26	26		
				451			00	04	25		
				462			60	16	13		
				460			00	08 12	41 16		
				461			00	04	15 5 2		
				459		1	00	08	95		
				489 488			00 00	06	53		
				420			00	00	05		
				491			00	14	51		
				493		1	00	17	52		
			धीलवणा	782		1	00	00	90		
				782		2	DO	04	51		
				782		3	-00	14	03		
				781			QΦ	15	77		
				754		1	00	02	21		
				780			00	06	08		
				772			00	00	70		
				779			00	09	10		
				785		3	00	19	81		
				776			00	21	04		
				791			00	00	05		
				773			00	01	44		
				792			00	19	07 00		
				793		٨	00	25 00	06 58		
				827		A B	00 00	00 10	87		
				827 828		D	90	00	45		
				826			00	18	32		
				852			OD	05	71		
				851			00	23	76		
				8 50			00	10	31		
				853			00	00	80		
				1026			00	09	23		
				1016			00	00	36		
				1017			00	01	44		
			_	1018			00	02	_1 <u>5</u>		

								
1	2	<u>"3</u>	4	5	6	7	В	9
			क्षीलक्षा	1019		00	01	67
			(जारी)	1925		60	05	64
				1024		00	01	59
				1020		00	09	95
				1023		00	02	18
				1021		-00	16	08
				1022		DO	οū	09
				1011		DC	17	84
				1010		Ďů	10	58
				1099		00	00	05
				1114		00	12	09
				1128		00	03	98
				1115				67
				1116		00 00	90 07	
						00 00	07	64
				1117		00	34	97
				1118	P2	Óũ	a⊤	41
				1123		00	23	48
				1207		ĠΘ	07	50
				1208		00	33	55
				1223		00	07	91
				1224		00	00	44
				1225		00	08	00
				1251		00	14	74
				1252		00	05	40
				1253		00	05	22
				1256		90	05	43
				1250		0:0	03	67
				1287		00	00	82
				1286		00	13	20
				1327		00	16	23
				1329		00	01	22
				656		00	ü5	45
				657		50		62
				7376			13	
						93 86	12	62
				1377		00·	60	70
				138C		00	15	05
				1379		00	01	24
				1381		00	28	31
				1391		GÐ	ა5	02
				648		QĐ	21	71
				1409		ÇD	QB	43
				1408	3	OD	92	61
				6 5 2	3 3	00	D2	06
				654	3 1	00	03	62
				682	1	90	05	97
				682	3	00	04	08
				1404	3 1	00	11	Ģ1
				749		0e	91	18
				1403		00	29	30
				1401	1	00	06	80
				1401	2	ĎĎ	oa -	86
				1402	1	00	32	80
				1402	2	DO DO	61	09
				1 MVZ		GU	U I	
		तागरा	ग्रीर्घ'आड	133	1	60	07	71
				133	2	50	02	37
				136	Α	90	30	06
				136	B	90	97	72
				142		90	35	57 53

1	2	3 4	5	8	7	8	9
		ৰীচীও	गड 92	A/1-1	00	07	77
		(जार		A/2-P3	ÐÖ	35	64
		falls	92	B-P3	ρά	28	34
			93	B-F 3	00	25	06
			► 81	1	00	59	18
			•	•			
		साय	ण <u>12</u> 1		00	14	19
			120	Α	00	41	76
			120	A B	00	42	50
			145	1 2	00	28	35
			145	2	00	72	83
			135		-00	16	92
			150		00	10	75
			163		00	32	50
			166	_	00	17	17
			169	P1 P2	00	02	10
			169	P2	00	12	56
			187		00	10	05 36
			185		00	23	35 78
			189		00	01 51	76 25
			181		00	51 .	£5 51
			180		00 00	11 24	26
			211 210	1	00	11	69
			210 212	, P1	60	†1	36
			212	P2	90	10	35
			214		60	03	49
			213	P1	00	21	45
			213	P2	00	30	89
			225	3	00	00	97
			<u> </u>	<u></u>			
		वाग			00	12	42
			683		00	20	62
			728	Α	O D	00	05
			727		00	16	99
			724		00	01	15
			723		00	08	58 83
			709		00	Q1 06	93 98
			7 22		00	05 05	ສ ວ 41
			711		00 00	05 08	00
			713		90	03	42
			714 720		00	12	82
			720 719		00	15	87
			719 71B		00	06	48
			716 746	1	00	27	83
			740 752	•	00	04	66
			752	· ;	00	02	55
			752	2 3	00	27	10
			762	-	00	24	41
			764		00	11	12
			765		DO	31	56
			795		00	14	44
	•		796		00	00	90
	. —	· <u>·</u>					34
		पीर	तद 65		00	81 48	20
			67		00 00	16 00	74
					1107	9 11.7	/*
			71 70	P1	00	28	22

					ere e e e e e e e e e e e e e e e e e e			
and the second second second second second		7 60	• _:					
Carrier Control of the Control of th						<u> </u>		
	::	78,		* ,		7.5		
	571							
	OLE.			50 50 50	03	9.1		
			•	55	٠4	t- 1		
		1,0		:.	-,-	26		
				17-2	:2	70		
				.:	. –	19 19		
		`.						
		. 2		1960 1970	<u>.</u>	851.1 		
		:·;		44		ಕಥ		
				, ,	149	75,		
		ā): 20	0.77 2.7	1.7		
		٠.		2.0	₹.	33		
		• :		:	: 4	~5		
		13		·2	, e.a.	12		
				9.	1.70 2.70	GĀ.		
				ğ.	ઠેક	Č*		
		٠		4.	3.7	92		
		4 -		;. ;		47		
					00	?		
		·		10	VÇ:	78		
	•	•		0.		25		
				·:		: 5		
				٦.	٠t٠	50		
				430	2+1	6.4		
					2.5	29		
					ì	ŘÝ		
		4.9		0 0	<u> </u>	50 50		
		•			-9 1942			
						15		
			-	7.	!	St.		
					F.	87		
			••	•*	2	: 7		
	; ·		_	1		n3		
				рe	69	84		
		_		:75 1 0 1 0	113			
		(A)			:2	17		
		1.7			17.	44		
		•			-6	Ċ.±		
				Cį.	۴^	,3.°		
		72		0.7	2.6	52		
		27		7.0	07	37		
					23	싶살		
				Ör.				
		••		,.*	A.T.	dā		
			1	Ť.	: .			
,		· ·	1	00 20 11 20 20	18 65 18	39 09 50 10		
				10	-	115		
					_	505		
			•	421	. 49	30		
		•			<i>?</i> *	64		
			i	1.	4% 2	SF		
				.;	v	4.3		
			F (A)	100 300 700	3	~ ↓		
				20	. 1	61; 4		
				. :	W			
		'			••	•		

1 2	3	4	5	ß	7	8	9
		साअंखा	410	1	90	20	92
		(जारी)	410	2	Q Q	61	59
		्यास्य	295	•	30	30	36
			295 308		60	15	32
			293		60	29	70
			290 310		00	29	51
			313				
	भरूक	अम्बद्धेश्यः	1012		סמ	C9	23
			1013		00	14	78
`			1814		60	56	56
			7 031		00	50	29
			1032		0 0	22	37
			1038		ΦO	07	35
			1042		00	81	67
			1039		00	00	20
			1046		00	00	14
			1045		00	24	96
			951		CO	09	87
			952		CO	07	28
			941		00	13	78
			950	P	00	06	38
			942		90	G7	28
			944		60	08	28
			946	•	00	00	05
			340		00	02	51
			945		00	90	29
			868		00	32	04
			891		00	32	47
			877		00	56	77
			878	A	00	02	45
			875		00	18	47
			872		00	99	15
			867		00	15	21
			861		00	27	C4
			865		00	13	16 61
			864		00 00	23 09	55
			778 779		00 00	03	45
			110		ц¢		
		राखवाड	28		00	48	92
			40		00	12	35
F			41		00	33	68
			42		60	01	22
			72		00	04	78
			71		00	18	09
			88	₽2	00	23	78
			70		00	10	63
			89		90	07	22
			88	P1	00	40	29
			92		. 00	05	14
		नवंठा	119		00	DÓ	84
		~9 01			00	01	72
			111		00	20	38
			112		00	20 . 05	36 15
			134		00	19	6 7
			136		00	16	46
			135				
					nn.	A+	ሰ ለ
			139 146		00 00	Q1 13	90 90

<u>1</u>	2 3	4	5	6		В	9
		नवेह ।	149	. <u>.</u>	00	19	07
		(जारी)	150	•	50	07	79
		(12B		60	ΰū	25
			150	₿ P	60 60	09	19
				Р			18 65
			180		<u>ca</u>	19	52
			192	_	00	23	25
		•	192	P	00	20	59
			217		ია	18	98
			216		¢o	12	85
			214		QD	15	87
			3'2		60	16	52
			314		50	14	82
			313		60	G1	74
			310		Dt-	29	55
			309		60	03	13
			270		CO	14	00
			324	•	00	1.7	60
			274		0.5	29	00
			277		00	04	42
							
		मुस्तप ादार्थ	277	P1	00	64	29
		(सङ्कृत)	188		60	29	75
			185		0 C	10	23
			187		00	15	40
			195		60	25	64
			199		00	20	46
			180		G S	57	02
			178		90	17	90
			200		00	16	76
			201	P1	es	15	38
			202		00	13	94
			179		90	10	22
			252	P1	9C	ü 5	67
			248	P1	00	55	81
			249	Г	óč.	ν <u>1</u>	54
			246	Pt	GD.	00	15
			240	F.			69
			313		00 60	23	
			3'8		60 60	21 -	51
			317		20 20	13	98
			316	.	20	01	87
			339	P1	90	27	85
			340		00 00	67	83
			341	_	99	0.0	16
			337	P1	30	:9	10
			344		<i>ი</i> ნ	19	95
			376		00	19	78
			359		00	45	24
			375		90	ÓĠ	42
			570		00	C5	64
			371		90	06	98
			457		00	30	53
			408		00	03	28
			445		ЭU	14	16
						2.7	96
	<u>াজলীকা</u>	र शर्द्ध(कः	301 ***		D1 D0	52 12	36 00
			783 284		50 5-2	12	09 00
			381		95 50	D 8 11	99
			372 372		OD.	15	82 20

_								1,3
	1 2	3	4	5	6	7	8	9
					-	00		
			धतुरीया	338			08	36
			(जा री)	314	1	DO	11	29
			4	330		00	25	96
				330			20	68
				317	1	00	00	00
				317	2	O O	11	76
				318		ΟĢ	32	18
				316	3	00	00	18 07
				319	•	00	23	34
			•	318		00		57
				297	A	00	12	91
				298	2A	00	13	21
				296	28	00	Q4	90
				278		00	08	45
				260	Ė	OĢ.	05	95
				281	1	0Ô	12	98
					2.4	00	01	18
				281	20	66	60	
				282		00	00	66
				283		00	26	98
				284		-00	13	96
				240		00	11	25
				175	2	00	07	47
				470	-	00	25	48
				176		00		47
				177	1	60	12	47
	•			177	2	00	03	14
				178		00	04	87
				179	2	00	12	43
				180		QQ	06	10
				133		00	06	67
				133	A A	00	~	ne ne
				92	<u> </u>	00	06	25
				92	₽1	00	11	85
				91	6	00	17	63
				90	В	90	17	45
				82		00	07	67
				63		00	10	14
				60		00	07	15
				60	1	oo qo		13
				55		OO	18	47
				54		00	09	59
				18	1	00	14	62
				44		00	12	94
				43	1	00	05	70
				43	'n	00	00	06
				40	2 1	OO.	11	75
				42	;			
				42	2	00	26	65
				42	3	00	18	50
				23	2	00	12	12
				24		c 0	02	84
				25	1	00	15	32
					ı	00	סמ	36
				28				30
				26	. 1	00	00	76 70
				27		00	23	76
				29	1	00	00	46
				29	2	00	09	12
					_			
	-			500		00	18	74
			• माटीओड	509	1			
				509	2 3	00	22	36
				509	3	90	34	00
	•			510	3	90	18	<u>9</u> 1
				510	2	00	70	28
				507	3	00	06	90
					J			99
				550		00	24	
				549		00	13	71

1	2	4	5	ß	7	В	g
		गार्टाजेड	543		00	12	88
		(जारी)	635		Cö	04	87
		` ′	639		90	94	19
			535		20	26	61
			639		03 03	15	36
			640		GO	13	29
			642		ΟÚ	14	62
			657		00	13	50
			65e		00	23	59
			560		00	60	05
			661		05	18	91
			662		60	19	20
			469		$\mathbb{C}_{i,j}$	61	02
			ტტ ^უ		20	18	07
			568		90	15	9¢
			223		Ġ.f	16	39
			2:9		57	33	74
			ខ្មាំង		Οij	21	17
	•		217		25	26	47
			214		co.	Ü9	30
			209		60	17	12
			160		CC	12	93
			190		99	10	07
			186		00	G2	40
			179		00	18	57
			*80		ðû.	14	10
			181		00	0:	99
			171		00	25	34
			170	•	GO.	19	85
			1 6 5		00	03	85
			164	:	ae-	09	97
			163		es	28	77
			130		66	19	45
	्रांसोट	मोदिया					 -
	6140.C	भारतदा	33		99	62	95
			57 55		no	15	42
			56		00	18	B 7
			59		00	29	80
			60		00	67	24
			<u>61</u>		00	15	84
			62		9 0	OB	79
			82		00	19	92
			93	A	00	18	26
			219		00	02	5 3
						05	31
		दीपस	583		ÐП		
<u> </u>		दीपस	583 586		<u>იი</u>		
		दीगस	586		00	37	45
		दीपस	586 609	A	00 00	37 21	45 77
•		दीगस	586 609 8 08	A B	00 00 00	37 21 03	45 77 22
		दीगस	586 609 608 608	A B B	00 00 00 00	37 21 03 18	45 77 22 18
		दीगस	586 609 608 608 314	A B B	00 00 00 00 00	37 21 03 18 00	45 77 22 18 78
		दीगस	586 609 608 608 314 615	А В В	00 00 00 00 00 00	37 21 03 18 00 25	45 77 22 18 78 92
		दीगस	586 609 608 608 314 615 643	А В В	00 00 00 00 00 00	37 21 03 18 00 25 22	45 77 22 18 78 92 08
		दीगस	586 609 808 608 314 615 643 516	A B B	00 00 00 00 00 00 00	37 21 03 18 00 25 22	45 77 22 18 78 92 08 72
		दीगस	586 609 808 608 314 615 643 516 917	А В В	00 00 00 00 00 00 00	37 21 03 18 00 25 27 00	45 77 22 18 78 92 08 72 61
		दीगस	586 609 808 608 314 615 643 516 517 642	А В В	00 00 00 00 00 00 00 00	37 21 03 18 00 25 27 00 01	45 77 22 18 78 92 08 72 61
		दीगस	586 609 808 608 314 615 643 516 917 642 648	А В В	00 00 00 00 00 00 00 00 00	37 21 03 18 00 25 27 00 01 07	45 77 22 18 78 92 08 72 61 50
		दीगस	586 609 808 608 314 615 643 516 517 642	А В В	00 00 00 00 00 00 00 00	37 21 03 18 00 25 27 00 01	45 77 22 18 78 92 08 72 61

1 2	3	4	5	6	7		ë
		दीगस	527		00	10	23
		(जारी)	532		90	07	86
		(on cry	529		00	05	30
			531		00	32	81
		•	605	_	00	03	21
			503	A B	00	11	63
			503	₿	00	16	04
			492		00	25	51
			473		00	18	50
			470		00	16	64
			484		00	25	83
			450		00	23	58
			451		00	16	56
			452		OÔ.	03	60
	i		453		00	08	70
			454	٨	00	05	
				A			42
			454	В	00	10	31
			442		00	00	81
			44 0		00	20	41
			438		00	11	49
			437		00	15	78
			416	Α `	00	27	64
•			416	8	00	07	99
			404	· -	00	54	02
			403		00	12	18
			401		00	09	27
			402	e	00	06	05
			202		00		20
			383		00	14	29
			316		00	18	58
			317		00	44	68
			347		00	13	06
			352		00	14	90
			354		00	18	83
			361		00	17	24
			360		00	01	79
			338	Α	00	11	28
•			338	A B	00	11	98
			362		00	05	10
			JUZ		00	WD	10
•							
	अंकरो•यर	मोतवाण	172		QQ 	03	70
			173		00	17	32
			191		00	10	42
	हांसोट	कलम	28	F1	ΦŌ	14	39
			57		ΦΦ	05	51
			58		DO.	D4	90
			69		ÓŌ	16	54
			60		00	15	74
			5		00	10	67
			81			19	86
				A 1-5	00		
			67	A/2	00	80	26
			67	B /1	00	63	23
			68	В	00	10	07
•			69	A/2	00	06	95
			74		00	-06	58
			75	A	00	15	63
			75	A B	00	03	96
			76	B+A	00	04	87
			78		00	31	07
			77		90	02	48
			//		30	92	70

5	8	7	6	5	4	3	2 .	1
42	27	00	Α	<u>ę</u> 4	कत्यम	हास्रेट		
16	01	00	G	28	(जारी)			
47	00	ec	Α	525	रोहीद		a - 1112-1220 c	 -
62	13	56		523				
96	08	00	`	494				
43	07	QG		495				
40	₽6	oc.		÷9 6				
59	! q	00		521				
36	12	00		52 <i>G</i>				
77	12	90		519				
44	16	CO	В	4.6				
G3	06	00	A	≠76 •74				
Q6 04	03 00	00 00	A	4114 500				
05 47	00 31	90 90	Ä	504 501				
47	15	0 0	7	502				
69	03	00	Д	5 ú 3				
52	12	-00		393				
86	09	Φū		363				
76	02	ĐO		354				
89	04	00		365				
82	14	00 00		366 2017				
32 27	95 96	00 00		367 389				
41	20	00		360 360				
73	26 06	03	B	264				
41	03	Qύ		281				
08	94	00		260				
93	15	00	A	278				
47	23	co	Ð	279				
08	00	00	_	265				
39	13	0 0	Α	277				
70 73	14 36	00 00	٨	25 6 269				
34	Q1	90	A B	269				
O٤	99	00 00	-	271				
93	10	93		270				
17	13	00	В	256				
59	60	ag		255				
——— 57	09	90	В	135	कुडा (४)			
0.5	00	00		153				
64	13	00		152				
12	16 17	00		145				
77 28	17 17	00 0 0		144 143				
24 56	06	00 00	A B	143 143				
44	08 08	00 00	t.	:43				
44	09	co.		:35				
92	97	20		137				
Ç(02	Q0		i 33				
57	13	(r)		82				
61	04	00		8.1				
11	09 33	00 00		89 27				
30 00	27	00 00		87 40				
86 36	23 11	00 00		88 77				
	09	00 00		77 75				
53								

1	2	3	4	5	6	7	8	9
		<u> </u>	कुडादरा	89	<u>6</u> P2	00	26	71
			4391411			00	00	34
			(जारी)	92				34
				91		00	08	34 -
	. 176.5	-	परवट	418	В	00	21	86
			7174	417	_	00	11	89
				415	1	00	38	84
				415	2	00	18	D 1
				413	-	00	05	09
				414		00	01	68
-				288		00	28	54
		•		286		00	01	08
				287		90	21	72
				285		OD.	00	15
				319		00	09	70
				320		00	18	45
				325		00	00	23
				324		00	21	09
				327		00	03	46
				328		00	59	80
				333		00	Q3	21
				370		00	08	40
				368		00	21	49
				364		00	33	84
				363		00	22	33
				341		00	35	98
				342		00	05	13
				340		ço O	03	21
				189		00	05	98
				188		90	03	64
				190		00	33	67
				166		00	D4	84
				197		00	05	43
				198		00	15	13
				199		00	06	58
				200		00	15	77
	•			202		. 00	12	86
				203		. 00	01	87
				212		00	35	31
				211		00	00	65
		•		210		60	43	19
				152		00	08	48
				150		00	15	88
				148		00	05	07
				149		00	12	22
				135		00	37	23
				133	Α	00	01	38
				133	В	00	32	42
				<u> </u>				
			ओभा	183		00 00	13 35	22 67
				184		. 00	03	07.
				185		00	90	93
				199		90	21	84
				171			09	22
				169		00	19	23 32
				168		00	19 17	47
				167		00		47 15
				217		00	80	60 12
				218		00	26	99 34
				219		00	01	34

 3 3	5	6	7	8	9
%' •∏	225	_ · 	<u>(30</u>	€3	62
(1975)	161		୧୯	22	01
	1970		03	35	నికి
	:44		-37	95)	47
	159		36	1.6	등7 등5
	148		. (35	39
	147		on 0	08	44
	158		00	02	94
	141	2	90	68	93
	156		Эe	25	95
	168	В	30	n:	16
	126		ου	G G	94
	7		50	15	81
	154		00	QB	P3
	1.19		(ii)	32	00
	1 1 P		JG.	30	07
			19.5	Võ	42
	1,5		Co	Gr ₂	85
	ast.		.214	υ¥	33
	59		4.5	23	97
	257		0	17	58
	701 111 72		-26	08	62
	72		QC.	0,	()7
	Ŋ		:-0	20	វិប
	69		i.t.	72	52
	47		06	23	5.6
	2.5		+:12	04	45
	23		9.5	94	56
	46		i. Gra	64	0.5
	754		20	0.7	49
	194.		00	2.5	24
	10.49		;-:	63	33*
	1,40,5		v.₹	91	27
	% 4c		65	59	57
	6245		1,71	54	49
	1046		C	09	99
	204	3	667	୍ର	93
	.^j):		fre.	Ü,	0 2
	12:08		Qr.	12	30
	1911		06	0.7	14
	1012		CC	02	36
	1210		60	26	45
	1296			00	ď5
	1548		(5)	52	34
	1142	A		04	41
	11/42	Ð	95	04	52
	*161		(m²	23	7.1
	1910		'H':	06	07
	. 17.9		72	00	05
	* 199		<u>'</u>	00	05
	.४म संस्कृत		1 G 0.0	0€ 17	61 43

New Delhi, the 20th November, 2008

s. o. 3136.—Whereas by a notification of the Government of India, Ministry of Petroleum and Natural Gas Number S.O. 893 dated 26-04-2008 under subsection (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the land specified in the schedule annexed to that notification for the purpose of laying a branch pipeline from existing Koyali — Dahej pipeline for the transportation of Petroleum Product from Amod to Hazira in the State of Gujarat by Indian Oil Corporation Limited;

And whereas, the copies of the said gazette notification were made available to the general public on the 1st May, 2008;

And whereas, the Competent Authority has submitted report to the Central Government:

And whereas, the Central Government has after considering the report and on being satisfied that said land is required for laying pipeline has decided to acquire the right of user their in;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the land specified in the Schedule annexed to this notification is hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby directs that the right of user in the said land shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of publication of this declaration in the Indian Oil Corporation Limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

State	District	Taluka	Village	<u> </u>			Area	
				Survey / Block No.	Sub-Division No.	Hect.	Are	Sq.mt
1	2.	3	4	5	6	7	8	9
Gujarat	Bharrich	Amod	intola	210		OD.	13	71
·				21 1		QΩ	13	22
				212		00	12	10
				226		ÓΦ	05	90
				290	P1	Đũ	39	90
				269		00	09	20
				281		00	14	45
				282		00	22	71
				283		00	00	51
				385		ეტ	22	42
				386		00	00	32
				384		00	00	45
				382		00	16	13
				376		00	05	30
				375		00	04	82
				374		00	12	77
				360		00	05	54
				369		00	26	26
				451		00	04	25
				462		00	16	13
•				460		OO.	BG	41
				461		ΦD	12	15
				459	•	Oθ	04	52
				489		00	08	95
				488		90	96	53
				490		0 0	00	05
				491		00	14	51
				493	1	Ċū	17	52
			Kolwana	782	1	00	00	9D
				782	2	00	04	51
				782	3	00	14	03
				781		90	15	77
				7 5 4	1	0:0	02	21
				7 8 0		00	06	09
				772		60	00	70
				779		00	¢9	10
				785	3	00	19	8 1
				776		00	21	04
				791		00	-00	05
				773		60	01	44
				792		00	19	Q7
				79 3		60	25	06
				627	A	00	00	58
				827	8	00	10	87
				828		00	00	45
				92 6		DO	18	32
				852		00	05	71
				351		QΦ	23	76
				850		00	10	31
				853		00	٥٥	D8
				1026		00	09	23
				1016		ÇÕ	00	36
				1017		Ğ0	01	44
						00	02	15
				1018		UU	ŲZ	1

	2	3	4	5	6	7	ß	9
	 -		Kolwana	1019		00	01	87
			(Contd.)	1025		00	05	64
				1024		00	01	59
				1020		00	09	95
		•		1023		00	02	18
				1021		00	16	08
				1022		00	00	09
				1011		00	17	64 50
				1010		00	10	58 05
				1099		90 00	00 12	09
				1114 1128		00	03	98
						00	00	67
				1115 1116		00	07	64
			•	1117		00	34	97
				1118	P2	00	07	41
				1123		00	23	48
				1207		00	07	50
				1208		00	33	55
				1223		00	07	93
				1224		00	09	44
				1225		00	08	00
				1251		00	14	74
				1252		00	05	40
				1253		00	05	22
			•	1256		00	05	43
•				1250		90	03	67
				1287		00	00	62
				1286		00	13	20
				1327		00	16	23
				1329		00	01	22
				666		00	05	45
				667		00	13	62
				1376		00 00	12	62 70
				1377		90	00 15	05
				1380		00	01	24
•				1379 13 81		00	28	31
				1391		60	05	02
				648		00	21	71
				1409		Õ	06	43
				1408	3	00	02	61
				652	3	00	02	Ŏ6
				654	3 3 3	00	03	62
				682	1	00	05	97
				682	3	00	04	08
				1404	1	00	11	61
				749	·	00	01	18
				1403		00	28	30
				1401	1	90	06	80
				1401	2 1	00	00	86
		•		1402	1 .	00	02	80
				1402	2	00	01	09
-		Vagra	Vichhiad	133	1	00	07	71
				133	2	go go	02	37 07
				136	A	00	30	06 70
				136	е	00	07 25	72 57
				142		00	35 36	57 52
				114		00	36	53

1	2	3	4	5	-6	7	8	9
			Vichhiad	92	A/1-1	ce	07	77
			(Contd.)	92	A/2-P3	00	35	64
				92	B-P3	00	29	34
				9 3		90	25	06
				81	:	90	59	18
			Sachan	121		00	14	19
				120	Α	00	41	76
				120	В	06	42	50
				145	1	(K)	28	35
				146	2	00	72	83
				135		CO	16	92
				150		90	10	75
				163		(/U	32	50
				168		00	17	17
				169	P1	90	02	10
				169	P2	oυ	12	56
				167		30	10	05
				185		90	23	35
				189		00	01	78
				181		ão	51	25
				180		GĐ	11	51
				211		00	24	20
				210	1	65	11	69
				212	P1	ÇÕ	11	35
				212	P2	20	10	35
				214		90	63	49
				213	P 1	00	21	45
				213	P2	àa	30	69
				225	3	50	00	97
			Vagra	682		00	12 -	42
				683 738		00	20	52
				728 703	Α	00	00 43	05 ee
				7 2 7		60	16	99
				7 24		0Ω 0Ω	01	15
				723 700		ďΟ	80	58
				709		00 00	D1	B3
				722		60	05	98
				711		GO	05	41
				713		00	80	00
				714		00	03	42
				720		00	12	82
				719		CO	15	67
				718		30	06	48
				746	1	00	27	33
				752	1	00	04	68
				752	2	90	02	55
				752	3	00	27	10
				762		90	24	41
				764		00	11	12
				765		ÓŨ	31	56
				7 9 5		00 00	14	44
				796		00	00	90
			Prsad	66		00	61	34
				67		99	16	20
				71		00	00	74
				71 70 70	P1 P2	00 00 00	00 2B 09	7 4 22 25

[[명 啰 3(ii)]	<u> </u>	भारत का राजपत्र : नव	1-4(27, 200th 41%)	,44-10, 1750			626
1 2	3	4	5	• б	7	8	Ð
		Pisad (Contd.)	78		00	25	71
		Saran	39		00	03	92
			40		0 0	14	61 26
			38 41		00	07 12	02
			37	•	00	30	49
			51		00	16	80
			22		00	21	86
			20		00	19	76
			12		00	37	37
			17		00	21	38
			93		00	04	35
			92		90	26	72
			91		00	07	04
			109		00	08	01
			108 110		00 00	12 00	92 33
			117.		00	19	78
			150		00	00	05
		•	149		00	21	14
			166		00	16	55
			147		00	01	44
			167		00	24	28
			168		-00	13	69
		•	169		00	51	50
			195		00	32	16
			190		00	51	86
			188	54	00	45	87
			240	P1	00	02	77
		Sayakha	113	2 ,	00	12	68
			114		00	08	94
			115 .		00	12	17
			116 140		00 00	10 19	04 97
	•		141		00	86	31
			152		00	08	52
			154		00	07	87
			153		00	23	92
			166		00	18	39
			167		00	55	09
			170	1	00	41	50
			223	1	00	19	10
			409	3	00	13	88
	-		. 227	1	00	06	36
			228	1	00	06	94
			229	1	00	22	56
			23 2 255	P2	00 00	25 37	69 50
			255 256	1	00	24	09
			257	'	00	36	54
			270	•	00	33	0 5
			269		00	42	91
			276		00	16	67
			275		00	10	26
			277		00	21	81
			283		00	21	59
			285		00	16	49
			284		00	17	52

1	2	3	4	5	6	7	8	9
			Sayakha	410	1	Ø\$	20	62
			(Contd.)	410	2	00	01	59
			(295		ØÐ	20	36
				308		QΦ	19	32
				293		CO	29	70
				310		60	29	51
		Bharuch	Amleshwar	1012	-	00	09	23
		Dilaipei.		1013		QΦ	14	76
				1014		ĠŎ.	56	58
				1031		ο̈́ο	50	29
				1032		60	22	37
				1038		CO	07	35
				1042		00	81	67
				1039		60	00	20
						00	00	14
				1646 4345			24	96
				1045		Ç0		
				951		00	09	87
				952		00	07	28
				941	_	00	13	78
				950	P	0 0	06	38
				942		90	07	28
				944		00	08	28
				945		90	00	05
				940		QΟ	02	51
				945		σQ	06	19
				888		00	32	04
				8 9 1		CÓ	32	47
				877		00	56	77
				876	Α	00	02	45
				875		00	18	47
				872		QO.	09	15
				867		00	15	21
				B61		ĊĊ.	27	04
				865		00	13	16
				864		00	23	61
						00	09	55
				778 779		00	03	45
			Shankhwad	28		ÓG	48	92
			Spanknwau			00	12	35
				40		90	33	68
				41		90	01	22
				42		00	04	78
				72			18	09
				71	99	00		
				88	P2	00	23	78
				70		00	10	63
				89 -		6D	07	22
				88	P1	00	40	29
				92		00	05	14
		· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	Navetha	110	-	00	09	84
				111		00	01	- ;
				112		ca	20	38
				134		00	05	15
				136		00	19	67
				135		00	10	46
				139		00	01	Ō
								D/
				146		00 _00	13 1 <u>6</u>	90 <u>3</u> 1

1 2	3	4	5	6	7	8	
<u> </u>	 	Navetha	149		00	19	- 1
		(Contd.)	150		00	07	
		,	128	B	00	00	:
			150	Þ	00	09	
			180		00	19	
			192		00	23	
		1	192	₽	00	20	
			217		00	19	
		•	218		90	12	
			214		00	15	
			312		00	1 8	
			311		00	14	
	•		313	٠	00	01	
			310		00	29	
			309		00	03	
			270		00	14	
			324		00	17	
			274		00	29	
			277		0 0	04	
			4 17			•	
•		Mustfabad	277	P1	00	04	
		(Bhedbhut)	188		00	29	
			185		- 00	10	
			187		QD	15	
			1 95		00	25	
			199		00	20	
			180		00	07	
			178		00	17	
			200		00	06	
			201	P1	00	15	
			202		00	13	
			179		00	10	
			252	P1	00	05	
			248	P1	. 00	55	
			249		00	01	
			246	P1	00	00	
			313		00	23	
			318		00	21	
•			317		00	13	
			316		00	01	
			339	P1	90	27	
			340		00	07	
			341		00	00	
			337	P1	00	19	
			344		00	19	
			376		00	19	
			369		00	45	
			375		00	00	
		•	370		00	05	
			371		00	96	
			437		00	30	
			436		00	03	
			435 445		CO	14	
					•		
	Ankleshwar	Dhanturia	351		01	52	
			383		60	12	
			381		00	OB	
			373		co	11	
			372		00	15	
			337		00	15 .	

[j]

Extension of the		C II R#74 , fo 795 : 	9/41910 29, 20087/	NGRADANA (ACC)	970	(PAC)))\$ ₁ / 5
	3	4	5	<u>ਨਾਪਤਰਨ,</u> ਹ	. · · -		·
		Chantur >	338				— — <u>;</u> .
		(Consd.,	314		::	11	33 21
			330		76.3	35	ĝ.
			317		زين	30	-~ ∂\$
			317	2	86	1 1	76
			316		სენ	32	5
			316	Ç.	Ste	(A)	6?
			319		ÇO;	23	34
			297	Λ	60	7.2	57
			2 96	2."	(50)	15	21
			29 6	29	96	(.4	50
			279 2 8 0		99	06	45
			281	i.e	06	QS.	ಕರ
			281	:	90	12	98
			282	28	96 80	ű!	1.5
			283		99 ->9	90 90	56
			284		00 00	26	88
			240		96 20	13	78
			175	Ċ	00 00	11	25
			176	L.	39 -20	07 25	47
			177	,	3G	12	66 63
			177		33	03	97 14
			178	ŕ	20	05 04	175 277
			179		ĴD.	12	43
			180		90	46	17
			133	١	-363	ΩĞ	o. √
			92	_j ut	.30	06	36
			92	91	0.0	1 [23
			94	Ü	(بان	::	Q4. 3
			90	Ü	(Q)	17	8.5
			62		00	001	<57
			63		Ç0	10	4
			60 	ŗ	(30)	97	1)
			65 63		00)	ij	4.
			5.4		40	(%)	20
			. है 44	i	373	. 4	6j#
			<i>3</i> 3	•	30	12	9-1
			43	3 2	30 (31	(*** ***) (7 0.00
			* 2	N.		Ot.	03
			42		00. 00	1) 25	7.7 200
			42		00	(6 %2	65 65
			52	5	35	i 2	12
			24	·	30	02	
			25	•	Ü	15	วัล
			28		90	00	36
			26	f	1.5	30	70
			27		ÇiC	1.5	7.6
			29	1 2	(d)	(0)	40
			\$ 0	2	(i_0)	09	12
——————————————————————————————————————		— Mokao	509				~ · · · · ·
		TROTAIRE.	509 609	;	00	18	; .I
			509	и 3	00	25	165
			51G	ა 3	U0 00	30 50	444
			51Q		20 83	18) 750	91
			507	÷ 3	00 90	70 66	
			55D	J	00	64 24	10 60
			549		90	e + 13	71
			·		1553	ı.	7.1

1	2	3	4	5	6	7	8	
<u></u>	<u></u>		Matiad	548	<u>D</u>	00	12	9 88
			(Contd.)	63 6		00	04	90
			(Curio.)	638		90	04	87 19
				635		90	26	
				639		90	15	61 26
				640		90	13	36 29
				642		00	14	62 62
				657		80	13	
				658		00	23	50 50
				660		õõ	00	59 05
				661		00	18	03
				662		00	19	91 20
				669		00	01	02
				667		00	18	07 07
				666		00	15	90
				220		90	16	38
				219		00	33	74
				218		00	21	17
				217		00	26	47
				214		00	09	30
				209		00	17	12
				189		00	12	12 93
				190		00	10	07
•				186		00	02	40
				179		00	18	57
				180		00	14	10
				181		00	01	99
				171		00	25	34
				170		00	19	85
			•	165		00	09	65
				164		00	09	97
				163		00	28	77
				130		00	19	45
						• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •		
		Hansol	Mothia	33		90	02	05
				57		00	15	42
				56		90	18	87
				59		00	09	. 60
				60		00	Q 7	* 24
		•		61		00	15	84
				62		00	80	79
				82		00	19	92
				83	A	00	15	26
				2 19		00	02	53
								
			Digas	583		00	05	31
				586		OD	37	45
				609		. 00	21	77
				608	A	00	03	22
				608	В	00	18	18
				614	В	00	00	78
				615		00	25	92
				643		oc	22	68
				6 16		00	00	72
				617		00	01	61
				642		00	07	50
				6 18		90	01	95
				619		00	02	01
				624		00	08	60
				526		00	33	55

		 		· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·			<u></u>	
1	2	3	4	5	G	7	8 70	9 23
			Digas	5 527		Ĉέν	7.)	23
			(Costdi)	533		$\langle \omega \rangle$	67	કહ
				529		% 3	0.5	3G
				651		De	32	61
				505		-777	Ç.Ş	21
				502	A		7.1	63
				56 3	5	(3)	16	Ü4
				492		00	25	51
				473		οÇ	ίψ	50
				470		1:0	15	દ્ય
				464		00	25	83
				450		60	23	56
				451		-15	:6	5 6
				452		7:	03	60
				453		50	ú3	ΥO
				464	Α	55	63	42
				454	9		10	7.0
				44?		äΩ	95	0.
				440		Ì-ō	20	21
				436		36	.!	43
				437		50	15	75
				416	А	02	27	04
				4 :5 4 :6	9	249	Ç7	23
					2		54 34	32 (17)
				404		00 61	54 12	96 1 8
				403				13 27
				401		37	09 20	
				402	В	00	:7 8	05
				393		(n)	14	29
				3:6		<u>(%)</u>	18	5-8
				317		00	ų.o	38 20
				347		00	13	06
				352		57	1.4	96
				354		26	58	83
				361		-565	17	24
				380		3c j	34	79
				338	P_{i}	10	77	25
				338	В	50	11	98
•				362		.,!	0 5	10
						,		
		Ankleshwa:	Mictwore	172		:	93	70
				173		Qr.	3.7	32
				191		167	10	42
		Hansat	Kalam	28	F1	20	14	33
				57		60	65	51
				58		.20	04	50
				5 0		(70	าธ	54
				50		00	15	/4
				ő		\$10°C	16	67
				81		199	44.	96
				67	A/2	277	ρ_5	28
				67	P/1	39	03	23
				ଧେ	В	55	10	23 07
				69	Ā/2	άű	06	95
				? 4		ĞĞ	03	58
				75	A	- U	15	03
				75	B	144	33 33	GF GF
				76	A+B	4. D	04 04	96 87
				: U :::0	VITE:	70	ji	0/
				178		0.0	Ĵι	U)

1 2	3	4	5	6	7	8	
<u> </u>	Hanset	Kalam	84	Α	00	37	
	i lurivet	(Contd.)	28	G	00	01	•
		Rohid	525	A	00	00	
		140mA	523	.,	00	13	
			494		00	08	
			495		00	07	
			496		00	96	
		·	521		00	14	
					00	12	
			520 540		90	12	
			519		00	15	
		•	476	B A	00	08	
			476	Α		06	
			474	_	00		
			50 0	Ą	00	00	
			501	A	00	31	
			502		00	15	
			503	А	00	03	
			393		90	12	
			353		00	09	
			364		00	62	
			365		00	0 4	
			3 66		60	14	
			367		00	05	
			389		00	08	
			360		00	20	
			264	В	00	06	
•			281	-	00	03	
			280		00	04	
			278	A	00	75	
			279	3	00	20	
			265	ь.	00	00	
			277	Α	60	13	
				^	00	14	
			268 260		00	06	
			2 6 9	A B	00	01	
			269	Þ			
•			271		00	00	
			270		00	10	
			256	₽	00	13	
			255		00	09	
		Kudadara	135		00	09	
		· · ·	153		90	00	
· /			152		90	13	
			145		00	16	
			144		00	17	
			143	A	00	17	
			143	19	00	06	
			139	5	00	08	
			138		00	09	
			137		00	07	
					00	02	
	•		133		00,	42	
			82			13	
			81		00	04	
			, 86		00	09	
		•	87		00	27	
			88		00	23	
			77		00	11	
			75		00	09	
			89	A	90	29	

8 70°8 67 	EL CET OF UNDIA: NOVO:	19. / 10. BRIS/AC	GRAHAYANA 8	. is,	(θ,x)	f - 80 %
_1	.i. 5 Kusadata		6	··· ·· ·· · · · -	· 8	9
		, '	<u>6</u> P2		8	7:
	(Contdi)	: <u>:</u> :		₹30 1	Ø*	34
		₹ \$.12	$\langle \mathfrak{B} \rangle$	Ber
	Penal		<u></u>		· - · · · _{2 γ}	
		(3)	_	3	41	BÇ.
			1	- 1	39	84
		! <u>3</u>	2	, Ó	ů,	21
		: 12			JS	ŌS
		4 ()		:	(1)	68
		ϕ_{ij}^{BB}		1;	99	54
		117		21.5	01	00
		. J 1			25	72
					62	15
		•.		:. <i>:</i>	(19	70
		⁻:.		•	13	35
		·		.:	ÜÜ	23
				:	?:	69
		27			202	455
				: .	5.1	39
		33.		'>	(3)3	24
		ij i		• •	08	4.3
		. (%) - 3.			22.1	45
		38%		:	33	41
		n fils an			93	2a
				÷	38	98
				\cdot	୍ର	13
		. 3		•	(3.) (3.)	21
		 . 36			38	88
		1.00		ÿ.;	03	€4
		199			.33	67 61
		in s		75 70	0-4 US	S4
		· ::		6.5	97 15	₹3 45
		γÖ		1997 V	- 60 36	13
				ô.	75	58 77
		.50		. 10.	12	9.3
		<u> </u>		20	01	202 85
		2		207 2072	3V.	31
		11		o.t	60	65 65
		. 1.1			43	19
		15.		5	G6	48
		100		174	35	88
		30.8		3.7	يَّن فِي	07
		5.4.3		5.5	12	22
		5.25				

				12	22
			F.,	37	23
	: * 7	A	X*	(3.)	39
	.33	Ð	0.7	32	42
Oons	র্ণ			<u> </u>	22
	8.77		Ģe)	36	67
	bo		Ú.	9)	07
	99		(5)	(C)	93
	121		62	21	84
	199		90	ÇS	23
	:08		190		32
	1 16 m		5.47	7 .	47
	317			03	15
	.!18		· 6		99
	218		6.73	Ü1	34
	Oons	55 500 503 Oons 99 54 56 99 54 569 508 567 517	38 111 A 133 B Oons 39 14 50 89 14 153 108 107 217	100	100

1	2							
		3	4	5	6	7	8	9
	,		Obha (Casta)	220	•	00	03	62
			(Contd.)	161 162		00	22	01
				160		00	18	88
				144		00	00	47
				159		60	06	65
				146		00	02	39
			•	147	•	00	08	44
				158	•	00	02	94
				141	2	00	80	93
				156		00	21	95
				155	В	00	01	16
				126		ĊO	00	94
	•			127	'	. 00	19	. 81
				128		00	08	86
				119		00	02	00
				118		00	20	07
				1)7 112		00	16	. 42
				455		00	98	85
				456		00 00	04 23	33 67
				458		00	47	97 50
				73		00	17 08	58
				72		00	01	62 07
				70		00	20	79
				69		00		97
				47		00	22 23	59
				22		00	23 04	48
				23		90	04	50
				46		00	04	05
				24		00	0 4 07	49
				25		00	09	24
				1249		00	03	51
				1203		00	01	37
				1248	•	00	09	57
				1247		00	04	49
				1246		co	09	90
				1204	Ħ	00	05	93
		•		1207	•	00	07	02
				1208		DC	13	93
				1211		00	57	14
				1212		00	02	66
				1215		00	26	41
				1216		00	00	05
				1143		00	02	34
				1142	Α	6 0	04	41
				1142	₿	00	04	52
				1141		00	03	71
				1129		00	05	07
				1133		ėo.	CO	05
				1130		00	00	05
				1131		00	06	6 1
				1132		00	17	43
				1123		00	08	01
							_	

[F. No. R-25011/1/2008-O.R.-I] S. K. CHITKARA, Under Secy.

अम एवं रोजगार महालय

अर्द किन्छी, ३१ अबद्धार, २७७४

का,आ, १९७७ भीर्यारिक विधार क्रिक्सिंक का,आ, १९७० थए (1947 का १९) का अस १७ को अनुसरण में, काई। १९७० सिंहीकोर बैंक का राजेग्योर की संबद्ध निर्धालकों और १००० १० वर्ष को बीच, अनुस्थार १ जिल्हा भीरोतिक विवाद में केन्द्रीर उत्पाद औद्योगिक आंधारण सम न्यामालक लखनक की एक १ (गोर्थ) सी 20/2005 भी पद्धारिक क्रिक्ट के को बोस्टर अंधारी 31-40 2008 को गाम सुना का १

> (१८, ५७% (2014, ४२,०१८- व्यक्ति अप. १८८४)) सम्बद्ध कुम्मा ३५% अस्टर्स

MINISTRY OF LABOUR AND EMPLOYSOFT A

New Taylor, the Jose October, 2008.

> 100 (177 200 PT 2004) (176 B) 100 (170 Pt (170 Pt) 3 850 Pt (170 Pt)

SYNTAGRE

CENTRAL COVERNMENT INDUSERS.
TRUBENAL A USA LABOUR COURT, LE CANON

PRESENT INK. PURCERT

 $i,\,12,\,Ne,\,20/2007$

Rev No. 1 (1991) 20005 PG B-Ha dated sept (195

GF TARKA

The Socretary, syndrone Bunk bundleyees closer Unit State cost more, \$1. Statwasin Vanish, Lucknow-Effects

TAPONE CONTRACTOR

(In the mostly, of Six Plan it air)

AND.

The Dy Goles of No. Sept. Syndione Bart. Zonal Office, W. et University Road. Bhavarian on: Merca Oc. P.A.

3383R3

Englished the Mad October 2006

1. 6y these No. 1, 1201117, 2005 (NeW 1), miss 6-6-2005 the Central exercise activities Morses on the free New Delin in exercise of powers conferred by after 1, 0) or sub-section (1) and sub-section (2A) at Section 3, of the Industrial Disputes Act, 1927 (14 of 1980) refer to this industrial dispute between the Secretars, Synather torus

Employees Union, Lock their lead for Dy. General Manager, Syndicate Bank, Memor 111 (1960), adjudication.

- Whether the Norther on the Management of Syndicate Bank at the Societarising the Services of Sci-Rain Lal, partition when past and partition when what reflect the concentration of the concentration.
- 2. In binefit the state of the workman is that he was appointed as part for a superpart in lixtension counter of Syndicate Bank on the 31 way on to avoid and superpositional letter and the workman and a superpart fixed wages (6) \$0.000 per month which was absolutely achieved to 1 that of the scale wages on 25 of 30 that he is working as such since then without an intends that it must be the be treated as appointed on percenture, buys against a permanent post. The workman has pass of an intend the Bank confequent of him as permanent copy to a coldine Bank confequent of him as permanent copy to a coldine Bank.
- 3. The money are in the denied the observe of the workman for region, the second distribution with the written are the second distribution workman the cost appointed in account the second distribution workman the cost appointed in account the second distribution work as placed in the copy and the base on the of the work as placed of the work as placed on the cost of the thought temporary in the cost of the cost of the document of the workman while copyright in the best extension in the service of the Basic distribution of the workman while copyright in the be expenditive in the regularization as part true to we one cumon the considered or per guidelines (see a by the Covit of India with regard to the filling of vacuum, cold discontose, the claim of the workman is not ten as a
- 4. On 21-to 25 of a thick step, of worker covidence in application has been also about the backers representative of the workmon 15 to a few about the class, of the workmon 15 to a few about the workmon additional copy of the federal of the 15-10-10-10 regarding order of approximant to home to the representation of the Black. The workmon has stated to a solutional disappression dispose is stigarding regular seasons as the disk opening and he has been officied regular appetite some of indick and of order points dated 29-11-2007. The resource in space areas is reveal, the parties.
- 5. Since a Collection in representative of the management is not a sociality on the since of board y to the ease. The present of a period for some beauty Symbolic banks the workman Sh. Roman, any one formary. Symbolic banks timologies Union association to with move the ease has been moved by the action with a well representation of the said union. There is no view of table we tacts be as otherwall to withdraw the con-

6. In the above circumstances it is held that there is no need to decide and reply the reference on merit and the same is disposed off as there is no grievance left with the workman after withdrawal of his case. The matter is resolved as above and the reference is answered accordingly.

N. K. PUROHIT, Presiding Officer

नई दिल्ली, 31 अक्तूबर, 2068

का.आ. 3138—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की थारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार पंजाब एण्ड सिंध बैंक के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक अधिकरण/श्रम मंत्रालय कानपुर के पंचाट (संदर्भ सं. 28/2001) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 31-10-2008 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12012/163/2001-आई आर (बी-II)] सजिन्द्र कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 31st October, 2008

S.O. 3138.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 28/2001) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Kanpur as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Punjab and Sind Bank and their workmen, which was received by the Central Government on 31-10-2008.

[No. L-12011/163/2001-IR(B-II)]
RAJINDER KUMAR, Desk Officer
ANNEXURE

BEFORE SRI R. G SHUKLA PRESEDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, KANPUR

J. D. No. 28 of 2001

BETWEEN

Sri Hari Prasad son of L. Laxaman Singh 1217/1550 Ratanpur Colony

Panki, Kanpur.

AND

The Senior Manager, Punjab and Sindh Bank, Branch Office, Gadarian Purwa K-622, Kanpur.

AWARD

1. Central Government, Ministry of Labour, New Delhi vide notification No. L- 12012/163/2001 IR-B-II dated 29-11-2001 has referred the following dispute for adjudication to this tribunal.

- 2. Whether the action of the management of Punjab & Sindh Bank Gadarian Purwa, Kanpur, in terminating the services of Sri Hari Prasad son of late Laxaman Singh w.c.f. 5-10-99 is legal and justified? If not to what relief is the concerned workman entitled to?
- 3. It is the own case of the workman that he was engaged as a daily wager by the opposite party bank on 01-01-91 and worked as such till 4-10-99 and when he reported for his duty on 5-10-99 he was not allowed to work by the opposite party in this way his services have been removed by the opposite party bank in breach of the provisions of Industrial Disputes Act, 1947, inasmuch as at the time of his termination neither he was given notice nor notice pay the retrenchment compensation by the opposite party bank. Therefore, his termination falls within the term of retrenchment which is bad in law and he is liable to be reinstated in the services of the bank.
- 4. A Part from above it has also been pleaded by the workman that beside performing daily work he was also doing the regular and permanent work entrusted upon him by the bank and he orally as well as in writing requested the bank to absorb him in the service of the bank which annoyed the authorities of the bank as a result of which he was removed from the service in an illegal and arbitrary manner which is against the rules and against the provision of the Industrial Disputes Act, 1947, which is liable to be set aside by this tribunal and he be directed to be reinstated in the service of the bank with full back wages and all consequential benefits.
- 5. On the other hand the claim of the workman have been vehemently denied by the opposite party bank on a number of grounds, inter-alia, that no officer of the opposite banks is empowered to appoint any employee in the bank unless he has been subjected to selection process framed under recruitment rules; that the workman has never been subjected to any such process, no appointment letter or termination letter has been issued to him, workman has never been given regular wages from the approved budget of the bank, mere by way of working on the basis of daily. rated workman he cannot lay his claim towards his reinstatement in the service of the bank, the disengagement of the workman cannot amount to retrenchment and being so he cannot be protected under the provisions of LD. Act. On the basis of above pleadings it has been prayed that the claim of the workman is devoid of marit as the opposit party never breached any of the provisions of the Act, therefore, the claim of the workman is liable to be rejected.
- 6. After exchange of pleadings between the parties both contesting parties have led oral as well as documently evidence in support of their respective claims.
- 7. I have heard the arguments of the parties at [10] of and have also perused the evidence and documents available on record carefully.
- **8.** It is pertinent to mention here that the instant case can be decided only on the basis of admission of facts

ignoting the classicand evidence of the opposite plant book. in view of settled local position that the labele a cross-Industrial Tribunals are not supposed to be used as a means for providing appearance; against public employment without folios mg tracis confonent rules in view of leaflers case Sint. Chariteer are ited by the Hon'ble Supraof India in which it and Jenety for a belief by \$6.00 ftg. Court that a decision of corplexes, caspalled temporary coop over the even adjoint engineer for a to claim repostatement adminstrany partiager (p. 17) he has completed 100 days of continuous services a sonwithout under the hig through reconstruence in a Hon ble Supreme Court of India is its decision and the secalso deprecated the practice of providing such error In view of this serial legal position, it enjoyee. the own pleasures of the workman that he was enough or daily rate basings some officer of the branch of the stank. The opposito years bank in its reply has clearly recored that no officer. The book is empowered to open about any person and any and all appointments are a concept to supervision, and control of the (Read Office of) and only such persons are offered regular and person calemployment in the braik who are found (%,%) and in and interview

9. In view of above and also in view of the contillar the workman bas not whospered even a single work is our in his pleadings of the los evidence about the kind of the ofthe provisions in the service condition, therein remains hardly may need to discuss further evidence of the contesting purpose in the instant case as it weght to repally futile exercise on the part of the labour court. Move the this provisions of the Arr cannot be read in scharmer the absence of plenday - regarding breach of the processors of service rules as the provisions of the Article and by termed to be provisions governing the service at of the workman. Howefore, is view prighton, it is a print the provisions of the 115. Act, are not approxicase of the worker of and the workmon games of all the entitled for more deal as dishrated under the fire 1. State are apply of money to such weeken in appointed with interestoring recould agree the surface. in View of the constrained that the weakmanger, we see each entitled to, a series a channel by him.

To Tastly it is concluded that the working is most be helder of or it over retefus claimed by the analysis of the of above to be the constant. Therefore, the reference is a state be decribed by the two kinds and in the constant management and it is held accordingly.

11 Reference o therefore answered second (a) R. G. SHUKLA, President (b) e.g.

२८ (५०), ३ **अक्टूब**र, २००६

कार्भा ३१३९ आंशारिक विश्वाद अधिरेत्यः ॥ ८० ११९४७ का १० और १० श्री आस्माल में कम्मीर २००० व्याद एड विश्व के तो दार शारा समाह विश्वकर्ती कार्यक्त ॥ १८९० कं ब्रीच, अनुबन्ध में जिल्हिए शीदोगिक जिनार में ब्रोसीच माफाए आद्योगिक अधिकरण असे नगदायद कानपूर के पंचाद (संदर्भ मों 15/2006) को प्रकरिश करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 31-10-2008 को प्राप्त हुए तह ।

> [भी १५ | २०११ ५:२००५ आई आर (सी 11)] र्यासन्दर्भुमार, तेम्क अधिकारी

New Della The 31st October, 2008

S.O. 3139. In presumed of Section 17 of the Industrial Disputes A.E. (947)(14 of 1947), the Central Government hereby pulsatives the award (Ref. No. 15, 2005) of the Central Government about Court, Kanpun as shown of the Amexico, in the Industrial Dispute between the minuscencest of Punjab and Sind Bank, and their woodshaar received by the Central Government on 31-10-39-8.

[No L-12012 5 2005-4R(B-H)] BAJINDER KUMAR, Desk Officer ANNUNCE

BEFORE THE PRINT CSG OFFICER CENTRAL GOVERNMENT IN A STREAL TRIBUNAL CUMLABOUR COURT, STREAM BRAWAN ATTE CAMPUS, UDYOG NAGAR KANPUR

Present Sr(R.G. SHUKLA, H.J.S. Industrial Dispute No. 15/2005

BERWEIN

Sri Vishal Kumar Afras Vislom Kumar Sfo Ghanshyam Das IVo 37:87, Nagla Path, 'Yaya' Bagh Road, Agra-AND

The Zonal Manger Punjab And Sindh Block

8, Jwala Building, Lai Faelt, Tucknow-

AWARD

- 1 Central Government, Munstry of Labour, New Delhi vide notification No. 15 (2012 \$ 2005 IR-B-II dued 25-5-2005) has refer to a title following dispute for adjudication to this inband for adjudication
- 2. Whether the action of the management of Pungah & Sindh Bank to terroringing the services of Sri Vishal Rimar alias Visha a Kemai water boy peon with effect from 27-2-2000 is justified and legal 2 limot to what relief is the concerned to thorain is entitled?
- 3. In short the energy of the workman is that he was appointed in the month of July, 1990 by the opposite party without any appointment letter against 4th class cacately. He performed the work of that post regularly for 8 boars in the bank and that he are a performed the work of peop which was of a regular and performed the work of peop which was of a regular and performed the work of peop which was of a regular and performed the work of peop opposite party. After taking work from the workman at the branch where he was proported the opposite party transferred has services from that branch at their extension.

counter branch at Guru ka Tal Gurdwara Mathura Road Agra, in the year 1996. At that extension branch the workman apart from the work of peon had also performed the work of clerk and when he claimed in this regard he was told by the officers of the branch that when he is discharging the work of clerk he would automatically be deemed to be a clerk of the bank but despite repeated request made by the workman in this regard he was not issued any appointment letter in this respect by the opposite party bank. The opposite party denied the workman in marking his attendance at the attendance register but he was assured from time to time by the officers of the opposite party that he will be issued regular and permanent employment by issuing appointment letter. The workman has further pleaded that he made repeated request before the officers of the opposite party to declare him a clerk of the branch but they did not pay any heed in this regard. It has also been pleaded by the workman that at the time of termination of his services on 27-2-2002, the workman was neither paid any notice, notice pay or retrenchment compensation by the opposite party therefore, the action of the opposite party bank is in gross violation of the provisions of section 25 F, 25 G and 25 H of the Industrial Disputes Act, 1947, and lastly that it has been prayed by him that he be reinstated in the service of the opposite party with full back wages, continuity of service and with all consequential benefits.

- 4. The claim of the workman has been refuted by the opposite party on a variety of grounds. It has been pleaded that the applicant has never been appointed by the opposite party bank in any capacity whatsoever. Rather he was a casual employee for undertaking casual job on day to day basis as per requirement and exigencies of work accordingly such casual employment does not create any or yest any right in him to claim any regular tenure in the bank. In view of above question of termination of his services does not arise at all. It is also denied by the opposite party bank that the workman had ever worked about 8 hours on any day, it has also been denied by the opposite party that they ever transferred the workman to its any of the branch. It has also been denied by the opposite party bank that they ever utilized the workman for taking clerical work at the branch or at their extension counter. Lastly the management has denied any relationship of employer and employee between them and the workman and on the above basis it is pleaded that the claim of the workman is devoid of merit and is liable to be rejected as the provisions of Industrial Disputes Act, 1947. are not applicable in the case of the workman.
- 5. The workman has also filed his rejoinder statement in the case but a perusal of the same would reveal that nothing new has been pleaded in it than what has been pleaded in his statement of claim.
 - 6. Both contesting parties have led oral as well as

- documentary evidence in support of their respective cases. There is also joint inspection report filed by the parties
- 7. I have heard the contesting parties at length and have also perused the relevant records of the case carefully.
- 8. It has been argued by the authorized representative for the workman that the workman had worked under the opposite party continuously for years together and has also performed the work of clerical nature apart from performing the job of peon cum water boy and that he was repeatedly given assurance by the concerned officers of the opposite party that he will be soon given appointment order but by way of adopting unfair labour practice he was removed from the service of the bank even without following the provisions of the Industrial Disputes Act. As against it, it has been argued by the representative for the opposite party that the workman was never appointed by the opposite party and that there never existed any relationship of employer and employee and that the workman was engaged by them as a casual employee as per exigency of work and he was paid accordingly on day to day basis and also that they never taken the work of clerical nature from the workman.
- In view above it has become desirable to examine the fact as to what legal right could be derived in layout of the workman in view of his statement of claim and eyidence led by him. In his cross examination the workman has categorically admitted the fact that the post against which he was engaged was never advertised by the bank in the newspapers and on the notice board the manager of the branch had informed to that effect. He further stated that on coming about the vacancy through neither notice board he visited at the branch and that no written examination was ever held in this regard, nor any call letter. was issued to him by any of the officer of the branch. He categorically admitted the fact that he was never issued any appointment letter or any transfer letter from New Agra-Branch to Guru Ka Tal Gordwara branch of the bank. Workman has also admitted in his eyidence having taken loan for opening shop for Parchoon and has also admitted the documents executed by him in this regard
- 10. The attention of the tribunal was also drawn to the joint inspection report dated 13-2-2007 document no. 18/3 available on the record of the case. A perusal of the same would go to reveal the fact that there are certain entries found mentioned in the hand writing of the workman on certain documents of the bank. But that will not entitle him to be declared as a clerk as possibilities cannot be ruled out that the workman might have performed that job in his own hand writing of his own without orders of the seniors in this regard with a view to improve his claim in future. It is settled legal position that if any work is performed without the orders of the competent authority by any person under service rules that will not entitle him for any kind of service benefits. In the joint inspection

report it has also been found that entries on sho to ok off date 3-1-61, 3-1-01, 15-1-01, 18-01-01. 12-61-01. 27-01-01, (9-02-01, 16-02-01 and 17-02-01 are this or also in the hand writing of the workman and it is also it is from the joint inspection report that the record for the period 18-01-02 to 28-02-02 was not made available as the same was not traceable. Certain vouchers have of a been injected for action period to find out as to windier the workman has completed 240 days of continuous and for the period baseless of to 26-02-02 which certainly goes to prove the fact that he workman has worked for more than 240 days of continuous service under the opposite party bank.

- 11. The tribunal after giving anxious consideration to the arguments of the workman in the light of his evidence and the joint inspection report is of the confirmed opinion that even if it is proved that the workman has completed for more than 240 days of continuous services as has been established by the joint inspection even then be cannot be given any benefit of the same as tiest of all it will have to be considered as to whether the provisions of the Industrial Disputes Act, 1947, are applicable in his case and as to whether his case falls within the definition of retrenchment as has been defined under Section 2(on) of the Industrial Disputes Act, 1947, or not.
- 12. To appreciate the point merely ofcedings, evidence and arguments led by the workman is not sufficient without appreciation of the pleadings, evidence and arguments of the opposite party. The cont of the arguments of the management is that the appointment engagement (1) be workman is prima facte if (e.g.) as no officer of the bank is entitled to appoint any person his the bank without following regular selection proces: "When this argument is viewed in the light of the settle in lead? position and in acrosco parisprudence, the trabular analiforce in the agreements of the opposite party sank. Therefore, when the appointment or the engagement as the case may be, as not as accordance with the service rules, working days of the workman even for even more 240 days may be cannot help to him for the purposes of invition the provisions of the Industrial Disputes Act. 1947. Also more to say that it is the specific case of the opposite party bank that there never existed any relativistic of master and servant between the parties the warkbanconcerned cannot be govered under the definet, a of workman as defined under Section 2(s) of the Act, tip in tione, in this view of end it is held by the tribunal that the provisions of Industrial Disputes Act are not applicable in the case of the workman, therefore, he cannot be held votific indiaby relief whatsoever.
- 13. The representative for the management law ented certain military, in support of them case but all that all are under one to the control expressed above hence there is a monetic to the control of a state in the present as the consequent of the art for an law.

246 days of continuous employment and if it is found that his initial engagement or employment is void *ab-initio* be cannot be held entiried for the relief claimed by him.

.....

- 14. Pin pointed attention of the tribunal was drawn. towards settlement dated 16-10-92, document nos. 14-3 to 14/5 aviilable on the record of the case, arrived at between the management of Panjab & Sindh Bank and their workman, by the authorized representative for the workman and it has been argued by him that the case of the workman. clearly falls within the ambit of the settlement hence be should be granted reject of reinstatement for the grounds. mentioned in his statement of claim. Of course, there is neither any pleadings con any evidence on behalf of the workman nor there is any rebuttal by the opposite party bank yet the tribunal after going through the provisions of the settlement finds that according to clause of the settlement it is provided, that those employees who have completed 240 days in the preceding 12 months to be reckoned from the date of lost served or in any other block of 12 consecutive months commencing from 15-04-80. Their inter-se seniority would be determined, on the basis of day on which they worked first as temporary employee as perbanks available record. The settlement further provides that other employees not fulling in the above category but have at least worked for 90 days from 01-01-82. The arguments advanced by the representative cannot be given any favour according to the awn claim of the workman when it is the specific case of the workman that he entered in the services of the bank for the first time in the year 1990, There is clear out montion of out of date 15-04-80, upon whom the provisions of the above settlement are applicable and also it has been provided that persons at least have worked for 90 days from 01-01-82 only their cases the provisions of scuttement are applicable and not otherwise.
- 15. When the case is lexamined in the light of the above provisions it is quate obvious that he for the first time entered in the services of the bank as claimed by him without any appointment letter or without exercise of selection process in the year 1990. It is true that the candidates failing under the settlement, in their case, the point whether they have been appointed after selection process or not has become redundant. What was required was that they should quality the condition laid down in the above settlement. As it is the own case of the workman that he entered in the services of the opposite party bank in the year 1990, therefore, the provisions of the said settlement is not applicable in his case and therefore, he cannot be allowed asy benefit of the same. From this point of view the workman > cost entitled for any relief on account. of the settlement dated 45-10-92.
- 16. Be that as it why it is settled provision of law that pleading not pleaded in the plaint or statement of claim and no evidene on the polar has been given by any party cannot be argued at state of arguments and courts are not

bound to consider those arguments considering the same outside the scope of the case file. In the instant case no such pleadings or evidence on the point of settlement have been raised by the workman in his support, therefore, he cannot be held entitled for any kind of benefit out of settlement dated 16-10-92.

- 17. Accordingly for the discussions recorded above, it is held that the workman is not entitled for any relief as claimed by him as he has palpably failed to establish the fact that his employment was in accordance with the prescribed recruitments rules, therefore, his working more than 240 days cannot improve his case at all and that the provisions of the Industrial Disputes Act, 1947, are not applicable in his case.
- 18. Lastly the reference is bound to be answered in favour of the opposite party and against the workman. Ordered accordingly.

R. G. SHUKLA, Presiding Officer नई दिल्ली, 31 अक्तूबर, 2008

का,आ. 3140,—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का !4) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, वैंक ऑफ बड़ौदा के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बोच, अनुबन्ध में निर्दिख औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम मंत्रालय, कानपुर के पंचाट (संदर्भ सं. 33/2003 एवं 13/2005) को प्रकाशित करती हैं, जो केन्द्रीय सरकार को 31-10-2008 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12011/122/2003-आई आर (बी-II)] और [सं. एल-12011/163/2004-आई आर (बी-II)] राजिन्द्र कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 31st October, 2008

S.O. 3140.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 33/2003 and 13/2005) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Kanpur as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Bank of Baroda and their workmen, received by the Central Government on 31-10-2008.

[No. L-1201 I/122/2003-IR(B-II)] and [No. L-1201 I/163/2004-IR(B-II)] RAJINDER KUMAR, Desk Officer ANNEXURE

BEFORE SRI R.G. SHUKLA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, KANPUR

Industrial Dispute No. 13 of 2005 and 33 of 2003

In the matter of dispute between— The Deputy General Secretary U.P. Bank of Baroda Empls. Union C/o Bank of Baroda Block Kidwai Nagar, Kanpur

AND

The General Manger
Bank of Baroda
Baroda Corporate Centre
C-26, G Block, Bandra Kurla Complex Bandra (E)
Mumbai

AWARD

- 1. Central Government, Ministry of Labour, New Delhi vide notification No. L-12011/163/2004-IR(B-II) dated 21-04-2005 (in 1.D. No. 13 of 2005) and also vide notification No. L-12011/122/2003-IR(B-II) dated 23-09-2003 has referred the following dispute to this tribunal for its adjudication—
- 2. In LD. No. 13 of 2005 schedule of reference is to the effect that whether the action of the mangement of Bank of Baroda in not regularizing the services of 41 workers mentioned in the Annexure A enclosed by union *vide* representation dated 01-09-2003 and not allowing them facilities/benefits as per Bipartite Settlement, is justified and legal? If not to what relief the workmen concerned are entitiled to?
- 3. In LD. No. 33 of 2003 schedule of reference is to the effect whether the action of the managemnet of Bank of Baroda in not regularizing the services of S/Sh. Ramveer Singh, Raj Mohan Bajpai, Awadhesh Kumar, Hari Kishan, Preadeep Kumar Singh, Prabhakar Tripathi, Ajai Pal Singh, Ram Parkash, Surya Prakash Tiwari, Sinil Kumar Samant, Daya Ram Verma and Ravi Shanker Verma from the date of their appintment is legal and justified? If not what relief the concerned workmen are entitiled to?
- 4. As common question of law and facts are involved in the above industrial dispute cases, therefore, it is proposed to dispose of them by means of this common award.
- 5. It is not necessary to give full details of the case as after the exchange of pleadings between the contesting parties when the case was taken up for hearing 19-08-2008 at camp Lucknow, the representative for the union moved an application to the effect that the union do not want to press the above cases as a settlement on absorption of temporary employees has been arrived at between the union and the management of Bank of Baroda. The representative for the union has also filed copy of the settlement before the tribunal. The representative for the management has not objected to it.
- 6. Therefore, both the I.D. Cases are being disposed off as withdrawn having regard to the request of the representative for the union and in terms of settlement, a copy of which shall form part of this award.

R.G. SHUKLA, Presiding Officer

बेंक ऑफ बड़ीटा Bank of Baroda

BCC: BR100-76

24th March, 2008

CIRCULAR LITTUR TO ALL BRANCHES OFFICES IN INDIA

Issued By

Baroda Corporate Centre, HRM Dept., Mumbar War Sir

Re: Tripartite settlement dated 18-03-2008 under Section 12(3) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the management of Bank of Baroda and All India Bank of Baroda Employees' Federation (Recongised Union) before the Deputy Chief Labour Commissioner (Cert(al), Mumbai in the matter of absorption of casual temporary Peons Sweepers.

We are pleased to inform you that the issue relating to absorption of casual temporary Peons Sweepers has been resolved by signing a Tripartite Settlement with the All India Bank of Baroda Employees. Federation (recognized union) in presence of Dy. Chief Lubour Commissioner (Central), Mumbai under Section 12(3) of Industrial Disputes Act, 1947. A copy of the said Tripattie Settlement dated 18-03-2008 is enclosed for your information, record and reference.

Detailed operative guidelines on the modalities of absorption, wherever applicable, would be communicated through concerned Regional Head.

Yours faithfully.

(DIPANKAR MOOKERJLE). General Manager (HR & Marketing)

Racks/a

pkgn-br circular- its settleatent(mar08)/ja-

Case No. 7(1)2008.H. L

Memorandum of settlement arrived at between the management of Bank of Baroda and their workmen represented by All India Bank of Baroda Employees' Federation (Recognised Union) under, Section 12 (3) of the Industrial Disputes Act, 1947 during the course of conciliation proceedings held on 18th March, 2008 before the Deputy Chief Labour Commissioner (Central), Mumbai.

SHORT RECUEAL OF THE CASE

The All India Bank of Baroda Employees' Federation, Mumbai, (heremafter referred to as "the Federation") vide its letter dated 28th January, 2008, raised an Industrial Dispute against the Management of Bank of Boroda. Mumbai, over the issue of absorption of casual temporary persons working as Peons Sweepers and requested the Deputy Chief Labour Commissioner (Central), Mumbai, to intervene in the matter for resolution of the dispute. The matter was seized in conciliation by the Deputy Chief Labour Commissioner (Central). Mumbai and conciliation

proceedings were held on 30th January, 2008 and onwards on different dates.

In course of the discussions conciliation proceedings, it transpired that:

- (a) The branches of fives engaged temporary/casual persons during the leave absence vacancies of permanent Peon Sweeper without following prescribed rules gandelines of the Bank. Over a period of time such temporary casual engagement. of persons continued for longer duration giving rise to deniand by the Federation for their absorption. As it was an industry-wide phenomenon, the Government of India, after examination, cause out with an "Approach Paper". for absorption of such temporary/casual persons. In terms of the said "Approach Paper". 647 temporary Peous Sweepers who had worked for 90 or more days between 0t-01-1982 and 31-12-1989 were absorped in Bank's service in the year 1995.
- (b) Even after absorption of such casual/temporary persons, engagement of casual/temporary persons as Peon Sweeper at various branches offices of the Bank had continued necessitating the Bank to review the matter for resolving the issue.
- (c) The Bank has signed a Tripartite Settlement on 20-02-2008 under Section 12(3) of the Industrial Disputes Act. 1947 before the Assistant Labour Commissioner (Central). Kolkata with Bank of Baroda Karmachari Samity. Paschin Banga (affiliated to recognized AIBOBEF). Eastern Regional Council of Bank of Baroda Employees' Association (BEFI) and Bank of Baroda Eastern States Employees' Association (AIBEA), in the matter of aboilition of Cameen Boy System and absorption of temporary casual persons who are sponsored by Employment Exchange engaged as Full Time/Part time Canteen Boy Sweeper.
- (d) The All India Bank of Baroda. Employees' Federation is the recognized majority Union and sole collective bargaining agent for workmen in the Bank. Further, the Triparute Settlement dated 1st September, 1973 provides that agreement on all India issues, except the wages and service conditions, which are settled at industry level, are to be reached with the All India Bank of Baroda Employees' Federation.
- (e) The issue was discussed threadbare, both bilaterally between the Federation and the Management of the Bank and also in course of the conciliation proceedings held on several dates and after protracted discussions held on 18-03-2008 before the undersigned, both the parties agree to settle the dispute on the following terms of Settlement.

Now, it is hereby agreed and declared by and between the parties hereto as under :- -

TERMS OF THE SETTLEMENT:

This Settlement will be applicable to all branches/ offices of the Bank in India and shall come into force immediately subject to the terms and conditions mentioned hereunder:

- 1. The Canteen boy system, wherever in existence in the Bank, is abolished and henceforth, no Canteen Boy will be recruited/engaged either on permanent basis or on casual/temporary basis.
- Subject to Clause 3, Casual/temporary Peons/ Sweepers shall be absorbed in Bank's service in phased manner as under:

Phase - I:

The following category of casual/temporary Peons/ Sweepers will be absorbed in Phase-I before 30th June, 2008.

- (a) Casual/temporaty Peons/Sweepers who had worked for 90 or more days between 1-1-1982 and 31-12-1989 and are still working.
- (b) Casual/temporary Peons/Sweepers who had worked for 90 or more days between 1-1-1990 and 31-12-1990 and are still working.

Phase-[]:

Casual/temporary Peons/Sweepers who have worked for 240 days or more in consecutive-12-months between 1-1-1991 and 29-2-1996 and are still working will be absorbed in Phase-II during the financial year 2008-09.

Phase-III:

Casual/temporary Peons/Sweepers who have worked for 240 days or more in consecutive-I2-months between 1-3-1996 and 28-07-2007 and are still working will be absorbed in Phase-III during the financial year 2009-10.

- 3. Absorption of casual/temporary Peons/Sweepers will be in phases, as above and will be subject to the following conditions:
 - (a) Casual/temporaty Peons/Sweepers should fulfill the eligibility criteria viz. age and qualification as on the first date of engagement in the Bank.
 - (b) Found medically fit for recruitment in Bank's service
 - (c) Absorption shall be with prospective effect i.e. from the date mentioned in the letter of absorption to be issued by the Competent Authority.
 - (d) Such casual/temporary Peons/Sweepers will be

absorbed in their respective wage scale and on their absorption shall be fitted in the first stage of full time/part-time scale wages, as the case may be, viz. casual/temporary persons working as 1/3rd, 1/2, 3/4th and Full-time Sweepers shall be absorbed as 1/3rd, 1/2, 3/4th and full-time Sweepers, respectively. However, the casual/temporary persons who are presently being engaged as Peon but had earlier worked as Full-time/Part-time. Sweepers will be absorbed as "Sweeper-cum-Peon" as per requirement and at the sole discretion of the Bank.

- (e) No arrears of wages salary, seniority or any other benefit shall accrue to such casual persons on their absorption and such casual/temporary persons shall not claim any such benefits for their past service/engagement with the Bank as casual/ temporary person.
- (f) Deployment/placement of such casual/temporary Peons/Sweepers on their absorption in Bank's service shall be at the sole discretion of the Management depending upon its requirement, within the State. However, Bank will endeavour to keep such displacement to the minimum as per requirement.
- (g) Seniority of such casual/temporary Peons/ Sweepers, on absorption, shall be recknoned in their respective cadre/scale wage from the date of their absorption in Bank's service.
- (h) Absorption is subject to their good conduct and verification of their antecedents.
- (i) The concerned casual/temporary persons and/or concerned employee's Organizations/Unions/ Association shall withdraw all cases pending before the Conciliation Officer/Labour Court/ Central Government Industrial Tribunal/High Court/Supreme Court or any other Judicial authority.
- 4. Both the parties agreed that :
- (a) The Government guidelines with regard to reservation of posts for SC, ST, OBC, etc. shall be applicable for absorption of casual persons.
- (b) It is specifically agreed that all casual/temporary Peons/Sweepers, who are covered under this Settlement for absorption shall submit individual undertaking as per Annexure 'A' to this Settlement agreeing to the terms and conditions stipulated in Clause 3 above, before consideration of their

request for absorption. Any conditional undertaking or undertaking in any other format and/or refusal to the order of placement/deployment shall be deemed as refusal to absorption by such concerned casual/temporary person and in such an event their claim for absorption shall not be considered, thereafter

- (c) Casual/temporary Peons/Sweepers who are absorbed in Bank's service under this Settlement will be bable to be terminated from Bank's service in case it is found at any ome that he made faise declaration in the undertaking as per American "A" or he submitted false take document support of his concational qualification, age, caste, etc.
- (d) It is clearly understood that this Settlement will not be applicable to the persons engaged on casual-temperary basis after 28-07-2007 or who has not completed 240 days in a period of consecutive 12 months preceding 28-07-2007. Also, the Unions will not claim or file cases in repect of casual temporary persons who are not working engaged at present and/or not absorbed under Clause 2 above of this Settlement.
- (e) The Bank may extend/defer the process of absorption of casual temporary persons beyond the time limit stipulated under Clause 2 above for a maximum period of 90 days for cogent reasons and in such event the Federation will be consulted.
- (f) Casual temporary persons who will be absorbed under this Settlement will not be eligible for promotion to Clerical cadre for a period of Spears from the date of absorption.
- All past and present claims/cases of casual temporary persons and/or limployees' Organizations are hereby resolved.
- 6. Save and except tripartite Settlement dated 20-02-2008, this Settlement supersedes all previous understandings/agreements/settlements/practices, local, regional, zonal or otherwise and the Umons will not raise any issue/demand in respect of matters covered under this settlement.

Both the parties shall submit implementation expert within 30 days of the phase-wase time limit stipulated in Clause 2 of the Settlement with objection thereto, it any failing which it will be construed that the terms of this Settlement have been folly implemented.

SIGNATORIES TO THE SETTLEMENT

Representatives of Management of Bank of Baroda.	Representatives of All India Bank of Baroda Employees' Federation.
Shri Dipankar Mookerjee General Manager (HR & Marketing)	Shri A.K. Jain President
Shri J.D. Khanna Dy. General Manager (HRM & Admn.)	Ship Millind Nadkumi General Secretary
Shri C.V. Chandrasbekhar Dy. General Manager (HRnes, HRD & IL)	Stri Vmd Sasena Deputy General Secretary
Shri Mukesh Garg Asstt. General Manager (HRM)	Shii V.P. Mahajan Deputy General Secretary
Shri K.C. Pari Asstt. General Manager (HRM & IL)	Shri K.J. Ramanathan Deputy General Secretary
Shri Pradeep K.G. Niyogi Senior Manager (HRM)	Shri R.G. Raut Deputy General Secretary Shri Karımesh Shukla Joint Secretary

BEFORE ML

(B.S. Pawor)
Conciliation Officer under
Industrial Disputes Act. 1947 &

Deputy Chief Labour Commissioner (Central), Mundai WITNESSPS:

- 1. Slim V.M. Sawant
 Assit, Labour Commissioner (Comral)
- Shri Ganapati Bhatt
 Asstt. Labour Commissioner (Central)

The following Office Bearers of the All India Bank of Baroda Employees: Federation (Recognised Union) are signatory of this settlement

Shri N. B. Dandiwala. Treasurer

Shri M, J. Shah General Secretary, Anand Unit

Shri Shri Dilip Brahmbhan General Secretary, Alunedabad Unit

Shri V. Ramakrishna, General Secretary, A. P. Unit.

Shri K. K. Verma General Secretary, Bihar & Tharkhand Unit

1	
Shri Magan Patel, Genera! Secretary, Baroda Unit	
Shrí Naresh Chaddha, President, Oelhi Unit	
Shri R. V. Keni, President, Goa Unit	
Shri K. J. Yunga, General Secretary, Karnataka	
Shri Suresh Pai, General Secretary, Kerala Unit	
Shri R. M. Kudole, Secretary, Maharashtra Unit	
Shri P.G.M. Panieker, General Secretary, M.P.&.C.G Unit	
Shri Sudip Sen, General Secretary, Nagaland Unit	·
Shri Raj Sharma, General Secretary, Punjab Unit	
Shri Subir Chatterjee, General Secretary, West Bengal Unit	
Shri P. L. Biswai, General Secretary, Orissa Unit	
Shri A. R. Suryanarayanan, General Secretary, T. N. J. Unit	
Shri John Peter, General Secretary, T. N. Il Unit	
Shri Subir Chanterjee, General Secretary, West Bengal Unit	
Shri Ashok Varma, Jt. Secretary	
Shri K. K. Kotian, Jt. Secretary	
Shri N. Venugopal, Jt. Secretary	
	ANNEXURE—"A"
The Competennt Authority, Bank of Baroda,	
Dear Sir, Re: Undertaking in terms of	Clause 4(b) of the

Re: Undertaking in terms of Clause 4(b) of the Settlement dated 18th March, 2008 on Absorption of Casual/temporary persons engaged as Peon/Full-time/Part-time Sweeper

I have read and clearly understood the provision of the Settlement dated 18th March, 2008 and do hereby

accept the terms and conditions mentioned therein.

5t.	Branch/Office	From	Τo	Total no. of days	As	Peans	
Na.					PT5	PTS/FTS	
l.							
2.							
3.						·	
4.					•		

I am enclosing herewith the following documents. in original, along with 2 attested copies of the same in support of my age, educational qualification, caste, etc.:

- 1.
- 2
- 3.
- 4,

I hereby submit undertaking that :

- (a) I shall not claim/demand any benefit whether monetary or otherwise from 'the Bank' relating to my casual/temporary engagement in the Bank for the period prior to the date of my absorption in Bank's service before any Authority/Court, in future.
- (b) I shall not raise any dispute before any Authority/Court relating to my placement/deployment on absorption in Bank's service.
- (c) In case subsequent to my absorption in Bank's service, if it is found that declaration made with regard to period of engagement is found to be false or any of the documents submitted by me in support of age, qualification, caste, etc., is false/fake/forged, I will be liable to be terminated from Bank's service.

I am submitting this irrevocable undertaking after fully understanding the provisions of the aforesaid Settlement dated 18th March. 2008, and implication thereof.

Yours faithfully,

नई दिल्ली, 31 अ**क्तूबर, 2**008

का. आ. ३141,-- औद्योगिक विवाद ऑस्टिंगप, 1947 (1947 का 14) को धारा ! को अनुसरण में कोदीय घटतार पंजाब एण्ड सिंध बैंक को प्रबंधतंत्र को संबद्ध नियोजकों और उनके कार्यकारों को बोच, अनुबन्ध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में १८६६ सरकार औद्योगिक अधिकरणश्रम न्यायालय कानपुर को ४२६६ (संदर्भ में. 91/2000) को प्रकारित करती है, जो कोदीय स्टूका को 31-10-2008 को प्राप्त हुआ था।

> (सं. एक 12012/88/2000- आई अहा थो-Ⅱ)] राजिन्द्र क्सार, हर किस्तारी

New Delin, the 31st October, 2005.

8.0. 3141. In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act. 1947 (14 of 1947), the Central Government bereby publishes the award (Ref. No. 91/2000) of the Central Government Industrial Tribunal sound, about Court, Kangur as shown in the Annexure, in the foliastial Dispute between the employers in relation to the management of Punjab & Sindh Bank and their conformal, which was received by the Central Government on 31-10-2008.

[No L-12012/88 (1900 (1903))] RAJINDER KUMAR, 1903. Officer ANNEXURE

BEFORE : SRI. R. G SHUKLA, PRESIDENTA OFFICER

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL/CUMPLABOUR COURT SERVAM BHAVAN ATT CAMPUS UDYOG NAGAR, NORMER, I. D. No. 91/2000

Sri Rajadra Prasad Mishra Son of Sri Soroj Prasad atistica Through Talsi Pam 116/14, Rawatpor Village: (Leoner

And

The Semor Manager Punjah & Smith Back Lawer Ciffice Harjendra Nagar, Kanpur

AWARD

- I Central Government MOL, New Deligrates their notification No I +12012/88/2000 IR (8-1) diseases (5/28-2000) has referred the following dispute for adjudicing the total tribunal.
- 2. Whether the action of the management of People & Sindh Bank in terminating the services of Sc. Bagender Prasad Mishra v.c.f. 28-9-99, is legal and just open the what reflect the concerned workman is entitled.
- 3. The case in short as set up by the viorkroan in his claim statement is that he was engaged on the base coloral instructions of the opposite party to. 2 at the period peon in the year 1998 at the rate of Rs.1200 per month end that having regard to the work and conduct of the workman the opposite party enhanced the rate of his wages at Rs.1350 per month. It is further alleged by the applic out that he

reported at the pastered duty on 28-09-99 hat the then branch manager did notice and but the discharge his detication of an verbal instructions of branch like that the services by those determined with some from 28-69-99. It has also been alleged by the applicate details at the time of discression of his services he want of his particle, notice paymenting retrenchment down, a safety of bracking, notice paymenting of his service by the representation that the dispensation of his service by the representation that the provisions of Industrial Disputes Act, 1991, and therefore it has been played that he be reinstanced as a consequential that are also as a fixed of the provisions of the provisions of Industrial Disputes Act, 1991, and therefore it has been played that he be reinstanced as a consequential that are also as a second of the provisions consequential because.

- 4. On the transfer yard cases of the worder, at his been vehemonely and and in the opposite page by film. detailed reply when the has necespherded by their thin the cause of action (1909) all this is alleged that the weakanger has been retreached from the protocol of the tipe was protois incorrect, that we are all the contract and the contract of the same, of the opposite pares in 20 (66-40), decretory in the control dispensation of lost 100% of from the later to differ the termination described on the fact complication of such any relationship in a subsection of the entire year of the great in opposite party in the colors of the color in case of the presumed that the control is greatly as any point or the class ever terminated the state of the alleged character, that the applicant weeds to be applied by the opposite party of peop as claimed by that suffer fact the applicant was engaged as a case of the serie of \$64-99 by the opposite party at their Harper (to Nogue Branch at Kampur and the applicant was produced courses on the basis of day to day work; that it is defined in the opposite party that he was ever denied to which the 1840-97 by the opposite party in is also denied by the opposition party that the applicate ways returned from his large by the branch manager of the opposite party on the enough that his secrices base been terminated, that the that set cales and regulations for providing regular and management products to the service. of the opposite particles known the applicant had occur subjected through the safe moon progress therefore he has no legal right to class a appointment in the services of the opposite party case is the basis of the same it has been claimed that the color of the helper be rejected as the governno ment in the time of the receivant being a gasant prodaily rated employs
- 5. The worse of the distributed and in which acting new has been on a value of the workers concurring the facts already plended by the distributed accept of all the
- for After experience of pleadings between the process both parties have blod decademancy evidence in a preson their respective and median well as they have also adduced oral evidence.
- 7. I have here there a suments of the analystage parties at length and that a the gene through the records of the case carefully

- 8. Now first of all it will be seen as how far the workman has been able to establish his claim for his reinstatement. The workman in his evidence has categorically admitted the fact that he was neither issued any appointment letter nor any written order by means of which his services stands terminated. It has also come in evidence that he was never paid his wages as was being given by the opposite party to their regular and permanent employee. It has also come in the evidence of the workman that an application was invited from through the branch manager of the branch but at this stage it may be point out that no officer of the bank is empowered to engage any employee without undergoing through regular and permanent selection process and any appointment made by any officer of the bank it can safely be held that such appointments are by way of back door entry.
- 9. Workman has also filed certain documents in support of his claim but a perusal of the same would go to indicate that they are not sufficient to improve the claim of the workman in any manner or to prove that the workman had ever completed 240 days of continuous service within the meaning of Section 25B of the Act. Even the workman in his pleading or in his evidence has not stated anything regarding breach of any of the provisions governing the service conditions of the employees of the bank, therefore, the provisions of the act cannot be applied as a straight jacket formula for claiming relief under the provisions of the Industrial Disputes Act, 1947, by simply stating that the provisions of the Act have been breached in the case of the workman.
- 10. The position that no one can claim appointment in public employment on the strength that he had rendered certain days of service either on casual basis, temporary basis or ad-hoc basis has finally been set at naught in the leading case of Smt. Uma Devi by the Hon'ble Supreme Court of India, wherein it has clearly held that a casually, daily rated employee, temporary employee or even an adhoc employee has not right to claim employment or absorption in service unless he has been selected through regular selection process under recruitment rules.
- 11. In view of above position when the claim of the workman has not been found within the purview of the provisions of Industrial Disputes Act, it cannot be held that the services of the workman had been terminated by the opposite party bank at any point of time and being so when the claim of the workman fails from his own pleadings, evidence there remains hardly any need to discuss the pleadings and of the opposite party bank.
- 12. Thus from the discussions made above, it is held that the provisions of ID Act are not at all applicable in the case of the workman and if it is so it cannot be held that the opposite party have flouted any of the provisions of the Act and being so the workman cannot be held entitled for grant of relief as claimed by him.

R.G SHUKLA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 3 नवम्बर, 2008

का. आ. 3142.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार आपीं स्कूल के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय नं.-2, चण्डीमढ़ के पंचाट (संदर्भ सं. 1256/2006) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 3-11-2008 को प्राप्त हुआ था।

[सं एल-14012/12/2005-आई आर (डीयू)] अजय कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 3rd November, 2008.

S.O. 3142.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 1256/2006) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, No. II Chandigarh, as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Army School and their workman, which was received by the Central Government on the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Army School and their workman, which was received by the Central Government on the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Army School and their workman, which was received by the Central Government of the Industrial Tribunal-cum-labour Court (Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Army School and their workman, which was received by the Central Government (Industrial Tribunal-cum-labour Court (Industri

[No. L-14012/12/2005-IR(DU)] AJAYKUMAR, Desk Officer

ANNEXURE

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL, TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-IL, SECTOR 18-A, CHANDIGARH.

PRESIDING OFFICER:

SHRI KULDIP SINGH

Case I. D. No. 1256//2K6 Registered on : 16-2-2006 Date of Decision : 16-16-2008

Shri Sita Ram Son of Shri Chait Singh 1/0 House No. 344, Dhiru ki Majri, Patiala. ...Petitjoner

Versus

The Principal, Army School, 40, Baradari, Patiala.

...Respondent

APPEARANCE

For the Workman:

Messrs K. L. Behl and Gurdin

Singh, Advocates

For the Management: Mr. M. R. Dhiman, A. R.

AWARD

The workman is not present. Mr. Gurdip Singh representative of the management is present. He states that the parties have compromised in the case as well as in all matters pending between them at different forums. He has placed on record certified true copies of the application of the workman, his statement and that of the order of Presiding Officer, Labour Court Patiala. The combined reading of these documents show that the parties had litigation in different courts; and that the workman has received Rupees 25,000 compensation as full and final settlement of all his claims against the management. The

workman is not present to deny this fact. It is to be presented that the workman is absent as his claim has been worked

Government of India, Ministry of Labout vide their Order No. L-14012/12/2005-IR (DU) dated the 26th December, 2005 referred the following dispute for the adjudication of this Tribunal:

Whether the action of the management of the Active School, Patiala in terminating the services of Suri Sita Ram, Ex-Mali w.c.f. 14-9-2004 without complying with the provisions of Sections 25-F, G, and H of the L.D. Act, 1947 is legal and justified? If not, or what relief the workman is entitled to and from what that?

On a notice of reference, the parties appeared and filed their pleadings and supported the same with the affidavit of workman and of Gurdeep Singh LDC of the management. They also placed on record photo cosses of a number of documents, some at their own and some on the application of the workman. The matter was to be issedfor the evidence of the workman when the greaces development has taken place. So far there has come acevidence on record to suport the claim of the workshop. which has been denied by the management. Store the workman has chosen not to appear in the case and there is: nothing to doubt the claim of the management that the parties have settled the disputes at their own, I had on evidence on record to support the claim of the worker in Therefore, there is nothing to show that the manuscrapt to had terminated the services of the workman in violation. If provisions of Section 25-F., G and R of the 1-D. Act, 1947 as: is not entitled to any relief. The award is passed age to t him in these terms.

Let the copy of the award be sent to the Appl. priate government for necessary action and the file be considered to records after due completion.

KULDIP SINGH, Presiding Officer

नई दिल्ली, 3 नवम्बर, 2008

का, अर. 3143.— औद्योगिक विवाद अधिरित्यम्, (१८४) (1947 का 14) की धारा १७ के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार भवतीय खाद्य निगम के प्रबंधतीय के संबद्ध नियोजकों और उनके कमका व बीच, अनुबन्ध में निर्दिग्ध औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, चण्डीगढ़ के प्रसाद (संदर्भ सं. 16.9.2k5) को प्रकारणत करती है जो केन्द्रीय सरकार की 3-11 2008 की प्राप्त हुआ था।

(सं. ग्ल-22012/304/1997-आई अस (२१-५) अजय कुमार गोंड्, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 3rd November, 2008

S.O. 3143. Ha pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act. 1947 (14 of 1947), the Combai Government hereby publishes the award (Ref. No. 163-2k5) of the Central Government Industrial Tribunal-combabour Court, Chandigarh, as shown in the Amexico in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of FCI and their workman, which was received by the Central Government on 3-11-2008

[No. L-22012/304/1997/4R(C-II)] AJAY KUMAR GAUR, Desk (O)ker

海巴克 战

CENTRAL GOVERNAL NO POPULS FROM NAME CUMPLABOURGE OF RESESSION OF BEAUTIST AND ASSOCIATION OF THE ASSOCIATION OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY

PRESIDING OFFICE !: AND KILL OFFICE !:

Case I. D. No. 163/2K/5 Registered on : 1-8-26/6/5 Date of Decision : 16-16-196/8

Shri Jatinder 5/o of NoR. Spigo a o Data Garli Dest. Itind

...Petitienet

0.00

District Manager, FC1. 3. 3.

. Rusten deret

ARCHARACTE

For the Workman Minimum Christish Shardh. Ash peace For the Management. Minimum Share Share at Sare Agricultur.

The Ministry of Ear in acgregation and of aidia, is terred the following dispete Property of inflantion of above others wide their No. 1.-220 (2) 8 (1) 428(4) 11) detect 276 of 168, 1998.

ないさんない

"Whether the drawer of the management of these Corporation of tests. Robotsk in dispensing the services of Shri Jaice for materials were the first worknown entitled to?"

The notice of the solven is was given to the parties who appeared through the counsel and filted their respective claims in the came of outerment of claim and reply of the management. The accongeniest placed or photocopies of a number of discussions in support of their claim. The parties also tendered at field one of present they desired to produce in the case in support of their respective claims.

The case was being after the the evidence of the workman and the record of the trip shows that the workman did not appear for his same over right these the day he was given change to produce the twi described with before that he did not attend the case person of jost any paying those 34-40-2007. Ultimately a legistic redicence was some more. vide postal receipt No. 28.24 on the 4-2008. So the neather the nonce sent has been reversed back an served nor the workman has appeared to prove one his case. This shows that he has fest interest in the presentation of his case, but support of his claim; that the rate agement buddespensed with his services wielf. 1-5-1993, and their action was import and illegal, the workings have not produced any evidence The management has one of an claim in total duly supported by the afficient of their witness. Therefore, the workman is not entitled to any robot. The reference is answered against him and include states parsed.

Let the copy of the majors has sent to the Appropriate government for necession under the file be consequed to records after due companies.

SUT OUR SENCEL Presiding Officer

नई दिल्ली, ३ नवस्थर, 2008

डर. आ. 3144.— औद्योगिक विचाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धरा 17 के अनुसरण में कंन्द्रीय सरकार नाजिम दरगाह ख्वाजा साहिब, अजमेर के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विचाद में आद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय अजमेर के पंचाट (संदर्भ सं.) को प्रकाशित करती है, जो कंन्द्रीय सरकार को 3-11-2008 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-42012/35/99-आई आरं. (डी.यू.)] अजय कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delht, the 3rd November, 2008

S.O. 3144.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal/Labour Court, Ajmer as shown in the Amexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Najim Dargah Khawja Sahab, Ajmer and their workman, which was received by the Central Government on 3-11-2008.

[No. L-42012/35/99-IR (DU)] AJAY KUMAR , Desk Officer अनुवंध

न्यायालय श्रम एवं औद्योगिक न्यायाधिकरण, अजमेर(राज.) पीठासीन अधिकारी : श्री मिथिलेश कुमार शर्मा. आरएचजेएस

प्रकरण संख्या-सीआईटीआर 08/01

{रंफरेंस नं. एल-42012/35/99-आईआर (डी यू) दिनांक 22-5-01 }

कैप्टन मो.काल् खां भदार टेकरी, कुंदननगर, अजमेर(राज.) ...प्राथी

बनाम

त्राजिम, दी नाजिम दरगाह ख्वाजा साष्ट्रिय, अजमेर ...अप्रार्थी

उपस्थितः श्री पी.डी.खन्ता, अधिवक्ता, प्रार्थी। श्री वी.डी.भार्गव, अधिवक्ता, अग्नर्थी ।

दिनांक : 23~9·08

अवार्ड

]. केंद्र सरकार द्वारा प्रेषित विकाद निप्न प्रकार है:-

Whether the management of Najim Dargah Khawja Sahab is an Industry under sec 2 (j) of the I.D. Act, 1947. If so whether the action of Najim Dargah Khawja Sahab Ajmer in terminating the Services of Capt Mohd Kalu Khan (Retd) Ex receptionist Guest House and security Incharge without payment of retrenchment Compensation is just and valid? if not what relief the workman is entitled to?

2- जाओ पक्ष ने अपने क्लेम के विवरण में अंक्ति किया है कि उसका सेवा समाप्ति आदेश दि. २४-४-५५ को निरस्त किया जकर उसी दिनांक से निर्देहर स्थाई कर्मचारी के वतनमान के पद पर नियमित मानते हुए खेतनमान व पिछले वेतन सहित सभी मत्ती तथा कोंसीक्वेशिलय लाभ के साथ। 8 प्रतिशत व्याज सहित रॉस्टेंट करने के आदेश को भाग की है. साथ ही समय-समय पर स्थायी बेतनमान में की गयी बढ़ोत्तरों का एरियर सहित तथा ब्याज, मकदमें का खर्चा व अन्य सहस जो उचित हो भी। दिलवाने की मांग की है। क्लेम में संशोधन व परिर्वतन के अधिकार को भी सरक्षित रखने का निवेदन किया है क्योंकि प्रार्थ की नियुक्ति अप्रार्थी के अधीन जमादार के पर पर दि !0-7-93 को जिस्से नियुक्ति पत्र हुई थी जिसमें उस स्थाई वेतन ४४० रु. प्रतिमाह देना ऑकट किया है। आर्ग ऑकिट किया है कि उसने ईमानदारी से लगातार 24-4-95 तक इयुरी दी तब दिनांक 21-2-94 को उसका स्थानातरेण रिसेप्शनिस्ट गेरट हाऊस के पद पर का दिया: आर्थ अंकित किया है कि अप्रार्थी ने अचानक दि.24-4-95 को बिना किसी काण बिना किसी जांच के अर्थंध क्षए से सेवार्ये समाप्त कर दी और बकाया दशख्वाह 1775 है. का चैक प्रार्थी को दे दिया। आएँ अंदित किया है कि उसने सेवा अपाप्ति की अपील अध्यक्ष को की यी कित आश्वासन देते रहे और अपील पर आज तक आदेश नहीं करन: भी घताया है: आगे अकित किया है कि प्रार्थी ने अप्रार्थी की पाल खोल रखी थी जो अप्रार्थी को बर्दास्त नहीं रही थी इस कारण से उसे सेजा से बर्खास्त करना बताया है। अंट में प्रार्थी ने स्वयं के संवा-मुक्ति आदेश को आई.डी एक्ट की धारा 25एफ, जी, का उल्लंधन बताते हुए, कोई वरिस्टता सुची नहीं निकालने, व बारह माह में 240 दिन तक कार्य करने के कारण चुनौती देना अंकित किया है। अंत में प्रार्थी ने स्वयं को संवा समाप्ति से वंशेअगर होना भी बताया है।

३. अप्रार्थी पक्ष ने अपने जवाब में प्रार्थी पक्ष द्वारा क्लंम में डहिसखित तथ्यों का खंडन करते हुए प्रार्थी के क्लेम को खारिज कर अवार्ड अग्रार्थी के पश में पारित करने का निवंदन किया है क्योंकि प्रार्थी की नियुक्ति बतौर जमादार निश्चित बंतन पर पूर्णतया अस्थाई रूप से की गयी थी, प्रार्थी के खिलाफ कई शिकायतें रिश्वत लेने, काऊंटर पर रिफंड नहीं लौटाने आदि की थी। आगे अंकित किया है कि प्रार्थी की सेलाम्बित विधि अनुसार जिपये चैक 1775 रु. भगतान करके दि.24-4-95 को करना बताया गया है। आगे अकित किया है कि प्रार्थों के खिलाफ कई शिकायतों के करण अप्रार्थी संस्थात की बदनामी हो रही भी। आगे अंकित किया है कि आई.डी. एक्ट के प्रावश्यन प्रार्थी के भामले में लागु नहीं होते । विशेष कथन में ऑकित किया है कि अप्रार्थी संस्थात धार्मिक/चेरिटवल है जो बिना लाम कं कार्य करती है इसलिए वाणिज्यिक श्रेणी में नहीं आने से आई.डी. एक्ट के प्रावधान लागू नहीं होने से स्वयं को इंडस्ट्री की परिभाषा में नहीं आने के कारण, प्राथी के क्लेम को मय खर्च निरस्त करने की अंत में प्रार्थना की है।

4.उपरोक्त क्लेम तथा जवाब पर दांतों पक्षों को सुन। गया, पत्रादली का अवलोकन किया गया। विद्वार अभिभावक प्रार्थी को

কাৰিটোলিক কলা তেওঁ ইন্ধানি হৈ বিষয়ৰ কিন্তু কৰ্ম, ১৮ জন জন জন এই চল্ডাল চৰ্চাল চল্ডাল भाषां की किहीन हो। है है है कि के के का का का 网络亚凯斯斯特人 化二烷二十烷二烷 经人的商品 计可谓 计对象 জ্যালয় দ কিহাটুল (১৮৮৮) - ১০১৮ চন ক্ষেত্ৰ মি জানু **उथका प्रदेश्याप**्रकेत । अन्य अन्य अन्य अन्य अन्य अन्य अन्य । <mark>भेबार्च अर्थध्य</mark>ां पर १५० । १००० हुन् १४ ५ एर् कुली जाला अधिकारों का शहर गांग ने गांग ने अहार हा प्रभाव स्थान होता. अवैश्वानम् सेर्ग् । १००० । १५ १५ १५ १५ १५ १५ ।

名者構作 対し デース・デース (Johann 2018) ANA CHARTON TO CONTRACT OF A CONTRACT OF 医克格氏性性切除的 一个一个一个一个一个一个一个 সহা হিল্প আন সভা হয়। ১৯৯১ চনত বা কার্ম্প্রতি ১১ THE CARRY OF A STATE OF THE STA White the spirit is रो**वा (अ**वस्था) स्थापन के जिल्ला के अपने का का का का का का का का का भारतमध्येत हो (बस्ते १ १०००) । १००० ।

- 1. 集實際 677、大學 1. 人名英格兰克斯 1. 美国 इतिहासिक १००० । १६ । १ । १०० १ । १५ १ ५ ।
- कार कार्य । १००१ वर्ष के अपने के अपने कार्य माही निर्मालय कि रहा । और या है हा पूर्व कर रहा
- कृष्यित अवस्था १,० ४ था। १ ५५५ वर्ध पूर्ण क
- न्द्रसाह अर्थेश हैं हो के के अध्यक्ति है है है अपने क
- 3. 2008 total of the or the group of course हों भी काल प्राप्त कर कर कर कर कर है।
- **-किस्पार्य के** अंक से अपने का लेकिन के के प्रक षिद्धले राध का का का अल्लाहरू है है । प्रदेश सामग्री होता बर्मदर्श का के अधक । १ व भूग १५ ५० जू.
- 第4編稿 (2017年) (12 12 内内 (avaign 2017) (13) और उपको दान है, है है के भूत के अल्बन है।
- 5. STREET SHOULD BE A SECRETARY AND परिष्य, श्रुपुत्र के ये । जन्मन हे १००० के प्रस्थ
- -कमिन्नामें अपन् अक्षार्थ (१५८ (७) एस) द्रश्तायेकात (१५८) करके अपनी सक प्रभाव कर्ता एकोश हो। वार्त साहारीय कर उसको मेला में क्यान, ५ महत्या अवार्त प्रणांच हुए प्रहन महरू प्रवास कर करने हैं।
- 6. 樊翔,樊林郑朝。2003年6日,1957年6月24日 2月27日 2月27日 भ्रम्य समाप दशक्षण ११० मधाराहातालाका आग्रह गराहरू ।

- 9 3991 (A) 2008 og er * * * * (\$77.37) | \$1.50 p. ન્ટર અંધિક શક્ક બનામ છે. The same of ATS
- भग १५ एक जिसकी है। असे असे के के क्रमें आ पर्ने भेदर में **बहा**ल उस्में १६० । एक अधिन राज हो।
- र १५५० एस.स्टर्स संदर्भ । १८५५ ३ मेट स्वर्धि महास्थित कारतीरेका जनम केल् 🗀 😁 🥫 😋
- कारीकारी को असाव ५ । । । रहाती या करिस्ट एउ भिक्षात्रको हो हो हह सर्थ प्राप्त है।
- ८ २००५ (स्ट.सई.सई. र प्राप्त कर प्राप्ति नेशिक्ष अवर्षेद्रक ऑफ स्ट्रिक । १,३५ ह : ma
- 25 7年 246 (初) 11 1 11 1 2019 (24) (33)(37) ाहिका जिल्हे **आ**हे।
- हर विद्यार आभिभाषक अवस्ति । जनस्ति हे कि अधार्क क . १ १ स्था क्र<mark>िके मार्गनार्के सही कर ते हैं । १ का १ से १स्ट्रेस</mark> प्रश्ने ार विभाग का खर्गा, जा द्याग িলিও সামার্কার জন্প ा है कि यह त्य करना है कि लगा है । है अप या पहीत का रिक मिल्ली का और मैं को? 💎 🕹 ेल कई हुआ दर्ज ी रेज्या सका है जिसम् अवकर्त . United 25620 1945 ा भूको सिकान में आंक्षणानी १००० । १५ ३५% वर्ष प्राप्ता क े । ते देश प्रमासंबंध में की । । श्रीन का न्यांश्री हैंद १९५**मी का प्रतिह स्वतिह क**ार प्रति १५ वर्ष है छ
- ा विद्वार अधिभाषक अधार्य । । जार केल है कि काहरी ं भीर से जी **संख्य पेश** की शर्भ राजशी जा किस्तु की गयी जा ं अभयी तमें **उद्योग साने** दल १ १८८८ है प्राणीक को तथा र्जा ज्यापनी में नहीं है, उस पर का ए । १००१ वर्षा भार करा लाम कि न**ुंचली है और इस आ**धार करने, उन्हीं का याद्य में हुए पिरंद में प्रार्थी के समयंग में वहाँ दें। अने का अवेदा के हैं।
- त क्रि**डान ऑपश्रापक अ**वस्थान राज्य सुनकत है कि शुर्वी पूर्व ेश्य-हाटम में रिमंप्यक्तिस्य के पर १० ार्ग एका है अनुस्तरमुख्य कृत ा संभित्त त्यको विरुद्ध विभिन्न । १ । १ १८ शहरते प्रथत होते यो ाएक अरुक्षित कमर्रा को संबंधित कर 🕮 🖦 आबीरत नहीं कर अन्य अविस्तर्यो का दिये जाने के उद्योग 🗟 आह में प्रशन्त अस्या मुच्छ िक्तर के पार्की की द्वारा शिक्षाचन के रहता निर्देशन । इसे पुरु संस्त्री का ंबरात का **हुए स्वीकारोक्ति को** गृह कर गणा प्रस्ति होने की करीन का का स्था मुथाकारण आदश उन्हेस हास जा काहित हो है।
- ए. विद्वान अभिभाषक अवार्ग ए ए एक्टिन हो कि अक्की ा अवश्रीपक विवाद अधिनिद्य । १४५१,५ अल् अश्री होते हैं। ाप्राओं उद्योग नहीं है। अग्राधी कार्यकार अन्य प्राप्ती से अपने बलेक में परिपेत नहीं किया है सभा प्राथित है । जा का कुन का पुनाकी विकास पाची पीरीर **भ्रष्टाचार के करण** फिलान गाएँ एतु उन्हें पुरस्कारण क् अवन **उमको एक माह का आंग्रह** ३०० । ३०० वृद्ध के क्षेत्र शुक्रांद्रश ध्यारा पर संया पृथक्करण आदः 💎 🖂 व्योक्तपक्ष व हरी होन का शर्मात केंद्र का अपने का को अपने अपने अपने का है।

- ए.आई.आर. 1956 (एस.सी.) फेज नं. 231 जे.के. आयरत और स्टील कं. लि. कानपुर बनाम आयरन एंड स्टील मजदूर यूनियन, कानपुर
- 2.1974 लैब आई.सो.166 ग्लैक्सो लेबोरेट्रीज इंडिया लि. अलीगढ् बनाम ग्लैक्सो स्टाफ एसोर्सिएशन व अन्य
- जिनमें यह स्पष्ट किया गया है कि श्रम न्यायालयों पर दीवानी न्यायालयों संबंधी तकनीकियां लागू नहीं होती हैं लेकिन फिर भी सामान्य सिद्धांतों को लागू करना चाहिए।
- 3. 2004 (4) डब्ल्यू, एल.सी. पंज नं. 357 श्रीमति कृष्णा खंडेलवाल बनाम स्टेट ऑफ राजस्थान
- 4. 2004 (4) डब्ल्यू, एल.सी. 241ए भंदरलाल बनाम गोखाराम व अन्य
- जिनमें जो तथ्य अभिवचनों में नहीं हैं उसके संबंध में पेश की गयी साक्ष्य पर विचार नहीं करना चाहिए और न ही उस बिंदु पर बहस की अनुमति देने के संबंध में!
- 5. ए.आई.आर. 1966 पेज 1861 भगतसिंह व अन्य जनाम जसवंत सिंह।
- -जो तथ्य बचाव में नहीं उदाया गया हैं, उस बिंदु पर पेश की गयी साक्ष्य निरशंक माने जाने के संबंध में तथा राज. इंडस्ट्रियल रूक्स 1956 के नियम 10(बी) का भी हवाला दिया है।
- 10. जबाबी बहस में विद्वान अभिभाषक प्रार्थी की यह भी दलील है कि जो तथ्य वैधानिक है उनकी अभिक्वनों में वर्णित करने को आवश्यकता नहीं होती है और तथ्यात्मक विदुशों पर ही अभिक्वन न्यायालय में प्रस्तुत किये जाते हैं, इस कारण अप्रार्थी उद्योग होने के मंबंध में अभिक्वनों में प्रार्थी द्वारा वर्णित नहीं किया जाना और इस संबंध में उद्योग गयी आपत्ति असंगत पाने जाने की दलील दी है
- 11. उपरोक्त दलीलों के संदर्भ मे मैनें पत्रावली का अध्ययन किया तो पाया कि सर्वप्रथम इस न्यायालय द्वारा तय किया जाने वाला बिंदु यह है कि क्या मैनेजमेंट नाजिम ख्वाजा दरगाह साहिब धारा 2 (जे) आई.डी. एक्ट के अंतर्गत उद्योग की श्रेणी में आता है?
- 12. इस संदर्भ में प्रार्थी की ओर से जो तथ्य अपने बलम में वर्णित किये हैं, उनमें ऐसा कोई भी तथ्य वर्णित नहीं किया है किएसे यह स्पष्ट होता हो कि किन आधारों पर यह उद्योग की श्रेणी में जाता है और इस संबंध में अग्रार्थी की ओर से जो आपत्ति उठायी गयी है उसमें मुख्य आधार भी यह लिया गया है कि जो दथ्य प्रार्थी ने अपने बलेम में वर्णित नहीं किया है, उस तथ्य की वैधानिकता का परिश्ण साक्ष्य के आधार पर नहीं किया जावे।
- 13. मैंने इस संदर्भ में अप्रार्थी की ओर से प्रस्तुत की गयी नजीर का अध्ययन किया तो यह प्रकट हुआ कि विचाराधीन एकरण में मुख्य बिंदु जो इस न्यायालय के द्वारा तय किये जाने के लिए रेकर किया गया है, वह अप्रार्थी संस्थान उद्योग है या नहीं, ही मुख्य बिंदु है और उसी बिंदु के संबंध में प्रार्थी के द्वारा अपने आधार क्लेम के रूप में दशिय है तथा जो जबाय अप्रार्थी हारा प्रेश किया गया है, वह भी उसी संदर्भ में पेश किया गया है, वह भी उसी संदर्भ में पेश किया गया है, वह भी

अभिवस्तों का अंग है और उसी के संबंध में तथ्य व साक्ष्य उभवपक्षों की ओर से पत्रावली पर पेश किये गये हैं। अत: मात्र क्लेम में अग्नार्थी संस्था उद्योग होने बाबत तथ्य वर्णित नहीं किये होने से प्रार्थी की ओर से प्रस्तुत साक्ष्य को निरर्थक मानना उचित प्रतीत नहीं होता है। इस संबंध में मेरे समक्ष प्रस्तुत की गयी नजीर का अध्ययन किया तो पाया कि ए,आई,आर, 1978 एस.सी,548 की नजीर में यह सिद्धांत प्रतिपदित किया गया है कि:-

Industry "as defined in \$.2(3) has a wide inport. Where there is (1) Systematic activity (ii) organized by Co-operation between employer and employee (the direct and substantial element is chinerical (iii) for the production and/or distribution of goods and services calculated so satisfy human wanting, and wishes (not spiritual or religious but inclusive of material things or services geared to celestial bliss e.g. making on a large scale prasad or food) prima facie there is an Industry in that enterprise.

Absence of profit motive or gainful objective is irrelevant be the ventore in the public, joint private or other sector.

The true focus is functional and the decisive test is the nature of the activity.

३३. इस बिंदू के संबंध में जो साध्य पत्रावली पर आयी है, उस बाबर अध्ययन से प्रकट होता है कि प्रार्थों काल खा ने जो अपना शपथ पत्र प्रस्तुत किया है 'उसमें यह वर्णित है कि उसमे अञ्चर्धी के जनाव का जदाबुल जवाब प्रस्तुत किया जो प्रदर्श डब, ३ है। संयुवत श्रम आयुक्त केंद्रीय ने दोनों पक्षों की वर्ष्टा करवायी जो वि ३७-४४-५४ को असफल हुई जो प्रदर्श इब. 2 है और उसके अध्यत पर अधिमचन प्रदर्श डब: । इस न्यायालय में प्रस्तृत हुई। मैंने इस संदर्भ में प्रदर्श डब: 2 का अध्ययन किया तो पाया कि उन्हें पत्र दि, 27 - 11, 98 में जं तथ्य वर्णित किये गये हैं उसमें ग्रार्थी को श्रमिक दर्शाया गया है और उसकी सेवा समाप्ति तथ्यों का विवेचन किया गया है और उक्त पत्र में अप्रार्थी की और से जो जवाब में तथ्य वर्णित किये गये थे, उनका विस्तृत विलेखन भी हैं। यह पत्र रेफरेंस प्रस्तृत करने में एक महत्वपूर्ण आंच का ही आधार है। इसके अलाज जा गर्था की ओर से प्रदर्श हुन. 3 प्रार्थना पत्र सहायक श्रप आयुक्त कींडींच, सिविल लाईन्स, अजमेर को भेज पक्ष है उसमें भी इन्हों तथ्यों का विवेचन है और उक्त पत्र में प्रस्तुत 🗀 से स्पष्ट होता है कि प्रार्थी के द्वारा जो तथ्य महायक श्रम आप्राप्त राज्य किये गये. वह उसकी संद्या शर्तों के संबंध में थे और असर्थ अंतरहान के कार्य की प्रकृति के संबंध में थे।

(5. इसी संदर्भ में मैंने उभवपक्षों का ओर में प्रस्तुत की गयी साध्य का अध्यक्त किया तो पाया कि अप्रश्नी की ओर से जो प्रवाहत पेश किये गये हैं उनमें एनएडक्ट्यू-1 इंट गैहम्मद ने अपने शपथ पत्र में यह कहर है कि दि. 30-7-94 को वह दरगढ़ गैस्ट डाइस में केयर-टेकर व रिसेप्शनिस्ट के पद पर कार्यरत था और शेख अहमद निवासी मुंबई ने कमरा परिर्वतन के मंदिध में प्राणी के विरुद्ध शिकायत की गयी थी उस समय द्यूटी पर तैनात चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों ने जायरीन का नाथ लंकर महा कि पचास रुपये की रिश्वत लंकर

第四年或其降降的 经公司 医二氏 医二氏 化二烷二烷 **मोहराम्बर्ध हिम्म्हेन हा** १००१ । १९०५ । १९०५ । १९७५ । १९७५ । in a mark that for the second बहर मध्य १०५५ हो । १०० **के प**्राप्तिक समार्थित है। 111 1 1 3 1 4 m 1 m शपथ २० में हार है। क्षाइंदर के कार्र १००० व्याप्त १००० व्याप्त १००० संश्वासीय प्राप्त **क्षेत्र** विकास भागा । १००० व्याप्त **क्षेत्र दरग**ी शास्त्रोत्तर । सही है कि प्रमान के अपने कर के क्लाक पूर्ण क **प्रथम एका को** लक्ष्य अन्तर अन्तर के कारण कर हर हाकस में महादेश हाला है उसर भाग ें के है है है है है **प्रबंधन में अ**स्थानके अनुस्तान के अन्तर स्थान है। जन्म करन और संबर्धन कराय गाँउन्हें के किया है। कार्य हुआ । अनुह प्रकृति प्रकार वंदिर्देश राज्ये २,० ३,०५५ ५५ ५५ ५५ । ३० किया भागा ६३ ५० १ ५५ १५५ १५५४ १ ४ ४ ५ ५ सुन्ध में दशकेया ५३४ वर भारत तेलकाने हो । १०० हुत्स विश्व होत्य हो। 💎 📑 🗇 🗇 🖽 💮 और मेर र विकास का अपने के उन्हें के अपने का अपने के नक्षीर में भौतार्विया । १००० वर्ष विश्व है । মুলাল সংক্রিক বিভাগ বিভাগ বিভাগ বিভাগ **स्ट १**म १७७० वर्षे । १५०० वर्षे १५० लाया ५५७(ई.

्ष क्यां तो प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प

के बंद के कार्यम भा । १५०० ए १ है या जुद्धके हे क्रिक रहा । में अस्थाद स्था संविक्तान । नाता जाता कि वार मुख्य कर त्रा सं शंत्र एक तर ্লা বিভাগ নামি নাক্র কার शहर सिवस्त मुच्छे से १००० ्रता के असम्बद्धीत केवल कर प्रकृति है। व एक केंग्रम्ब मुक्ते र ন সামিদ, মুসমুদ্র সাহত হ क्षेत्रहरूका पुराणी परिचल र The Arthur Assets of সামেণ্ডি নি ধালী কো হোল। of the second second second THE TWO PERSONS ASSESSED. of a second transfer of हाइस में १ प्रकाशकान्य 🗆 🔻 and keep the entire of the care क्षम् अस्य रह्मः वर्षः भीत्रातः । गान्याः गान्याः गान्यः वर्षः वर्षः । ना हाक्स हेचार्च में, सिद्धोंक 'बाब अंग प्राचित्रण भी पहा के, किएगा। है और इस पर एसंबंधि १९४४ हा बळा कि 👝 है। 🤝 निष्यं वर सर्वे सामने धरीव व ता । शीवन व्यापार्वान्य व ॥ । १०० राष्ट्रभः किया दे। इस स्थाने १००० । १०० राष्ट्रभारा हो। त्यारा नेप्यापन সমাজ কলিব জীলবণুক বা তেওঁ , কলিয়েক সভাৰ ভাৰৰ कार्य लिए स्टालक्ष्म हो ।

(4) अने प्रया गर्भा १००० है । से स्थिति में हमार प्रया कि तह मूझे महसून नहीं १००० है । इस्तार प्रस्ति १००० है । प्राप्त किया और शह अर्थ कि प्रता है । प्रता के कि के अपने प्रदेश के कि कि व विवस्ता प्रदेश । १००० है । प्रता के कि के अर्थ के प्रता प्रता १००० हमार प्राप्त किया । १००० हमार के से अर्थ के अपने प्रता प्रत् । १००० हमार क्षेत्र क्षाप्त कार्य के एक एक के उन्हें के अर्थ ।

[93] (EDWHA) (EDM ा १८८२म् ३ । सम्बद्धाः अस्तरे and the second second second second क्या पुरुष महाबार सम्बद्धा हो। हो हो हो है है जा है । নিয়েল হৈ বিভূ কাকে ভিয়াল ল ्र भागा । अस्य वर्गा पुत्र है हैस ्राप्ति । प्राथमिक विकास स्थापन का का हाराष्ट्र स्थापाद्धक विभाविक्षण । ्यक्त इस्टी अक्षप्त रहे । १००० १०० १५० एक रहे हे ने साथ है है है। या स्थान में संवाद को एक को ने लिए हो है है है है । प्रति विभावनी स्वयंत्र है 1996年,伊尔特勒的特殊的人 प्रतासीया प्राथमिक । ্ৰত্তিক দিনিৰ প্ৰত্যালয় वर स्वयूक्त लेखा होते । १ ५ ५ ५ 人名西西弗雷 医复数压缩 医毛线 $z^{(1)} = C_1 \left(\frac{1}{2} z^{(2)} + \frac{1}{2} z^{(2)} \right) + C_2 \left(\frac{1$ CALLED TATION COLOR ভাৰ্তালয় হ'বিটাল ভূমি ক er i di Sirik Sirika di es रीहरम्म, प्रदेशक प्रेक्षक, अन्तर जात्र जात्र का तक्ष्मकी में हा है, 💍 रिकार सेने को शिकायन । जन १००० को अध्यक्षि अस्तिक स्वर्त ो <mark>सिक्स सीने क्</mark>री क्री को गाउँ १५०५ राजा का राज १५५ छ अक्षेत्र हाल ब्रह्म है को भाग नगा नगा गर्मा भाग प्रति । राध्य को रहुद महम्बद्धा कर । जा को का प्रदर्भ भगका असमा सम्बद्ध से पार्थी के विवर्त है । ए अर्थ अंग कार्यने के शुरुष प र बराम रिए<mark>वन सेने</mark> का २००० के अर्जातक प्रेकेट के एउटा है। क्ष्मा के <mark>क्षित को स</mark>्थानिक का जा प्रकार का प्रिकारिक का प्रा अभी को सारम ।देश ५०० । १० १८० में उस सभी से घरण ५० भयों सम्बद्ध के किस्ता में ना जाता कि अने जाता मुझे साद है 🕮 विक्रमाम एक-मा शिकारन १५ की, यह ५१ एक कि का प्राप्तात्र वैष्ट्रभव तीन परी शिकानती भी । १०० ६० गुण्या हो १ मा वट प्रायताल ४

कि यह बात सही है कि शेर मोहम्मद ने जो मेरे खिलाफ 30-7-94 को शिकायत की थी, वो झुटी है जिसका मैंने जवाब दे दिया। यह सही है कि राधनपुर निवासी जैड. ए. चौहान ने मेरे खिलाफ रिश्वत लेने की शिकायत को थी जिस पर जवाब मैंने लिखित रूप में माजिप को दे दिया था। यह बात सही है कि रिश्वत लेने, पैसा हड़पने से संस्थान को बदनामी होती है। क्लेम के पैरा नं, 10 मैं ए से वो भाग मैंने सही लिखाया है।

21. इसी संदर्भ में पैरा नं, 10 के ए से बी भाग का अवलोकनं किया तो उक्त भाग में :--

> "बस्कि प्रार्थी ने तो अप्रार्थी के सानिध्य में हो रहा धांधलियों का पर्दोफाश किया था तथा अध्यक्ष, दरगाह कमेटी, अजमेर को लिखित में इनका हवाला दिया । अप्रार्थी ने प्रार्थी की शराफत का नतीजा उसको सेवा से मुक्त करके दिया । क्योंकि प्रार्थी ने अप्रार्थी की पोल खौल रखी थी थो अप्रार्थी को बर्दाश्त नहीं हो रही थी । इसी कारण से अप्रार्थी ने प्रार्थी को सेवा से कर्खास्त किया ।"

22. इसी संदर्भ में एनएडक्स्यू 3 मोहम्मद सिद्दीक का श्रापण-पत्र पेश हुआ है जिसने अपने शपथ-पत्र के मद नं 2 में यह वर्णित किया है कि मेरे प्रमारी अतिथिगृह होने के समय प्रार्थी के संबंध में गेस्ट हाऊस में ठहरने वाले जायरीनों द्वारा उनके दुव्यंवहार के संबंध में श्री शेर मोहम्मद जो गेस्ट हाऊस में स्वागतकर्ता के पद पर कार्यरत था ने भी नाजिम, दरगहह कमेटी, अजमेर को शिकायतें की भी जिनके विषय में मेरे से भी पूछताछ की गयी थी। प्रार्थी के विरुद्ध श्री इश्लाहम खान, चपरासी ने भी शिकायत मुझे की भी। मैंने सभी शिकायतें नाजिम साहब के पास भेज दी थीं और जब इस गवाह से जिरह की गयी तो जिरह में यह कहता है कि प्रार्थी जमादार के पद पर अस्थाई रूप से नियुक्त हुआ था जहां से उसका स्थानांतरण स्थागतकर्ता के पद पर कार्यरत था। जिरह में यह भी कहा है कि शेर मोहम्मद ने नाजिम को शिकायत किस तारीख को करी, उसकी तारीख तो मुझे याद नहीं है व अन्य शिकायतकर्ता के बारे में भी यह गवाह कहता है।

23. इसी संदर्भ में मैंने संदर्भित शिकायतों का अध्ययन किया तो पाया कि प्रदर्श एम-5 जो प्रार्थों को जारी किया गया उसमें वर्णित है कि राधनपुर निवासी जैड. ए. चौहान ने दिखेंक 13-4-95 को यह शिकायत की कि उनके नाम से आरक्षित कमरे प्रार्थी ने उनको नहीं संभलाये । इसी संदर्भ में प्रदर्श एम-7 रिजर्वेशन रिजस्टर दिखेंक 13-4-95 की प्रतिलिपि है जिसमें जैड. ए. चौहान के नाम कमरा नं 41.42,43 दर्शाये गये हैं।

24, मैंने इस संदर्भ में बिद्धान अभिभाषक प्रार्थी की इस आपित पर भी विचार किया कि आरक्षण निरस्त हो चुका था लेकिन न तो इस संबंध में कोई जवाबुल जवाब पेश किया गया है और न ही अप्रार्थी के गवाहान् से ऐसा कोई सवाल जिरह में पूछा गया है, अत: प्रार्थी के अभिभावक की यह दलील मानने योग्य नहीं है । अन्य शिकायत प्रदर्श एम-9 भी प्रार्थी के विरुद्ध शिकायत है और उस पर नोटिस प्रदर्श एम-10 भी प्रार्थी को जारी किया गया है और जांच कार्यवादी प्रदर्श एम-12 मुस्ताक अहमद हारून का हस्ताखरवुक्त बयान है जिसमें यह वर्णित है कि श्री मुश्ताक अहमद हारून करावर दरगाह शरीफ की जियारत करने अजमेर आया करते हैं और इसी मेस्ट हारूस में क्याम करते हैं। इस इल्जाम से पहले कभी भी हारून हमाहब ने दरगाह अयले पर किसी तरह का इल्जाम आइद नहीं किया । मैंने जो रिपोर्ट की है वह विल्कुल सही है किसी से अलत या बदले की भावना से प्रेरित होकर नहीं की गयी है व इसी तथ्य के समर्थन में मुश्ताक इश्लाहिम-!! शेख मुकीम, सगीर अहमद, अब्दुल गफ्फार व मीहम्मद न्याल के बयान दर्ज कियं गये हैं व एक अन्य शिकायत प्रदर्श एम-!? भी प्रार्थी के द्वारा की गयी अनियमितताओं के संबंध में हैं, जिस पर कार्यवाली वरिष्ट अधिकारी द्वारा लेखवंद की गयी है।

25. उपरोक्त तथ्यों से यह स्मष्ट होता है कि प्रार्थी के विरुद्ध जो शिकायत थी वह भ्रष्टाचार, कार्य के प्रति उदासीनता व अन्यिमितताओं के संबंध में थी, उसके संबंध में मोटिस भी जारी किये गये तथा उसका जवाब भी अधार्थी की और से दिया गया लेकिन जो तथ्य जिरह में उसने स्वीकार किये हैं, उसके विरुद्ध भ्रष्टाचार की शिकायतें थी और यह तथ्य भी स्वीकृत तथ्य है कि वह एक सेवानिवृत्त सैनिक है, जिसे नियमित पैंशन पिछाती है, उसे नियत राशि पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था और उसके विरुद्ध की गयी शिकायतों के आधार पर जो उसे खेवा से पृथक किया गया है, उस संबंध में उसे एक माह का अग्रिय वेतन भी भुगतान किया गया है। अत: प्रार्थी के विरुद्ध आई भ्रष्टाचार व अनियमितताओं की शिकायतों को दृष्टियत रखते हुए व इसके लिए उसे नोटिस भी जारी किये गये थे व उपरोक्त तथ्यों के विवेचन के आधार पर उसके सेवा पृथक्करण के आदेश में कोई अवैधानिकता नहीं पायी जाती है।

26. जहां तक धारा 25-जी का प्रश्न है, प्रार्थी की ओर से ऐसा कोई स्पष्ट सध्य प्रामाणित नहीं कराया गया है जिससे यह प्रकट होता हो कि किसी कर्मचारी की उसके सेवा पृथक्करण के बाद लगाया गया हो या जिससे यह स्पष्ट होता हो कि किस कर्मचारी को कब सेवा में लगाया गया, कौन प्रार्थी से कलिन्ट था तथा कीन वरिष्ठ है, किसकी नियुक्ति कब की गयी। अत: साक्ष्य के अधान में आरा 25-जी औद्योगिक विवाद अधिनियम का उल्लंघन भी प्रार्थी पश्च प्रमाणित नहीं कर पाया है। अत: प्रार्थी किसी प्रकार का अनुतोष प्राप्त करने का अधिकारी नहीं है।

आदेश

27. फलद: प्रस्तुत विवाद का उत्तर इस प्रकार से दिया जाता हैं कि प्रवंधन नाजिम दरगाह खवाजा साहिब धारा 2(जे) आई. डी. एक्ट, 1947 के अनुसार उद्योग की श्रेणी में आता है।

28. नाजिम दरगाह खवाजा साहिब, अजमेर द्वारा कैप्टन माहम्मद कालू खां(सेवानिवृत्त) पूर्व-स्वागतकर्ता, गेस्ट हाऊस एवं सिक्युरिटी इंबार्ज को पूर्ण बेतन भय एक माह के अग्रिम बेतन के मुगतान सहित सेवा पृथक् करना उचित एवं बैध है । अत: प्रार्थी/श्रमिक कोई शहत पाने का अधिकारी नहीं है ।

दिनांक 23-9-2008

ह./ -

नई दिल्लो, ४ नवम्बर, 2008

का.आ, 3145,—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सी.पी. इंबल्यू, डी. के प्रयंपतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं. 2. नई दिल्ली के पंचाट (संदर्भ सं. 88/2005) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 04-11-2008 को प्राप्त हुआ था।

[सं एल-42012/230/2004-आई आर (सी एम-II)] अजय कुमार गौड़, डेस्ट अधिकारी

New Delhi, the 4th November, 2008

S.O. 3145.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act. 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 88/2005) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, No. 2. New Delhi as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the Management of M/s. CPWD, Central Public Works Department, and their workmen, received by the Central Government on 04-11-2008.

[No.L-42012/230/2004-IR(CM-II)] AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT NO. II RAJENDRA BHAWAN, RAJENDRA PLACE NEW DELHI

LD.No. 88/05

DATE: 23-10-2008

In the matter of dispute between :-

Shri Omkar Singh S/o Shri Bragi Singh, Through Shri Ravi Shankar, General Secretary Workers Union, 167, Panchkuan Road, New Delhi-110001.

...Workman

Versus

The Director General, M/s, C.P.W.D. Nirman Bhawan, NewDelhi-H0001.

2. Executive Engineer (Elect)
Elect, Constn. Divn. II,
Central Public Works Department,
A.C.D., II, U.P.S.C.
Dholpur House,
New Delhi

APPEARANCES:

Workman in person, Shri Anil Kumar U.D.C. A/R for the management

AWARD

The Central Government Ministry of Labour vide Order No. L-42012/230/2004-IR (CM-II) dated 9-8-2005 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication:

"Whether the demand of the Worker's Union for regularization of workman Shri Omkar Singh Sio Shri Bragi Singh in the establishment of CPWD is legal and justified? If yes, to what relief the workman is entitled and from which date?"

2. Today during the course of proceedings the workman moved an application praying for closure of his case. According to him he does not want to continue with this case in view of the writ petition filed in the Hon'ble High Court of Delhi, He further says that he has nothing to do with any workers' Unition who may have espoused his case. Heard. In view of the prayer made by the workman in the application. No Dispute Award is passed in this case. File be consigned to record room.

SATNAM SINGH, Presiding Officer

नई दिल्ली, 4 नवम्बर, 2008

का. आ. 3146,- औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में,केन्द्रीय सरकार एस.सी. सी.एस. के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्धकारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विधाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण हैदसबाद के पंचाट (संदर्भ सं. 94/2006) को प्रकाशित करती है, बो केन्द्रीय सरकार को 04-11-2008 को प्राप्त हुआ था।

> [सं. एल-22012/€58/2006-आई आर (सी एम-ा।)] अजय कुमार गाँड, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 4th November, 2008

S.O. 3146.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government here by publishes the award (Ref. No. 94/2006) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Hyderabad as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the Management of M/s. Singareni Collieries Company Limited, and their workman, received by the Central Government of 04-11-2008.

[No.1 -22012/158/2006-IR(CM-II)]

AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT HYDERABAD

. PRESENT: Shri Ved Praksh Gaur, Presiding Officer

Dated the 24th day of September, 2008

Industrial Dispute No. 94/2006

RETWEEN:

The General Secretary, (Sri Bandari Satyanarayana), (Sri Bandari Satyanarayana), Singareni Collieries Employees Council, H.No. 18-3-90/3, Ganesh Nagar, Markandeya Colony, Godavarikhani, Karimnagar (Andhra Pradesh)-505209.

...Petitioner

AND

The General Manager, M/s. Singareni Collieries Company Limited, Mandamarri Division, Mandamarri.

...Respondents

APPEARANCES:

For the Petitioner:

Ni

For the Respondent:

M/s. M.V. Hanumanth Rao &

K. Sectarama Rao, Advocates

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its Order No. L-42012/158/2006-IR (CM-II) dated 6-11-2006 referred the following dispute under Section 10(1) (d) of the 1.D. Act, 1947 for adjudication to this Tribunal between the management of Singaretti Collieries Company Limited and their workman. The reference is,

SCHEDULE

"Whether the action of the management of M/s. Singarent Collieries Company Limited in dismissing the services of Sri Boggula Chinnaiah w.e.f. 18-8-1999 is legal and justified? If not, what relief is the workman entitled?"

2. This reference was received in this office on 4-12-2006 and registered in this Tribunal as I.D. No. 94/2006 and a copy of the reference order was served to the concerned workman/union and management. Notice was given from this court to both the parties by hand. From the Petitionner side, representative of the union filed an application authorizing Mr. V. Prakash to receive notice, but Mr. V. Prakash neither appeared before this court nor filed the claim petition on behalf of the concerned workman.

The case is pending for the last two years and no action has been taken either by the workman himself or the union of the workman. As such it appears that neither the concerned workman nor the union to which he is associated is interested in fitting the claim statement and any further action in this case. As such the opportunity to fite claim petition was closed by this court on 24-9-2008. The Respondent side has filed vakalatnama as back as in March, 2007 and they were coming to the court. As such in the absence of any claim statement or any adjournment application from the side of workman, this court has no other option, but to pass a 'Nil' Award in this case. Transmit,

Dictated to Smt. P. Phani Gowri, Personal Assistant transcribed by her corrected by me on this the 24th day of September, 2008.

VED PRAKASH GAUR, Presiding Officer

Appendix of evidence

Witnesses examined for the Petitioner Witnesses examined for the Respondent

NIL.

NIL

Documents marked for the Petitioner

NIL

Documents marked for the Respondent

NIL

नई दिल्ली, 4 नवम्बर, 2008

कर. आ. 3147.—औद्योगिक विवाद अधितियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एस. सी.सी.एल. के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के विव, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार और्श्वोगिक अधिकरण, हैरराबाद के पंचाट (संदर्भ सं. 93/2006) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार की 04.11.2008 की प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/159/2006-आई आर (सी एम-॥)] अजय कुमार गौड, डेस्क अधिकारी

New Deihi, the 4th November, 2008

S.O. 3147.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No.93/2006) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Hyderabad as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the Management of M/s. Singarent Collieries Company Limited, and their workmen, received by the Central Government on 04-11-2008.

[No. L-22012/159/2006-JR(CM-II)]

AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

....Peritioner

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT HYDERABAD

PRESENT: ShriVED PRAKASH GAUF.

Presiding Officer

Hyderabad the 34th day of September, 2008

Industrial Dispute No. 93/2006

BETWEEN

The General Secretary, (Svi Bandari Sutyanarayana),
Singareni Collieries Employees Council,
H.No. 18-3-90/3, Ganesh Nagar,
Markandeya Colony, Godovarikham,

AND

The General Manager,

M/s. Singareni Collieries Company Limited,

Karimnagar (Andbra Fradesh) = 505209

Mandamarri Division, Mandamarri,Respondents

APPEARANCES:

For the Petitioner • NS

For the Respondent . M.s. M.V. Hanumanth Rao

& K. Sectorana Roo.

Advocates

AWARD

The Government of India. Ministry of Labour by its Order No. 1.-22012: (59/2006) (IR CM-II) dated 6-11-2066 referred the following dispute under Section 10(1) (d) of the LD. Act, 1947 for adjudication to this Tribunal between the management of Singareni Collieries Company Lumbed and their workman. The reference is:

SCHEDULE

"Whether the action of the management of M s. Singareni Collieries Company Limited in discussing the services of Sci Md. Mohammed Ali w e it 4-5-1999 is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. This reference was received in this office on 4-12-2006 and regretered in this Tribunal as 1.D. No. 93/2006 and a copy of the reference order was served to the concerned workman amount and management. Notice was given from this court to both the parties by hand. From the Petitioner sade, representative of the union filed an application authorizing Mr. V. Prakash to receive notice but Mr. V. Prakash meither appeared before this court nor

filed the claim petition on behalf of the concerned workman. The case is pending for the less two years and no action has been taken either by the workman himself or the union of the workman. As such if appears that neither the concerned workman not the union to which he is associated is interested in filling claim statement and any further action in this case. As such the conportantly to file claim petition was closed by this coun on 24-9-2008. The Respondent side has filed vakalatmanta as back as in March, 2007 and they were coming to the count. As such in the absence of any claim statement or any adjournment application from the side of workman, this coun has no other option, but to pass a 'Nil' Award in this case. Transmit

Dictated to Smt. P. Phont Gowri, Personal Assistant transcribed by her corrected by the on this the 24th day of September, 2008.

VED PRAKASH GAUR, Presiding Officer

Appendix of evidence

Witnesses examined Manageses examined for the Petitioner our the Respondent NR. NR.

Documents marked for the Patitioner

N. 26

Documents marked for the Respondent

Nil

नई दिलकी, य सक्कार, 2<mark>008</mark>

का. आ. ३१४८.- अंग्लिनेक विवाद अधितियम् १९३१ (1947 का 14) की धार १९ के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एस. सी.सी.एस. के प्रविध्वत्र के भागद्व नियोग्धकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक कियाद में केन्द्रीय सरकार अंक्षांपक अधिकरण, हैद्सवाद के पंचार (१९९६ को १८:2006) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को ३-११-१९७६ को प्राप्त हुआ था

> [सं. एल-220) ३:170/2006 आई आर (सी एक-॥)] अजय कुपार गाँड, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 4th November, 2008

S.O. 3148. In persuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act. (947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No 92/2006) of the Central Government hereby striat Tribunal-cum-Labour Court. Hyderabad as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the Management of Mis. Singareni Collieries Company Lanated, and their workmen, received by the Central Government on 4-11-2008.

[No. 1, 20012/160/2006-JR(CM-II)] AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURTAT HYDERABAD

Present:

Shri VED PRAKASH GAUR,

Presiding Officer

Hyderabad the 24th day of September, 2008

Industrial Dispute No. 92/2006

Between:

The General Secretary,
(Sri Bandari Satyanarayana),
Singareni Collieries
Employees Council,
H.No. 18-3-90/3, Ganesh Nagar,
Markandeya Colony,
Godavarikhani, Karimnagar
(Andhra Pradesh)-505209.

.... Petitioner

AND

The General Manager, M/s. Singareni Collieries Company Limitted, Mandamarri Division, Mandamarri.

: Respondents

APPEARANCES:

For the Petitioner:

Nil

For the Respondent :

M/s. M.V. Hanumanth Rao &

K. Seetarama Rao, Advocates

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its Order No. L-22012/160/2006 (IR CM-II) dated 6-11-2006 referred the following dispute under Section 10(1) (d) of the I.D. Act, 1947 for adjudication to this Tribunal between the management of Singareni Collieries Company Limited and their workman. The reference is,

SCHEDULE

"Whether the action of the management of M/s. Singareni Collieries Company Limited in terminating the services of Sri Durgam Thirupathi w.e.f. 28-2-1998 is legal and justified? If not, what relief is the workman entitled?"

2. This reference was received in this office on 4-12-2006 and registered in this Tribunal as I.D. No.

92/2006 and a copy of the reference order was served to the concerned workman/union and management. Notice was given from this court to both the parties by hand. From the Petitioner side, representative of the union filed an application authorizing Mr. V. Prakash to receive notice, but Mr. V. Prakash neither appeared before this court not filed the claim petition on behalf of the concerned workman. The case is pending for the last two years and no action has been taken either by the workman himself or the union of the workman. As such it appears that neither the concerned workman nor the union to which he is associated is interested in filing the claim statement and any further action in this case. As such the opportunity to file claim petition was closed by this court on 24-9-2008. The Respondent side has filed vakalamama as back as in March. 2007 and they were coming to the court. As such in the absence of any claim statement or any adjournment application from the side of workman, this court has no other option, but to pass a 'Nil' Award in this case. Transmit.

Dictated to Smt. P. Phani Gowri, Personal Assistant transcribed by her corrected by me on this the 24th day of September, 2008.

VED PRAKASH GAUR, Presiding Officer

Appendix of evidence

Witnesses examined for the

Witnesses examined for the Respondent

Petitioner Nil.

NII.

Documents marked for the Petitioner

NII.

Documents marked for the Respondent

NIL

नई दिल्ली, 4 नवम्बर, 2008

का. आ. 3149.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एस.सी. सी.एल. के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के शीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचाट (संदर्भ सं. 91/2006) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 4-11-2008 को प्राप्त हुआ था

[सं. एल-22012/156/2006-आई आर (सी एम-11)] अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 4th November, 2008

S.O. 3149.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government bereby publishes the award (Ref. No.91/2006)

of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Hyderabad as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the Management of M/s. Singareni Collieries Company Limited, and their workmen, received by the Central Government on 04-11-2008.

[No.1-22012/156/2006-JR(CM-II)] AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE.

BEFORETHE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM-LABOUR COURTAT HYDERABAD

PRESENT

SHRIVELIPRAKASH

GAUR

PRESIDING OFFICER

Hyderabad the 24 th day of September, 2008.

Industrial Dispute No. 91/2006

BETWEEN

The General Secretary, (Sri Bandari Satyanarayana).
Singareni Collieries Employees Council,
H.No. 18-3-90/3. Ganesh Nagar.
Markandeya Colony, Godavarikhani,
Karimnagar (Andhra Pradesh) — 505209Petitioner

AND

The General Manager,

M/s. Singareni Collienes Company Limited,

Mandamarri Division, Mandamarri,Respondents

APPEARANCES:

For the Petitioner

∴ Nit

For the Respondent

: M/s. M.V. Hanumanth Rao

& K. Sectarama Rao,

Advocates

AWARD

The Government of India Ministry of Labour by its Order No. L-22012/156/2006 IR (CM-II) dated 6-(1-2006 referred the following dispute under Section 10(1)(d) of the LD. Act, 1947 for adjudication to this Tribunal between the management of Singareni Collieries Company Limited and their workman. The reference is:

SCHEDULE

"Whether the action of the management of M/s. Singareni Collieties Company Limited in dismissing Sri Keesaroina Gattaigh w.c.f. 10-2-1998 is legal and

justified? If not, to what retief is the workman entitled?"

2. This reference was received in this office on 4-12-2006 and registered in this Tribunal as I.D. No. 91/2006 and a copy of the reference order was served to the concerned workman/union and management. Notice was given from this court to both the parties by hand. From the Petitioner side, representative of the union filed an application authorizing Mr. V. Prakash to receive notice, but Mr. V. Prakash neither appeared before this court nor filed the claim petition on behalf of the concerned workings. The case is pending for the last two years and no action has been taken either by the workman himself or the union of the workman. As such it appears that neither the concerned workman nor the union to which he is associated is interested in filling claim statement and any further action. in this case. As such the opportunity to file claim petition was closed by this court on 24-9-2008. The Respondent side has filed vakalamama as back as in March, 2007 and they were coming to the court. As such in the absence of any claim statement or any adjournment application from the side of workman, this court has no other option, but to pass a 'Nil' Award in this case Transmit.

Dictated to Smt. P.Phani Gowri, Personal Assistant transcribed by her corrected by me on this 24th day of September, 2008.

VED PRAKASH GAUR, Presiding Officer

Appendix of evidence

Witnesses examined for the Petitioner

Witnesses examined for the Respondent

NIL.

NII.

Documents marked for the Petitioner

NIL

Documents marked for the Respondent

NIL.

नई दिल्ली , 4 नवम्बर , 2008

का. आ. 3150,—आंद्यांगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में कंन्द्रीय सरकार एस.सी. सी.एल. के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार आंद्योगिक अधिकरण, हैंदणबाद के पंचाट (संदर्भ सं.90/2006) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 04-11-2008 को प्राप्त हुआ था।

[सं एल-22012/157/2006-आई आर (सी एम-॥)] अजय कुमार गींड, डंस्क अधिकारी

New Delhi, the 4th November, 2008

S.O. 3150.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No.90/2006) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Hyderabad as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the Management of M/s. Singareni Collieries Company Limited, and their workmen, received by the Central Government on 04-11-2008.

[No.L-22012/157/2006-IR(CM-II)] AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TREBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT
HYDERABAD

PRESENT

Shri VED PRAKASH GAUR,
Presiding Officer

Hyderabad the 24th day of September, 2008

Industrial Dispute No. 90/2006

BETWEEN:

The General Secretary,
(Sri Bandari Satyanarayana),
Singareni Collieries
Employees Council,
H.No. 18-3-90/3, Ganesh Nagar,
Markandeya Colony,
Godavarikhani, Karimnagar
(Andhra Pradesh)-505209.

...... Petitioner

AND

The General Manager, M/s. Singareni Collieries Company Limitted, Mandamarri Division, Mandamarri.

...... Réspondents

APPEARANCES:

For the Petitioner:

Nil

For the Respondent:

M/s. M.V. Hanumanth Rao &

K. Sectarama Rao, Advocates

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its Order No. L-22012/157/2006 (RI CM-II) dated 6-11-2006

referred the following dispute under section 10(1) (d) of the l.D. Act, 1947 for adjudication to this Tribunal between the management of Singareni Collieries Company Limited and their workman. The reference is;

SCHEDULE

"Whether the action of the management of M/s. Singareni Collieries Company Limited in dismissing Si Janagam Ramakrishna w.c.f. 26-9-2001 is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. This reference was received in this office on 4-12-2006 and registered in this Tribunal as 1.D. No. 90/2006 and a copy of the reference order was served to the concerned workman/union and management. Notice was given from this court to both the parties by hand. From the Petitioner side, representative of the union filed. an application authorizing Mr. V. Prakash to receive notice, but Mr. V. Prakash neither appeared before this court nor filed the claim petition on behalf of the concerned workman. The case is pending for the last two years and no action. has been taken either by the workman himself or the union. of the workman. As such it appears that neither the concerned workman nor the union to which he is associated is interested in filing the claim statement and any further action in this case. As such the opportunity to file claim petition was closed by this court on 24-9-2008. The Respondent side has filed vakalatnama as back as in March, 2007 and they were coming to the court. As such in the absence of any claim statement or any adjournment application from the side of workman, this court has not other option, but to pass a 'Nil' Award in this case. Transmit

Dictated to Smt. P. Phani Gowri, Personal Assistant transcribed by her corrected by me on this the 24th day of September, 2008.

VED PRAKASH GAUR, Presiding Officer

Appendix of evidence

Witnesses examined for the

Witnesses examined for the Respondent

Petitioner

...

NIL

NIL.

Decoments marked for the Petitioner

NIL

Decuments marked for the Respondent

NIL

नई दिल्ली, ४ नवम्बर, 2008

का.आ, 3151,—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 194? (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एस.सी. सी.एल. के प्रवधनंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार ऑधोगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचाट (संदर्भ सं.89/2006) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 04-11-2008 को प्राप्त हुआ था ।

[सं एल-22012/93/2006-आई आर (सी एम-॥)] अजय कुमार गाँड, डेस्क अधिकती

New Delhi, the 4th November, 2008.

S.O. 3151.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. Mo.89/2006) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Hyderabad as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the Management of M/s Singarem Collieries Limited, and their workmen, received by the Central Government on 04-11-2008.

[No.L-22012/93/2006-(R(CM-II)] AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT HYDERABAD

Present: Shri Ved Prakash Gaur, Presiding Officer Dated the 24th day of September, 2008 Industrial Dispute No. 89/2006

Between:

The General Secretary.
(Sri Bandari Saryanarayana),
Singareni Collierios
Employees Council,
H.No. 18-3-90/3, Ganesh Nagar,
Markandeya Colony.
Godavarikhani, Karkonagar
(Andhra Pradesh)-505209.

And

The General Manager, M/s. Singareni Collieries Company Limited, Mandamarri Division, Mandamarri.

....... Respondents ...

APPEARANCES

For the Petitioner:

Nit

For the Respondent :

M/s. M.V. Hanamanth Roo &

K. Seetarama Rao,

Advocates

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its Order No. L-22012/93/2006 Ri (CM-II) dated 1-11-2006 referred the following dispute under Section 10(1) (d) of the I.D. Act, 1947 for edjectication to this Tribanal between the management of Singarchi Collieries Company Limited and their workman. The reference is:

SCHEDULE

"Whether the action of the management of M/s. Singaren: Collieries Company Limited in terminating the services of Sri Nakka Durga Swamy w.e.f. 24-3-2000 is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled.""

2. This reference was received in this office on 4-12-2006 and registered in this Tribunal as LD. No. 89/2006 and a copy of the reference order was served to the concerned workman busion and management. Notice was given from this court to both the parties by hand. From the Petitioner side, representative of the union filed an application authorizing Mr. V. Prakash to receive notice, bupMr. V. Prakash neither appeared before this court nor filed the claim petition on ischalf of the concerned workman. The case is pending for the last two years and no action has been taken either by the workman himself or the anion of the workman. As such it appears that neither the concerned workman nor the union to which he is associated is interested in filling the claim statement and any further action in this case. As such the opportunity to file class: petition was closed by this court on 24-9-2008. The Respondent side bas file in akadatnama as back as in March. 2007 and they were coming to the court. As such in the absence of any claim statement or any adjournment application from the side of workman, this court has not other option, but to pass a 'Nill Award in this case,

Dictated to Smt. P. Phani Gowri, Personal Assistant transcribed by her corrected by me on this the 24th day of September, 2008.

VED PRAKASH GAUR, Presiding Officer

NIL.

Appetalis of evidence

Witnesses examined for the Witnesses examined Petitioner for the Respondent

NIL.

Decuments have keed for the Petitioner.

NE.

Decuments marked for the Respondent

Nil.

नई दिल्ली, ४ नवम्बर, 2008

कर, 3152, - औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एस. सी. सी. एल. के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, हैंदराबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 88/2006) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 04-11-2008 को प्राप्त हुआ था।

> [सं. एल-22012/91/2006-आई आर (सी एम-II)] अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 4th November, 2008

S.O. 3152.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 88/2006) of Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Hyderabad as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of M/s. Singareni Collicries Compony Limited, and their workman, received by the Central Government on 04-11-2008.

[No. L-22012/91/2006-IR (CM-II)]

AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURTAT HYDERABAD

Present: Shri Ved Prakash Gaur, Presiding Officer

Dated the 24th day of September, 2008

Industrial Dispute No. 88/2006

Between:

The General Secretary,
(Sri Bandari Satyanarayana),
Singareni Colfieries Employees Council,
H,No.18-3-90/3, Ganesh Nagar,
Markandeya Colony, Godavarikhani,
Karimnagar (Andhra Pradesh) - 505209Petitioner

And

The General Manager,
M/s. Singareni Collieries Company Limited,
Mandamarri Division, Mandamarri,Respondents

APPEARANCES

For the Potitioner : NIL

For the Respondent : M/s. M.V. Hanumanth Rao &

K. Seetarama Rao, Advocates

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its order No. L-22012/91/ 2006 -IR(CM.II) dated 1-11-2006 referred the following dispute under Section 10(1) (d) of

the LD. Act, 1947 for adjudication to this Tribunal between the management of Singareni Collieries Company Limited and their workman, The reference is,

SCHEDULE

"Whether the action of the management of M/s. Singareni Collieries Company Limited in terminating the services of Sri Dhara Prabhakar w.e.f. 6-11-2001 is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. This reference was received in this office on 4-12-2006 and registered in this Tribunal as I.D. No. 88/ 2006 and a copy of the reference order was served to the concerned workman/union and management. Notice was given from this court to both the parties by hand. From the Petitioner side, representative of the union filed an application authorizing Mr. V. Prakash to receive notice, but Mr. V. Prakash neither appeared before this court nor filed the claim petition on behalf of the concerned workman. The case is pending for the last two years and no action has been taken either by the workman himself or the union of the workman. As such it appears that neither the concerned workman not the union to which he is associated is interested in filing the claim statement and any further action in this case. As such the opportunity to file claim petition was closed by this court on 24-9-2008. The Respondent side has filed vakalatnama as back as in March, 2007 and they were coming to the court. As such in the absence of any claim statement or any adjournment application from the side of workman, this court has no other option, but to pass a 'Nil' Award in this case. Transmit.

Dictated to Smt. P. Phani Gowri, Personal Assistant transcribed by her corrected by me on this the 24th day of September, 2008.

VED PRAKASH GAUR, Presiding Officer

Appendix of evidence

Witnesses examined for the Petitioner

Witnesses examined for

the Respondent

NIL

NIL

Documents marked for the Petitioner

NII.

Documents marked for the Respondent

NIL

मर्ड दिल्ली, ४ नवम्बर, 2008

का.आ. 3153.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 194? (१९४२) का 14) को धारा 17 के अनुसरण में, कोदीय सरकार एस यो भी. के प्रवंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 87/2006) को

प्रकारित कार्तः हे, हो कोन्द्रीय सम्कार को 4-11-2000 - । ह्यान हुआ था ।

> (मं. 0) (320(202,2006) आईआर ८२० (०) (भक्त कृष्ण र्षीष्, अस्त्र ८०००)

New Duble die 4de Norwenheit 2003.

S.O. 24 of the prosperies of weather the Industrial (16) pipes with the (10 of 1947) and Government between ablishes the Award (Ref.) of the Countil Government bedoes the Award (Ref.) of the Countil Hyderabus as shown for the countil to the industrial Orstotic between the management.

Singareni Collieries scompony Charted, and the our received by the Countil Government on 4-11-21.

[No.1235012 92 2006 Pitch 17 to 1

ALAY KUMAR GAUR, DAN HIBRO

ANNEXURE

BEFORE THE CONTRAK GOVERNAL INDUSTRIAL TRIBETYANG COME ARREST CONTRACT GROB MARAD

Present: Shee Vist Problem Guar, Proposing and a Dated the Fotbody of September, 2000.

Industrial Dispute No. 87(2006)

Between:

The General Secretary
(Sri Bandari Natyre proyesta).
Singarem Collict. Firm socres Conocil
H.No.18-3-90 N. Gandal Longar.
Markandeya Colono, C., Casarikhani.
Karimbagar (Andha Pragash) - 50/209

And

The General Akanogyn.

M/s. Singarenia of a real anaparty (announ).

Mandamara (1) and the analytic fragery.

199 ARASCES:

For the Peterson in 1995

For the except test of the NAM Assessment (4.1) of the Section of Karling and Section (4.1) of the Section of Karling and Section (4.1) of the Section of th

AWARD

The Government of India, Ministry of the construction of the CN-H) date. The CN-H) date is a 11-1000-2 referred the following dispute under Section (0): 10-1000-2 the LD Act, 1947 to hadjudication to this Lebour construction the management of Gingarena Collieries Company 1000-3, dark them workston. The milestaction is

SHARRE

TWHEN the property of the manner of the Moore party of the first Coropany of the first interesting the second Schleger Device of the first party of the second Schleger Device of the first party of the second Schleger Device of the first party of the second Schleger Device of the first party of the second Schleger Device of the first party of the second Schleger Device of the second Schleger D

14-12-2000 is legal and justified? If not to what relief is the workman conided??"

2. This reference was received in this affice on 4-12-2006 and registered in this Tribinal as LD, No. 87. 2006 and a copy of the reference order was served to the concerned workman super and management. Notice was given from this country countries by hand. From the Petitioner side (reconstructive of the union filed an application authorizing Mr. V. Prakash to receive notice. but Mr. V. Prokash is a acr appeared before this court nor filed the claim on tion on benalf of the concerned workings. The case (constituting for the last two years and no action has been teller obliger by the workman minself or the union of the way-one. As such it appears that perfiber the concerned weakings not the union to which he is associated is into exceed in filling the claim statement. and any further action in this case. As such the apportunity to file claim, persoon was closed by this counon 24-9-2008. The Research of the Side has filed vakatamana. as back as in March. 2000 and they were coming to the court. As such in the lot among of any chaim statement or any adjournment up, ..., thou from the side of weekinging this court has no other open on but to pass a "Nit" Award in this case. Transmit.

Dictated to State of Placel Goveri, Personal Assistant transcribed by her, corrected by me on this the 24th day of September, 2008.

VED PRAKASH GAUR, Presiding Officer.

Appeadix of Evidence

Witnesses examined on the Pentioner

Watterses exagnized for

the Respondent

N0

NIL.

Documents marked for the Petitioner

 ΣB

Documents too seed for the Respondent

Mil.

नई दिस्ती, ३ तकस्वर, १७५<mark>४</mark>

का,आ, 3154.-- ंगांगक विश्वाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की घण एक अनुस्वता में, कंन्द्रीय सरकार एस. सी. सी. एल, के 2004ता के संबद्ध तियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुष्य में विदेश और्थीयक विवाद में कन्द्रीय सरकार आँद्योगिक ऑपकार्य, डेंग्याद के यंदाद (पादर्भ संवत्य 85/2006) को प्रकाशित कर्मनी हैं, जो केन्द्रीय सरकार की 4-11-2008 को प्राप्त हुआ था।

> [सं एल-30-0050 3006-अर्थुआर (सी एस 16)] अवय बुधार गोड्, डेस्क अध्वित्रती

New Deiby (1), 4th November, 2003

S.O. 3154. (1) presumed of Section 17 of the Industrial Disputes Act 1947 (14 of 1947), the Central

Government hereby publishes the Award (Ref. No. 85/ 2006) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Hyderabad as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of M/ s. Singareni Collieries Company Limited, and their workmen, received by the Central Government on 4-11-2008

[No. L-22012/50/2006-IR (CM-II)]

AJAY KIJMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

REFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT HYDERABAD

Present: Shri Ved Prakash Gaur, Presiding Officer

Dated the 24th day of September, 2008

Industrial Dispute No. 85/2006

Between:

The General Secretary, (Sri Bandari Satyanarayana), Singareni Collieries Employees Council, H.No.18-3-90/3, Ganesh Nagar, Markandeya Colony, Godavarikhani,

Karimnagar (Andhra Pradesh) - 505209 ...Petitioner

And

The General Manager, M/s. Singareni Collieries Company Limited, Mandamarri Division, Mandamarri.

...Respondents

APPEARANCES

 NiL For the Petitioner

M/s, M.V. Hanumanth Rao & For the Respondent:

K. Sectarama Rao, Advocates

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its order No. L-22012/50/2006 -IR(CM.-II) dated 30-10-2006 referred the following dispute under section 10(1)(d) of the LD. Act, 1947 for adjudication to this Tribunal between the management of Singareni Collieries Company Limited and their workman. The reference is :-

SCHEDULE

"Whether the action of the management of M/s. Singareni Collieries Company Limited in terminating the services of Sri Ellala Laxminarayana w.e.f. 12-2-1998 is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. This reference was received in this office on 4-12-2006 and registered in this Tribunal as LD. No. 85/2006 and a copy of the reference order was served to the concerned workman/union and management. Notice was given from this court to both the parties by hand. From the Politioner side, representative of the union filed an application authorizing Mr. V. Prakash to receive notice, but Mr. V. Prakash neither appeared before this court nor filed the claim petition on behalf of the concerned workman. The case is pending for the last two years and no action has been taken either by the workman himself or the union of the workman_As such it appears that neither the concerned workman nor the union to which he is associated is interested in filing the claim statement and any further action in this case. As such the opportunity to file claim petition was closed by this court on 24-9-2008. The Respondent side has filed vakalatnama as back as in March. 2007 and they were coming to the court. As such in the absence of any claim statement or any adjournment application from the side of workman, this court has no other option, but to pass a 'Nil' Award in this case. Transmit.

Dictated to Smt. P. Phani Gowri, Personal Assistant transcribed by her, corrected by me on this the 24th day of September, 2008.

VED PRAKASH GAUR, Presiding Officer

Appendix of evidence

Witnesses examined for the Witnesses examined for the Respondent Petitioner.

NB. NIL.

Documents marked for the Petitioner

Documents marked for the Respondent

नई दिल्ली, 4 नवम्बर, 2008

का.आ. 3155,--- औद्योगिक विवाद अधिनयम, 1947 (1947 का (4) की धारा (7 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एस: सो. स्मे. एल, के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के जीव अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में कंन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या ४६/२००६) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 4-11-2008 को प्राप्त हुआ था।

> [सं. एल-22012/51/2006- आईआर (सी एम-॥)] अजय कुमार भौड, इंस्क अधिकारी

New Dolhi, the 4th November, 2008

S.O. 3155.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 86/2006). of Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court Hyderabad as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of M/s. Singareni Collieries Company Limited, and their workmen. received by the Central Government on 4-11-2008.

> (No. L-22012/51/2006-IR (CM-II)] AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXORE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRING TRIBUNAL-CUM-LABOUR CVI. 5 TATE HYDERARAD

Present: Nova Wed Peakash Gaun Presiding Only on Date of the 24th day of September, 2005.

Industrial Dispute No. 86/2006

Between:

The General security (Sti Bailder) is a marayana).

Singarem Colorades i piployees Conneil,

H.No.18-5 6 Graceh Nagar.

Markande, et allerak, Godavarikhani,

And

The General Manager.

M/s/Singareo, Collicries Company Limited.

Mandamarer Dwislen, Mandamarri, Respondents

SPPUARANCES

For the Period of NE

For the Respondence Mis. M.V. Hanmmanth Rao &

K. Sectarama Rao, Advocates.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its order No. 1-22012 51 (2006-IR) CM.II) dated 50-10-2006 referred for tollowing dispute under section 10(1) (d) of the LD. Act. (5.44 for adjudication to this Tribino, between the management of Sugareni Collieries Compuny: builted and their workman. The reference is:

SCHEDULE

Where the action of the managers of of Miscowarders, Collaring Company Limited in terminal orbits expression of Sri Nagavanh Laft is well 9-3-1908, ode oband justified Hinoteographic sensities the southern artifical fill

2. The self-circle was received in this effection 4-12-2790 and the literal on the Tribunal as LD into 86. 2006 and proops to the reference order was service to the concerbed words on an ion and management. Notice was given from this court is both the parties by hand it is on the Petitioner side representative of the union like an application authorizate Mr. V. Prakash (vioceive a a eg. but Mr. V. Prakash neither appeared betweenhis court near filed the Claim patition on behalf of the concernor well. I may The case is pending for the last two years and no action. has been taken within his one workenan his nself or the contaof the weakening Assembly appears that neither the concerned were measured, the union to which by is a second edis interested in Glory the claim statement and are people, action is 45 A section of the funds to the com-NOT SEE 16 (2.4-9-20) 3 (11e) Rosmond . estats a March. er in ever Note: 1.00

absence of any claim statement or any adjournment application from the sele of workman, this court has no other option, but to pass a 'NJI' Award in this case. Transmit

Dictated to Site 4. Phani Gowri, Personal Assistant transcribed by her conjected by me on this the 24th day of September, 2008.

VED PRAKASH GAUR, Presiding Officer

Appendix of evidence

Witnesses examined for the Witnesses examined for the Petitioner Respondent

NIL NIL

Documents marked for the Petitioner

NH

Documents marked for the Respondent

ML

नई दिल्ली, 4 नक्षरस्य, 2008

का,आ, 3156,— शंचोरिक शिक्षद अधितियम, १९४७ (1947) का 14) की धार 17 के अगुण्यण में, केन्द्रीय सरकार मिलिट्टी ऑम के प्रबंधतंत्र के संबद्ध विचायकों और उनके कर्मकारों के चीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विचाय में केन्द्रीय सरकार ओओंगिक, अधिकरण/श्रम न्यायालय, में, 1, धण्डीगढ़ के पंचार (संदर्ध मंख्या 1,3,5,7/99) को प्रकारित अग्वी है, जा केन्द्रीय सरकार को 04-11 2008 को प्रध्या (अपन्या)

[सं. एल-14012 (१), १५, १५, 20098- आईआर (डी.बू. १) अनय कुमार, ऐस्क अधिकारी

New Delhi, the 4th November, 2008

S.O. 3156. In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes A.t. 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 1.3.5.7.99) of the Central Government Industrial Tribunal-com-Labour Court No. 1. Chandigarh, as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Militry Form, and their workman, which was received by the Central Government on 4-11-2008.

[No 1 - 4012/25, 24, 22, 20/98-08 (D10] MAY KUMAR, Desk Officer

VSSEXURE

BEFORE SHRI GYTNENDRA KUMAR SHARMA. PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM-LABOUR COURTE, CONNOIGARI.

Case No LDs. 1/99, 3 49, 5 99, 7/99 of 1999,

No. 1799 of Sh. Phys. of National

ID.No. 3:99 of Sh. Control Singh.

ID. No. 5/99 of Shakers and known

ID, No. 7.39 of St. 350 of E.

....Applicants

Versus

The Officer Incharge, Military Farm, Pathankot-145001.

....Respondent

APPEARANCES

For the Workman : Sh. Anandeshwar Gautam.

For the Management: Sh. K.K. Thakur.

AWARD

Passed on:-21-10-08

Government of India referred the following industrial disputes for judicial adjudication to this Tribunal namely, ID 1/99 regarding Sh. Pankaj salaria, Ref. No. L-14012/25/98/IR (DU) dated 13-11-98, ID 3/99 regarding Sh. Jaswant Singh, Ref. No.L-14012/24/98/IR (DU) dated 13-11-1998, ID 5/99 regarding Sh. Rajesh Kumar, Ref. No. L-14012/22/98/IR (DU) dated 13-11-1998, and ID, 7/99 regarding Sh. Somraj, Ref. No. L-14012/20/98/IR (DU) dated 13-11-1998. The common question of law and facts are involved in all these references. Hence, for convenience and for ends of justice all the references are hereby adjudicated by a common award. LD. No. 1/99 will be the leading file.

The main question before this Tribunal for judicial adjudication is whether the action of officer in charge Military farm, Pathankot in terminating the services of all the 4 workmen mentioned above whose references are in question are legal and justified? It not, to what relief all the workmen are entitled?

All the 4 workmen have filed similar statement of ciam that they joined the Military farm Pathankot as ,a labourer on different dates in the year 1999 as follows;

Sh. Pankaj Salaria joined, on 7-8-94, Sh. Jaswant Singhjoined on 1-6-94, Sh. Rajesh Kumar joined on 6-1-94 and Sh. Somraj joined on 6-5-94. Their services were terminated on 1-12-97 by the management of respondent. It is alleged by the workmen that they, all have completed 240 days of work in the preceding year from the date of their termination. Their services were terminated without the notice or retreachment compensation against the provision of Industrial Disputes Act. On the basis of these averments, the workmen have requested the Tribunal for an order reinstating them in the services along with back wages. Management of respondent appeared in all the cases and raised preliminary objections that this Tribunal has no jurisdiction to dispose of these reference on two counts.

- (A) That the respondent is not an industry and the relationship between respondent and workmen are not that of employer employee relationship.
- (B) The Central Administrative Tribunal constituted under the Central Administrative Tribunals Act, 1985 has the jurisdiction to redress the grievances of the workmen.

It has also been stated by the respondent that all the workmen along with few others opted to file a petition No.625/PB/96 against the notice of termination before the Central Administrative Tribunal, Chandigarh Bench which was decided vide order dated 20-12-96. After the termination of the services of the workmen, all the workmen along with others again filed NDA No.589/PB/97 before the Central Administrative Tribunal, Chandigarh Bench which was dismissed by the Tribunal vide judgement dated 26-3-97. Thereafter, a contempt petition was also moved before the Central Administrative Tribunal Chandigarh Bench which was dismissed by the Tribunal with the remarks that the applicants should avoid in filing such frivolous petitions in future.

On merits, it has been stated by the management of respondent that all the workmen were engaged as labourer from the date mentioned in their statement of claim. As per the policy of the Government of India all the labourers working on temporary basis were to be regularized as per the terms and conditions of the policy. One of the conditions was that workman should be enrolled in the office of employment officer and his name should be sponsored by the employment officer. Names of wormen were not sponsered by the employment officer, hence, they could not be regularized and as there was no work for the casual labourers, their services were no more required and were accordingly terminated. It has also been alleged by management of respondent that none of the workman has completed 240 days of work in the proceeding year from the date of their termination

Parties were afforded the opportunity for adducing evidence oral and documentary. An officer of MES filed the affidavit and he was subjected to cross-examination by learned counsel for the workmen. Evey workman was cross-examined in respective references. Parties also preferred to filed the documentary evidence. Ex.M/x is experience certificate given by Sh. R.C. Sonkar, Farm Officer regarding the work of Sh. Pankaj Salaria. Same certificates have been provided by the respondent of management to rest of the workmen. R1 is the copy of the order dated 20-12-1996 passed by Central Administrative Tribunal, Chandigarh Bench in OA No.625-P8 of 1996. R2 is also the copy of the order passed by Central Administrative Tribunal, Chandigarh Bench dated 26-5-97 passed in OA No.589-18 of 1997, R3 is also an order dated 20-11-97 passed by Central Administrative Tribunal, Chandigach Bench in COCP No. 49/97 in OA No.625/PB/96, R4 is the Circular Letter regarding the terms and conditions of service of casual industrial and non-industrial employees. R5 is the minutes of the 4th meeting (10 term) of Army HO JCH counsel dated 10-5-96. R6 is notice dated 17, January, 1996 given to all the workmen.

Heard learned counsels for the parties. Perused the materials on record. Learned counsels for the workman have argued that all the Workman have worked for more

than 240 days in the calender year proceeding to the date of their termination. As their services were terminated without any notice or retrenchment compensation, they are entitled to the relief as prayed in compliance of the provisions of Industral Disputes Act.

Learned counsel for the management has alleged that respondent is not an industry and the dispute between the workmen and respondent is not an industrial dispute. There is no relationship of a nature which can be termed, as employee-employer relationship and, accordingly, this Tribunal has no jurisdiction to dispose of these references. Learned counsel for the management of respondent has also argued that Central Administrative faribunal constituted under the Central Administrative faribunal constituted under the Central Administrative faribunal of the workmen and the same has redressed the grievances of the workmen and the judgement of Central Administrative Tribunal, Chandigarh Bench will operate as resjudicata in these references.

Learned Counsel for the management of respondent has further argued that as there was no work available; for the workmen, their services were rightly terminated as per the policy of Central Government because their names were not sponsored by the Employment Office as desired by the Central Government policy.

The main issues before this Tribunal for adjudication of these references are :-

- 1. Whether the respondent is an industry? If yes, at affects?
- Whether this Tribunal has got no jurisdiction for disposal of these references?
- 3. Whether the orders passed by the Central Administrative Tribunal. Chandigarh Bench, dated 26-3-1997, will operate as res judicata in all these references?
 - To what relief, If any, the workmen are entitled?

I am adjudicating all these issues one by one

The term industry has been defined in section 2(1) of the Industrial Disputes Act, 1947, to mean any business, trade undertaking, manufacturing or calling upon employers and includes any calling, services, employment, bandierall or industrial according or avocation of workmen. In Bangalore Water Supply and Sewerage Board Vs. A. Rajappa and others AIR, 1978 Suprem Court 548, 7 Judges Bench of Hon'ble the Apex Court has defined the word 'Industry'. As per the above mentioned law laid down by the Apex Court, industry has defined in Sub-section 2(1) as a wide term and apport as:-

(a) Where there is (i) systematic activity, (ii) organized by co-operation between employer and employee (the direct and substantial element is chimerical), and (iii) for the production and log

distribution of goods and services calculated to satisfy human wants and wishes (not spiritual or religious but inclusive of material things or services geared to celestial bliss), prima facie, there is an industry in the enterprise.

- (b) Absence of profit motive or gainful obejective is irrelevant, be the venture in the public, joint, private or other sector.
- (c) The true focus is structional and the decisive test is the nature of the activity with special couphasis on the employer-employee relations.
- (d) If the organization is a trade or business it does not cease to be one because of philanthropy aniamating the undertaking.

Thus, the test (specially triple test) referred by Hon'ble the Apex Court in Banglore Water Supply case (Supra) are necessary to smallify any institution to be an industry.

Regarding the sovereign functions, Hon'ble the Apex Court in Bangalore Water Supply Case (supra) has held that sovereign functions strictly understood cannot alone qualify the exemption, nor the welfare activities or economic advantage undertaken by Government or statutory bodies. Even in departments discharging sovereign functions, if there are unus which qualified to be the industry and they are substantially sevegral then, they can be considered to come within Section 2(1) in the definations of Industry.

Thus, the decision whether the particular organization is industry or not has to be taken by the work done and business carried on by it, which absolutely depends on the facts and circumstances of each Case. I have gone through the evidence of the management. The officer of military farm, Pathankot mall the references has stated in his affidavit that the main function of the military are to supply milk and milk products to the armed forces of the union and also to supply Hay of the animals to the armed forces of amon. Big farms are maintained by military form, Pathankot and milk and milk products are produced. Thus the function of maintaining the farms and producing the milk and milk products and the services rendered for the maintenance of above mentioned working, it cannot be said that the military farm qualified for the sovereign functions. Without disputing the fact that most of the functions of the organization, whose unit is military farm, may be the sovereign functions but the unit military farm on the basis of work done and service rendered is an industry as held by Hob'ble the Apex Court in Bangalore. Water supply Case (supra) that even in departments discharging sovereign functions, it there are units which are industries and they are substantially sevental then they can be considered to come within Section2(j) in the definition of Industry. Thus, on the basis of above

mentioned observation, I am of the view that respondent is an industry. Paper No. 3 which is a circular letter of the respondent containing terms and conditions of service of casual industrial and non industrial employees also support the above contention that certain groups which are working with the Military farm are considered as industrial groups and it cannot be said that respondent is not an industry. It is undoubtedly an industry and the dispute in between the workmen and the management of respondent is the industrial dispute. Moreover, in cross-examination, MW1, the witness of management has also stated that retrenchment compensation shall not be given because none of the workman has completed 240 days of work in the calendar year proceeding to their termination. This also provide the reason to believe that respondent Military farm was adopting the procedure laid down in Industrial Disputes Act, 1947, considering the applicants as workmen and itself as industry.

Now the question before this Tribunal is what will be the effect of the orders passed by the Central Administrative Tribunal, Chandigarh Bench on applications moved by the workmen and whether these orders will operate as res judicata while answering these references.

A notice R-6 dated 17-1-96 was given to all the workmen with the following language:

"Your services are hereby terminated after one month of issue of this notice as you were not sponsored by Employment Exchange and not completed 240 days of service each in two calender years".

After receiving this notice all the workmen along with others filed the petition before the Central Administrative Tribunal which was decided on 20-11-96. While deciding the application Central Administrative Tribunal passed the following order:-

"We have heard both the parties and it seems that only fair solution to the problem would be that the applicants should get themselves registered with the Employment Exchange, if they have not done so far. The respondents shall place a requisition with the Employment Exchange as and when they have work and shall also issue to the applicants experience certificate of having worked with term for the period in each case before their termination orders are to be passed for getting weight age if permissible under the rules to get their names sponsored by the Employment Exchange. The interim order, passed earlier is vacated. The original applications stands disposed of with these directions. No costs."

There is no material on record that names of the workmen, as directed by Central Administrative Tribunal in above mentioned order, were sponsored by the Employment Exchange resulting in the termination of services of the workmen. Thereafter, all the workmen filed

another application before Central Administrative Tribunal and the Central Administrative Tribunal dismissed the application in liminie being not maintainable. While dismissing the application, Central Administrative Tribunal discussed all the facts and the law laid down by Hon'ble the Apex Court in Raj Kumar and others vs. Shakti Raj and others, 1972(2) SLR Page 130. The cause for dismissing the applications of workmen which is apparent from the order of Central Administrative Tribunal dated 26-5-97 is that temporary status cannot be given to the workmen in view of the policy of the Government. The Tribunal has also held that their reinstatement is not possible because their names were not sponsored by Employment Exchange as required by the policy of the Central Government.

The question before this Tribunal is altogether different. The question before this Tribunal is not whether the temporary status can be given to the workmen or whether order for regularization of the services of the workmen can be passed by this Tribunal? The question before this Tribunal is whether the workmen are entitled for the relief on the ground of illegal termination?

As stated earlier that respondent is an industry. So, the dispute between the workmen and the respondent is an industrial dispute. There exists an employer and employee relationship between the workmen and the respondent. It is not the case of the management that the initial appointment of the workmen was illegal. If the workmen have completed 240 days of work in the calender year proceeding to the date of their termination, they have a legal right protected by the industrial Disputes Act, 1947. that their services cannot be terminated without notice. and retrenchment compensation in compliance of the provisions of the Act. The guestion before the Central Administrative Tribunal was altogether different and that was legality of the notice given to the workmen regarding their termination of services and temporary status/ regularization of their services.

At the cost of repetition, this Tribunal has got the jurisdiction to adjudicate these references. The notice R-5 which was given to the workmen clearly shows that it was the notice given under the provisions of industrial Disputes Act and it was not expected from the workmen to approach the Central Administrative Tribunal but to approach the right forum mentioned under the Industrial Disputes Act. Accordingly, the orders passed by the Central Administrative Tribunal on 20-12-96 and 26-3-97 will not be having any effect while adjudicating these references because this Tribunal has got jurisdiction to adjudicate these references as stated earlier.

It is true that the doctrine of estoppel, res judicata etc. are applicable in the proceedings before the industrial Tribunal and Labour Courts. But in these references

position is altugether different. Any order can operate as resjudicata when it is passed by the Court of competent jurisdiction and the question before the court in the previous petition and before this Tribunal are same. The question before this Tribunal is different. The adjudication by the Central Administrative Tribunal, which has taken a view how to give the temporary status/regularization the services of the workmen, and while taking this view the Central Administrative Tribunal has suggested mechanism as well that if the names of the workmen are sponsored by the employment exchange, they will be considered for regularization. Under the Industrial Disputes Act, as a Presiding Officer I have no juridiction to discuss the granting of the temporary status or regularization of the services of these workmen. I have to confine myself whether their termination was in terms of the provisions of Industrial. Disputes Act. There is no bar for termination of the services of the workmen who have completed 240 days of work to a calendar year proceeding to the date of termination. This termination should have been strictly as per the provisions contained in the Industrial Disputes Act. Meaning thereby, before terminating the services of the workmen who have completed the 240 days of work in the calendar year preceding to the date of termination a notice and retrenchment compensation is mandatory requirement which was not done by the management of military farm. Being different issues for adjudication, orders dated 20-12-96 and 26-3-97 will not operate as resjudicate while answering these references.

Now, I have to discuss whether the workmen have completed 240 days of work in a calendar year preceding to date of their termination. It is true that in the notice R-6, it is mentioned that the workman has not completed 240 days. of service. But R-I which is the certificate given by the respondents provides that all workmen have worked from the date of their appointments till 10-2-1997 as casual labour. All the relevant documents which are relating to the work of workmen are lying with the management of respondent. It is true that the workmen have to prove that they have worked for more than 240 days in a calendar year preceding to the date of their terimination by some cogent evidence, Merely mentioning these facts in affidavit and statement of claim will not be sufficient. The workmen have filed the experince certificate which undoubtedly proved that evey workman has worked for more than 240 days in a calendar. year preceding to the date of their termination. It is the certificate provided by the respondent and all other document regarding working days of every workman are lying with the respondent which failed to file the same before this Tribunal. Thus, on the basis of this certificate. I am accepting the contention of every workman that they have worked for more than 240 days in a calendar year preceding to the date of their termination. Needless to say that Central Administrative Tribunal in both of these orders

has also held that every workman has worked for more than 240 days in the preceding year from the date of their. termination. I am not taking notice of this finding but holding on the basis of the evidence oral and documentary that every workman has worked more than 240 days in the calendar year preceding to the date of their termination and they were entitled for the benefit of law contained in industrial. Disputes Act, that their services should not have been terminated without notice or retreachment compensation which was illegally done by the management. At the cost of repetition, the question before this Tribunal is not granting of temporary status or regualrization of their serivces which ean only be done subjected to the policy of the Central Government. I am confining myself only to the procedure of termination adopted by the respondent which are against the provisions of Industrial Disputes Act and the termination of workmen are illegal. Their termination being illegal, they are entitled for the relief.

Now, the question before this Tribunal is what remedy should be provided to the workmen. Whenever the termination of any workman is illegal, there are two possible remedies available namely:

- Reinstatement of the workmen on the post they were holding and on which they were working at the time of the termination and
- 2. A reasonable compensation.

In the cases like these where the respondent in compliance of the policy of the Central Government has regularized all the casual labourers or granted the temporay status to them and no work for the cosoal labourers is left. their reinstatement into the Services will not be the proper remedy and they should be compensated reasonable in terms of money. What should be a reasonable compensation is to be decided on the basis of facts and circumstances of the each case. Factors like amount of retrenchment compensation to be given to the workmen at the time of their termination, depreciation for the value of money and the cost of litigation which the workmen were forced to incur on account of their illegal termination are to be considered while awarding the compensation. Considering all these facts. Lam of the view that Rs.20,000 to each of the workman will be reasonable compensation to be provided to redress their grievances and to adjudicate all these references. Accordingly, management of respondent is directed to provide Rs. 20,000 as compensation to each of the workman (total Rs. 80,000). within a month from the date of publication of this award. All these references are disposed of accordingly. ID 1 99. is the leading file in which award is passed. Let a copy of this award be kept in files of all other references namely 1D3-99, 1D5:99 and ID7-99. Central Government be informed. File be consigned.

नई दिल्ली, 4 नवम्बर, 2008

का.आ. 3157.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार दूर-संचार विधाग के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के दीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औधीगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय चं-1, चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 103/94) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 4-1)-08 को प्राप्त हुआ था।

> [सं. एल-40012/115/93-आईआर(डी.यू.)] अजय कुमार्, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 4th November, 2008

S.O. 3157.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 103/94) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, No. 1, Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Department of Telecom and their workman, which was received by the Central Government on 4-11-2008.

[No.L-40012/115/93-JR (DU)] AJAY KUMAR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-L, CHANDIGARH

Case No. I.D. 103/94

Sh. Habib Mohamad, H. No. 1251, Gandhi Nagar, Ropar (Pb.) Applicant

Versus

- (1) Divisional Engineer, Phones-F. (I.O.B.), Telepone Bhawan, Sector-17, Chandigarh-160017.
- (2) The General Manager, Telecom, Chandigarh Telecom District, Chandigarh,Respondent

APPEARANCES

For the workman:

Shri N.P. Mittal

For the Management:

Shri G.C. Babbar

AWARD

Passed on 17-10-2008

Central Government vide notification No. L-40012/ 115.93-IR (DU), dated 24-8-94 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:

> "Whether the action of the management of Chandigarh Telecom District in terminating the services of Shri Habib Mohd., S/o Mohd. Saddique, ex-daily wage Driver in the office of DEP (E-IOB),

Chandigath, w.e.f. 1-8-90 is justified? Whot, what relief he is entitled to?"

- The present reference was made by the Central Government on the failure of conciliation proceedings for adjudication of the matter referred in the schedule referred above and the workman prayed for declaring the action of the management as illegal and invalid.
- 3. The management turned up and opposes this reference.
- 4. As per office memorandum dated 5-9-08, this case was fixed in pre lok adalat meeting on 17-10-08 for its disposal by adopting the mediation and concitiation mechanism. The prescribed authority of the management made a statement that the management has agreed to provide job to Mrs. Salma widow of Habib Mohammad through contractor as per policy of the Government. On this assurance the widow of the workman withdraw reference in Lok Adalat. Accordingly the reference is returned to the Central Government as settled in Lok Adalat Central Government be informed. File be consigned to record.

Chandigarh

17-10-2008

G. K. SHARMA, Presiding Officer

न**ई दि**ल्ली, 5 नवम्बर, 2008

का, आ, 3158.---आंद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में अंन्द्रीय सरकार अम्मू एवं कश्मीर बैंक लि. के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट ओद्यांगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औधोगिक अधिकरण चण्डीगढ़ नं-। के पंचाट (संदर्भ संख्या 17/2003) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5-11-2008 को प्रान्त हुआ था।

[सं. एल-12012/305/2002-आई.आर.(बी-1)] अजय कुमए, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 5th November, 2008

S.O. 3158.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 17/2003) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, No. 1, Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of J & K Bank Ltd., and their workmen, received by the Central Government on 5-11-2008.

[No. L-12012/305/2002-IR (B-1)] AJAY KUMAR, Desk Officer

ANNEYUNE

REFORE SERVICEARENDRA KUMAN SHARMA.
PRESPONG OFFICER CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TREGUNAL CUM-LABOUR COURCL
CHASTIGARA

Case No. LD, 17/2003

Massus

- (1) The Manager, J.S. K. Bank J. Id., Proposition of a Specific of the J. Universal State?
- (b) In C. Company M. F. Brand Ltd., There were now, prescribed support \$9000.
 (b) Respect for

APPENATES.

For the section is November 1997 and Marie 1997 and

25% SD - 2

AM DESTRUMENT

Congress recommendately applicable (Section 12) 305/2007 Constituting Congress (Problems) has a constitution following discourse this forbunal tempt of Section

Table 1 - I make which appreciates a companied with a make a many Sast, in process of an according to the same as a many section of the same as a many secti

I North and the set of behaviorated a strong of Control of Courself for the experiment as the orange of the interval of the experiment as the orange of the interval of the experiment of the ex

Carlon III - Carlo SHAbMA Condition of the condition of t

> िर २२ विकार १७७१ (१८) (१८) - अन्य भारत्य । पार् अनुभाष्ट्र सूमार्ग, देशक व्यक्तिसम्

New Deini, the 1th November, 2008.

8.0. 3159. In processor of Section 17 or the industrial Disputes Act. 1977 (14 of 1977) the Foural Government hereby published the meant (Net South) 2004) of the Central Government and a little in Leonaliabear Court, No. 1. Chandragings there in the American in the Industrial Dispute between the enemagement of Southern Ra Iway, and their workment received in the Central Convenient on 18 11-1906.

Psychologic 277 260-410 (040) **TATTA UNAR: Deuk Strace:

ANNOYNURY

BLEOGE SHELGHAND DELYG MAR SHARMA.
FRESIDING OFFICTEL CENTREL, GOVERNMENT
FROUSTRIAL TRIBUNS OF UND ARGUE CONREL.
CHARGETARD

Carle N + 135 (46) (300)

due Braram Post, et dué l'écos Songs Pere Capación Silhando, P.O. Gimono (1856) de l'Ossissianompae de Excossistantes

$A_{i,j} \sim 1000$

The Divisional Radio of Manager, Northern had DRM Complex. Ambaba for all large acts (1989).

Business of

\$P\$ 医数数元子的

г извежения.

181

corafic Management : Sion N.C. 700, no. Advocate.

AWARD

Passed of 21-19-2008

Central Government's identication (%) (443-12) 277 (2003 IR (B-1)) dated (%-3-2004) has reader a the following dispute to this Tribated for adjudication).

"Whether the action of the number rest of PAR M Northern Railway of resting turns in the shinter of the services of Sto 19 properties of songrephic properties logal? If not, to expression to the entitles to a

2. None is present as to indicate, the analog include counsel for the mentions of the research the reference was referred by the Control of the mention of the reference of the control of the mention of the reference of the reference of the research is the mention of the reference of the research is the prospection of the reference of the Control of the reference of the referenc

21---- 98

(i) U ≤ UN CY | m | Gosp Off s_i;

ৰুৱ[া] কা ক্ৰয়য় ১৮৮ -

का,आ, 3160, जीकिका रिकार में निर्माण । (1947 का (ब) बी समा १ ४ अपूर्व में सार्वेष्ट में स्ट्रांस्ट एक्ट्रांस्ट स्ट्रांस्ट स्ट्रांस्ट कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं.-) चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 293/2000) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 05-11-2008 को प्राप्त हुआ थी।

[सं. एल-120[2/200/2000-आई.आर.(वी-1)] अजय कुमार, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 5th November, 2008

S.O. 3160.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No293/2000) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. 1, Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of J&K Bank Ltd., and their workmen, received by the Central Government on 5-11-2008.

[No. L-12012/200/2000-IR (B-1)] AJAY KUMAR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-I, CHANDIGARH

Case No. I.D. 293/2000

Shri Navin Chopra C/o Tek Chand Sharma, 25 Sant Nagar, Civil Lines, Ludhiana

....Applicant

Versus

The Chief Manager, Personnel, J&K Bank Ltd., Central Office, Srinagar.Respondent

APPEARANCES

For the workingn:

None

For the Management.

Shri Ashutosh Vajpayee.

AWARD

Passed on 8-10-2008

Central Govt, vide notification No. L-12012/200/2000-IR (B-1), dated 16-8-2000, has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:

> "Whether the action of the management of J&K Bank Ltd in terminating the services of Shri Navin Chopra S/o Shri Rajinder Chopra without issuing him any notice/Charge sheet is legal and just? If not, to what relief the concerned workman is entitled?"

2. None is present on behalf of the workman. Learned counsel for the management is present. The reference was referred by the Central Government in the year 2000. Case called several times. It is already 1.15 pm. At this stage, I have no option otherwise then to dismiss the claim of workman in reference for non-prosecution and return the reference to the Central Govt, as such. Accordingly, the

reference is returned as such. Let the Central Government be informed. File be consigned.

Chandigarh.

8-10-08

G. K. SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 5 नवम्बर, 2008

का.आ. 3161.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का !4) की धार 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार भारतीय खाद्य निगम के प्रबंधतंत्र के संबद्ध निगम की उत्तर कर्मकारों की बीच, अनुवंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण में.—1 चण्डीगढ़ को पंचाट (संदर्भ संख्या 72/2007) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 05-11-2008 को प्राप्त हुआ था।

[भं. एल-22012/200/2006--आईआर(सी एम-11] अजय कुमार गोड्, डेस्क अभिकामे

New Delhi, the 5th November, 2008

S.O. 3161.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No.72/2007) of the Central Government Industrial Tribunat-cum-Labour Court No. 1, Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India, and their workmen, received by the Central Government on 05-11-2008.

[No. L-22012/200/2006-IR (CM-II)] AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-J, CHANDIGARH.

Case No. I.D. 72/2007

Sh. Mitha Singh son of Shri Chand Singh, V&PO: Dugat Kalan, Patiala. ... Applicant

Versus

- (1) The District Manager, Food Corporation of India. Patiala (Punjab).
- (2) The Senior Regional Manager, Food Corporation of India, Punjab Region 31-A, Chandigarh

.... Respondents

APPEARANCES

For the workman:

Workman in person.

For the Management :

Shri Parminder Singh Advocate

AWARD

Passed on 18th of October 2008 at Patiala Camp

Central Government vide notification No. L-22012/ 200/2006-IR (CM-II), dated 23-4-2007, has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication: "Whether the action of the management of Food Corporation of India in denying engagement of Shri Mitta Singh, contract worker maker Direct Payment System it par with the other 10% contract workers acready engaged under DPS is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled?

- The present reference was made by the Central Government on the failure of conciliation proceedings for adjudication of the matter referred in the schedule reterred above and the workman prayed for declaring the action of the management as illegal and invalid.
- The management formed up and upposes this reference.
- As per office reconorandom, dated 5-9-08, this case. was fixed to pro Lok Adolat meeting on 18-10-68 beld to the office promises of Food Corporation of India, include for its disposal by adopting the mediation and conciliation mechanism. The workman and the prescribed ambority of the management made a joint statement that the management has agreed that as per policy of the its paroment the workman will be provided with the work as and wices. available out of the list of the present workmen on priority in compliance of the Homble High Court, New 198th order. dated [15-2:06]. The management has also agreed that while adjusting the workman, it will honour the semerity list maintained by the department itself. On this assessable the workman withdraw his reference in Luk Arbdat. This statement above was read over and explained to workingo individually in Handi and he agreed to withdraw are case or Lok Adalat, In view of the above, the workeraa will blow the present reference in Lok Adalat. Accordingly, the reference is returned to the Control Government as settled in Lok Adam. Central Governmen be informed. File be consigned to record.

G. K. SHARMA, Presiding Officer

Chandigarii

18-10-2008 Camp, Patiala.

भई दिल्ली, 5 नवस्पर, ३००५

का.आ. 3162. औद्योगिक विवाद आंधांतरण, 1947 (1947 का 14) की भार 17 के अनुसरण में केडीय स्पर्धा भारतीय खाद्य निरम के प्रयथनंत्र के संबद्ध नियाजकों और उन्हर्भ कर्मकारों के बीच, अनुबंध में विदिष्ट औद्योगिक विवाद में बोध्यत सरकार ओद्योगिक शिव्यत्या ग. १, नण्डीगढ़ के विवाद संबंधिय संख्या 54/2007) का प्रकाशित करते हैं, जो केडीय संस्क्रा का 5-11-2008 प्राप्त हुआ था।

> [भूं, कृत-220)2/१५/१/२(स)6) सर्वे कर भी एम-॥] अजय कुम्स ग्रेत्र, प्रकार अधिकारी

New Delhi, the 5th November, 2008

5.0. 3162.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 54/2007) of the Central Government Industrial Eribanal-

cum-Labour Court (so. 1), Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Feed Corporation of India, and their workman, received by the Central Government on 5-11-2008.

[No.1-22012/19] 2006/JR (CM-JD) AJAY KUMAR GAUR, Dosk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRIGY ANENDRA KUMARSHARMA.
PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL—CUM-LABOUR COURT-L
CHANDIGARB.

Case I D. No. 54/2007

Sh. Bhinder Singh Son of Shri Gurmial Singh, V&PO, Burado, Patiala. (Ponyib) ... Applicant

1 678765

- The District Manager, Food Corporation of India. Patiela (Punjaio).
- (2) The Senior Regional Manager, Food Corporation of India, Punjab Region, Sector 31-A, Chandigath "Respondents.

APPEARANCES

For the workman:

Workinga in person.

For the Management : Smi Panninder Singh, Advocate

AWARD

Passed on 180(10) October, 2008 at Patiala Camp.

Central Government vide notification No. 1-22012 191/2006-1R (CM-1), dated 23-4-2007 has referred the following dispute to fais Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of Food Corporation of India in denying engagement of Shri-Bhinder Singles: ontract worker under Direct Payment System at par with the other 105 contract workers already engaged under DPS is legal and justified" if not, to what relief is the workman entitled?"

- 2. The present reference was made by the Ceptual Government on the failure of conciliation proceedings for adjudication of the matter referred in the schedule referred above and the workman prayed for declaring the action of the management as allegan and tovelid.
- The management turned up and opposes this reference.
- 4. As per office meanorandum, dated 5-9-08, this case was fixed in pred ok. Adalar meeting on 18-10-08 held in the office premises of Fourl Corporation of India. Patiala for its disposal by adopting the mediation and conciliation mechanism. The workman and the prescribed authority of the management made a joint statement that the management has agreed that as per policy of the department the workman will be provided with the work as and when

available out of the list of the present workman on priority in compliance of the Hon'ble High Court, New Delhi order dated 15-2-06. The management has also agreed that while adjusting the workman, it will honour the seniority list maintained by the department itself. On this assurance the workman withdraw his reference in Lok Adalat. This statement above was read over and explained to workman individually in Hindi and he agreed to withdraw his case in Lok Adalat. In view of the above, the workman withdraws, the present reference in Lok Adalat. Accordingly, the reference is returned to the Central Government as settled in Lok Adalat. Central Government be informed. File be consigned to record.

G. K. SHARMA, Presiding Officer

Chandigarb | 18-10-2008 | Camo Patiala

नई दिल्ली, 5 नवम्बर, 2008

का.आ. 3163.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार भारतीय खाद्य निगम के प्रवंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्देष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार आंद्योगिक अधिकरण नं.—1, चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 76/2007) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5-11-2008 को प्राप्त हुआ था।

[सं. इल-22012/196/2006-आई.आर.(सी एम-II] अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 5th November, 2008

S.O. 3163.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 76/2007) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. 1, Chandigath as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India, and their workmen, received by the Central Government on 5-11-2008.

[No. L-22012/196/2006-JR(CM-II)] AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer ANNEXURE

BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-L, CHANDIGARH

Case I.D. No. 76/2007

Sh. Pargat Singh son of Shri Chota Singh, V&PO:Shadi Hart Thana, Tehsil Dirba, Sangrur Applicant Versus

- (I) The District Manager, Food Corporation of India, Patiala (Punjab).
- (2) The Senior Regional Manager, Food Corporation of India, Punjah Region, Sector 31-A, Chandigarh Respondents

APPEARANCES

For the workman:

None

For the Management: Shri Panninder Singh, Advocate

AWARD

Passed on 18th of October, 2008 at Patiala Camp.

The Central Government vide notification No. L-22012/197/2006-IR (CM-II), dated 23-4-2007 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of Food Corporation of India in denying engagement of Shri Pargat Singh, contract worker under Direct Payment System at par with the other 105 contract workers already engaged under DPS is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2 Case repeatedly called. Workman is not present. Representative of the management is present. It is informed by representative of the workman that workman has expired. No application has been filed on behalf of the workman for LRs. No claim statement has been filed. Therefore, I have no option but to return the reference as such to the Central Government because the claim, if any has been abated. Central Government be informed. File be consigned to record.

G. K. SHARMA, Presiding Officer

Chandigarh 18-10-2008 Camp Patiala,

नई दिल्ली, 5 नवम्बर, 2008

का,आ. 3164,—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार भारतीय खाद्य नियाम के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं.-1, चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 75/2007) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार की 5-11-2008 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/197/2006-आईआर (सी एम-II] अजय कुमार गौड, डेस्क अधिकारी

New Dejhi, the 5th November, 2008

S. O. 3164.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 75/2007) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. 1, Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India, and their workman, received by the Central Government on 5-11-2008.

[No. L-22012/197/2006-IR (CM-II)] AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-L CHANDIGARH

Case I.D. No. 75/2007

Sh. Amrik Singh, Son of Shri Modan Singh, V&PO: Bhocdar Thana, Tehsil Dirba, Sangrur Applicant Versus

- The District Manager, Food Corporation of Endra. Patiala (Punjab).
- (2) The Senior Regional Managet. Food Corporation of India, Punjab Region, Sector 31-A, Chandigorb Respondents

APPEARANCES

For the Workman:

Workman in person.

For the Management: Shri Parminder Singh, Advocate

AWARD

Passed on 18th of October, 2008 at Patiala Camp.

Central Government vide notification No. 1,-20042/ 191/2006-IR (CM-II), dated 23-4-2007, has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of Food Corporation of India in denying engagement of Sori Amrik Singh, contract worker under Direct Paymont System at par with the other 105 contract workers already engaged under DPS is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

- The present reference was made by the Control Government on the failure of conciliation proceedings for adjudication of the matter referred in the schedule referred above and the workman prayed for declaring the action of the management as illegal and invalid.
- 3. The management turned up and opposes this reference
- 4. As per office memorandum, dated 5-9-08, this case. was fixed in Pre Lok. Adalat meeting on 18-10-08 held in the office premises of Food Corporation of India, Patiala for its disposal by adopting the mediation and conciliation mechanism. The workman and the prescribed authority of the management made a joint statement that the management has agreed that as per policy of the department the workman will be provided with the work as and when available out of the first of the present workmen on priority in compliance of the Hon'ble High Court. New Delhi order dated 15-2-06. The management has also agreed that while adjusting the workman. It will honour the semonty list maintained by the department itself. On this asserance the workman withdraw his reference in Lok Adalat. This statement above was read over and explained to workman individually in Hindi and he agreed to withdraw his case in Lok Adalat. In view of the above, the workman welldraw the present reference in Lok Adalat. Accordingly, the

reference is returned to the Central Government as settled in Lok Adalat. Central Government be informed. File be consigned to record.

G. K. STARMA, Presiding Officer

Chandigarh 18-10-2008 Camp Patiala

मई दिल्ह्यों , इ. स्व**म्बर**, 100%

का.आ. 3165, न्यं अश्वक जिल्हा अधिवियम (947 (1947 का 14) की भारत । के अनुस्तर में कंदीय सरकार भारतीय खाद्य निगम के प्रबंधतंत्र के शंदक्क वियोधकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निविधः श्रीहांशगाठ विवाद में कंद्रीय मरकार औद्योगिक अधिकरण नं-!, न्याशायन के पश्चर (मदर्भ संख्या १०/२००७) को प्रकाशित बन्दती हैं, जा कर्नाय सम्बन्ध की 5-01 2008 को प्रान्त हुआ था।

> [सं. एल--12012/176/2006-अर्डआर (सं(एम-१)] अजय कुमार खेळ, इस्क अधिकारी

New Delhi, the 5th November, 2008

S. O. 3165. In polarance of Section 17 of the Industrial Disputes Act. 1947 (14 of 1947), the Control Government hereby publishes the Award (Ref. No. 70/2007) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court. No. 1, Chair flighth at shown in the Annextore, in the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India, and their workman, received by the Central Government on f. 41-2008.

[No.4-22012 176/2006-IRTCM-B] AJAY KUMAR GAUR, Oesk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-I, CHANDICARH

Case I.D. No. 70/2007

Sh. Amrika Singh son of Shri Chanan Singh, V&PO: Shadi Hari Thana, Tehsii Dirba, SangrurApplicant

Versus

- (1) The District Manager, Food Corporation of India. Patiala (Punjah).
- (2) The Senior Regional Manager, Food Corporation of India, Punjab Region. Sector 31-A. Chandigarh Respondent

APPEARANCES

For the Workman:

Workman in person.

For the Management . Shri Parminder Singh, Advocate,

AWARD

Passed on 18th of October, 2008 at Patiala Camp. Central Govt, vide notification No. 1,-22012/176/2006-IR. (CM-11), dated 23-4-2007 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of Food Corporation of India in denying engagement of Shri Amrika Singh, contract worker under Direct Payment System at par with the other 105 contract workers already engaged under DPS is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

- The present reference was made by the Central Government on the failure of conciliation proceedings for adjudication of the matter referred in the schedule referred above and the workman prayed for declaring the action of the management as illegal and invalid.
- The management turned up and opposes this reference.
- As per office memorandum dated 5-9-08, this case was fixed in Pre Lok Adalat meeting on 18-10-08 held in the office premises of Food Corporation of India, Patiala for its disposal by adopting the mediation and conciliation mechanism. The workman and the prescribed authority of the management made a joint statement that the management has agreed that as per policy of the department the workman will be provided with the work as and when available out of the list of the present workmen on priority in compliance of the Honfole High Court, New Delhi order dated 15-2-06. The management has also agreed that while adjusting the workman it will honour the seniority list maintained by the department itself. On this assurance the workman withdraw his reference in Lok Adalat. This statement above was read over and explained to workman individually in Hindi and he agreed to withdraw his case in Lok Adalat. In view of the above, the workman withdraw the present reference in Lok Adalat. Accordingly, the reference is returned to the Central Govt, as settled in Lok Adalat, Central Govt, be informed. File be consigned to record.

Chandigarh

Camp Pariala

18-10-2008

G. K. SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 5 नवम्बर, 2008

का. आ. 3166.—ओओंगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार भारतीय खाद्य निगम के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियाजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिश्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार आद्योगिक अधिकरण मं.-।, चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 59/2007) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार की 5-11-2008 को प्राप्त हुआ था।

[मं एल-22012/163/2006-आईआर (सी एस-11) अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 5th November, 2008

S. O. 3166,--In pursuance of Section 17 of the industrial Disputes Act. 1947 (14 of 1947), the Central

Government hereby publishes the Award (Ref. No. 59/2007) of the Central Government industrial Tribunal-cum-Labour Court No. 1, Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India and their workmen, received by the Central Government on 5-11-2008.

[No. L-22012/163/2006-IR(CM-II)] AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORESHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-I, CHANDIGARH

Case I.D. No. 59/2007

Sh. Sattu Singh Son of Shri Hari Singh, V&PO: Data Singhwata, Jind.Applicant

Versus

- (1) The District Manager, Food Corporation of India, Patiala (Punjab).
- (2) The Senior Regional Manager, Food Corporation of India, Punjab Region, Sector 31-A, Chandigarh ...Respondents

APPEARANCES

For the Workman:

Workman in person.

For the Management:

Shri Parminder Singh, Advocate.

AWARD

Passed on 18th of October 2008 at Patiala Camp.

Central Govt. vide notification No. 1,-22012/163/2006-IR (CM-II), dated 23-4-2007, has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication;

"Whether the action of the management of Food Corporation of India in denying engagement of Shri Sattu Singh, contract worker under Direct Payment System at par with the other 105 contract workers already engaged under DPS is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

- 2. The present reference was made by the Central Government on the failure of conciliation proceedings for adjudication of the matter referred in the schedule referred above and the workman prayed for declaring the action of the management as illegal and invalid.
- The management turned up and opposes this reference.
- 4. As per office memorandum dated 5-9-08, this case was fixed in Pre Lok Adalat meeting on 18-10-08 held in the office premises of Food Corporation of India. Patiala for its disposal by adopting the mediation and conciliation mechanism. The workman and the prescribed authority of the management made a joint statement that the management has agreed that as per policy of the department

the workman will be provided with the work as and when available out of the list of the present workman on proofs in compliance of the Homble High court. New Delha of duided 15-2-96. The management has also agreed that while adjusting the workman it will honour the seniorny list maintained by the department itself. On this assurance the workman withdraw his reference in Lok Adalat. This statement above was read over and explained to workman individually in Hindi and he agreed to withdraw his case in Lok Adalat. In view of the above, the workman withdraw the present reference in Lok Adalat. Accordingly. Or reference is returned to the Central Govt, as settled in Lot. Adalat, Central Govt, be informed. File be consigned to record

Chandigath

18-10-2008 Camp Paugla G. K. SHARMA, Presiding Officer

ाई दिल्ली, 5 नवस्वर, 2008

का,आ, 3167, और्त्रामिक विवाद अधिनियम, 1945 (1947 का 14) को भार 17 को अनुसरण में अंद्रीय म्युकार भारताय खाद्य निरम्भ को एकंप्रतीय को संघड़, निर्मालको और उनको कमकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिख औद्योगिक विवाद में कोन्द्रीय गर्क अ औद्योगिक अधिकरण मं.-। चण्डीगढ़ को पंचाद (मंद्रभ मर्य) 63/2007) को प्रकाशित करदी हैं, जो करदीय सरकार को 05-11-2008 को पान हुआ था।

> [सं. एन्स-22012/131/2006: आरं.आस.सं. एक १८८] अजय कुमार गाँड, डेस्क ऑफक्टो

New Delhi, the 5th November, 2008

S.O. 3167. In pursuance of Section 17 of the industrial Disputes Act 1947 (14 of 1947), the Central Government Treety publishes the Award (Ref. No. 63) 2007) of the Central Government Industrial Problemst-constrabour Court No. 1. Chandigarh as shown in the American in the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India, and their workmen, received by the Central Government on 05-11-2008.

[No. L-22012/131/2606-IR (CM-6)] AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA. PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURTS. CHANDIGARII

Case LD No. 63/2007

Sh. Balwani Singh Son of Sloi Joginder Singh, V&P¹³. Gurthali, Jind.Applicant

Versus

 The District Manager, Food Corporation of India. Patiala (Puojeo). (2) The Senior Regional Manager, Cood Corporation of India, Punjab Region 71-A Chandigath

... Respondents

APPEARANCES

For the workman: Workman in person.
For the Management: Sha Farmonder Singh.

Advocate

AWARD

Passed on 18th of October, 2008 at Patiala Camp.

Central Govt, videnced entroy No. 1,-22012-131-2006 (R. (CM-II), dated 23-4-2007, has referred the following dispute to this Tribuna: for adjudication:

"Whether the action of the management or Food Corporation of India as denying engagement of Shir Balwart Singh, contract worker under Direct Payment System at par with the other 105 contract workers already engaged under DPS is legal and lustified? If not, to what relief is the workmon entitled?"

- 2. The present reference was made by the Central Government on the failure of conciliation proceedings for adjudication of the matter proceed in the schedule referred above and the workman prayed for doclaring the action of the management as illegational insolid.
- The management (arrest up and oppose) this reference.
- 4. As per office memorandom dated 5-9-08, this case was fixed in Pre Lok Adalas inception on 18-10-08 held in the office premises of Food Comparation of India, Patiala for adisposal by adopting the mediation and conciliation mechanism. The workinging and the prescribed authority of the management made a joint statement that the management has agreed that as per noticy of the department the workman will be provided with the work as and when available out of the list of the present workman on priority in compliance of the Houlbie High Court, New Dolld order dated 15-2-06. The management has also agreed that while adjusting the workman it will issueur the semority dist maintained by the department itself. On this assurance the workman withdraw his reference in Lok Adalat. This statement above was read over and explained to workman individually in Hindi and he repeed to withdraw his case in Lok Adalat. In view of the above, the workings withdraw the present reference in Lok Adulat Accordingly, the reference is returned to the Control Croyt, as settled in Lok Adulat, Central Gove by informed blin be consigned to record.

Chandigarh

18-10-2008

Camp Patiala G. K. SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्लो, 5 नवस्कर, 2008

का, आ, 3168,--- औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में कंन्द्रीय सरकार भारतीय खाद्य निगम के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीख, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं. 1, चंडीगढ़ के पंचाट (संदर्भ सं. 41/2007) को प्रकाशित करती है, ओ केन्द्रीय सरकार को 5-11-2008 को प्राप्त हुआ था।

[स. एल-22012/129/2006-आईआर (सीएम-II)] अजय कुमार गौड, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 5th November, 2008

S.O. 3168.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Rcf. No. 41/2007) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. 1, Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India, and their workmen, which was received by the Central Government on 5-11-2008.

[No. L-22012/129/2006-IR(CM-II)] AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-I, CHANDIGARH

Case No. J.D. 41/2007

Sh. Janta Singh Son of Shri Jaggar Singh V & PO: Khadial Thana, Sunam, Sangrur.

...... Applicant

Versus

- (I) The District Manager, Food Corporation of India, Patiala, (Punjab).
- (2) The Senior Regional Manager, Food Corporation of India, Punjab Region, 31-A, Chandigarh.

......Respondents

APPEARANCES

For the workman

Workman in person.

For the management

Shri Parminder Singh,

Advocate

AWARD

Passed on 18th of October, 2008 at Patiala Camp.

Central Government vide notification No. L-22012/129/2006 (IR) (CM-II), dated 23-4-2007 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication.

"Whether the action of the management of Food Corporation of India in denying engagement of Shri

- Janta Singh, contract worker under Direct Paymment System at par with the other 105 contract workers already engaged under DPS is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled?"
- 2. The present reference was made by the Central Government on the failure of conciliation proceedings for adjudication of the matter referred in the schedule referred above and the workman prayed for declaring the action of the management as illegal and invulid.
 - 3. The management turned up and opposes this reference.
- 4. As per office memorandum dated 5-9-2008 this case was fixed in Pre Lok adalat meeting on 18-10-2008 held in the office premises of Food Corporation of India, Patiala for its disposal by adopting the mediation and conciliation mechanism. The workman and the prescribed authority of the management made a joint statement that the management has agreed that as per policy of the department the workman will be provided with the work as and when available out of the list of the present workman on priority in compliance of the Hon'ble High Court New Delhi order dated 15-2-2006. The management has also agreed that while adjusting the workman, it will honour the seniority list maintained by the department itself. On this assurance the workman withdraw his reference in Lok Adalat. This statement above was read over and explained to workman individually in Hindi and he agreed to withdraw his case in Lok Adalat in view of the above, the workman withdraw the present reference in Lok Adalat. Accordingly the reference is returned to the Central Government as settled in Lok Adalat. Central Government be informed. File be consigned to record.

Chandigarh

18-10-2008

Camp Patiala

G. K. SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 5 नवम्बर, 2008

का. आ. 3169.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में कंद्रीय सरकार भारतीय खाद्य निगम के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में कंद्रीय सरकार आँद्योगिक अधिकरण नं.1, चंडीगढ़ के पंचाट (संदर्ध सं. 66/2007) को प्रकाशित करती है, जो कंद्रीय सरकार को 5-11-2008 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/134/2006-आई आर (सीएम-II)] अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 5th November, 2008

S.O. 3169.--In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central

Ocyclamore hereby publishes the Award (Rangell 66-2007) of the least Government Industrial Technologisms. Labor 17, art. No. 1, Chandigarh as shown in the average of Dispute between the management of Parish Corporation of India, and their workment received the Contras Government on 5-11-2008.

[No.L-22012/1547/006 life (Mar)] AJAY KUMAR GAUR, DEFENDED

ANNEXURE

BEYORE SURL GYANENDRA KUMAR SUAR DE PRESONNO PERCER, CENTRAL COVERNO A C INDESTRUCTURBENAL-CUM-LABOURG, COCCU CHANDIGARB

Case I.D. No. 66/2/307

Shi, Janta Ray also of Shri Mohar Singh M& Paring Shi, Paring Shi, Paring Shi,

La Contraction of the

Verses

- , ii) The least of Manager, Food Corporation in field $\alpha \in \mathbb{R}_{+}$ (framework
- (2) The the represent Manager, Food Computation of Indian Cold Segion, 34-A. Changing b

and introvolers

APPEARANCES

For the windships

: Workman in person,

26. The following content.

. Shri Parminda ili an gr

Advocate

AWARD

Passed on 18th of Ordaber, 2006 y Included Loop.

Lend - extrement vide notification in the 19442000 Lend Office 25444000 has reported a foresting to acquire the contract of the Private for acquire to a

Which is action of the management and additional control of the lia and conving engagement of a nitract worther under this control one of the two one other 105 and additional control of the control of

The object reference was trade by double to a filter of a trade the raises of conciliation pass of by the amount of the object of referred in the school of the object of

3 The management turned up and opposite in reference.

4. As per office monorandum detect 5.0-2605 and case was fixed in the Lok Adalah Hazeting on 12-10-2008. held in the office premises of Food Corporational Ladie Patiala for its disposal by adopting the medically and conciliation mechanism. The workman and the prescribed supporting of the management mode a point statement that the management has agreed that as per policy is the department the workman will be consided with the work as and when available out of the live of the present workmen an priority in compliance of the bookle High Court, New Delhi etder dated 15-0-1366. The management has the agreed that while adjusting the work and, a will have a the consority has maintained by the department back On the pashbance the workman withdraw his reference in that habit of This statement probe was read over und exist on A 50 v orkonan individually in Hindi and harranced to maintain. has care in Lok Adala, in very of the above, the weekings withdraw the present reference in Lok. Adalas, Accordingle. the reflection is remained to the Central Government to retiled on Lob Adulati Committee or ment by Estendenhale be consigned to record.

Chundigath,

10-11-2008

Comp Patia, c

G.K. SPARMA, the Johns Old Co.

भई विस्तर्ग (इ.सच.५७३) (१८५

का. आ. 3170, अंद्रोतीमा विश्वत अधिनियान १५४० (१५४7 का १४) को धार १२ का पुरस्या में केस्सीय साम्मार पार्म्द र रूप्य निराम को प्रबंधतंत्र हो एएट मित्रोजको और उनको कर्मभागों को भिष्य, अनुसम्भागों निर्दिध और्याधिक विश्वत में कर्माय सरकार रोग्नीय अधिकर्मण में। चंद्रीयद्व का मंगान स्मेदर्भ स्ट (१८/२००१) को कर्मायन भोगों है, जो कर्म्याय सरकार को १ ११-१४०६ कर यास सन्द्रा राष्ट्र

> सि एक (250) (191 (1906) आहेशक स्थाप । [17] अज्ञ कार्यक्ष संदेश होत्या हो सम्भाग

New Delby the 5th Movember, 1968.

No. 3. 3170.—In presuming a company of all no holdest and Dispetes Aug. 1947 (14 nf., 2. 4) ph. 1946 (1967). Government beneby purphshas the Augr. (1967). No. 35: 2502) of the Central Government unbaselies into a characteristic baselies of their flowers. In the Augustian deposits of the Augustian deposits and the Augustian deposits of the Augustian depos

CARLADORES AND PROCESS OF

ANNEXURE

BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURTS, CHANDIGARH

Case L.D. No. 65/2007

Sb. Balbir Singh son of Shri Pal Singh V & PO: Khangarh Gharachon, Teh. Samana, Paliala.

...... Applicant

Versus

- The District Manager, Food Corporation of India, Patieta, (Punjab).
- (2) The Senior Regional Manager, Food Corporation of India, Punjab Region, 31-A, Changigath.

......Respondents

APPEARANCES

For the workman

Workman in person.

For the management

Shri Parminder Singh

Advocate

AWARD

Passed on 18th of October, 2008 at Patiala Camp.

Central Government vide notification No. L-22012/ 187/2006-IR (CM-II), dated 23-4-2007 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of Food Corporation of India in denying engagement of Shri Balbir Singh, contract worker under Direct Paymment System at par with the other 105 contract workers already engaged under DPS is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

- The present reference was made by the Central Government on the failure of conciliation proceedings for adjudication of the matter referred in the schedule referred above and the workman prayed for declaring the action of the management as illegal and invalid.
 - The management turned up and opposes this reference.
- 4. As per office memorandum dated 5-9-2008 this case was fixed in Pre Lok Adalat meeting on 18-10-2008 held in the office premises of Food Corporation of India, Patiala for its disposal by adopting the mediation and conciliation mechanism. The workman and the prescribed authority of the management made a joint statement that the management has agreed that as per policy of the department the workman will be provided with the work as and when available out of the list of the present workman on priority in compliance of the Hon'ble High Court, New

Delhi order dated 15-2-2006. The management has also agreed that while adjusting the workman, it will honour the seniority list maintained by the department itself. On this assurance the workman withdraw his reference in Lok Adalat. This statement above was read over and explained to workman individually in Hindi and he agreed to withdraw his case in Lok Adalat. In view of the above, the workman withdraw the present reference in Lok Adalat. Accordingly, the reference is returned to the Central Government as settled in Lok Adalat. Central Government be informed. File be consigned to record.

Chandigarh

18/10/2008

Camp Paticia.

G. K. SHARMA, Presiding Officer

मई दिल्ली, 5 नवम्बर, 2008

का. आ. 3171.—औरधोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार भागतीय खाद्य निगम के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औरधोगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार और्धांगिक अधिकरण नं 1, चंडीगढ़ के पंचार (संदर्भ सं. 48/2007) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5-11-2008 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/175/2006-आईआर (सीएम-!!)] अजय कुमार गौड्, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 5th November, 2008

S.O. 3171.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 48/2007) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, No. 1, Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India, and their workman, which was received by the Central Government on 5-11-2008.

[No. L-22012/175/2006-IR(CM-II)] AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-I, CHANDIGARH

Case I.D. No. 48/2007

Sh. Birbal Singh son of Shri Chanan Singh V & P O : Jhaloor, Thana Sangrur,

... Applicant

Versus

- The District Manager, Food Corporation of India, Patiala, (Punjab).
- (2) The Senior Regional Manager, Food Corporation of India. Punjab Region, 31-A, Chandigarh.

.....Respondents

APPEARANCES

For the workman Workman in person.

For the management: Shra Parminder Singh Advocate

AWARD

Passed on 18th of October, 2008 at Patiala Camp.

Central Government vide notification No. L-20012 175/2006-1R (CM-II), dated 23-4-2007 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of Fond Corporation of India in denying engagement of Shin Birbal Singh, contract worker under Direct Payment System at par with the other 105 contract workers already engaged under DPS is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

- The present reference was made by the Central Government on the failure of conciliation proceedings for adjudication of the matter referred in the schedule referred above and the workman prayed for declaring the action of the management as illegal and invalid.
- The management turned up and opposes this reference.
- As per office memorandum dated 5-9-2008 this. case was fixed in Pro Lok Adalat, meeting on 18-10-2008. held in the office premises of Food Corporation of tridia, Patiala for its disposal by adopting the mediation and conciliation mechanism. The workman and the prescylled authority of the management made a joint statement that the management has agreed that as per policy of the department the workman will be provided with the work as and when available out of the list of the present workman on priority in compliance of the Hon'ble High Court, New Delh) order dated 35-2-2006. The management has also agreed that while adousting the workman, it will honous me seniority list maintained by the department itself. On this assurance the workman withdraw his reference in Lok-Adalat. This statement above was read over and explained to workman individually in Hindi and he agreed to withdraw his case in Lok Adalat in view of the above, the workman withdraw the present reference in Lok Adulat. Accordingly, the reference is returned to the Central Government as

settled in Lok Adalat. Central Government be inforced. File be consigned to record.

Chandigarh 18/10/2008 Camp Patiala

G. K. SHARMA, Presiding Officer.

नई दिल्की, ९ नवम्बर, 2008

का. आ. 3172. - अंद्योगिक विश्वाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धार 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार भारतिस खाद्य निगम के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियंजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबाध में निर्दिष्ट औद्यक्तिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण न. 1, बंडीगढ़ के एंचाट (संदर्ध सं. 73/2007) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार करे 5-(1-2008 को प्राप्त हुआ था।

> [सं. एल-22() 21,95/2(мж-आईआर (सीएम-II)) अजय कुमार गोंड, डेस्क अधिकारी

New Dolhi, the 5th November, 2008

S.O. 3172.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act. 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 73/2007) of the Central Government hiddestrial Tribunal-court, labour Court, No. 1, Chandigarh as shown in the Amexure, in the Industrial Dispute hetween the management of Food Corporation of India, and their workstan, which was received by the Central Government on 5-11-2008

[No.1-22012/199/2006-IR(CM-III]] AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE.

BEFORE SIIRI GYANFNORA KUMAR SHARMA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-I, CHANDIGARII

Case L.D. No. 73/2007

Sh. Balwinder Singh son of Shri Harneck Singh V & P O . Badalgarh, Sangrur

... Applicant

Lower

- (1) The District Manage: Food Corporation of india, Patiala, (Punjab).
- (2) The Senior Regional Manager, Food Corporation of india, Punjab Region, 31-A, Chandigarh.

...Respondents

APPEARANCES

For the workman

: Workman in person.

For the management: Shri Parminder Singh Advocate

AWARD

Passed on 18th of October, 2008 at Patiala Camp.

Central Government vide notification No. L-22012/ 199/2006 (IR) (CM-II), dated 23-4-2007 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication.

> "Whether the action of the management of Food Corporation of India in denying engagement of Shri Balwinder Singh, contract worker under Direct Payment System at par with the other 105 contract workers already engaged under DPS is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

- 2. The present reference was made by the Central Government on the failure of conciliation proceedings for adjudication of the matter referred in the schedule referred above and the workman prayed for declaring the action of the management as illegal and invalid.
- 3. The management turned up and opposes this reference.
- 4. As per office memorandum dated 5-9-2008 this case was fixed in Pre Lok Adalat meeting on 18-10-2008 held in the office premises of Food Corporation of India, Patiala for its disposal by adopting the mediation and conciliation mechanism. The workman and the prescribed authority of the management made a joint statement that the management has agreed that as per policy of the department the workman will be provided with the work as and when available out of the list of the present workman on priority in compliance of the Hon'ble High Court New Delhi order dated 15-2-2006. The management has also agreed that while adjusting the workman, it will honour the seniority list maintained by the department itself. On this assurance the workman withdraw his reference in Lok Adatat. This statement above was read over and explained workman individually in Hindi and he agreed to withdraw his case in Lok Adalat in view of the above, the workman withdraw the present reference in Lok Adalat. According the reference is returned to the Central Government as $g_{\rm Litled}$ in Lok Adalat, Central Government be inforced. File be consigned to record.

Chandigarlı

G K. SHARMA, Presiding Officer

18-10-2008

Camp Patiala

नई दिस्ली, 5 नवम्बर, 2008

का. आ. 3173,--औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) को धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार भारतीय खाद्य निरम्भ के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औत्प्रोशिक विधाद में फेन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं. 1, चंडीगढ के पंचाट (संदर्भ सं. 40/2007) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5-11-2008 को प्राप्त हुआ था।

> [सं. एल-22012/128/2006-आईआर (सीएम-॥)] अजय कुमार गौड, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 5th November, 2008

3173.—In pursuance of Section 17 of the industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 40/ 2007) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, No. 1, Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India, and their workman, which was received by the Central Government on 5-11-2008.

> (No. L-22012/128/2006-IR(CM-II)) AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXTIRE.

BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA. PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-I. **CHANDIGARH**

Case No. I.D. 40/2007

Sh. Harbilash Singh son of Shri Harnek Singh V & P O; Badalgarh Sangrur

... Applicant

Versus

- (1) The District Manager. Food Corporation of India, Patiala, (Punjab),
- (2) The Senior Regional Manager, Food Corporation of India, Punjab Region, 31-A, Chandigarh.

.....Respondents

APPEARANCES

For the workman

: Workman in person.

For the management: Shri Parminder Singh Advocate

AWARD

Passed on 18th of October, 2008 at Patiala Camp.

Central Government vide notification No. L-22012/ 128/2006 (IR) (CM-II), dated 23-4-2007 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication.

Whether the action of the management of flood Corporation of India in desping engagement of Shei Harbilash Singh, contract worker under Dame. Payment Lystem at par with the order 105 contract workers directly engaged under DPS is legal and justified? If not, to what reflict is the worker of entitled?"

- 2. The present reference was made by the Commit Government on the failure of conciliation proceedings for adjudication of the matter refer, ed in the schedule reserved above and the westernan prayed for declaring the latter of the management as illegal and appoint
- 3. The management turned up and opposit that reference.
- As per office memorandum dated 5-9-2008 ftm. case was fixed in Pro Lok Adalah procting on 18-10-10-2. held in the office premises of Food Corporation of india-Patiala for its disposal by adopting the medicinon and conciliation mechanism. The workman and the presented authority of the management made a joint statement that **the management** has agreed that as per policy of two department the workman will be provided with the weak x_0 and when available out of the list of the present work, not on priority in compliance or the Hon ble High Count Man. Delhi order dated 15-2-2006. The management and area agreed that while adjusting the workman, it will bodons to seniority list maintained by the department itself. On this assurance the workman withdraw his reference in your Adalat. This statement above was read over and etplanted to workman individually in Hindi and he agreed to wishdraw his 23% in Lok Adalat to view of the above, the worknown withdraw the present reference in Lok Adalat. Accordingly, the reference is returned to the Central Government as settled in Lok Adalat. Central Government be tallarmed. File be consigned to record.

Chandigarh

18-:0-2008

G. K. SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, <u>५ नथम्ब</u>र, 2008

का.आ. 3174. औद्योगिक विश्वद श्रीयनियम. 1957 (1947 का. (4) भी १९८१ हुए के अनुसरण में, कंद्रीय स्टब्स्ट भारतीय खाद्य पितम के प्रयोधनत के संबद्ध नियोजकों और उन्हें कर्मकारों के बोच, अनुबन्ध में निर्देश्ट ऑद्योगिक विश्वद में हेट्स सरकार औद्योगिक अधिकरण सं 1, चंद्रीयक के गंचाट (संदर्भ के 38/2007) की प्रकाशित करती है, जो कंद्रीय सरकार की १ 14 ३५% को प्रान्त हुआ था।

> [सं. एल २२०१२ १२५२२००६ आईआर (संगम-:) १ अथय कृषार गीड्, इसका आध्यार

New Delbi (the serve vention, 2001)

5.0. 3174.45 to per unuse of Section 17 of the Industrial Disputes And Town (14 of 1947), the Central Government hereby published the reward (Ref. No. 38-2697) of the Central Government to be trained Tribertation a Labour Court, No. 1. Chards private stown in the Autocore, in the Industrial Dispute to tweet the management of Fernal Corporation of Industrial Corporation of Industrial Corporation of Industrial Contraction (15 of 1945).

(5 × 7 ± 5°2 (15 2006-10)CM (by AJAN 50 1700 1409/1038/1006-4

ANNE SE SE

BEFORE SHRI GYANENDAN KUMAR SHARMA, PRESIDENG OFFICER, CENTRAC GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBONAL-CUSTE ABOUR COURT-L CLOSOR, ARTI

Case No. 140 (28/2007)

Sto Desa Singh son of She Baru Singh M & P O . Thereof Thana Dirba, Sangrur

. Applicant

1-27-11-

- (1) Gre District Manager.

 Food Corporation of Index.
 Patiala, (Punjab), Pariala, (Panjab)
- (2) The Senior Regional Manager: Food Corporation of India; Penjab Region, 31-A. Chandwari.

. Respondings

APPUARAMOTS

For the workman in Windowse in person

For the management : Slatte, and addr. Slagh Advocate

AWAGO

Passed on 18th of October 2008 at Paciala Camp.

Central Government $r_{\rm tot}$ notification No. 1,-20012 126/2906 (IR) (CM-II), datted 23-4-2007 has referred the following dispute to this Tribianal for adjudication :

"Whether the action in the orangement of Fond Corporation of India in discipling engagement of Shri Desa Single contract version after Orect Payment System at par with the india 195 contract workers already engaged under 195 is legal and justified (1) not, to what relief is the workers emitted?"

2. The present reference was trade by the Control Government on the failure of conciliation proceedings for adjudication of the matter rejected to the schedule referred above and the workman prayed for declaring the action of the management as illegal and instead.

- 3. The management turned up and opposes this reference.
- As per office memorandum dated 5-9-2008 this case was fixed in Pre Lok Adalat meeting on 18-10-2008 held in the office premises of Food Corporation of India, Patials for its disposal by adopting the mediation and conciliation mechanism. The workman and the prescribed authority of the management made a joint statement that the management has agreed that as per policy of the department the workman will be provided with the work as and when available out of the list of the present workmen on priority in compliance of the Hon'ble High Court New Delhi order dated 15-2-2006. The management has also agreed that while adjusting the workman, it will honour the seniority list maintained by the department itself. On this assurance the workman withdraw his reference in Lok Adalat. This statement above was read over and explained to workman individually in Hindi and he agreed to withdraw his case in Lok Adalat. In view of the above, the workman withdraw the present reference in Lok Adalat. Accordingly the reference is returned to the Central Government as settled in Lok Adalat. Central Government be informed. File be consigned to record.

Chandigarh

18-10-2008

G. K. SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 5 नज़म्बर, 2008

का.आ. 3175.---औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय अरकार भारतीय खाद्य नियम के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण मं. 1, चंडीगढ़ के पंचाट (संदर्भ सं. 51/2007) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5-11-2008 को प्राप्त हुआ था।

> [सं. एल-22012/190/2006-आईआर (सीएम-1;)] अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 5th November, 2008

S.O. 3175.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 51/2007) of the Central Government Industrial Tribunal-cumbabour Court, No. 1, Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India, and their workman received by the Central Government on 5-11-2008.

[No. L-22012/190/2006-IR(CNF-II)] AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-I, CHANDIGARH.

Case No. L.D. 51/2007

Sh. Raja Singh son of Shri Maru Singh V & P O : Dugal Kalan, Patiala

... Applicant

Versus

- The District Manager, Food Corporation of India, Patiala, (Punjab).
- (2) The Senior Regional Manager, Food Corporation of India, Punjab Region, 31-A, Chandigarh.

...Respondents

APPEARANCES

For the workman : Workman in person.

For the management: Shri Parminder Singh Advocate

AWARD

Passed on 18th of October, 2008 at Patiala Camp.

Central Government *vide* notification No. 1.-22012/190/2006 (IR) (CM-II), dated 23-4-2007 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of Food Corporation of India in denying engagement of Shri Raja Singh, contract worker under Direct Payment System at par with the other 105 contract workers already engaged under DPS is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

- 2. The present reference was made by the Central Government on the failure of conciliation proceedings for adjudication of the matter referred in the schedule referred above and the workman prayed for declaring the action of the management as illegal and invalid.
- 3. The management turned up and opposes this reference.
- 4. As per office memorandum dated 5-9-2008 this case was fixed in Pre Lok Adalat meeting on 18-10-2008 held in the office premises of Food Corporation of India, Patiala for its disposal by adopting the mediation and conciliation mechanism. The workman and the prescribed authority of the management made a joint statement that the management has agreed that as per policy of the department the workman will be provided with the work as and when available out of the list of the present workmen on priority in compliance of the Hon'ble High Court New Delhi order dated 15-2-2006. The management has also agreed that while adjusting the workman, it will honour the

seniority list maintained by the department itself. On this assurance the workman withdraw his reference in Lok Adalat. This statement above was read over and explained to workman individually in Hindi and he agreed to withdraw his case in Lok Adalat. In view of the above, the workman withdraw the present reference in Lok Adalat. Accordingly the reference is returned to the Central Government as settled in Lok Adalat. Central Government be intermed. File be consigned to record.

Chandigarh.

18-10-2008

G. K. SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 5 नवम्बर, 2008

का, भरं, 3176, आँग्रोणिक विवाद आंधिनियम १९४६ (1947 का 14) की धरा १७ के अनुसरण में, कंट्रीय सरकार भरतीय खाद्य निर्माण के प्रबंधतंत्र के संयद्ध निर्माणकों अंग्रे उनके कर्मकारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योरिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण भी १, चंडीएड् के पंचाद (अंदर्भ में 44/2007) को प्रकारण करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5-11-2008 को प्राप्त दुआ था।

(म. ५८९ ७२०) २४/२१/२००६ आस्त्रिए (संतर्भ ११४) अन्तर कुमार गीड्, छेस्क अध्यक्षण

New Delhi, the 5th November, 2008.

S.O. 3176.—In pursuance of Section 47 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Control Government hereby publishes the award (Ref. No. 44 2007) of the Central Government Industrial Tribonal-cum-Lacour Court, No. 1, Chandigath as shown in the Annestore, in the Industrial Dispute between the management of food Corporation of India, and their workmen, which was received by the Central Government on 5-11-2008.

[No L-22012/171-2006-BriCACH)] MAY KUMAR GAUR Desk Obtion

ANNEXURE

BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SUAPATA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR CAURCH, CHANDIGARII

Case No. L.D. 44/2907

Sh. Ajaib Singh son of Shii Bhagwan Sinja VX * * *): Thaloor Thang, Sangror

Chornella

Versus

 The District Manager, Food Corporation of India, Patiala, (Punjab). (2) The Senior Regional Manager, Food Corporation of india, Punjab Region, 31-A. Chandigarh.

. .Respondents

APPEARANCES

For the workman : Workman in person

For the management: Shrt Parminder Singh, Advocate

AWARD

Passed on 18th of October, 2008 at Patiala Camp.

Central Government *vide* notification No. 1,-22012.' 171/2006-IR (CM-II), dated 23-4-2007 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication.

"Whether the action of the management of Food Corporation of India in denying engagement of Shri Ajaib Singh, contract worker under Direct Payment System at par with the other 105 contract workers already engaged under DPS is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

- 2. The present reference was made by the Central Government on the failure of conciliation proceedings for adjudication of the matter referred in the schedule referred above and the workman proved for declaring the action of the management as illegal and invalid
- The management turned up and opposes this reference.
- As per office memorandum dated 5-9-2008 this. case was fixed in Pre Loi. Adalat intecting on 18-10-2008. held in the office premises of Food Corporation of India, Patiala for its disposa! by adopting the mediation and conciliation mechanism. The workman and the prescribed authority of the monagement made a joint statement that the management has agreed that as per policy of the department the workman will be provided with the work as and when available out of the list of the present workman on priority in compliance of the Hou ble High Court New Delhi order dated 15-2-2006. The management has also agreed that while adjusting the workman, it will honour the seniority list maintained by the department itself. On this assurance the workman withdraw his reference in I ak-Adalat. This statement above was read over and explained to workman individualisms. Hinds and he agreed to withdraw his case in Lok Adalat. In view of the above, the workings, withdraw the present reference in Lok Adalat, Accordingly the reference is returned to the Central Government as settled in Lok Adalatic central Government be informed. File be consigned to record.

Chandigarle

18-10-2008

G. K. SHARMA, Presiding Officer.

नई दिल्ली, 5 नवम्बर, 2008

का.आ. 3177.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा १७ के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार शुगरकेन ब्रॉडिंग इन्स्टीट्यूट के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोधकों और उनके दार्मकारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं. 1 चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ सं. 135/2004) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5-11-2008 को प्राप्त हुआ धा 1

[सं. एल-42012/46/2003-आई आर (सीएम-II)] अजय कुपार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 5th November, 2008

S.O. 3177.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 135/2004) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. 1, Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the the management of Sugarcane Breeding Institute, and their workmen, received by the Central Government on 5-11-2008.

[No. L-42012/46/2003-IR(CM-II)] AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIALTRIBUNAL CUM LABOUR COURT-1, CHANDIGARH

Case No. I. D. No. 135/2004

Shri Jaimal, Son of Shri Dharam Singh Village-Samora, Po-Kheri Man Singh, Distt. Karnal. Applicant

Versus

The Head, Sugarcane Breeding Institute, Regional Centre, Agarsain Marg, Kamal [3200]. ...,Respondent

APPEARANCES

For the Workman: None

For the Management : Shri Amit Sharma, Advocate

AWARD

Passed on 21-10-2008

Central Government vide notification No. L-42012/46/2003-IR (CM-II), dated 4-03-2004, has referred the following dispute to this tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of Sugarcane Breeding Institute in not granting temporary status and also non-regularising of service of Sh. Jaimal S/o. Sh. Dharam Singh w.e.f. 4-7-1981 is legal and justified? If not, to what relief the workman entitled to?"

2. None is present on behalf of the workman. Learned counsel for the management, is present. The reference was

referred by the Central Government on the year 2004. Case called several times. It is already 1.15 p.m. At this stage. I have no option otherwise then to dismiss the claim of workman in reference for non-prosecution and return the reference to the Central Government as such. Accordingly, the reference is returned as such. Let the Central Government be informed. File be consigned.

Chandigarh

21-10-2008

G. K. SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 5 नवम्बर, 2008

का.आ. 3178.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भारतीय खाद्य निगम के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में कंन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण मं. 1, चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ सं. 60/2007) को प्रकाशित करती है, जो कंन्द्रीय सरकार को 5-11-2008 को प्राप्त हुआ था।

्रां. एल-22012/162/2006-आई आर (सीएम-II)] अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 5th November, 2008

S.O. 3178.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the sward (Ref. No. 60/2007) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. 1, Chandigarh as shown in the Asnexure, in the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India, and their workmen, which was received by the Central Government on 5-11-2008.

[No. L/22012/162/2006-IR(CM-II)] AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIALTRIBUNAL CUM LABOUR COURT-1. CHANDIGARH

Case No. I. D. No. 60/2007

Shri Jamail Singh, Son of Shri Pilla Singh V & PO: Jhallor. The Dirba, Sangrur.Applicant

Versus

- (i) The District Manager, Food Corporation of India, Patiala. (Punjab).
- (2) The Senior Regional Manager, Food Corporation of India, Punjab Region, 31-A ChandigarhRespondent

APPEARANCES

For the Workman

Workman in person

For the Management : Shri Parminder Singh.

Advocate

AWARD

Passed on 8th of October 2008 at Patiala Camp

Central Government vide notification No. L-22012/ 162/2006 (FR CM-H), dated 23-04-2007, has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:

> "Whether the action of the management of Food Corporation of India in denying engagement of Shri Jarnail Singh, contract worker under Direct Payment System at par with the other 105 contract workers already engaged under DPS is legal and justified? If not, to what relief the workman entitled to?

- 2. The present reference was made by the Central Government on the failure of conciliation proceedings for adjudication of the matter referred in the schedule referred above and the workman prayed for declaring the action of the manager sent as illegal and invalid.
- 5. The management turned up and opposes this reference.
- 4. As per office memorandum dated 5-9-2008, this case was fixed in pre Lok Adalat meeting on 15 : 0-2068. held in the affice premises of Food Corporation of India Patiala for his disposal by adopting the mediation and conciliar is a sechanism. The workman and the prescribed ambority of the management made a joint statement that the management has agreed that as per policy of the department the workman will be provided with the work as and when available out of the list of the prosent working it on priority in forepliance of the Hon'ble High Court New Delhi order dated 15-2-2006. The management has also agreed that while adjusting the workman it will honour the seniority list maintained by the department wolf. On this, assurance me workman withdraw his reference in Link Adalat. This statement above was read over and explained to worker an individually in Hindi and he agreed to withdraw his case in Lox Adatat in view of the above, the workman withdraw the present reference in Lok Adalat. Accordingly, the reference is returned to the Commit Sovernment as settled in Lot. Adalat. Central Government be interpred. Tile be consigned to report.

Chandigath 15-11-206a

G. K. Shidologia, Premains Coffees

गई विक्ली, 5 **नवस्त्र**), 2008

कार, ६० - ३११२५,---औन्योगिक (अवार अधिनियम (१४४) (१०५४ का १४, को यार) र को अनुसरण में कंन्द्रीय सरकार शरतीय स्था १ (म भी पर्वधतीय को संबद्ध नियोजकों और उत्तर, वार्यकार) को संबद्ध अनुवार (१) ऐस औद्योगिक विवाद में कंन्द्रीय ११ च्यार औद्योगिक अधिकारण हो १, एक्टीगढ़ को पंचाट (पन्दर्भ स ६५०,३६५) को 1 जिस्स सर्वार है, को कंन्द्रीय सरकार की 5-11-2008 को प्राप्त (४३) १९ १

् िएल-22012/189/2006-आई आर (सीएम-स)] अन्य कुमार गौड़, डेस्न अधिकारी

New Delhi, the 5th November, 2008

S.O. 3179.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 69/2007) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. 1. Chandigarh has shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India, and their workmen, received by the Central Government on 5-11-2008.

[No. L-22012/189/2006-IR(CM-II)] AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI CYANENDRA KUMAR SHARMA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-I, CHANDIGARH.

Case No. J. D. No. 69/2007

Nerse

- (1) The District Manager, Food Corporation of India, Patiala, (Punjab), Patiala
- (2) The Senior Regional Managet Food Corporation of India, Punjab Region. 31-A Chand-Garh ... Respondent

APPEARANCES

For the Workman: Workman in person,

For the Management: Shri Parminder Singh Advocate.

AWARD

Passed on 18th of October 2008 at Patiala Camp.

Central Government vide notification No. L. 22012/ 189/2006-IR (CM-II), dated 23-4-2007 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of bood Corporation of India in denying engagement of Shri Soma Singh, Contract worker under Drect Payment System at par with the other 105 contract workers already engage I under DPS is legal and justified? It not, to what relief? It has workman entitled?

- 2. The present reference was made by the Central Govt, on the failure of conciliation proceedings for adjudication of the matter referred in the schedule referred above and the workman prayed for declaring the action of the management as illeged and invalid.
- 3. The management turned up α d opposes this reference.
- 4. As per office monorandum dated :-9-08, this case was fixed in pre Lok Adalat meeting on 18-10-2003 held in the office premises of 1 red Coperation of India Patiala for

its disposal by adopting the mediation and conciliation mechanism. The workman and the prescribed authority of the management made a joint statement that the management has agreed that as per policy of the department the workman will be provided with the work as and when available out of the list of the present workmen on priority in compliance of the Hon'ble High Court New Delhi order dated 15-2-2006. The memagement has also agreed that while adjusting the worksman it will honour the seniority list maintained by the department itself. On this assurance the workman withdraw his reference in Lok Adalat. This statement above was read over and explained to workman individually in Hindi and he agreed to withdraw his case in Lok Adalat. In view of the above, the workman withdraw the present resence in Lok Adalst. Accordingly the reference is retruned to the Central Government as settled in Lok Adalat. Central Government be informed. File be consigned to record.

Chandigarh.

18-10-2008

G.K. SHARMA, Presiding Officer नई दिल्ली, 5 जवम्बर, 2008

का.आ. 3180.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार भारतीय खाझ विगम के प्रवंधतंत्र के संबद्ध वियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण मं. 1 चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ सं. 45/2007) की प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5-11-2008 को प्राप्त हुआ था !

> [सं. एल-22012/172/2006-आई आर (सीएम-II)] अजय कृमार गौड, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 5th November, 2008

S.O. 3188.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 45/2007) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. 1, Chandigarh has shown in the Annoxure, in the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India, and their workmen, which was received by the Central Government on 5-11-2008.

[No. L-22012/172/2006-IR(CM-II)] AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-I, CHANDIGARH

Case No. L D. 45/2007 -

Shri Parkash Singh, Son of Nek Singh V & PO: Karnail, Sangrar.Applicant

Versus

- (1) The District Manager, Food Corporation of India, Patiala, (Punjab), Patiala (Punjab).
- (2) The Senior Regional Manager, Food Corporation of India, Punjab Region, 31-A Chandigarh ... Respondent

APPEARANCES

For the Workman:

Workman in person.

For the Management Shri Parminder Singh Advocate.

AWARD

Passed on 18th of October, 2008 at Patials Camp.

Central Government vide notification No. 1-22012/ 172/2006 (IR (CM-II), dated 23-4-2007 has referred the following dispute to his Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of Food Corporation of India in denying engagement of Shri Parkash Singh, Contract worker under Diffect Payment System at par with the other 105 contract workers already engaged under DPS is legal and justified? It not, to what relief is the workman entitled?

- 2. The present reference was made by the Central Government on the failure of concillation proceedings for adjudication of the matter referred in the schedule referred above and the workman prayed for declaring the action of the management as illegal and invalid.
- 3. The management turned up opposes this reference.
- As per office memorandum dated 5-9-08, this case. was fixed in pre lok adalat meeting on 18-10-2008 held in the office premises of Food Coporation of India Patials for its disposal by adopting the mediation and conciliation mechanism. The workman and the prescribed authority of the management made a joint statement that the management has agreed that as per policy of the department the workman will be provided with the work as and when available out of the list of the present workmen on priority in compliance of the Hon'ble High Court New Delhi order dated 15-2-2006. The management has also agreed that while adjusting the workman it will bonode the seniority list maintained by the department itself. On this assurance the workman withdraw his reference in Lok Adalat. This statement above was read over and explained to workman individually in Hindi and he agreed to withdraw his case in Lok Adalat. In view of the above, the workman withdraw the present reference in Lok Adalat. Accordingly the reference is returned to the Central Government as settled in Lok Adalat. Central Government be informed. File be consigned to record.

Chandigarh.

18-10-2008

G.K. SHARMA, Presiding Officer

ाई दिल्ली, र नवम्बर, ३७०४

का.आ. 3181. - औद्योगिक विष्युद्ध अधिनियम १६७१ (1947 का 14) की पाए (7 के अनुमरण में के द्रीप सरकार जानीय खाद्य निगम के प्रवेश हो संबद्ध निगोजकों और उनक बामेंकाओं के बीच, अनुबन्ध में निर्देश आधारक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण में, 1, चार्चिमङ्क को पंजाट (१५३५ में, १८८५०) की प्रकाशित करती है, जो कर्न्याय सरकार को १-१) 2003 को प्राप्त हुआ था।

[स. एतः 220(24) ३/2006 - अर्थः आरः स्टेंट्रः (४)] अजय कुमार गीड् (टेम्कः अधिकारी

New Delhi, the 5th November, 2008

S.O. 3181.—In pursuance of Section (7 to the Industrial Disputes Act. 1947 (14 of 1947), the Central Government bareby publishes the Award (Ref. No. 52 2007) of the Central Government industrial Tribunal-combabour Court No. 1. Chandigarb has shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India, and their workmen, received by the Central Government on 5-11-2008.

[No 1-22012 193/2006-Ha CM-Hq A/AY KUMAR GAUR, Desk Obiger

ANNEXURE

BEFORE SRIR GYANENDRA KUMAR SHAPO CU PRESIDING OFFICER, CENTRAU GOVESING AN INDUSTRIAL TRIBUNAU-CUM-LABOUR COURSEL CHANDIGARII

Case No. 1, D. No. 52/2007

Shri Bala Singi. Son of Slot Karamehand V & PO, 10 addai. Sangrar. Applicant

Versus

- (1) The District Marager, Food Corporation of India (Intellational)
- (2) The Senior Regional Manager, Food Corporation of India, Ponjab Region, 3 i-A Chandigarh . . Respondent

APPEARANCES

For the Workman: Works

Workman an person

For the Managers and Shri Parmender Singh Action be

AWARD

Passed on 18th of Cerober, 2008 at Patiala Carop-

Central Government vide netafication No. L-100017 193/2006 BR (CM-II), dated 25-4-2007 has referred the tollowing dispete to this Frebonal for adjudication:

> "Worther the action of the management of bood Corporation of Inda andenying engagement of Shri Bala Sugir, Centract worker under Direct Pavasana

System at par with the other 105 contract workers already engagged under DPS is legal and justified? If not, to what refree is the workman entitled?

 The present reference was made by the Central Government on the failure of conciliation proceedings for adjudication of the motter reterred in the schedule reterred above and the workman purport for declaring the action of the management as illegal and invalid.

The management torned up and opposes this reference

As per office memorandum dated 5-9-08, this case was fixed in pre Lok Adatas meeting on 18-10-2008 held in the office premises of Food Coporation of India Patiala for its disposal by adopting the mediation and conciliation mechanism. The workness and the prescribed authority of the management made a joint statement that the management has agreed that as per policy of the department the workman will be provided with the work as and when available out of the list of the present workings on priority. in compliance of the Hier big High Court. New Delta order dated 15-2-2006. The management has also agreed that while adjusting the workman is will honour the seniorny list maintained by the department uself. On this assurance the workman withdraw his reference in Lok Adalar, This statement above was read ever and explained to workmon. individually in Hindrard be agreed to withdraw his case re-Lok Adalat. In view of the above, the workman withdraw the present reference in lock Adalat. Accordingly the reference is returned to the Central Government as settled in Lok Adaiat, Central Government be informed. File beconsigned to record.

Chandigarh. 18-19-2008

8 G.K. SHARMA, Presiding Officer

वर्द किक्क्षे, र सवस्त्रर, 2008

का.आ, 3182, --अंक्टोशक विवाद अधिनयम. 1943 (1947 का 14) की धरा ११ के अनुसरण में कंडीय सरकार शास्त्रीय खाद्य निगम के प्रवेधतंत्र के समझ नियोजकों और उनके कमेंकलों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिस अव्योधिक विवाद में केडीय सरकार अंद्योगक अधिकरण ते. 1, चण्डोस्य के पंचल (भंदर्भ सं. 46/2007) की प्रकाशित करती है, को कंडीय सरकार को 5-11-2008 जा पण्न हुआ था।

> [मी. एक-१७५१) : १३ १५०६ - आई आह : मध्यम ।१ ०] अन्य असार गीठ, डेस्का ऑधकारी

New Delhi, the 5th November, 2008

S.O. 3182.—In pursuance of Section in at the industrial Disputes Act. 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 4n 2007) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. 1, Chandigath has shown in the Amexican the Industrial Dispute between the management of Lood

Corporation of India, and their workmen, received by the Central Government on 5-31-2008.

> [No. L-22012/173/2006-JR(CM-II)] AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer ANNEXURE

BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-1, CHANDIGARH

Case No. I. D. No. 46/2007

Shri Dharma Singh, Son of Shri Baldev Singh, V & PO: Jhaloor Thana, Tehsil Dirba, Sangrur.Applicant

Versus

- (1) The District Manager, Food Corporation of India, Patiala, (Punjab),
- (2) The Senior Regional Manager, Food Corporation of India, Punjab Region. 31-A ChandigarhRespondent

APPEARANCES

For the Workman: Workman in person.

For the Management: Shri Parminder Singh Advocate.

AWARD

Passed on 18th of October 2008 at Patiala Camp.

Central Govt. vide notification No. L- 22012/173/ 2006-IR (CM-II), dated 23-4-2007 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of Food Corparation of India in denying engagement of Shri Dharma Singh, Contract worker under Direct Payment System at par with the other 105 contract workers already enganged under DPS is legal and justified? It not, to what relief is the workman entiled?"

- 2. The present reference was made by the Central Govt, on the failure of conciliation proceedings for adjudication of the matter referred in the schedule referred above and the workman prayed for declaring the action of the management as illegat and invalid.
- 3. The management turned up and opposes this reference.
- 4. As per office memorandum dated 5-9-08, this case was fixed in pre Lok Adalat meeting on 18-10-2008 held in the office premises of Food Coporation of India Patiala for its disposal by adopting the mediation and conciliation mechanism. The workman and the prescribed authority of the management made a joint statement that the management has agreed that as per policy of the department the workman will be provided with the work as and when available out of the list of the present workmen on priority in compliance of the Hon'ble High Court, New Delhi order dated 15-2-2006. The management has also agreed that while adjusting the workman it will honour the seniority

list maintained by the department itself. On this assurance the workman withdraw his reference in Lok Adalat. This statement above was read over and explained to workman individually in Hindi and he agreed to withdrawhis case in Lok Adalat. In view of the above, the workman withdraw the present reference in Lok Adalat. Accordingly the reference is returned to the Central Govt. as settled in Lok Adalat. Central Govt, be informed. File be consigned to record.

Chandigarh.

18-10-2008

G.K. SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 5 नवम्बर, 2008

का,आ, 3183,—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार भारतीय खाद्य निगम के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के वीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण गं. 1, चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ सं. 67/2007) को प्रकाशित करती हैं, जो केन्द्रोय सरकार को 5-11-2008 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/186/2006-आई आर (सीएम-ध)] अजय कुमार गीड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 5th November, 2008

S.O. 3183.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 67/2007) of the Central Government industrial Fribunal-cum-Labour Court No. 1, Chandigath has shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India, and their workmen, received by the Central Government on 5-11-2008.

[No. L-220]2/186/2006-IR(CM-II)] AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer ANNEXURE

BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-I, CHANDIGARH.

Case No. I. D. No. 67/2007

Shri Lachman Singh, Son of Shri Maghar Singh, V & PO: Shadi Hari Thana, Sangrur.Applicant

Versus

- (1) The District Manager, Food Corporation of India, Pauala, (Punjab),
- (2) The Senior Regional Manager, Food Corporation of India, Punjab Region, 31-A Chandigarh ...Respondents

APPEARANCES

For the Workman: Workman in person.

For the Management: Shri Parminder Singh Advocate.

AWARD

Passed on 18th of October 2008 at Patiala Camp.

Central Govt, vide notification No. L- 22012/186/ 2006-JR (CM-II), dated 23-4-2007 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of Food Corporation of India in denying engagement of Shri Lachhman Singh, Contract worker under Direct Payment System at par with the other 105 contract workers already enganged under DPS is togal and justified? It not, to what relief is the workman entitled?

- 2. The present reference was made by the Central Govt. on the failure of conciliation proceedings is adjudication of the matter referred in the schedule referred above and the workman prayed for declaring the action of the management as illegal and invarid.
- The management turned up and opposes this reference.
- 4. As per office memorandum dated 5-9-08, this case. was fixed in Pre Lok Adalat meeting on 18-10-2008 held to the office premises of Food Corporation of India, Patiala for its disposal by adopting the mediation and conciliation mechanism. The workman and the prescribed authority of the management made a joint statement that the management has agreed that as per policy of the department the workman will be preovided with the work as and when available out of the list of the present workmen on priority in compliance of the Fion ble High Court, New Delhi order. dated 15-2-2006. The management has also agreed that while adjusting the workman it will honour the senionry list maintained by the department itself. On this assurance the workman withdraw his reference in Lok Adalat. This statement above was read over and explained to workman individually in Hindi and he agreed to withdraw his case so Lok Adalat. In view of the above, the workman withdraw the present reference in Lok Adalat. Accordingly the reference is returned to the Central Govt, as settled in lask Adalat, Central Govt. be informed. File be consigned to record.

Chandigarh. 18-10-2008 Camp Patiala

G.K. SHARMA, Presiding Officer

वई दिल्ली, 5 नवम्बर, 2008

का.आ. 3184.--- अध्योगिक विवाद अधिनियम, 1900 (1947 का 14) की भारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार भारतीय खाद्य निगम के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियाजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार ओद्योगिक अधिकरण नं 1, चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ सं. 77/2007) को प्रकारित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5-11-2(0)8 को प्राप्त हुआ था।

> [सं. एल-22012/194/2006-आई आर (सीएम-II)] अजय कमार गीड हिस्क अधिकारो

New Delhi, the 5th November, 2008

S.O. 3184.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 77/2007) of the Central Government Industrial Tribunal-com-Labour Court No. 1, Chandigarh as shown in the Amexure, in the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India, and their workmen, received by the Central Government on 5-11-2008.

[No 1-22012/194/2006-IR(CM-II)] AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIALTRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-1, CHANDIGARH

Case I. D. No. 77/2007

Shri Lal Sàigh, Son of Shri Ajaib Singh, V & PO: Kahangarh. Gharachon, PO: Patvan, Teh Samana, Patiala, Punjab.Applicant

Versus

- (1) The District Manager, Food Corporation of India, Patiala, (Punjab).
- (2) The Senior Regional Manager, Food Corporation of India, Punjab Region, 31-A Chandigarh. ...Respondents

APPEARANCES

For the Workman: Workman in person.

For the Management: Shri Parminder Singh, Advocate.

AWARD

Passed on 18th of October 2008 at Patiala Camp.

Central Govt. vide notification No. L-22012/194/2006-IR (CM-II), dated 23-4-2007 has referred the following dispute to his Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of Food Corporation of India in denying engagement of Shri Lal Singh, Contract Worker under Direct Payment System at par with the other 105 contract workers already enganged under OPS is legal and justified? It not, to what relief is the workman entitled?"

- 2. The present reference was made by the Central Govt, on the failure of conciliation proceedings for adjudication of the matter referred in the schedule referred above and the workman proved for declaring the action of the management as illegal and invalid.
- 3. The management turned up and opposés this reference.
- 4. As per office memorandum dated 5-9-08, this case was fixed in Pre Lok Adalat meeting on 18-10-2008 held in

the office premises of Food Corporation of India, Patiala for its disposal by adopting the mediation and conciliation mechanism. The workman and the prescribed authority of the management made a joint statement that the management has agreed that as per policy of the department the workman will be provided with the work as and when available out of the list of the present workmen on priority in compliance of the Hon'ble High Court. New Delhi order dated 15-2-2006. The management has also agreed that while adjusting the workman it will honour the seniority list maintained by the department itself. On this assurance the workman withdraw his reference in Lok Adalat. This statement above was read over and explained to workman. individually in Hindi and he agreed to withdraw his case in Lok Adalat, in view of the above, the workman withdraw the present reference in Lok Adalat, Accordingly, the reference is returned to the Central Govt, as settled in Lok Adalat. Central Govt. be informed. File be consigned to record.

Chandigarh.

18-10-2008.

Camp Patiala G.K. SHARMA, Presiding Officer कई दिल्ली, 5 नवम्बर, 2008

का.आ. 3185.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की घरा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार मारतीय खादा निगम के प्रवंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुक्थ में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय नं. 1, चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ सं. 37/2007) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5-11-2008 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/125/2006-आई आर (सीएम-11)] अथय कुमार गींड, डेस्क अधिकारी

New Delbi, the 5th November, 2008

S.O. 3185.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 37/2007) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. 1, Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India, and their workmen, received by the Central Government on 5-11-2008.

[No. L-22012/125/2006-IR(CM-II)] AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA, PRESIDENG OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIALTRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-1, CHANDIGARH.

Case I. B. No. 37/2007

Shri Hans tal, See of Shri Jangir Singh, V & PO: Khadial, The Sunam, Sangtur.

... Applicant

Versus

- The District Manager, Food Corporation of India, Patiala, (Punjab).
- (2) The Senior Regional Manager, Food Corporation of India, Punjab Region, 31-A, Chandigarh.

...Respondents

APPEARANCES

For the Workman: Workman in person.

For the Management: Shri Parminder Singh, Advocate.

AWARD

Passed on 18th of October 2008 at Patiala Camp.

Central Government vide notification No. L-22012/ 125/2006-IR (CM-II), dated 23-4-2007, has referred the following dispute to this tribunal for adjudication:

> "Whether the action of the management of Food Corporation of India in denying engagement of Shri Hans Lal, contract worker under Direct Payment System at par with the other 105 contract workers already engaged under DPS is legal and jusdtified? If not, to what relief the workman is entitled to?

- 2. The present reference was made by the Central Government on the failure of conciliation proceedings for adjudication of the matter referred in the schedule referred above and the workman prayed for declaring the action of the management as itlegal and invalid.
- 3. The management turned up and opposes this reference.
- As per office memorandum dated 5-9-2008, this. case was fixed in Pre Lok Adalat meeting on #8-10-2008 held in the office premises of Food Corporation of India, Patiala for its disposal by adopting the mediation and conciliation mechanism. The workman and the prescribed authority of the management made a joint statement that the management has agreed that as per policy of the department the workman will be provided with the work as and when available out of the list of the present workmen on priority in compliance of the Hon'ble High Court, New Delhi order dated 15-2-2006. The management has also agreed that while adjusting the workman, it will honour the seniority list maintained by the department itself. On this assurance the workman withdraw his reference in Lok Adalat. This statement above was read over and explained to workman individually in Hindi and he agreed to withdraw his case in Lok Adalat in view of the above, the workman withdraw the present reference in Lok Adalat, Accordingly, the reference is returned to the Central Government as settled in Lok Adalat. Central Government be informed. File be consigned to record.

Chandigarh. 18-10-2008

Camp Patiala G.K. SHARMA, Presiding Officer

मई दिल्ली, 5 प्रवस्तुर, 200%

का,आ, 3186.— आँडोरिक खंबात अधिनियम, १४६ (1947 का १४) को धल 17 को अनुसरण में फेट्रीय परकल भारतप खाद्य नियम के पर्यथने को भारतद्व नियोदका और उनक कमेना है के बोच, अनुसरण में पिर्टिय और उनक कमेना के बोच, अनुसरण में विदिय औरोपिक विदाद में केन्द्रीय मरकार अँखिक अधिकरण में । पण्डीयन के प्रचाद (मंदर्भ सं. ५६-२०६२) को प्रकाशित कसी है, जो केन्द्रीय मरकार की 5-11-2008 की प्रध्य हुआ था।

[मं. एस-22012/165/2006-आई अप्त (मीएम 115] अजय कुमार गाँड, डोक्क अस्थितम

Nev. Deila, the 5th November, 2508.

8.0. 3186. In pursuance of Section (The fig. Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 56 2007) of the Central Government Industrial Tribunal-coon Court No. 1, Chandigash as shown in the Amesure, in the Industrial Dispute between the management of Flood Corporation of India, and their workmen, received by the Central Government on 5-11-2008

[No L-22012/165/7006-38/03/40] AJAY KUMAR OAUK, Desk Officer

ANNEXURE.

BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA.
PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIALTRIBUNAL-CLM-LABOUR COURT.
CHANDIGARH

Case No. J. D. No. 56/2007

Shri Binder Singh, Son of Shri Chanan Singh, V & PO: Jhalonc Thana, Sangror

...Applaced

Versus

- The District Manager, Food Corporation of India, Patiala, (Punjab).
- (2) The Senior Regional Manager. Food Corporation of India, Punjab Region, 31-A Chandigath.

...Respondents

APPEARANCES

For the Workman: Workman in person.

For the Management : Shri Panninder Singh Advocate.

AWARD

Passed on 18th of October, 2008 at Panala Comp.

Central Government vide notification No. L.- 27012/ 165/2006-IR (CM-II), dated 23-4-2007 has referred the following dispute to his Tribunal for adjudication:

- "Whether the action of the management of Lood Corparation of Initia in denying engagement of Shri Binder Singh, a menact worker under Direct Payment System at one with the other 105 contract workers already engaged under DPS is legal and justified? It post to what reflect is the workman contled?
- 2. The present reference was made by the Central Government on the failure of conciliation proceedings for adjudication of the matter of lerned in the schedule referred above and the workman prayed for declaring the action of the management as illegal and invalid
- 3. The management turned up opposes this reference.
- As per office menoploadion dated 5-9-08, this case. was fixed in Pre Lok Adalat meeting on 18-10-2008 held in the office premises of Food Coporation of India. Patrick for us disposal by adopting the mediation and conciliation mechanism. The workersh and the prescribed authority of the management made a soint statute of that the management has agreed that as per policy of the department the working it will be preovided with the work as and when available out of the list of the present wers not on priority in compliance. of the Hon ble. High Count New Delhi, order dated 15-2-2006. The management has also agreed that while adjusting the workman, it will honour the sniorny list manitained by the department abelf. On this assurance the workman withdraw his reserved in Los Adelat. This statemet above was read over and explained to workman individually in Hindi and he agreed to with draw his case. in Lok Adalat. In view of the above, the working a withdraw the present referee in I ok Adalat. Accordingly the refernce is retruned to the cleanal. Government as settled in Lok Adalat, Central Government be informed. File be consigned to record.

Chandigarh.

18-10-2008

G. K. SHARMA, Presiding Officer नई दिल्ली, १ वरम्बर, 2008

का.आ. 3187.-- ऑडॉपिक विवाद आंधितयम. 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार भारतीय रहाद्य निगम के प्रवंधतंत्र के मंत्रद्ध नियोजनों और उनक कर्मकारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्यारिक विवाद में केन्द्रीय सरकार आंद्यांगिक अधिकरण ने 1, चण्डीगढ़ के पंचार (पंचर सं. 50/2007) को प्रकर्णन करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5-11/2008 का प्राप्त हुआ था

> [सं. एल-226/2/(69/2006-आई अह (सीएम ॥)] अन्य कुमार गीड्, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 5th November, 2008

S.O. 3187. The pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act. (947 (34 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 50 2007) of the Central Government Industrial Libunal-court about

Court No. 1, Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industria! Dispute between the management of Food Corporation of India, and their workmen, received by the Central Government on 5-11-2008.

[No. L-22012/169/2006-IR(CM-II)] AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SRHI GYANENDRA KUMAR SHARMA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-1, CHANDIGARH.

Case No. 1. D. No. 50/2007

Shri Bhola Singh, Son of Shri Narata Singh V & PO: Data, Singhwala, Jind.

...Applicant

Versus

- The District Manager, Food Corporation of India, Patiala, (Punjab), Patiala.
- (2) The Senior Regional Manager, Food Corporation of India, Punjab Region, 31-A Chandigarh.

...Respondents

APPEARANCES

For the Workman: Workman in person.

For the Management: Shri Parminder Singh Advocate.

AWARD

Passed on 18th of October 2008 at Patiala Camp.

Central Govt. vide notification No. L- 22012/169/2006-IR (CM-II), dated 23-4-2007 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of Food Corparation of Inida in denying engagement of Shri Bhola Singh, Contract worker under Direct Payment System at par with the other 105 contract workers already enganged under DPS is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled?

- 2. The present reference was made by the Central Govt. on the failure of conciliation proceedings for adjudication of the matter referred in the schedule referred above and the workman prayed for declaring the action of the management as illegal and invalid.
- 3. The management turned up and opposes this reference.
- 4. As per office memorandum dated 5-9-08, this case was fixed in Pre Lok Adalat meeting on 18-10-2008 held in the office premises of Food Corporation of India, Patiala for its disposal by adopting the mediation and conciliation

mechanism. The workman and the prescribed authority of the management made a joint statement that the management has agreed that as per policy of the department the workman will be provided with the work as and when available out of the list of the present workmen on priority in compliance of the Hon'ble High Court, New Delhi order dated 15-2-2006. The management has also agreed that while adjusting the workman. It will honour the seniority list maintained by the department itself. On this assurance the workman withdraw his reference in Lok Adalat. This statement above was read over and explained to workman individually in Hindi and he agreed to withdraw his case in Lok Adalat. In view of the above, the workman withdraw the present reference in Lok Adalat. Accordingly the reference is returned to the Central Govt, as settled in Lok Adalat. Central Govt, be informed, File be consigned to record.

Chandigarh.

18-10-2008

G. K. SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 5 नवम्बर, 2008

का.आ. 3188.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुमरण में केन्द्रीय सरकार भएतीय खाद्य निगम के प्रवंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्षकारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं. 1, कण्डीगढ् के पंचाट (संदर्भ सं. 49/2007) को प्रकशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5-11-2008 का प्रगट हुआ था।

[सं. एल-22012/168/2006 - आई आर (सीएम-11)] अजय कपार गाँड, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 5th November, 2008

S.O. 3188.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 49:2007) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. 1, Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India, and their workmen, received by the Central Government on 5-11-2008.

[No.1>22012:168/2006-IR(CM-H)] AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-1. CHANDIGARIL

Case No. J. D. No. 49/2007

Shri Pamma Singh, Son of Shri Lai Singh, V & PO: Kamail, Sangrur.

...Applicant

Versus 1

- The District Manager, Food Corporation of India, Patiala, (Punjab), Patiala
- (2) The Senior Regional Manager, Food Corporation of India, Punjab Region, 31-A Chandigarh

...Respondent

APPEARANCES

For the Workman: Workman in person.

For the Managemen: Shri Parminder Singh Advocate.

AWARD

Passed on 18th of October, 2008 at Patials Camp

The Central Government vide notification No. L-22012/168/2006-3R (CM-II), dated 23-4-2007 has referred the following dispute to his Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of Food Corporation of India in denying engagement of Shri Pamma Singh, Contract worker under Direct Payment System at par with the other 105 contract workers already enganged under DPS is legal and justified? It not, to what relief is the workman emitted?

2. Case repeatedly called. Workman is not present. Representative of the management is present. It is attended by the rep, of the workman that the workman has expired. No application has been filed on behalf of the workman for LRs. No claim statement has been filed. Therefore, I have no option but to return the reference as such to the Central Government because the claim, if any has been abated. Central Govt, be informed. File be consigned to receive.

Chandigarh, 18-10-2008

G. K. SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 5 नवस्वर, 2008।

का.आ. 3189.—औद्योगिक विवाद अधिनियण, 1942 (1942 का 14) की ध्या 17 क अनुसरण में केन्द्रीय सरकार शहरांच खाद्य निगम के प्रवेधतंत्र के सगद्ध नियोअओं और उनके अर्धकार शहरांच बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण मं. (, अर्थ्डागढ़ के पंचाट (संदर्भ सं. 43-2600) को प्रकाशित करती है, को केन्द्रीय सरकार को 5-11-200× वर्ष प्राप्त हुआ था।

> [मो एल-22012/170/2006-आई आए (स्तीर्भ (स्)) अजय कुमार गाँड, डेस्क ऑपकारी

New Delhi, the 5th November, 2008

S.O. 3189. In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 43: 2007) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-

Labour Court No. 1, Chandigarh has shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India, and their workmen, received by the Central Government on 5-14-2008.

[No. L-22012/170/2006-[R(CM-II)] AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIALTRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-1, CHANDIGARH

Case No. 1, D. 43/2007

Shri Gurmail Singh, Sorr of Shri Moden Singh V & PO: Jhaloor, Thana, Sangrur,

...Applicant

Versus

- The District Manager, Food Corporation of India, Pariala, (Punjab)
- (2) The Senior Regional Manager, Food Corporation of India, Punjab Region, 34-A. Chandigarh

..Respondents:

APPLARANCES

For the Workman (Workman in person.

For the Management : Shri Parminder Singh Advocate.

AWARD

Passed on 18th of October 2008 at Panala Camp.

The Central Govt, vide notification No. L- 22012/170/ 2006 R (CM-II), dated 23-4-2007 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of Food Corporation of India to denying engagement of Shri Gurmail Singh, Contract worker under Direct Payment System at par with the other 105 contract workers aiready enganged under DPS is legal and justified? It not, to what relief is the workman emited."

- 2. The present reference was made by the Central Govt, on the failure of conciliation proceedings for adjudication of the matter referred in the schedule referred above and the workman prayed for declaring the action of the management as filegal and invalid.
- The management turned up opposes this reference.
- 4. As per office memorandum dated 5-9-08, this case was fixed in pre-lok adular meeting on 18-10-2008 held in the office premises of Food Coporation of India Patiala for its disposal by adopting the mediation and conciliation mechanism. The workman and the prescribed authority of

[भाग I]---खण्ड 3(ii)]

the management made a joint statement that the management has agreed that as per policy of the department the workman will be provided with the work as and when available out of the list of the present workmen on priority in compliance of the Hon'ble High Court New Delhi order dated 15-2-2006. The management has also agreed that while adjusting the workman it will hohour the seniority list maintained by the department itself. On this assurance the workman withdraw his reference in Lok Adalat. This statement above was read over and explained to workman individually in Hindi and he agreed to withdraw his case in Lok Adalat. In view of the above, the workman withdraw the present reference in Lok Adalas. Accordingly the reference is returned to the Central Govt, as settled in Lok Adalat, Central Govt, be informed. File be consigned to record.

Chandigarh. 18-10-2008

G. K. SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 5 नवम्बर, 2008

का,आ, 3190,--औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार भारतीय खाद्य निगम के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं.], चण्डीगढ के पंचाट (संदर्भ सं. 58/2007) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5-11-2008 को प्राप्त हुआ था।

> [सं. एल-22012/164/2006-आई आर (सीएम-11)] अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 5th November, 2008

S.O. 3190.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 58/ 2007) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. 1, Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India, and their workmen, which was received by the Central Government on 5-11-2008.

> [No, L-22012/164/2006-IR(CM-II)] AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA. PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-I. CHANDIGARH

Case No. J. D. 58/2007

Shri Raj Singh, Son of Shri Bachan Singh V & PO: Data, Singhwala, Jind.

...Applicant

Versus

- (1) The District Manager, Food Corporation of India, Patiala, (Punjab), Patiala
- (2) The Senior Regional Manager, Food Corporation of India, Punjab Region, 31-A Chandigarh

...Respondents

6329

APPEARANCES

For the Workman: Workman in person.

For the Management: Shri Parminder Singh Advocate.

AWARD

Passed on 18th of October 2008 at Patiala Camp.

The Central Govt. vide notification No. L- 22012/164/ 2006 /IR (CM-II), dated 23-4-2007 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of Food Corporation of India in denying engagement of Shri Raj Singh, Contract worker under Direct Payment System at par with the other 105 contract workers already enganged under DPS is legal and justified? It not, to what relief is the workman entitled"?

- 2. The present reference was made by the Central Govt on the failure of conciliation proceedings for adjudication of the matter referred in the schedule referred. above and the workman prayed for declaring the action of the management as illegal and invalid.
- 3. The management turned up opposes this reference.
- 4. As per office memorandum dated 5-9-08, this case was fixed in pre lok adalat meeting on 18-10-2008 held in the office premises of Food Coporation of India Patiala for its disposal by adopting the mediation and conciliation mechanism. The workman and the prescribed authority of the management made a joint statement that the management has agreed that as per policy of the department the workman will be provided with the work as and when available out of the list of the present workmen on priority. in compliance of the Hon'ble High Court, New Delhi order dated 15-2-2006. The management has also agreed that while adjusting the workman it will honour the seniority list maintained by the department itself. On this assurance the workman withdraw his reference in Lok Adalat. This statement above was read over and explained to workman individually in Hindi and he agreed to withdraw his case in Lok Adalat. In view of the above, the workman withdraw the present reference in Lok Adalat. Accordingly the reference is returned to the Central Government as settled

in I ok Adaiat. Central Government be informed. Plysike Consigned to record

Cheodigath 18-10-2008 Cano Patiala G. R. SHARMA, Presiding Gillion

ंदे दियाती, डे **नवस्थ**, 2008

का, अन्न, अन्न ६ - अंग्रिशिक विवाद अधिनेया, १८०७ (1947 का 14) की पास १० के सनुसारण एँ केन्द्रीय सम्बद्ध करी । वर्ष खाद्य निरम के प्रवंशतंत्र के संबद्ध निरमें क्यों प्रवर्ध करी करी संवर्ध की प्रवर्ध करी करी करी करी करी करी के प्रविद्ध की प्रवर्ध के स्वर्ध के स्वर्ध कर की तिले अधिकरण नं. १ - सम्बद्धीय स्थलार की उन्हों के प्रवर्ध की उन्हों के प्रवर्ध की उन्हों की प्रवर्ध की उन्हों की प्रवर्ध की उन्हों की अधिकरण नं. १ - सम्बद्धीय स्थलार की उन्हों की प्रवर्ध की उन्हों की प्रवर्ध की उन्हों की अधिकरण करती है, जी अधिक्रीय स्थलार की उन्हों की अधिकरण हुआ १० ।

ক্রিয়াক (১.৬) সংগ্রেজন (১৫) আরু (১৫) - প্রত্তি নাম্য ক্রিনে মান্ত, সিকে তার নাম্

Hery Delta, the 5th November, 2008.

S.O. 31946. In paragance of Section 13 of the industrial Disonaes Act. (047) (44 of 1947), the consequence of the control of the gubbakes the award (Ref. No. 64 1, 197) of the Central Constitution of the strict Tribonals may be our Court No. 1. Chandis with as shown in the American Court No. 1. Chandis with as shown in the American Court of the Court of Court of the Court of Court of Court of the Court of Court of Court of Court of the Court of Court of Court of Court of Court of the Court of Court of

[No.E-23012/153/2006-1801/1546] TVVXEMAR GAUR, Description

ANNUAURE

BEFORE SIRE GVANENDRA KUMAR SHARW (
PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL L'EIRE NAE CEM LABOUR CODRUE,
CHANGGARD

Case No. L.D. No. 61/2007

Shri Piana Sungh, Soci of Simi-Mehar Soq id Vi& PO, Patra, Patigla, Longol.

Appropria

APT SIJS

- Surpress of rape of the surpress of the surpress
- (2) The Sential Reviewed of imager, flood Corporation of June 1. Chapith Review — A Chapithy and

...Rest hallon

APPLARANCES

For the Workman : Westleman in nearest

For the Management Shot Partitioner Singh, Advocate,

ANVARD

Passed on 18th of October 2008 at Patiala Camp.

Central Govt, vide a subcasion No. L-22012/133/2006iR (CM-II), dated 23-4-26-4, has referred the following dispute to this Tribunal (or respectication)

"Whether the section of the management of Food Corparation of India is denying engagement of Shri Piara Single, the fact worker under Direct Payment System at pury the the other 195 contract workers already engaged and at DPS in legal and justified? It not, to what relief is the workman entitled.""

- 2. The present inference was made by the Control Govt, on the failure of conciliation proceedings for adjudication of the matter refer to thome selecture referred above and the workman projection declaring the action of the management as illegal and moveled.
- The manager see toraid up opposes this reference.
- As per office as a consider dated 5-9-08, this case. was fixed in pre-lok paidly, succeing on 18-10-2008 held in the office premises of the accompaniety of India Patiala for its disposal by adopting the co-diation and conciliation mechanism. The work new are the prescribed authority of the management made a time scatement that the management has agreed that as more order of the department the workman will be provided menthe work as and when available out of the list of the are one workmen on priority, in compliance of the Post Sci 40th Court New Delhi order dated 15-2-2006. The manuscreent has also agreed that while adjusting the weakers, a will honour the semority list maintained by the department itself. On this assurance the workingn withdraw has reference in Lok Adalar. This statement above was renotined and explained to workman. individually in Hindi and he agreed to withdraw his case in Lok Adalat, in view of the above, the workman withdraw the present reference in Lys. Adoles. Accordingly the reference is returned to the Classific covides settled in Lok Adalas, Central Govt, be informed. The beconsigned to record.

Chandigarti. 97 F., StiARMA, Presiding Officer 18-10-2008 Camp Patiala

महे हैंदर ए. ३ सवस्वर, <u>१</u>५०४

का,आ, 3192, अधिकान, विवाद अधितियम, १०४२ (1947 का (४) की धारा (११० अनुसरण में केन्द्रीय सरकार भारतीय स्माद्ध निराम के प्रविधतंत्र के अधिक विचाजकों और उनके कर्मकार्य के बीच, अनुबन्ध में निर्दिस और विवाद में कन्द्रीय मरकार और्यांगिक अधिकरण ने 11, चण्डोंगिक २० १९४४ (४) सं. 53/2001) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5-11-2008 को प्राप्त हुआ था।

> [सं. एल-22012/192/2006-आई आर (सीएम-日)] अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 5th November, 2008

S.O. 3192.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 53/2007) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. 1, Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India, and their workmen, received by the Central Government on 5-11-2008.

[No. L-22012/192/2006-IR(CM-II)] AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-1, CHANDIGARH

Case No. 1, D. No. 53/2007

Shri Gurjant Singh, Son of Shri Chanan Singh V & PO: Jhaloor, Thana, Tehsil-Dibra, Sangrur.

...Applicant

Versus

- The District Manager, Food Corporation of India, Patiala, (Punjab), Patiala
- (2) The Senior Regional Manager, Food Corporation of India, Punjab Region, 31-A Chandigarh

...Respondents

APPEARANCES

For the Workman:

Workman in person.

For the Management: Shri Parminder Singh, Advocate.

AWARD

Passed on 18th of October, 2008 at Patiala Camp

Central Government vide notification No. L-22012/ 192/2006-IR (CM-II), dated 23-04-2007, has referred the following dispute to this tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of Food Corporation of India in denying engagement of Shri Gurjant Singh, contract worker under Direct Payment System at par with the other 105 contract workers already engaged under DPS is legal and justified? If not, to what relief the workman entitled

- The present reference was made by the Central Government on the failure of conciliation proceedings for adjudication of the matter referred in the schedule referred above and the workman prayed for declaring the action of the management as illegal and invalid.
- 3. The management turned up and opposes this reference.
- 4. As per office memorandum dated 5-9-2008, this case was fixed in pre Lok Adalat meeting on 18-10-2008 held in the office premises of Food Corporation of India Patiala for its disposal by adopting the mediation and conciliation mechanism. The workman and the prescribed authority of the management made a joint statement that the management has agreed that as per policy of the department the workman will be provided with the work as and when available out of the list of the present workman. on priority in compliance of the Hon'ble High Court New Delhi order dated 15-2-2006. The management has also agreed that white adjusting the workman it will honour the seniority list maintained by the department itself. On this assurance the workman withdraw his reference in Lok-Adalat, This statement above was read over and explained to workman individually in Hindi and he agreed to withdraw his case in Lok Adalat in view of the above, the workman withdraw the present reference in Lok Adalat. Accordingly the reference is returned to the Central Government as settled in Lok Adalat, Central Government be informed. File be consigned to record.

Chandigarh. G. K. SHARMA, Presiding Officer 18-10-2008
Camo Potiala

नई दिल्ली, 5 नवस्थर, 2008

का.आ. 3193.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार भारतीय खाद्य निगम के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं. 1. चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ सं. 74/2007) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5-11-2008 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/198/2006-आई आर (सीएम-II)] अजय कुपार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 5th November, 2008

S.O. 3193.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 74/2007) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. 1, Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India, and their workmen, received by the Central Government on 5-11-2008.

[No. L-22012/198/2006-IR(CM-II)] AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-I, CHANDIGAREI

Case No. 1, D. No. 74/2007

Shri Tersem, Sow of Shri Maghar Singh V, Rajdharana, PO: Shadihari, Sangrur.

...Applicant

Versus

- The District Manager, Food Corporation of India, Patiala, (Punjab).
- (2) The Senior Regional Manager, Food Corporation of India, Punjab Region, 31-A Chandigarh

...Respectages

APPEARANCES.

For the Workman . Workman in person.

For the Management: Shri Parminder Singh, Advocase.

AWARD

Passed on 18th of October, 2008 at Patiaia Casno

Central Government vide notification. No. L-220121 198/2006-1R (CM-II), dated 23-04-2007, has referred the following dispute to this tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of Food Corporation of India in denying engagement of Shri Tarsem Singh, contract worker under Direct Payment System at par with the other 105 contract workers already engaged under DPS is legal and jusdified? If not, to what relief is the workman entitled to?"

- 2. The present reference was made by the Comral Government on the failure of conciliation proceedings for adjudication of the matter referred in the schedule retempt above and the workman prayed for declaring the action of the management as illegal and invalid.
- 3. The management turned up and opposes this reference.
- 4. As per office memorandum dated 5-9-2008, this case was fixed in pre Lok Adalaat meeting on 18-10-2008 held in the office premises of Food Corporation of India Patiala for its disposal by adopting the mediation and conciliation mechanism. The workman and the prescribed authority of the management made a joint statement that the management has agreed that as per policy of the department the workman will be provided with the work as and when available out of the list of the present workman

on priority in compliance of the Hon'ble High Court. New Delhi order dated 15-2-2006, The management has also agreed that while adjusting the workman it will honour the seniority list maintained by the department itself. On this assurance the workman withdraw his reference in Lok Adalat. This statement above was read over and explained to workman individually in Hindi and he agreed to withdraw his case in Lok Adalat in view of the above, the workman withdraw the present reference in Lok Adalat. Accordingly the reference is returned to the Central Government as settled in Lok Adalat. Central Government be informed. Fife be consigned to recent

Chandigarh. 18-10-2008

Camp Patiala

G. K. SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्लो, ५ स्थम्बर, 2008

का.आ. 3194, - डोडोशिक विवाद अधिनियम, 194? (1947 का 14) की धारा (? के अनुसरण में बेन्द्रीय सरकार भारतीय खाद्य नियम के प्रबंधतंत्र के संबद्ध भियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योधिक विवाद में केन्द्रीय सरकार ओद्योगिक आधिकरण नं. । चण्डीगढ़ के पंजाट (संदर्भ सं. 71/2007) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5-11-2008 को प्राप्त हुआ था।

> [सं. एल-22012-301/2006-आई आर (सीएम 11)] अजय कुमर गीड, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 5th November, 2008

S.O. 3194.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act. 1947 (14 of 1947), the Central Governmenthereby publishes the award (Ref.No. 71/2007) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. 1, Chandigarh as shown in the Annextore, in the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India, and their workmen, received by the Central Government on 5/11/2008.

[No 1-22012/201/2006-IR(CM-II)] AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIALTRIBUNAL CUM LABOUR COURTE, CHANDIGARH

Case No. I. D. No. 71/2007

Shri Hans Raj , Son of Shri Gurmail Singh V & PO Badalgarh. Sangrur.

...Applicant

Versus

- (I) The District Manager, Food Corporation of India, Patiala, (Puniab).
- (2) The Senior Regional Manager, Food Corporation of India, Punjab Region, 31-A Chandigarh.

...Respondent

APPEARANCES

For the Workman:

Workman in person.

For the Management Shri Parminder Singh, Advocate.

AWARD:

Passed on 18-10-2008 at Patiala Camp.

Central Government vide notification No. L-22012/201/2006 (IR CM-II), dated 23-4-2007, has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of Food Corporation of India in denying engagement of Shri Hans Raj, contract worker under Direct Payment System at par with the other 105 contract workers already engaged under DPS is legal and jusdtified? If not, to what relief is the workman entitled?"

- 2. The present reference was made by the Central Government on the failure of conciliation proceedings for adjudication of the matter referred in the schedule referred above and the workman prayed for declaring the action of the management as illegal and invalid.
- 3. The management turned up and opposes this reference.
- 4. As per office memorandum dated 5-9-2008, this case was fixed in pre Lok Adalat meeting on 18-10-2008. held in the office premises of Food Corporation of India Patiala for its disposal by adopting the mediation and conciliation mechanism. The workman and the prescribed authority of the management made a joint statement that the management has agreed that as per policy of the department the workman will be provided with the work as and when available out of the list of the present workman on priority in compliance of the Hon'ble High Court New Delhi order dated 15-2-2006. The management has also agreed that while adjusting the workman it will honour the seniority list maintained by the department itself. On this assurance the workman withdraw his reference in Lok Adalat. This statement above was read over and explained to workman individually in Hindi and he agreed to withdraw his case in Lok Adalat in view of the above, the workman withdraw the present reference in Lok Adalat. Accordingly the reference is returned to the Central Government as settled in Lok Adalat. Central Government be informed. File be consigned to record.

Chandigarh. 18-10-2008

10-10-2000

Camp Patiala G. K. SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 5 नवम्बर, 2008

का,आ. 3195.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार भारतीय खाद्य निगम के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं. । चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ सं. 64/2007) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5-11-2008 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/188/2006-आई आर (सीएम-11)] अजय कुमार गौड, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 5th November, 2008

S.O. 3195.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 64/2007) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. 1, Chandigarh as as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India, and their workmen, received by the Central Government on 5-11-2008.

[No. L-22012/188/2006-IR(CM-II)] AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM LABOUR COURT-I, CHANDIGARH.

Case No. I. D. No. 64/2007

Shri Darshan Singh, Son of Shri Budh Singh V & PO: Jhaloor Thana, The Dirba, Sangrur.

...Applicant

Versus

- (1) The District Manager, Food Corp. in proof India, Patiala, (Propa)
- (2) The Semon Regional Manager, Food Corporation of India, Punjab Region, 31-A Chandigath.

...Respondents

APPEARANCES

For the Workman: Workman in person.

For the Management Shri Parminder Singh, Advocate.

AWARD

Passed or, 1909 of October at Pistiala Camp

Central Government vide notification. No. 1.-1.7 (+37) 18872006-18. (CM 13), dated 23-4-2007, has reformable following dispute to this tribunal for adjudication:

"Whether is, bottom of the management of need Corporation of tedde to denying engagement of ShA thusbun single contout worker index become Payament System at partern the other 105 sympet workers through engage more DPS is toget and justified 2.10 may to what relief is one work concentrated."

- 2. The precious refreence was made by the formal Governmence the falters of conciliation proceeds yellor adjacheouses rathe easies referred in the schedulers cored above and the constraint mayed for declaring the action of the management as illegal and invalid.
- The standard need use and opposes this reference.
- 4. As providing menominating dated 550-1000, topcase was 5 year in the Liele Collect meeting on 18 (30-1003) held as the same in regalact of Food Corporation of tados Patiala for a linguistic ov appreciate the membrane and conciliation we chare to the work man and the pars trived. authority of the unless event trees, a most suscept of the the management to depend that we per points of the department the meeting as will be used ideal with the more as and when as district to of the list of the present womanes. on priority in compatience of the Houlete High Court. New Delhi errer fas a 15-2 1306. The management has also agriced that while of carrier the workings it will have to the seniority list magnituded by the department (isolated, this assurance the workings withingovisto responses to link Adalas, This sad rose in those was read exercised explicated to works and will be thought the hard and he agreed to be follow. his case in factor a form to wrong of the object, the winds can withdrawsh, pay est of the nee in Lok Adalat. As one large the reference to as usual to die Contail Convolute all as settled in Lok soluble, central Government be harmoned File be copyright? The coast

Chandezada

18-10-2000 Compatalisia

a. K. SHARMA, President advan-

ंई दिल्ली, इ. महस्यर, 2000

क्षर् उमा (\$106) - - अंध्यतिषक विश्वय (अन्तरिष्ण () ८०० र 1947 का (३) वर्ष भागा (२) अनुसरक भे बोन्होय सरकार प्राणीय खाद्य निमम यो भवेषयो (वे संयद्ध विश्वोजको अंध उनके कार्य सर्थे के ब्रीच, अनुबन्ध भे निक्षिण और्धोणक जिलाह में केन्द्रीय सरकार और्धोणक **अधिकरण नं.), चण्डी**गङ्ग के पंचार (संदर्भ सं. 39/2007) को प्रकाशित करती है, जो कंप्रीय अरक्षण को 5-11-2008 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एन-२३०:2:(२१:2006-आई आर (सीएम-)]) ! अन्यः जुमार गीड, हेस्क अधिकारी

New Delhi, the 5th November, 2008.

S.O. 3196. —In parsange of Section 17 of the Industrial Disputes Act. 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 39, 2007) of the Central Governo as Industrial Tribunal-cum Labout Court No. 1. Chassing it as shown in the American the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India, and then workmen, received by the Central Government on 5-17-2008.

(No. L-32013-427/2006-IR(CM-II)) ARAV KUMAR CAUR, Dosk Officer

ANNINURE

BEFORE SHRI GYANENDRAKUMAR SHARMA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIALTRIR N.G. CUM-LABOUR COLRES, CHANGGARB

Case J. D. No. 39/2001

Shri Gulzara Singh, Sort (1) Shri Deep Sough, V & Pott Satipur, Kamalpur, Sangrus,

. Apolicani

 $x', \gamma \in \mathbb{R}^{n}$

- The District Manager treed Corporation of leafure across (Punjab).
- (2) The Senior Regions Workinger, Food Corporation of Lotta, Punjab Region, 30-70. Chandigath.

Respondents.

APPEARANCES

For the Workman (Worketten as person-

For the Management. Smill Fernander Single, Advocate

OSAMA

Passed on 18th of Chrobot, 2008 at Patiala Camp.

Central Governors a vide nonflication. No. 1, 22:032-127/2006 IR. (CM-II), noted 23-4-2007, has referred the following dispute to this induntation adjudication:

"Whether the action of the abunagement of Food Corporation of a dia in denying engagement of Shri Gulzara Single constant weaker under Direct Payment System at partwith the other 105 commet workers already engaged under OPS is legal and justified? If not to what relief is the workman emitted to?"

- 2. The present reference was made by the Central Government on the failure of conciliation proceedings for adjudication of the matter referred in the schedule referred above and the workman prayed for declaring the action of the management as illegal and invalid.
- 3. The management turned up and opposes this reference.

4. As per office memorandum dated 5-9-2008, this case was fixed in pre Lok Adalat meeting on 18-10-2008 held in the office premises of Food Corporation of India Patiala for its disposal by adoptingthe mediation and conciliation mechanism. The workman and the prescribed authority of the management made a joint statement that the management has agreed that as per policy of the department the workman will be provided with the work as and when available out of the list of the present workmen on priority in compliance of the Hon'ble High Court, New Delhi order dated 15-2-2006. The management has also agreed that while adjusting the workman it will honour the seniority list maintained by the department itself. On this assurance the workman withdraw his reference in Lok Adalat. This statement above was read over and explained to workman individually in Hindi and he agreed to withdraw his case in Lok Adalat. In view of the above, the workman withdraw the present reference in Lok Adalat. Accordingly the reference is returned to the Central Government as settled in Lok Adalat. Central Government be informed. Fife be consigned to record.

Chandigarh.

18-10-2008

Camp Patiala

G. K. SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 5 नवम्बर, 2008

का, आ, 3197.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बी.बी.एम.बी. के प्रवंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के कीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं.-1, चण्डीमढ़ के पंचाट (संदर्ध संख्या 95/1994, 97/1994, 99/1994) को प्रकाशित करती है, जो कंन्द्रीय सरकार को 5-11-2008 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-42012/1/1993-आई आर (डो. यू.)/(सो-[1] [सं. एल-42012/3/1993-आई आर (डो. यू.)/(सी-[1] [सं. एल-42012/5/1993-आई आर (डो. यू.)/(सी-[1] अजय कुमार गौड, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 5th November, 2008

S.O. 3197.— In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 95/1994, 97/1994, 99/1994) of the Central Government Industrial

Tribunal-cum-Labour Court No. I, Chandigarh as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of BBMB and their workman, which was received by the Central Government on 5-11-2008.

[Na, L-42012/1/1**9**93-IR (DU)/(C-H)]

[No. L-42012/3/1993-JR (DU)/(C-JI)]

[No. L-42012/5/1993-IR (DU)/(C-II)]

AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR, SHARMA PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-1. CHANDIGARH

Case J.D. Nos. 95/94, 97/94, 99/94

- Shri Dayanand S/o Shri Guljari R/o Luhari Jattu, Tehsil Bhawanikhera, Distt.-Bhiwani
- (2) Shri Jai Bhagwan R/o Mandana, Tehsil Bhawanikhera, Distt.-Bhiwani.
- (3) Shri Suresh S/o Shri Muni Lall, H.No.105, Labour Colony, Bhiwani, Distr. Bhiwani.

... Applicants

Versus

The Executive Engineer, Stores and Arrears Division B.B.M.B., Bhiwani, Haryana. Respondent

APPEARANCES

For the workman:

Sri. Hardayal Singh

For the management:

Sm. Jyoti Kaushal

AWARD

Passed on 14-10-2008

These three references namely L.D. No. 95/94, Ref. No. L-42012/1/93-IR (DU)/(C-II), dated 24-8-94. Shri Dayanand Vs. Bias Project, I.D. No. 97/94. Ref. No. L-42012/3/93-IR(DU)/(C-II), dated 24-8-94, Shri Jai Bhagwan Vs. Bias Project and I.D. No. 99/94, Ref. No. L-42012/5/93-IR(DU)/(C-II), dated-24-8-94, Shri Suresh Vs. Bias Project are similar in nature. Common question of facts and law are involved in all these references and the question to be adjudicated is also the same whether the termination of each of the workman by the Bias Project. Bhiwani w.e.f. 28-2-90 are just, fair and legal? and whether each workmen are entitled for any relief? Accordingly, all the references are answered by single Award.

LD. No. 95/94 will be leading file and a copy of the award will be placed in the files of LD. No. 97/94 and LD. No. 99/94.

I have gone through the pleadings of parties which are in form of schemeat of claim filed by the workman and written statement filed by on behalf of the management of respondent. It is claimed by the workman that they were appointed on different dates in the year 1987 on the post-of Mali as deliv waged workers. They have completed 240 days of work preceding to the date of their termination from services without any notice or retrenence at compensation. Accordingly, their termination was had in law and illegal. As the juniors to them were retained in service and few new hands were recruited by the Rias Project, they are entitled for reinstatement into the services.

The management of respondent Bias Project denied. the facts raised by the workman and alleged that on completion of the Project services of all the daily waged workers were terminated as per the provisions of industrial Disputes Act. Notice was given to them, which they refuse to receive and all the three workmen alos refused to receive the retrenchment compensation. The Bias Project is not in existence. There is no work BCB nor any worker/employee physically in position under BCB. Only some notional posts are continued in BCB which are being managed by the Officers of BBMB in dual capacity. It has also been alleged by the management of respondent that none of the workmen has completed 240 days of work preceding to the date of their termination, hence, they were not entitled for any retrenchment compensation. Instead of that, they were afforded the opportunity for getting one month advance salary and the retrenchment compensation as desired by Industrial Disputes Act, which they refused. Both of the parties adduced the stral evidence and filed the documentary evidence as weii.

I have heard—learned counsels for the parties and pursued all the materials on record.

Learned counsel for the workmen has argued that as per evidence of management it was the part completion of the Project on which the services of the workmen were terminated which is against the provisions of Industrial Disputes Act. It has also been alleged by learned counsel for the workmen that few new hands were recruited after the termination of the services of the workmen which entitles the workmen for their reinstatement into the services. Learned counsel for the management of Bias Project has argued that as the work of the Project was over, no work wes left for the workmen their services were ordered to be terminated under the provisions of Industrial Disputes. Act, and no new recruitment were made after the termination of their services.

In the statement of claim, all the workmen have alieged that no notice was given nor retrenchment compensation paid, but in the cross-examination every workmen has admitted that the notice was served upon them but they refused to accept the same. It shows that intention of the management was conveyed to them that their services were

no more required. The actic, dated 37-2-90 is an record which shows that services of 1500 workmen were no more. required w.c.f. 28-2-90. Vide this notice the management also asked every workings to receive one month salary inlieu of notice and research sent compensation from the SDO C/W S/D II BB, Bansama Services, of this notice is: admitted by all the work nest. Order not 293 doced 8-3-90. regarding the retrenchment of dudy wager is also in record which also shows the intention of the management to retrenched the daily warred workers including the three workmen whose claim is as question is these references. As on completion of the work the management shows its intention to give one month salary in lieu of one month notice and retrenchment compensation in compliance of the provisions of Insustrial Disputes Act, the termination of the workmen cannot be said to be illegal under the provisions of Industrial Disgues Act.

Another issue to be answered by this l'ribinal is whether the management has violated the policy of last come first go and appoint any new hands after the termination of the services of the workmen? The workmen. have to prove before this Tribunal that new hands were recruited after the termination of their services. There is a causal statement made by all the workmen in meir crossexamination that Ram Parshad had been appointed after their termination. Witnesses of the management in his cross-examination have denied this contention. It was a casual statement made by each workmen without parrating and disclosing the post and place of posting on which the worker so recruited was working and recording the addresses. The documents which have been filed by the management proved that there was no violation of the rule of last come first go and no new hands were recruited. As: per the documents filed by the management, it is evident that all the workmen working in a particular wing were retrenched as per the provisions of Industrial Disputes Act as their services were no more required. Accordingly, all these references are answered in positive that the action of the management of Bias Project. Bhiwani in terminating the services of all the three workmen were just, fair and legal?

So far as the next part of the reference is concerned which is to what reflet are the workmen emitted, I am of the view that as the workmen have yet not received one month salary in lieu of the notice and retreat lanent compensation, they are entitled to receive the same with 9% interest from 28-2-90 till the date of payment. The non-payment of one month salary in lieu of notice and retreachment compensation was on ground of the conduct of the workmen, so, no other relief compensation can be awarded to any of the workman. Accordingly, the management of respondent is directed to provide to the workmen or deposited the same in the Tribunal one month salary in lieu of the notice which was due at the time of the termination of the services of the workmen and retrenchment

compensation along with 9% interest thereon form 28-2-90 till the date of payment within one month from the publication of the award. Central Government be informed. File be consigned.

G.K. SHARMA, Presiding Officer वर्ष दिल्ली, 11 नवम्बर, 2008

का.आ. 3198.—केन्द्रीय सरकार, लीह अयस्क खान, कैनीज अयस्क खान और क्रोम अयस्क खान श्रम कल्याण निधि अधिनियम, 1976 (1976 का 61) की धारा 10 के अनुसरण में, वर्ष 2007-2008 के लिए उक्त अधिनियम के अधीन लेखाओं का विवरण और वित्त पौषित क्रियाकलाएँ की रिपोर्ट अनुसूची-1 और अनुसूची-2 के अनुसार क्रमश: निम्न प्रकार से प्रकाशित करती है :—

वर्ष 2007-2008 के लिए लीह अयस्क खान, मैंग्नीज अयस्क खान और क्रीम अयस्क खान श्रम कल्याण निधि के लेखाओं का विवरण

अनुसूधी-1

खब

01-04-2 007 को आर्र भिक बकाया	रु. 139.05 करोड़
वर्ष 2007-2008 के दौरान अंतरित उपकर	रु. 21.52 करोड्
कुल आय	रु. 160.57 करोड़

मु**ख्य शीर्य-223**0

01-106-लीह अयस्क खान, पैग्नीज अयस्क खान और क्रोम अयस्क खान श्रम कल्याण निधि 01.106.03 - प्रशासन

लेखा का शीर्ष	इकाई	(हजार रुपए में)
03.01.01	वेतन	9050
03.01.02	मञ्दूरी	109
03.01.03	अविकाल मत्ता	24
03.01.06	चिकित्सीय उपचार	289
03.01.11	घरेलू यात्रा व्यय	459
03.01.13	कार्यालय व्यय	1980
03.01.14	किराया दर्रे और कर	497
03.01.16	प्रकाशन	12
03.01.21	सामग्री और प्रदाय	94
03.01.26	विज्ञापन और प्रचार	21
03.01.27	लघु कार्य	67
03.01.28	वृत्तिक सेवाएं	40
03.01.50	अन्य प्रमार	6
	योग	12648

01.196- लौह अयस्क खान, मैंग्नीज अयस्क खान और क्रांय अयस्क श्रम कल्याण निधि 01.106.04 -स्वास्थ्य

(हजार रुपए में)	इकाई	लेखा का शीर्ष
29212	वंतन	04.00.01
215	मजदूरी	04.00.02
6	अतिकाल भत्ता	04.00.03
259	चिकित्सीय उपचार	04.00.06
375	घरेल् यात्रा च्यय	04.00.11
2706	कार्यालय व्यय	04.00.13
608	किराया दर और कर	04.00.14
30	प्रकाशन	04.00.16
4100	सामग्री और प्रदाय	04.90.21
7357	सहायता अनुदान	04.00.31
1405	अन्य प्रभार	04.00.50
46273	योग	· · · · ·

लेखा का शोर्ष	इकाई	(इजार रुपए में)
06.00.01	वेतन	4406
06.00.06	चिकित्सीय उपचार	53
06-00-11	घरेल् यात्रा व्यय	77
06.00.13	कार्यालय ध्यय	85
06.00.14	किराया, दर और कर	21
06.00.21	सामग्री और प्रदाय	119
06.00.34	छात्रवृत्ति और वृत्तिका	15706
06.00.50	अन्य प्रशार	1701
	योग	22168

लेखा क ! सीर्प	इकाई	(हजार रुपए में)
07.00:01	वेतन	919
07.00.0 6	चिकित्सीय उपचार	45
07.00.11	घरेलू यात्रा व्यव	20
07.00.13	कार्यस्य व्यथ	5
07.00.14	किसया, दर और कर	53
07.00.21	सामग्री और प्रदाय	46
07.00.31	सहायता अनुदान	75
07.00.50	अन्य प्रभार	221
	योग	1384

लेखा का शीर्ष	इकाई (ह	जार रूपए में)
04.01.01	चेतन	516
04.01.06	चिकित्सीय उपचार	19
04.01.42	एकमुश्त उपबंध	65
04.02.31	निम्न लागत गृह निर्माण स्कीम	1080
04.03.31	अपना स्व भृह निर्माण करो	668
	स्कीम सहायता अनुदान	
	कुल आवास	2348
	योग (2230)	84821
लौष्ठ अयस्क श्रम कल्याण !	खान, मैंग्नीज अयस्क खान और क्रोम निधि स्वास्थ्य	अयस्क खान
	भोटर पान	172
	मशीनरी और उपस्क र	12
	कुल स्वास्थ्य (4250)	184
	खन, मैंग्नीज अयस्क खान और क्रोम निधि मनोरजन	अयस्क खात
मोटर यान		42
योग मनोरंजन	(4250)	43
योग (4250)		2.26
कुल योग		85047
कुल आय रू. 160.57 क		160.57 करोड़
कुल व्यय	-	र, 8.50 करोड
	अनुसूची-2	
– –	008 के दौरान लौड अयसक खान, मैंग्नीव नयस्क खान - कल्याण निश्चि के अध	

क्रम सं.	क्रियाकलाप का नाम	इकाई
5.	हृदय रोग का उपचार	10
6.	गुर्दा रोग का उपचार	ţ
7.	खान कर्मकारों की नसबंदी के लिए धन संबंधी प्रतिकर का संदृश्य]
8.	विधवा/विधुर की पुत्री के विवाह में व्यय के लिए वितीय सहायता	3
9.	अंत्येष्टि के लिए विनीय सहायता	1
	छ , आवास	
10.	अपना स्थगृह नियाणी कमें स्कीम, सामृहिक गृह निर्माण स्कीम, टाईप 1 और 2 गृह निर्माण स्कीम के अधीन स्वोकृत गृहों की संख्या	g
	ग, शिक्षा	
11.	सीह अयंस्क खान, मैंग्नीज अयस्क खान और क्रोम अयस्क खान कर्मकारों के स्कूल जाने बा ले बालकों को जान्ज़्रील और अन्य वित्तीय सहायता प्रदान करना	13851
12.	वर्दो/पाठयपुस्तकों कः प्रक्रय	6957
	घ, बनोरंजन	
13.	टोबी मेंट	1
14.	लौंड अयस्क खान, मंग्नीज अयस्क खान और कोम अयस्क खान कमंकारी के लिए किडाओं, खेलकूद, सामाजिक और सांस्कृतिक क्रियाकलामों का आयोजन	<u> 11</u>
15.	खेलकूद के सामान की खरीद	2
16.	कर्मकार यात्रा विश्वामगृह	1252
	इ जल प्रदाय	
17.	बड़ी खानों को सहायता	i
	[फा. सं. एस-23025/1/08 - व	इक्ट्यू ∐ो

New Delhi, the 13th November, 2008

अनिल स्वरूप, पहर्रानदेशक (श्रम कल्याण)/संयुक्त सचित

S.O. 3198.—In pursuance of Section 10 of the from Ore Mines, Manganese Ore Mines and Chrome Ore Mines Labour Welfare Fund Act, 1976 (61 of 1976), the Central Government hereby publishes the statement of accounts and the report of the activities financed under the said Act, the year 2007-2008 as per Schedule-I and Schedule-II, respectively, as under:

	स्थिर आयुर्वेदिक औषशलय	
2.	लौह अयस्क खान, मैंग्नोज अयस्क खान और	03
	क्रोम अयस्क खान कर्मकारों के लिए	
	अस्पताल	
3.	औषधालय/अस्पतालों में उपचार किए गए	255903
	रोगियों की संख्या	
4.	कैंसर से पीड़ित लौह अयस्क खान, मैंग्नीज	6
	अयस्क खान और क्रोम अयस्क खान कर्मकारों	
	का उपचार	

STATEMENT OF ACCOUNTS OF IRON ORE		
MINES, MANGANESE ORE MINES AND CHROME		
ORE MINES LABOUR WELFARE FUND FOR THE		
V V A D. 2007-2008		

SCHEDULE-

	а	

Opening Balance as on 1-4-2007	Rs 139.05 crores
Cess transferred during the year 2007-2008	Rs. 21.52 crores

Total Income	Rs . 160.57 crores

EXPENDITURE

Major Head 2230

01.106—Iron Ore Mines, Manganese Ore Mines and Chrome Ore Mines Labour Welfare Fund

01,106.03—Administration

Head of Account	Units	(Rs. in thousand)
1	2	3
03.01.01	Salaries	9050
03.01.02	Wages	109
03.01.03	Overtime Allowance	24
03.01.06	Medical Treatment	289
03 01.11	Domestic Travel Expenses	459
03.01.13	Office Expenses	1980
03.01.14	Rents, Rates and Taxes	497
03.01.16	Publication	12
03.01.21	Supply and Material	94
03.01.26	Advertisement and Publicity	21
03.01.27	Minor Work	67
03.01.28	Professional Services	40
03.01.50	Other Charges	6
	Tota)	12648

01.106—Iron Ore Mines, Manganese Ore Mines and Chrome Ore Mines Labour Welfare Fund

01.106.04~~Health

Head of Accounts	Units	(Rs. in thousand)
04.00.01	Salaries	29212
04.00.02	Wages	215
04.00.03	Overtime Allowance	6
04.00.06	Medical Treatment	259

t	2	3
04.00.11	Domestic Travel Expenses	375
04.00.13	Office Expenses	2706
04.00.14	Rents, Rates and Taxes	608
04.00.16	Publication	30
04.00.21	Material and Supply	4100
04.00.31	Grants-in-aid	7357
04.00.50	Other Charges	1405
	Total	46273

01.106—Iron Ore Mines, Manganese Ore Mines and Chrome Ore Mines Labour Welfare Fund

01.106.06---Education

Head of Accounts	Units	(Rs. in thousand)
06-00-01	Salaries	440
06-00-06	Medical Treatment	53
06-00-11	Domestic Travel Expenses	77
06-00-13	Office Expenses	85
06-00-14	Rents, Rates and Taxes	21
06-00-21	Material and Supply	119
06-00-34	Scholarships and Stipend	15706
0 6- 00-50	Other Charges	1701
	Total	22168

01,106—Iron Ore Mines, Manganese Ore Mines and Chrome Ore Mines Labour Welfare Fund

01.106.03—Recreation

Head of Accounts	Units	(Rs. in thousand)
07-00-01	Salaries	919
07-00-06	Medical Treatment	45
07-00-11	Domestic Travel Expenses	20
07-00-13	Office Expenses	5
07-00-14	Rents, Rates and Taxes	53
07-00-21	Material and Supply	46
07-00-31	Grants-in-aid	75
07-00-50	Other Charges	221
	Total	1384

	 Iron Ore Mines, Manganes hrome Ore Mines Labour We 		1	2
01,106.05—Housing		• • • • • • • • • • • • • • • • • • •	4,	Treatment of Iron Ore Mines, Manganese Ore Mines and Chrome Ore Mines
Head of Accounts	Units	(Rs. in thousand)	5.	Workers suffering from Cancer. Treatment for Heart Disease
07-01-01	Salaries	516		
07-01-06	Medical Treatment	19	6.	Treatment for Kidney Disease
07-01-42	Lumpsum Provision	65	7.	Payment of Monetary Compensation for sterifization to Mines workers.
07-02-31	Low Cost Housing Schem	e 1080	8.	Financial assistance for wedding expenses
07-03-31	BYOHS-Grants-in-aid	668		to widow's/widower's daughter.
	Total Housing	2348	9.	Financial assistance for funeral expenses
	Total (2230)	¥4821		B. HOUSING:
Major Hea	d 4250		10.	Number of houses sanctioned under Build
Iron Ore I	Mines, Manganese Ore Mine Mines Labour Welfare I			Your Own House Scheme, Group Housing Scheme, Type-! and II Housing Scheme.
	Health			C.EDUCATION:
	Motor Vehicle	172	11.	Award of scholarship and other financial 138;
- -	Machinery and Equipmen	ts 12		assistance to the school going children of
	Total Health (4250)	184		Iron Ore Mines, Manganese Ore Mines and Chrome Ore Mines Workers
iron Ore i	Mines, Manganese Ore Mine		12,	Supply of uniform/text books 69.
	Mines Labour Welfare I	fund		D.RECREATION:
	Recreation	10	13.	Television Set
	Motor Vehicle	42	14.	Organising sports, games, social and
Total (425	Total Recreation (4250)	√12 754		cultural activities for Iron Ore Mines.
Total Viza Grand Tota	·	726 85997		Manganese Ore Mines and Chrome Ore Mines Workers.
Total Inco		Rs. 160.57 croses	15.	Purchase of sports material
Total Expe		Rs. 8.50 croses		•
	SCHEDULE-II	12.0.55111.143	10.	Workers visiting holiday homes 12:
Activ	ities Financed under the Iro	on Ore Miaes.		E. WATER SUPPLY
Манданс	se Ore Mines and Chrome C	Dre Mines Labour	<u> 17.</u>	
	Velfare Fond during the Yes			[F.No. S-23025/1/08-W.1
	ame of the activity		Al	NIL SWARUP, Director General (Labour Welfare Jr. Sec
	A. Heauth:			नई दिस्ती ,] । नवस्वर , 2008
t. St	abc-cum-Mobile/Static Alfo atic Ayurvedic Dispensaries			हा.आ. 3199.—केन्द्रीय सरकार, वीड्री कमेकार कल्य
2. H- M	ospitals for the Iron Ore Min anganese Ore Mines and Ch lines workers.	ies, 93	ं में, वर्ष 🤉	धिनियम, 1976 (1976 का 62) की धारा 10 के अनुसर 2007-20 0 8 के लिए डक्त अधिनियम के अधीन लेखाओं ह और वित्तपीणित क्रियाकशाणों की रिपोर्ट, अनुसूची-। अं
	under of patients treated in	255903	अनुसू ची	-2 के अनुसार क्रमशः निम्न प्रकार से प्रकाशित कर

है :---

dispensaries/hospitals.

[Ahl II— And	3(n)]	सर्व का राजपत्र : नवस्वर 2	<u> १, २००४/अग्रहायण</u>	8, 1930	
वर्ष 200	07-2008 के लिए बी ड़ी	कर्मकार कल्याण	1	2	3
निधि के लेखा	ओं का विवरण		04-00-16	प्रकाशन	48
	अनुसूची-1		04-00-21	सामग्री और प्रदाय	57563
आय			04-00-26	विज्ञापम और प्रकाशन	154
01-04-2007 च	को आरंभिक बकाया	रु. 24.24 करोड्	04-00-27	लघु कार्य	1995
वर्ष 2007-200	8 के दौरान अंतरित उपकर	रु. 184.62 करोड्	04-00-50	अन्य प्रमार	34114
कुल आय		रु. 208.86 करोड़		योग	346989
व्यथ				हर्मकार क ल्या ण निधि	
मुख्य शीर्ष-223	0		· 01.109.03 - 和	शक्षा	
01.109 मीड़ी व	हर्मकार कल्याण निधि		लेखा का शोर्ष	हकाई	(हआर रूपए में)
01.109.04 - T	इतसन		03-00-26	विज्ञापन और प्रकाशन	413
लेखा का शीर्व	इकाई	(हजार रूपए में)	03-00-34	छात्रवृत्ति और वृत्तिका	789996
05-00- 01	वेतन	26931	03~00~50	अन्य प्रभार	43482
05-00-02	मजद्री	220			
05-0003	अविकाल भत्ता	69		योग	833891
05-00-06	चिकित्सीय उपपार	972	<u>-</u>	हर्मकार कल्याण निधि	
05-00-11	घरेलू यात्रा च्यय	1932	01.109.05 - f		
05-00-13	कार्यालय व्यय	7053	लेखा का शीर्ष	इकाई	(हजार रुपए में)
	काबालय ज्यय किराया, इर्रे और कर	1409	02-00-01	वेतन	502
05-00-14			02~00~03	अतिकाल मत्ता	10
05-00-16	प्रकाशन	118	02 - 00 -0 6	चिकित्सीय उपचर	21
05-00-27	লম্ব কাৰ্য	27	02-00-11	घरेल् यात्रा व्यय	40
05-00-28 05-00-50	वृतिक सेवाएं अन्य प्रभार	91 75	02-00-13	कार्यालय व्यय	34
			02-00-21	सामग्री और आपूर्ति	10
	मोग	38897	02-00-26	विज्ञापन और प्रकाशन	154
_	हर्मकार कस्याण निधि		02-00-27	लमु कार्य	60
01.109.04 - ₹ 	41 (2 2)		02-00-50	अन्य प्रधार	605
लेखा की शीर्ष	इकाई	(हजार रुपए में)		योग	1282
<u>1</u>	2	3	01.109 बीडी य	कर्मकार कल्याण निधि	
04-00-01	वेतन	228186	01.109.01 - 3	भ्रष्ट्यास	
04-00-02	मजदूरी	1905	लेखा का शीर्ष	इकाई	(हजार रुपए में)
04-00-03	अतिकाल मत्ता	13	1	2	3
04-00-06	चिकित्सीय उपचार	1607	01-03-01	वंतन	112
04-00- 11	घरेलू यात्रा व्यय	3403	01-03-01	अपना स्थापृष्ठ निर्माण करो स्क	
04-00-13	कार्यलय ठ्यय	10121	VI-01-31	सहायता अनुदान	יוקטפד
04-00-14	किराया, दर्रे और कर	7880	01-02-33	सामृहिक गृह निर्माण सहायकी	16000
			· ·		

THE GAZETTE OF INDIA: NOVE	MBER 29,2008/AGRAHAYAN (\$1.29)	$[Psec, R-Sec, 3(t_{ef})]$
Contract of the Contract of th	- 	the street was a second

		= 230:21 दलह
कुर-आय		208.86 果和寶
कुल योग		2802303
योग (4250)		9674
मशीवरी और	तप(कर	1293
मोटर वान		8380
मुख्य भीर्भ 42.	50 बोड्री कर्मकार कल्याण निधि स्वा	rei
मुख्य गोर्ष (१	60!) के अगीर कुछ न्यय	14yspti
सहायता अनुद	<u>.</u>	
मुख्य शीर्ष (३	(व) () ईंडरूब्युस्म । () .00.3 -	(See See
	कुल व्यय	
	भुख्य धीर्ष (2230) के अधीत	2165832
	कुल अवदय २२३०	1071573
060033	सहायको	1.25423
1	. 2	

6342

अनुमूची-2

वर्ष 2007-2008 के दौरान बीड़ी कर्मकार कल्याण निर्माः के अधीन विस्तयोगित क्रियाकलाप

क्रम सं.	क्रियाकलाए का नध्य	इकाइयां
. i	2	
	क, स्थास्यः	
1.	स्थिरः सहः चलःस्थिर एलोपेधिक और स्थिर आयुर्वेदिक औषधालर	204
2.	बोड़ो कर्मकर्र के लिए अस्पताल	ŋa,
3.	विश्वामाधीन:अन्यताल (पूरा होने के निकट)	9
4.	औधभाजदरअस्पत्रहर में उपचरित मरीज	2272986
5.	डीची अम्परगल में अधिभोग औसत रोप्या	12844
ťi	त्तपंत्रिक में पीड़ित बीड़ी कमेक्सरी का आवासीय उपचार	688
7	औंसर में पीड्न बोड़ी कर्मकारों का उपयार	;44
Σ	धतस्यक रोधी से जिन्दा बोड़ी कमे कारी का आयासीय तप्रधार	11
4),	थभ्में ऋष करने के लिए येखी कमेकारों का वित्रोय सरम्पता	3083
i0.	भाइता पोई। ध्यमकारं के लिए प्रसृद्धि प्रसृधिधा स्कोम	94.SO

:	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	
1		,
ļI.	बोड़ी कमेंबार्श की एकाली का निर्मायन संबंधी प्रक्रिकार कर संबंध	. 3
12.	हृद्य रोगों के अबंध में बीद्ध कार्यस्थाते का उपचार	178
13.	मुद्दी प्रत्यातेषण क राज्यः में वाही कर्मकारी का राज्यार	31
i4.	अत्येष्टि के किए १८८४ यह यह	1342
15.	लुखु बीम्परिज़ी का प्रत्याप	08
16.	स्त्री सेंग का उपचा	:8
12.	उण्डुकभुच्छोन्छ । अर्थाः स्थानम्	5
18,	विषया, विधुर को ने ए.मागरी दा किसा का विलाह क्याय	: :
	छ, समाजि दा भूरभ	
19.	समूद्र वीमा क्षेत्रकाः	.651561
	न, आवास	
20.	एकीञ्चत पृद्ध शिक्षीत ज्याम के अभीत महोकृति पृक्षे को संख्या	P0 (53
	घ, शिक्षा	
21.	बीड़ी कर्मकारी हा २ गुड़ अल बल्हे क्लकों की छात्रवृति	לביניקנים לביניקנים
22	्राचित्रको सम्बन्धे स्थानम् । स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य	2:42.

 पीड़ी कर्मकार्ग के एक एक बातको को १४८-छ। पुसर्का/गणनश को १९६५ छ।

ङ भनोरंजन

- अन्य-दृष्ट्य सेटा विकास चार्च या साध्यम से खोड़ी 6 कार्यकारी को किए ११,१५६ का प्रदेशन
- 24. ब्रीडी कर्मकार वं निया होत्याओं, खंगक्ष, सामाजिक और महेम्यायेक दिशाक्षराप अत्योजित
- . 25. विश्वाम मृह सं १२०, कर्नक्क । १२० "बीद्रे कर्मकारों के संभी भगगभाष्य अस्क उसके अंतरीत आत है। १००, क. ११०-२४०२४ च २२०५ उपन्य अ

अतिल स्वरूप १८७५ अल्हा , अस् जल्याण धर्मपुरत सरिव

New Delhi, dor 1 sth November, 2008

8.0. 3199.— In a passance of Section 10 of the Beedi Workers Wellium Lond Net, 1976 (62 of 1976), the Central Government. Longing publishes, the statement of accounts and the report of the activities financed under

the said Act, the year 2007-2008 as per Schedule-1 and Schedule-II, respectively, as under :--

STATEMENT OF ACCOUNTS OF BEED! WORKERS WELFARE FUND FOR THE YEAR 2007-2008

SCHEDULE--I

INCOME

Rs 24.24 crores Opening Balance as on 1-4-2007 Rs. 184.62 crores Cess transferred during the year 2007-2008 Total Income

Rs. 208.86 crores

EXPENDITURE

Major Head 2230

01.109—Beedi Workers Weifare Fund 1.109.05-Administration

Head of Accounts	Units	(Rs. in thousand)
05-00-01	Salaries	26931
05-00-02	Wages	220
05-00-03	Overtime Allowance	69
05 -00-06	Medical Treatment	972
05-00-11	Domestic Travel Expenses	1932
05-00-13	Office Expenses	7053
05-00-14	Rents, Rates and Taxes	1409
05-00-16	Publication	118
05-00-27	Miner Work	27
05-00-28	Professional Services	91
05-00-50	Other Charges	75
	Totai	38897

01.109—Beedi Workers Welfare Fund 1.109.04—Health

Head of Account	Units	(Rs. in thousand)
J	2	3
04-00-01	Salaries	228186
04-00-02	Wages	1905
04-00-03	Overtime Allowance	13
04-00-06	Medical Treatment	1607
04-00-11	Domestic Travel Expenses	3403
04-00-13	Office Expenses	10121
04-00-14	Rents, Rates and Taxes	7880

I	2	3
04-00-16	Publication	48
04-00-21	Material and Supply	57563
04-00-26	Advertisement and Publicity	154
04-00-27	Minor Work	1995
04-00-50	Other Charges	34114
	Total	346989

01.109-Beedi Workers Welfare Fund 1.109.03—Education

Head of Account	Units	(Rs. in thousand)
03-00-26	Advertisement and Publicity	413
03-00-34	Scholarship and Stipend	789996
03-00-50	Other Charges	43482
	Total	833891

01.109-Beedi Workers Welfare Fund 1.109.02-Recreation

Head of Account	Units	(Rs. in thousand)
02-00-01	Salaries	502
02-00-03	Overtime Allowance	10
02-00-06	Medical Treatment	21
02-00-11	Domestic Travel Expenses	40
02-00-13	Office Expenses	34
02-00-21	Material and Supply	10
02-00-27	Minor Work	60
02-00-50	Other Charges	605
	Totai	J 28 2

01,109---Beedi Workers Welfare Fund 1.109.01—Housing

Head of Account	Units	(Rs. in thousand)
1	2	3
01-03-01	Salaries	112
01-01-31	BYOHS-Grants-in-aid	93038
01-02-33	GHS—Subsidies	16000
06-00-33	Subsidies	775623
	Total Housing 2230	1071573
	Total expenditure under Major Head (2230)	2105832

THE CAZETTE OF MIND	- MOVEMBUR 1	29, 2008/AGRAHAYANA 8.	1020
այությանն առանական արկալի	NOVERSER .	27. 2006 AUKAHATANA 8	IYJU -

(Part II—Sec. 3(ii)

5

17.5

	A. HEALTH:	
i.	Static-cum-Mobile/Static Allopathic and Static Ayurvedic Dispensaries,	307
2. 3.	Hospitals for Beedi Workers Hospitals under construction (nearly completion)	06 01
4,	Patients treated in dispensaries/ hospitals.	7772986
5 .	Average Bed Occupation in TB Hospitals.	12884
6.	Domiciliary Treatment of Boedi Workers suffering from Tuberculosis	688
7,	Treatment of Beeci Workers suffering from Cancer	[4]
8.	Treatment of Beedi Workers suffering from Mental Diseases	21
9.	Financial Assistance to Beedi Workers for purchase of Spectacles	5083
10,	Maternity Benefit Scheme for Fernale Beedi Workers	9480
11,	Payment of Monetary Compensation	113

for Sterilization

Heart Diseases

Kidney Transplantation

Financial assistance for funeral

12. Treatment of Beedi Workers in respect of

Treatment of Beedi Workers in respect of

178

31

1342

			
]		2	3
	15.	Treatment of Minor Diseases	25
	16.	Treatment of Gyanecological diseases	18
	17.	Treatment of Appendectomy	5
	18.	Wedding Expenditure of daughter of Widow/Widower beedl workers	412
		B.SOCIAL SECURITY:	
	19.	Group Insurance Scheme*	1051361
		C. HOUSING:	
	20.	Number of houses sanctioned under Integrated Housing Scheme.	39133
		D. EDUCATION:	
	21,	Award of Scholarship to the school going children of Beedi Workers	628658
	22.	Supply of Books/Uniforms to the school going children of Beedi Workers	216561
		E.RECREATION:	
	23.	Exhibition of films for Beedi Workers through Audio-Visual Sets/Cinema Vans	6

*All Identity Card holders of Beedi workers are covered. [F.No. S-24025/27/08-W.II]

Organizing sports, games, social and

25. Workers visited holiday homes

cultural activities for Beedi Workers

ANIL SWARUP, Director General (Labour Welfare)/Jt Secy. नई दिल्ली, 12 नवम्बर, 2008

का,आ. 3200.-कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (१९४४ का ३४) को धारा-। को उप धारा-(३) द्वारा प्रदत्त शक्तियाँ का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतदृद्वारा । दिसम्बर, 2008, को उस तारीख के रूप में नियत करतो है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय-4 (44 व 45 धारा के सिवाय जो पहले से प्रवृत्त हो चुकी है) अध्याय-5 और 6 [भारा-76 की उप धरर (+) और धारा-77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत की जा चुकी है] के उपबन्ध उत्तर प्रदेश के निम्नलिखित क्षेत्रों में प्रवृत होंगे, अर्थात् :-

	राजस्य परगना	राजस्व तहसील	जिला
।. लहरगिर्द	झांसी	झांसी	झांसी
?. भगवन्त पुरा	झांसी	झांसो	झांसी
3. कोझ भावर	झांसी	झांसी	झांसी
4. करारी	झांसी	झांसी	कासी
5. पिछोर	झांसी	झाँसो	झांगी
6. करगवा	झांसी	<u> झांसी</u>	्रझांसी

[सं. एम. ३४०।३/4३/200४-एस.एस. 1]

एस. डी. जेवियर, अदर सचिव

New Delhi, the 12th November, 2008

S.O. '3200.— In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 1 of the Employee' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby appoints the 1st December, 2008 as the date on which the provisions of Chapter IV (except Sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapter V and VI (except sub-section (i) of Section 76 and Sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force] of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Uttar Pradesh namely:—

Revenue Village	Revenue Pargana	Tehsil	District
Lehar Gird	Jhansi	Jhansi	Jhansi
2. Bhagwantpura	Jhansi	Jhansi	Jhansi
3. Kochha Bhawar	Jhansi	Jhansi	Jhansi
4. Karai	Jhansi	Jhansi	Jhansi
5. Pichhor	Jhansi	Jhansi	Jhansi
6. Kargawan	Jhansi	Jhansi	Jhansi

[No. S-38013/43/2008-SS.I]

S. D. XAVIER, Under Secy.

नई दिल्ली, 19 नवम्बर, 2008

का.आ. 3201.—ंकर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा । की उप धारा—(3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतरद्वारा । दिसम्बर, 2008, को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उबत अधिनियम के अध्याय—4 (44 व 45 धारा के सिवाय जो पहले से प्रवृत हो चुकी है) अध्याय—5 और 6 [धारा 76 की उप धारा (1) और धारा 77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत को जा चुकी है] के उपबन्ध उड़ीसा राज्य के निम्नलिखित क्षेत्रों में प्रवृत होंगे, अर्थात् :—

"अधिनियम के उक्त प्रावधान जिन क्षेत्रों में पहले ही लागू किए जा चुके हैं उनको छोड़कर गंजाम जिले में बरहमपूर की म्युनिसिपल सीमाओं के क्षेत्र इसमें शामिल हैं, तथा

- गंजाम जिले में बरहमपुर तहसील के अंतर्गत रत्नपुर, शंकरपुर, मर्दराञ्चपुर सुंदरराजपुर, अंकुशपुर, सानकुशस्थली के राजस्य गाँव
- गंजाम जिले में छत्रपुर तहसील के अंतर्गत रघुनाथपुर, नरेन्द्रपुर के राजस्य गांव
- गंजाम जिले में कोणियो तहसील के अंतर्गत हलदीआपदर, रक्षभा, कोणियी, हिन्जलापल्ली के राजस्व गाँव शामिल हैं।"

[सं. एस. 38013/44/2008-एस.एस. 1]

एस. डी. जेबियर, अवर सचिव

New Delhi, the 19th November, 2008

S.O. 3201.— In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby appoints the 1st December, 2008 as the date on which the provisions of Chapter IV (except Sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapter V and VI [except sub-section (i) of Section 76 and Sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force] of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Orissa. namely:—

"The areas comprising of the Municipal limits of Behrampur in the district of Ganjam except the areas in which the said provisions of the Act have already been brought into force" and

- The revenue villages of Ratanpur, Sankarpur, Mardarajpur, Sundararajpur, Ankushpur, Sanakusastali under the Tehsil Behrampur in the District of Ganjam.
- 2 The revenue villages of Raghunathpur, Narendrapur under Tehsil Chatrapur in the District of Ganjam, and
- The revenue villages of Haladiapodar, Ralava, Konisi, Hinjalapalli under Tehsil of Konisi in the District of Ganjam.

[No. S-38013/44/2008-SS.I]

S. D. XAVIER, Under Secy.

नई दिल्ली, १९ नकम्बर, 2008

का.आ. 3202. कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 1 की उप-धारा (3) द्वारा प्रदेश शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतदद्वारा 1 दिसम्बर, 2008, को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम के [अध्याय-4 (44 व 45 धारा के सिवाय जो पहले से प्रवृत हो चुकी है) अध्याय-5 और 6 धारा 76 की उप धारा (1) और धारा 77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले हो प्रवृत की जा चुकी है] के उपयन्थ तमिलनाडु राज्य के निम्मलिसित क्षेत्रों में प्रवृत होंगे, अर्थात्ः

केन	
1 .	2
गोपिचेटिटग <i>ः स</i> म् तालुक ,	ा. घोरपाण्डी-गापी टाउन
ईरोड जिला व गोपि चटिटपालयम क्षेत्र	2. परियूर
	3. चोषमादेविवकरै
	4. आलुक्कुलै (क)
•	5. आलुक्कुलै (ख)
	६ मोडचूर
	7. कुल्लम्यालयम
	८ कलीजियम (क)

following areas in the State of Tamil Nadu namely

1 2	Centre Name	Areas Comprising the revenue with gen of
9. क्लॅंजियम (खः		
10. लक्कम्पटरी	Gopichettipalayam area	! Vverapandi-Cop/ Toxin
आदि को अंतर्गत अपने	Gopichettipalayam Talak.	C. Proper
वाले राजस्व गांव	Erode district	3. (Toolumadevikkarai
[सं. एस. 38013745/2008-एस एस 1]		(Alekkobá (A)
एस. डी. जेवियर, अत्रा म्यंनाय		S. Alokkulai (B)
New Delhi, the 19th November, 2008		5. Mislaghia
S.O. 3202. In exercise of the powers contented		
by sub-section (3) of Section 1 of the Employee State		7. Kullampalayani
Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby appoints the 4st December, 2008 as the date on		8. Kalaojiuo (A)
which the provisions of Chapter IV (except Sections 4)		9 Kalaajame(B)
and 45 which have already been brought into force) and		
Chapter V and VI [except sub-section (i) of Section 76 and		in Paylandada
Sections 77, 78, 79 and 84 which have already been brought into force] of the said. Act shall come into force in the		[No. \$-38033 43:2008-851]

S.D. NAVILLE Coder Sec.